ANNUAL REPORT
वार्षिक रिपोर्ट
2021-2022

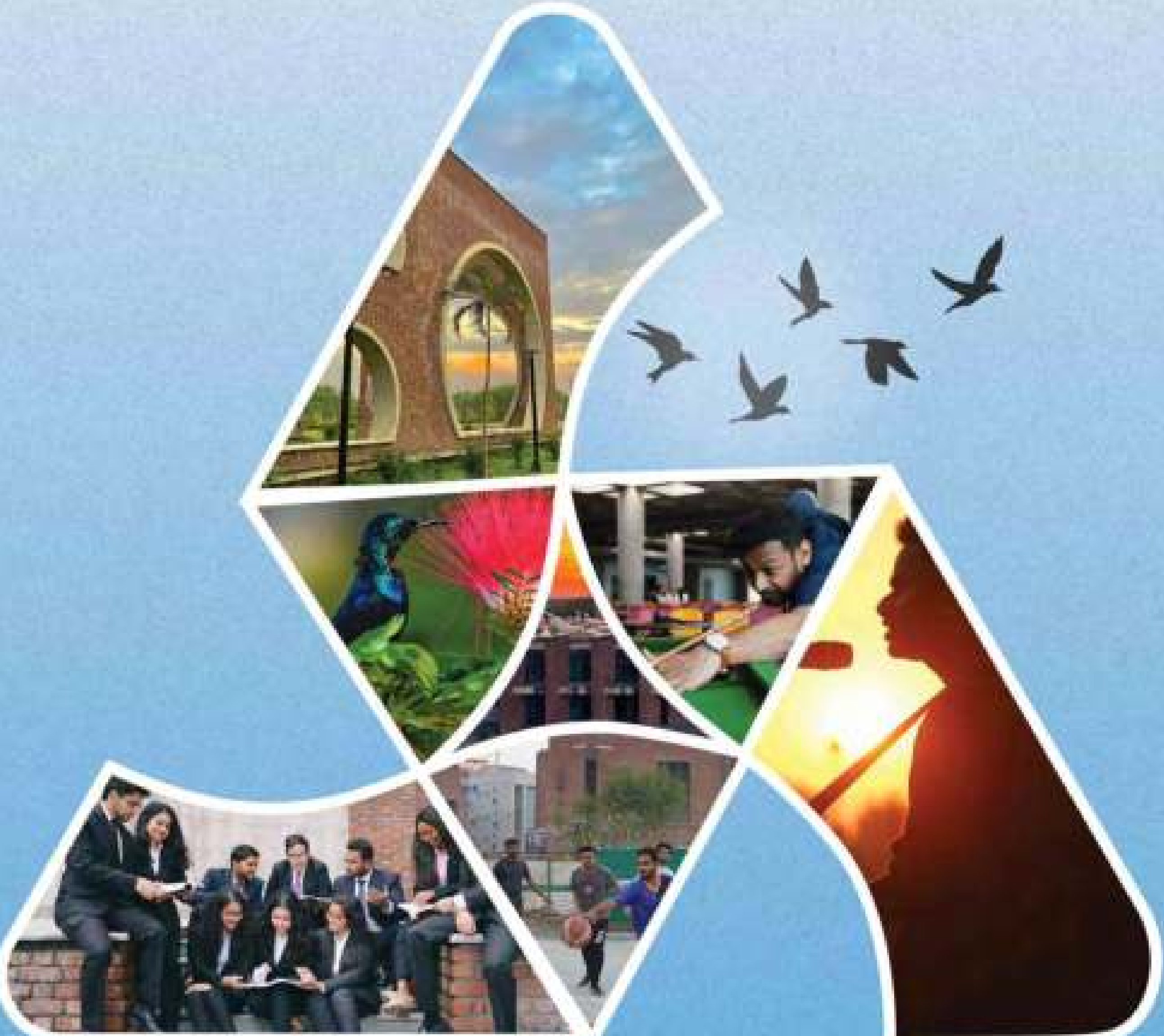

INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT KASHIPUR

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

विषय सूची

02
संस्थान के बारे में

04
निदेशक की कलम से...

09
शैक्षणिक कार्यक्रम
मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)
मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एनलिटिक्स)
एक्सिक्युटिव एमबीए (ईएमबीए)
डॉक्टोरल कार्यक्रम

31
ग्रीष्मकालीन अवस्थापन प्रतिवेदन

36
अंतिम प्लेसमेंट रिपोर्ट

42
एक्सिक्युटिव / प्रबंधन विकास कार्यक्रम
ऑनलाइन सर्टिफिकेट कार्यक्रम
कस्टमाइज़्ड मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स

47
अंतर्राष्ट्रीय संबंध

48
उत्कृष्टता के केन्द्र
सार्वजनिक नीति एवं सरकार में उत्कृष्टता का केन्द्र
डिज़ाइनिंग का नवाचार केन्द्र
उद्यमिता विकास एवं नवाचार का केन्द्र

58
ज्ञानार्जन संसाधन केन्द्र

63
आईसीटी आधारभूत संरचना

64
संकाय एवं शैक्षणिक कार्यक्रम

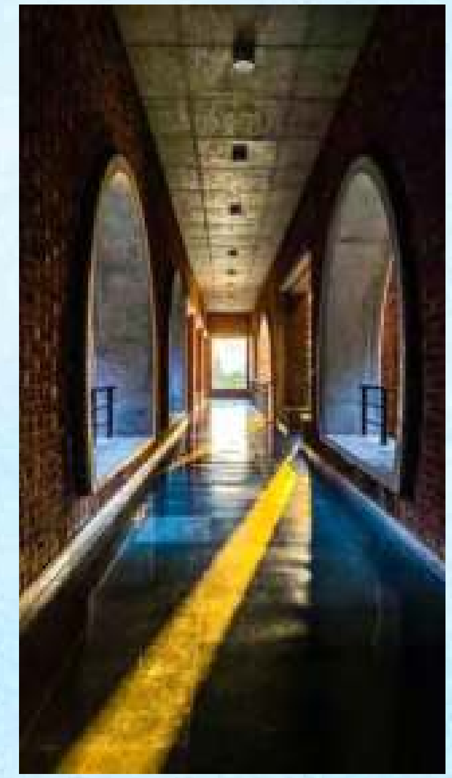

89
शैक्षणिक क्लब

74
छात्र गतिविधियाँ

68
अनुसंधान
अनुसंधान प्रकाशन

75
समितियां

106
प्रकोष्ठ

109
टीम

112
कार्यक्रम/गतिविधियां

113
आंतरिक शिकायत समिति का प्रतिवेदन

114
संकाय पदों के लिए विशेष नियोजन अभियान

117
लेखा-परीक्षण प्रतिवेदन एवं वार्षिक लेखा 2021-2022

हमारे बारे में

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर आईआईएमों के उच्च वर्ग का एक संस्थान है। इसकी स्थापना का उद्देश्य छात्रों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरूकता के गुणों को जागृत करते हुए गुणवत्तापूर्ण प्रशासन प्रदान करना है। इसने जुलाई 2011 में संचालन प्रारम्भ किया। छात्रों को सामाजिक परिवर्तनों के अनुसार उच्च-कोटि की प्रबंधन शिक्षा के लक्ष्य के साथ इस संस्थान की स्थापना की गई थी। इसका लक्ष्य नवीकृत शिक्षण पद्धतियों के उपयोग, उच्च कोटि के अनुसंधान एवं सतत नेतृत्व को प्रोत्साहन देकर प्रबंधन शिक्षण में उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

यह संस्थान प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है, जिससे शैक्षणिक सूक्ष्मता को एक सम्पूर्ण अनुभव प्राप्त होता है। जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान से मात्र 25 कि.मी. की दूरी पर स्थित इसका 200 एकड़ का परिसर, हिमालय की गोदी में बसे शांत शहर काशीपुर में किलकारियाँ और खुशियां बिखेरता रहता है। संस्थान एक अत्यंत सघन औद्योगीकृत जिले में भी बसा हुआ है, जिसके आसपास के क्षेत्रों में 180 उद्यमों ने अपने संयंत्र स्थापित किये हुए हैं। जहाँ तक नियमित औद्योगिक संबंधों एवं सजीव परियोजनाओं के माध्यम से 'करके सीखने' की बात है, यह रणनीतिक/विशिष्ट भौगोलिक स्थिति आईआईएम काशीपुर को एक सुविधाजनक स्थान प्रावधानित करती है।

विज़न

एक ऐसा श्रेष्ठ संस्थान होना, जो कि प्रबंधन अनुसंधान एवं शिक्षा प्रदान करने में सहायक हो तथा परिवर्तनशील विश्व में सकारात्मक सामाजिक प्रभाव का सृजन करने वाले अग्रणियों को विकसित करे।

मिशन

यह संस्थान प्रबंधन के विभिन्न उभरते क्षेत्रों में बहु-विधा अनुसंधान एवं विधियों के माध्यम से ज्ञान के सृजन एवं प्रसार करने का प्रयास करता है। संस्थान, सामाजिक तौर पर जागृत, योग्य एवं नैतिकतापूर्ण नेतृत्वकर्ताओं व अनुसंधानकर्ताओं का विकास करता है, जो कि तर्कसंगत सोच, नवीनीकरण एवं उद्यमिता से परिपूर्ण हो तथा साथ ही समावेशी प्रकृति एवं एकाग्रता सहित क्षेत्रीय विकास व अंतर्राष्ट्रीयकरण, दोनों पर ध्यान केंद्रित करने वाले हों।

बुनियादी मूल्य

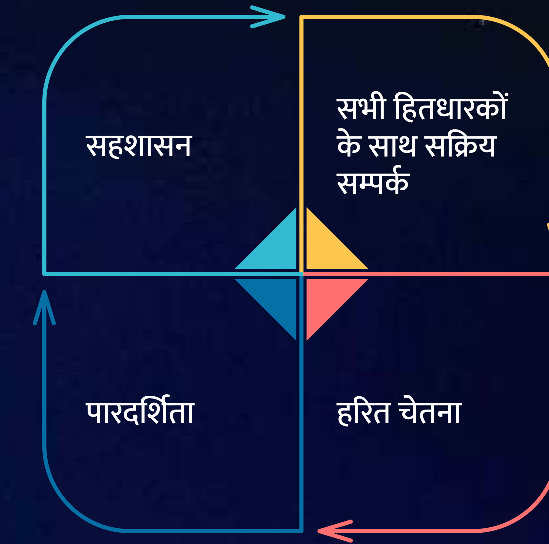

निदेशक का संदेश

> *आईआईएम काशीपुर देश का प्रथम प्रबंधन विद्यालय है, जिसने एक्सक्युटिव एमबीए एनालिटिक्स एवं एमबीए एनालिटिक्स कार्यक्रम (फरवरी 2020 में प्रारम्भ) प्रस्तावित किया है। एनालिटिक्स में इन दो डिग्री देने वाले कार्यक्रमों की प्रस्तावना के द्वारा, आईआईएम काशीपुर ने इस उभरते क्षेत्र में अपना एक विशेष स्थान स्थापित किया है।*

यह संस्थान प्रबंधन के विभिन्न उभरते क्षेत्रों में बहु-विधा अनुसंधान एवं विधियों के माध्यम से ज्ञान के सृजन एवं प्रसार करने का प्रयास करता है। यह संस्थान, सामाजिक तौर पर जागृत, योग्य एवं नैतिकतापूर्ण नेतृवृंद व अनुसंधानकर्ता विकसित करता है, जो कि महत्वपूर्ण सोच, नवीकरण एवं उद्यमिता के योग्य हो तथा साथ ही में समावेशी प्रकृति एवं एकाग्रता सहित क्षेत्रीय विकास व अंतर्राष्ट्रीयकरण, दोनों पर ध्यान दें।

जब आईआईएम काशीपुर ने एक दशक पूर्व अपना कामकाज प्रारम्भ किया था, तो यह सोच थी कि एक ऐसा संस्थान स्थापित हो, जो कि शैक्षणिक सूक्ष्मता के प्रावधान के सहित, उभरती औद्योगिक प्रवृत्तियों के समरूप हो, सामाजिक परिवर्तन लाए तथा उद्यमिता व सहयोगात्मक विकास का अग्र-दूत हो। अब जब हम अपने दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, हम अपने प्रयासों को दुगुना करेंगे तथा संस्थान एवं इसके अंशधारकों, दोनों के लिए तीव्र सामग्रिक विकास की यात्रा पर अग्रसर होंगे।

मैं, वर्ष 2021-2022 के दौरान हमारी उल्लेखनीय उपलब्धियों पर सगौरव एक टिप्पणी प्रस्तुत करता हूँ।

एक व्यावसायिक प्रबंधन विद्यालय के तौर पर, हम उद्योग की मांगों की निरंतर पूर्ति करते रहे हैं। दिसम्बर 2021 में, आईआईएम काशीपुर ने एक्सक्युटिव मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स का प्रथम बैच प्रारम्भ किया था। आईआईएम काशीपुर देश का प्रथम प्रबंधन विद्यालय है, जिसने एक्सक्युटिव एमबीए एनालिटिक्स एवं एमबीए एनालिटिक्स कार्यक्रम (फरवरी 2020 में प्रारम्भ) प्रारम्भ किये हैं। एनालिटिक्स में इन दो डिग्री कार्यक्रमों की शुरुआत करके आईआईएम काशीपुर ने इस उभरते क्षेत्र में अपना एक विशेष स्थान स्थापित किया है।

महामारी ने हमें अपने एक्सक्युटिव शिक्षण की रणनीतियों को पुनर्गठित करने का एक नया अवसर प्रदान किया। समुचित विचार एवं चर्चाओं के बाद, हमारा दृढ़ विश्वास पनपा कि एनालिटिक्स में दो-वर्षीय एक्सक्युटिव एमबीए कार्यक्रम प्रारम्भ करने की बड़ी आवश्यकता है, जिससे अपने कार्य-जीवन के मध्य-काल वाले एक्सेक्यूटिव्स को भी लाभ हो सके। इस कार्यक्रम में दो वर्षों में छः सत्रों के दौरान 900 सम्पर्क घंटों की अवधि होगी। प्रत्येक सत्र से पूर्व एक परिसर समाहन एवं ज्ञान-अर्जन मॉड्यूल होगा। पहले तीन सत्रों में बुनियादी पाठ्यक्रम हैं, जबकि चौथे, पाँचवे एवं छठे सत्रों में बुनायदी एवं चयनित पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम प्रतिभागी को विश्लेषण एवं प्रबंधन की अवधारणाओं से परिचित एवं सम्पन्न करेंगे। इस मिश्रित शिक्षार्जन कार्यक्रम द्वारा इच्छुक अभ्यर्थियों को तकनीकी कौशल, व्यापार के मूल तत्वों, प्रबंधन की कार्यप्रणालियों, नेतृत्व एवं रणनीति, तथा व्यापारिक विश्लेषण के लिए आवश्यक आधुनिक कौशल के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके साथ ही, प्रतिभागियों को उद्योग 4.0 में सफल होने के लिए अंतर-कार्य कौशलों से सम्पन्न किया जाएगा।

हमारा प्रयास होगा कि हम अपनी विश्लेषण-आधारित गतिविधियों को बढ़ा कर अधिकाधिक पेशेवर लोगों तक अपनी पहुँच बनाएँ, जो कि बिग डाटा एंड एनालिटिक्स पर 60 से 90 घंटों के ऑनलाइन कार्यक्रमों की लोकप्रियता से सुस्पष्ट है।

एक राष्ट्रीय संस्थान होने के कारण, हमारे बुनियादी दायित्वों में ज्ञान-सृजन के क्षेत्र में अग्रणी होना शामिल है। हमारे संकाय सदस्य एवं डॉक्टोरल छात्र अनेक प्रकार के रोचक एवं महत्वपूर्ण मुद्दों पर अनुसंधान करते हैं, जिनका प्रख्यात विद्वतापूर्ण पत्रिकाओं में प्रकाशन होता है। पिछले दो वर्षों में अनुसंधान गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। हमने, इस क्षेत्र में द्रष्टव्य वृद्धि हासिल की है, विशेष कर पिछले वर्ष की तुलना में। स्कोपस डाटाबेस, अनुसंधान प्रकाशनों की गुणवत्ता के निर्धारण हेतु विख्यात डाटाबेस, के अनुसार, प्रकाशनों की संख्या वर्ष 2020 की तुलना में 57 से बढ़ कर 2021 में 95 पहुँच चुकी है। सन 2019 में यह संख्या 25 थी। यहाँ पर यद दर्शाना आवश्यक है कि, वर्ष 2021 में 95 अनुसंधान प्रकाशनों में से 37 वर्ग ए एवं ए* की पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए थे, जबकि सन 2020 में इनकी संख्या 23 थी। दूसरी ओर, स्कोपस डाटाबेस के अनुसार, हमारे अनुसंधान प्रकाशनों पर उद्धरणों की संख्या सन 2018 में 131 से बढ़ कर सन 2020 में 352 तथा सन 2021 में 721 पहुँच चुकी है। अनुसंधान ना केवल हमारे संकाय सदस्यों एवं डॉक्टोरल छात्रों द्वारा किए गए मूल कार्यों दर्शाता है, बल्कि यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड मूल्य को बढ़ाने का महत्वपूर्ण स्त्रोत है।

> *मैं इस बात पर विशेष रुप से जोर देना चाहूँगा कि संस्थान के अध्यक्ष एवं निदेशक मंडल ने, सन 2020 से प्रभावी तौर पर, दूरदर्शी उपाय किए हैं, ताकि आईआईएम काशीपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाया सके, जिसमें ज्ञान-सृजन पर अधिक एकाग्रता पर मांग की जाती हो। अनुसंधान कार्य बड़े तौर पर अनुसंधान-वातावरण पर निर्भर होते हैं। हम, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान का प्रसार, स्वीकृति एवं मूल्यांकन करते हैं।*

वर्ष 2021-22 के दौरान हमारे संकाय सदस्यों के अनुसंधान कार्य का प्रकाशन करने वाले कुछ प्रख्यात पत्रिकाएँ हैं – ऐनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स, ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, कम्प्यूटर्स एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर्स एंड सिक्योरिटी, इंटरप्राइज़ इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, जेंडर, वर्क एंड ऑर्गनाइज़ेशन, ग्रुप एंड ऑर्गनाइज़ेशन मैनेजमेंट, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ कंन्ज़्यूमर स्ट्डीस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिव्यूस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनैन्स, इन्टरनेशनल रीव्यू ऑफ ईकोनॉमिक्स एंड फाइनैन्स, जर्नल ऑफ बिज़नेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, जर्नल ऑफ इन्टरप्राइज़ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज़्म मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ इन्टरनेशनल अकाउंटिंग, ऑडिटिंग एंड टैक्सेशन, जर्नल ऑफ इन्टरनेशनल फाइनैन्शियल मार्केट्स, इन्स्टिट्यूशंस एंड मनी, जर्नल ऑफ रिटेलिंग एंड कन्ज़्यूमर सर्विसेस, जर्नल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज़्म, रिसर्च – टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट, टूरिज़्म इकोनॉमिक्स एंड टूरिज़्म मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव्स।

आईआईएम काशीपुर ने सन 2020 के बाद से डॉक्टोरल छात्रों की भर्ती की संख्या में वृद्धि की है। सन 2021 में, डॉक्टोरल कार्यक्रम में 20 छात्र भर्ती हुए थे, जिसमें लैंगिक अनुपात लगभग 50:50 का था। अभी हमारे पास विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े पूर्णकालिक डॉक्टोरल छात्रों की कुल संख्या 49 है। डॉक्टोरल छात्रों की संख्या में वृद्धि ने जीवंत डॉक्टोरल छात्र-समुदाय की सृष्टि की है। हमारे डॉक्टोरल कार्यक्रम की संरचना ऐसी है, जिसमें छात्रों को अनुसंधान एवं महत्वपूर्ण कौशल तथा निपुणता प्रदान करने पर व्यापकतापूर्वक ध्यान केन्द्रित किया जाता है, जिससे वे विभिन्न अनुसंधानात्मक समस्याओं को चिह्नित कर सकें एवं उनकी गवेषणा कर सकें। डॉक्टोरल के छात्र, अपनी शोध-ग्रंथ सलाहकार समितियों के उचित मार्गदर्शन से, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान-कार्यों से जुड़े हुए हैं, जिनके उच्च कोटि की पत्रिकाओं में प्रकाशन पर जोर दिया जाता है। जिन डॉक्टोरल छात्रों ने 2021-22 में अपने शोध-निबंधों की रचना की थी, उनमें से 14 पत्रों को ए-वर्ग की पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया है। ऐसी प्रख्यात पत्रिकाएं, जिनमें हमारे डॉक्टोरल छात्रों के प्रबंध प्रकाशित हुए हैं, उनमें हैं - जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ बैंक मार्केटिंग, जर्नल ऑफ कन्ज़्यूमर मार्केटिंग, जर्नल ऑफ इन्टरप्राइज़ इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट, जर्नल ऑफ इन्टरनेट कॉमर्स, पर्सोनिल रिव्यू, जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, कम्प्यूटर्स एंड सिक्योरिटी तथा इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट एवं अन्य।

वर्ष 2021-22 में, पाँच डॉक्टोरल छात्र, लोकेश पोस्ती, हौसला सिंह, कमल सांगुरी, अतनु भुइयाँ एवं हिमांशु शर्मा ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ पत्रों के पुरस्कार प्राप्त करके हमारे संस्थान के लिए प्रतिष्ठा अर्जित की है।

मैं इस बात पर विशेष रूप से जोर देना चाहूँगा कि संस्थान के अध्यक्ष एवं निदेशक मंडल ने, सन 2020 से प्रभावी तौर पर, दूरदर्शी उपाय किए हैं, ताकि आईआईएम काशीपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाया सके, जिसमें ज्ञान-सृजन पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाये। अनुसंधान कार्य बड़े तौर पर अनुसंधान-वातावरण पर निर्भर होते हैं। हम, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान का प्रसार, स्वीकृति एवं मूल्यांकन करते हैं।

वर्ष 2020-22 का उपाधि प्राप्त करने वाला बैच, ऐसा पहला तथा सम्भवतया अंतिम बैच रहा है, जिसने अपने लगभग पूरे कार्यक्रम को वर्चुअल विधि से पूरा किया था। वर्चुअल शिक्षा विधि में, छात्रों एवं संस्थान, दोनों के लिए अभूतपूर्व चुनौतियाँ रही हैं। पर, छात्रों ने इसे बड़ी अच्छी तरह से सम्हाला तथा अच्छे परिणाम प्राप्त किए । छात्र शैक्षणिक समिति ने ऑनलाइन एवं हाइब्रिड कक्षाओं के सफलतापूर्वक संचालन में सहायता प्रदान की । इन्होंने अन्य समितियों के साथ मिलकर ऑनलाइन माध्यम का लाभ लेते हुए 60+ कॉरपोरेट अतिथियों के व्याख्यानों का आयोजन किया था, जिससे ऑनलाइन माध्यम द्वारा कॉरपोरेट जगत को इस परिसर के सर्वश्रेष्ठ रूप से परिचित कराया जा सका।

वर्ष 2021-22 के दौरान, हमारे छात्रों ने 120 कॉरपोरेट क्षेत्र की प्रतियोगिताओं एवं देश के विभिन्न प्रबंधन विद्यालयों द्वारा आयोजित 40 प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। अपनी परम्परा को जारी रखते हुए, छात्रों ने डेयर2कॉम्पीट मंच पर सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के साथ प्रतिस्पर्धा करके तथा वर्चुओसा, दाउ-सेन्ट्रिक, वेलस्पन एवं अन्य राष्ट्र-स्तरीय प्रतियोगिताओं को जीत कर अपनी काबिलियत प्रदर्शित की है। डेयर2कॉम्पीट कॉम्पीटिव बी-स्कूल लीडर्स 2022 में सर्वश्रेष्ठ 100 में स्थान प्राप्ति पर, मैं, हमारे पाँच छात्रों द्वारा शानदार सफलता अर्जित करने हेतु, अरसलान अहमद, देवांश कापरी, रक्षा अग्रवाल, साक्षी पोद्दार एवं सप्तर्षि चकर्वर्ती की ओर ध्यानाकर्षित करना चाहूँगा। इसके अलावा, हमारी छात्राएँ, रक्षा अग्रवाल एवं साक्षी पोद्दार, डेयर2कॉम्पीट कॉम्पीटिव बी-स्कूल टॉप-10 वीमेन लीडर्स 2022 में सबसे ऊपरी स्थान प्राप्त करके अग्रणी बनी हुई हैं। हमारे छात्र, पुलकित सिंघल एवं रोशन कुमार बिस्वाल भी दुबई टैक्सी कॉर्पोरेशन एवं मिडलसेक्स इनसाइट्स लैब द्वारा आयोजित इन्टरनेशनल हैकेथॉन के फाइनल्स के प्रतिभागी रहे हैं।.

हमारा देहरादून का परिसर, विभिन्न केन्द्रीय स्वायत्त संस्थाओं एवं संगठनों, विशेष कर देहरादून व उसके आसपास स्थित संस्थाओं जैसे अंशधारकों के साथ हमारे संस्थापनात्मक संबंधों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देहरादून परिसर के हमारे एक्सक्युटिव एमबीए के छात्र अपने-अपने संगठनों में ब्रांड आईआईएम काशीपुर का प्रसार कर रहे हैं।

> *संस्थान को स्थानीय समुदायों एवं संठनों तक पहुँचने में संस्थान को सक्षम कर, हमारे उत्कृष्टता के केन्द्र हमारे विज़न एवं मिशन की पूर्ति करने में सहयोग करते हैं।*

आईआईएम काशीपुर के इतिहास में उत्कृष्टता, नेटवर्किंग एवं प्रभावशाली प्लेसमेंट (नियोजन) के हिसाब-किताब के अनेक अध्याय हैं। सन 2022 की कक्षा ने बहुत शानदार नियोजन हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष से भी बेहतर है। अपने 322 छात्रों सहित, सन 2022 की कक्षा अभी तक नियोजित सबसे बड़ी कक्षा रही है। इस वर्ष में एमबीए (एनालिटिक्स) के प्रथम बैच का नियोजन भी हुआ है। हमारे एमबीए एवं एमबीए (एनालिटिक्स) के स्नातक बैच के छात्रों को 365+ से अधिक नियोजन एवं 50+ के पूर्व-नियोजन तथा पूर्व-नियोजन साक्षात्कार के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। आईआईएम काशीपुर के लिए यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ नियोजन सत्र रहा है, जो कि सन 2021 के रु. 14.05 लाख की औसत सीटीसी की अपेक्षा इस वर्ष में रु. 15.21 लाख तक की हुई वृद्धि तथा अंत:स्थ सीटीसी में रु. 12.72 लाख से रु. 14.82 लाख तक की हुई वृद्धि से स्पष्ट है। हमारा प्राथमिक उद्देश्य कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुसार, छात्रों की रुचि एवं उनकी विशेष योग्यताओं को ढालना है। पिछले वर्ष की तुलना में, इस वर्ष मानव संसाधन एवं प्रचालन के क्षेत्रों में अवसरों में वृद्धि हुई है। पर, वर्ष 2022 की कक्षा के लिए सबसे इच्छित क्षेत्र रहे हैं – आईटी एवं एनालिटिक्स, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ एवं बीमा तथा सलाहकारिता।

जैसे-जैसे हम विकसित हो रहे, हमारे लिए अपने भूतपूर्व छात्रों के साथ सम्पर्क स्थापित करना अतिआवश्यक हो गया है। संस्थान के प्रारम्भिक वर्षों में व्यावसायिक जगत में उनके प्रयास एवं उनकी साख के कारण ही अब हमारे छात्र प्रख्यात नियोजकों को हमारी ओर आकर्षित करते हैं। सन 2021–22 में, संस्थान ने अपने भूतपूर्व छात्रों के साथ वर्चुअल माध्यम से पुनर्मिलन आयोजित किया था, जिसमें उनसे वर्तमान बैच के छात्रों के लिए अधिक अवसरों एवं भूतपूर्व छात्रों के साथ मेल-मिलाप के बारे में बहुमूल्य सुझाव प्राप्त हुए थे। इनके अलावा, हम अनेक प्रकार की पहलें, जैसे कि – मेन्टॉरशिप कार्यक्रम, एआई-स्पीक अतिथि व्याख्यान श्रृंखलाओं एवं एआई-प्रेप वेबिनार सत्रों का आयोजन किया जाता है, ताकि हम अपने भूतपूर्व छात्रों तक पहुँच सकें तथा उनमें से विभिन्न गतिविधियों द्वारा अंशदान करने वाले प्रतिष्ठित भूतपूर्व छात्रों को सम्मानित किया जा सके।

इस बात को मानते हुए कि, एक्सक्युटिव शिक्षण की प्रणाली अब ऑफलाइन से ऑनलाइन पद्धति में परिवर्तित होगी, सन 2021-22 में हमने अपने एक्सक्युटिव शिक्षण की प्रणाली का विस्तरण, 60 से 180 घंटे वाले एवं छ: माह से एक-वर्षीय ऑनलाइन द्वारा प्रस्तावित अल्पावधि एवं दीर्घकालिक सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के रूप में किया है। इस प्रकार से एक्सक्युटिव शिक्षण के विस्तरण का सबसे अच्छा अंश यह है कि, मेरे संकाय सदस्य मित्रों ने सामूहिक रूप से प्रत्येक क्षेत्र की शिक्षण-शक्ति के आधार पर सृजित किया एवं बहु-विधा कार्यक्रमों को प्रस्तावित किया है। लोकप्रिय एक-वर्षीय सर्टिफिकेट कार्यक्रमों में हैं – एडवांस्ड मार्केटिंग स्ट्रैटेजी एंड एनालिटिक्स, जेनरल मैनेजमेंट, ऑपरेशंस एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट तथा स्ट्रैटजी एंड लीडरशिप।

इस वर्ष, दो सम्मानित साझेदारों के हमारे साथ जुड़ने के कारण हमारे अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को नई शक्ति मिली है। सर्वप्रथम, ब्रुनेल युनिवर्सिटी, लंदन के साथ, आपसी रुचि के क्षेत्रों में शोध-सहयोगिता के प्रसार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विकसित कर उन्हें प्रदान करना तथा डिग्री कार्यक्रमों में सहयोगिता करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ था। फिर, सीरीक्यूस युनिवर्सिटी के साथ, कोलैबोरेटिव इमर्शन प्रोग्राम को विकसित एवं प्रस्तावित करने तथा आईआईएम काशीपुर के डिज़ाइन एंड इनोवेशन सेंटर एवं अर्ल वी. श्नाइडर इनोवेशन मैनेजमेंट सेंटर ऑफ व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेट के बीच सहयोगिता उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ था। संस्थान अपने अंतर्राष्ट्रीय संबंधो का विस्तार छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम से आगे बढाकर उसमे शोध-सहयोगिता एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को शामिल करने को प्रयासरत है

स्थानीय समुदायों एवं सगठनों तक पहुँचने में संस्थान को सक्षम कर, हमारे उत्कृष्टता के केन्द्र हमारे विज़न एवं मिशन की पूर्ति करने में सहयोग करते हैं। हमारे तीन उत्कृष्टता के केन्द्र हैं – दि फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड इन्टरप्रिनियरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी), नवाशय – द डिज़ाइनिंग का नवाचार केन्द्रतथा सेंटर फॉर एक्सलेंस इन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट।

एफआईईडी, जो कि आईआईएम काशीपुर एक इनक्यूबेशन केंद्र है , एक धारा 8 की कम्पनी है, जो 9 मार्च 2018 में कम्पनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित हुई थी। इसका सम्पूर्ण स्वामित्व एवं स्थापना स्थल आईआईएम काशीपुर का है। यह भारत में उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण एवं सुदृढ़ीकरण करने की ओर की गई एक पहल है।

एफआईईडी का बहुत तेजी से विकास हो रहा है। वर्तमान में, एफआईईडी में 74 सम्भवनापूर्ण स्टार्ट-अप का लालन-पालन (इन्क्युबेशन) हो रहा है। एफआईईडी का दृढ़ संकल्प है कि देश के ऐसे प्रत्येक व्यक्ति की सहायता की जाए, जो उद्यमिता को अपना कैरियर बनाना चाहता हो अथवा उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र में भूमिका निभाने को इच्छुक हो। वर्ष 2021–2022 को एफआईईडी के लिए असाधारण कहा जा सकता है। कोविड-19 की लगातार पनपती लहरों से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, एफआईईडी ने उत्तराखंड में विशेष तौर पर तथा सामान्यतया भारत भर के स्टार्टअप के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किया है।

एफआईईडी द्वारा व्यापक रूप से कृषि-तकनीकी एवं कृषि-व्यवसाय के स्टार्टअपों पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की इनक्यूबेशन योजनाओं को चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वार्षिक इनक्यूबेशन योजना में 26 असाधारण कृषि स्टार्टअप शामिल हैं।

> *आईआईएम काशीपुर अपनी तरह अनूठा है, जो कि अपने विज़न (सोच) के अनुसार लैंगिक समानता, सामाजिक समाहन, तथा व्यापक सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रासंगिकता को मूल्य देता है, उन्हें प्रोत्साहन देता एवं अपनाता है।*

अक्टूबर 2021 में, एफआईईडी को स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के लिए चुना गया था, जो कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार के प्रसार का विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत है तथा प्री-सीड एवं सीड (बीज) कोष के माध्यम से स्टार्टअपों को उनके उत्पादों के वाणिज्यीकरण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इससे एफआईईडी तीन वर्षों में स्टार्टअपों को रु. 5 करोड़ की निधि की स्वीकृति देने में सक्षम हुआ है।

इसके अलावा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत आयोजित, प्रशिक्षित एवं मेन्टॉर किये गए समूह में, उन्नत प्रौद्योगिकीय क्षेत्रों में कार्यरत 36 स्टार्टअप शामिल हैं।

एफआईईडी ने अगस्त 2021 में, देश भर की लगभग 150 महिला उद्यमियों के लिए एक एक-सप्ताह व्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें से 17 महिला उद्यमियो का इनक्यूबेशन एफआईईडी में ही हुआ था।

नवाशय, आईआईएम के डिज़ाइन नवीकरण केन्द्र ने टॉय टेल्स 2021 – एक राष्ट्रीय स्तर की खिलौने की डिज़ाइन की प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस प्रतियोगिता की स्थापना राष्ट्र के युवाओं को भारत की नैतिकता, संस्कृति एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित खिलौनों को विकसित करने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इससे हम आत्मनिर्भर खिलौना उद्योग की ओर एक और कदम आगे बढ़ सकेंगे। इसमें मानव-वन्यजीवन संघर्ष को घटाने हेतु परित्राणय प्रकृति के प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक परीक्षण भी किया गया था।

एफआईईडी एवं नवाशय के नेतृत्व में, नवीकरण के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने की हमारी मंशा इस तथ्य से स्पष्ट होती है कि, सन 2021 में, शिक्षा मंत्रालय के नवीकरण कक्ष ने संस्थानों की नवीकरण समिति (आईआईसी) में आईआईएम काशीपुर को एक तीन-सितारा संस्थान का स्थान दिया है।

सार्वजनिक नीति एवं सरकार पर हमारे उत्कृष्टता केन्द्र पिछले वर्ष अपनी गतिविधियों का विस्तार करते हुए , सार्वजनिक नीति पर एक डॉक्टोरल कार्यक्रयक्रम प्रारम्भ किया है। कार्यक्रम में छात्रों की भर्ती विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदान की गयी फेलोशिप द्वारा की गयी । इस केन्द्र ने कानून एवं न्याय मंत्रालय, भारत सरकार के साथ भी कार्य किया है, जिसने इसके कानूनी शिक्षा को जारी रखने की योजना के माध्यम से देश भर में वकीलों की गुणवत्ता में वर्धन के बारे में इसके प्रतिवेदन को स्वीकार किया है। हम आपको सहर्ष सूचित करते हैं कि भारत सरकार ने इस सार्वजनिक नीति एवं सरकार के केन्द्र को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार यूनियन, संयुक्त राष्ट्र की सभी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों से संबंधित मामलों की एक विशेषज्ञ एजेंसी के शैक्षणिक सदस्य बनने हेतु अपनी सहमति प्रदान की है। इस प्रकार से, आईआईएम काशीपुर देशभर का एकमात्र आईआईएम है, जिसे संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी में एक स्थान प्राप्त है।

आईआईएम काशीपुर अपनी तरह अनूठा है, जो कि अपने विज़न (सोच) के अनुसार लैंगिक समानता, सामाजिक समाहन, तथा व्यापक सामाजिक एवं पर्यावरणीय प्रासंगिकता को मूल्य देता है, उन्हें प्रोत्साहन देता एवं अपनाता है।

हमने सन 2020 में अपने एमबीए के पाठ्यक्रम की समीक्षा की है। सन 2020-22 के एमबीए का बैच नए पाठ्यक्रम का अनुभव करने वाला प्रथम बैच है। इसमें सृजनात्मक सोच, आपसी कौशलों एवं औद्योगिक कार्यशालाओं पर ध्यान देकर, छात्रों के कौशल में वर्धन करने एवं उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इसमें प्रायोगिक ज्ञान का अंश भी है, जिनके बारे में मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा। प्रायोगिक ज्ञान में एमबीए बैच 2020-22 के 55 समूह हैं, जिन्होंने 28 साझेदार संगठनों के साथ विभिन्न क्षेत्र-आधारित परियोजनाओं पर तीन विधाओं, मुख्यतया – ग्रामीण क्षमताओं को मुक्त करना, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) एवं सामाजिक उद्यमिता तथा पर्यावरणीय एवं सामाजिक व्यावसायिक प्रथा हैं। इस पहल में, छात्रों को छोटे एवं उभरते संगठनों के साथ पूरे वर्ष लगे रहना पड़ता है, जिनमें गैर लाभकारी संगठन भी होते हैं, ताकि उनकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सके एवं उन्हें टिकाऊ बनाया जा सके, क्योंकि उनमें इस प्रकार की सेवा को अन्यथा प्राप्त करने की क्षमता नहीं होती है।

कोविड की चुनौतियों के बावजूद, प्रायोगिक ज्ञान को अपनाने एवं मिश्रित ज्ञानार्जन के तरीके से प्रदान करने के लिए कई प्रकार के नवीकृत उपाय अपनाए गए थे। इससे छात्र जमीनी वास्तविकता से परिचित हो सके थे। इससे उनके सृजनात्मक समस्या-निवारण कौशल विकसित हुए, विशेष कर असंरचित परिस्थितियों में, तथा इससे वे ऐसे अनेक उप-क्षेत्रों में अपना योगदान कर सके, जिनमें सभी बुद्धिमान प्रबंधकों द्वारा ध्यान दिए जाने की आवश्यकता होती है। हमें विश्वास है कि 'अनुभव द्वारा' अथवा 'प्रायोगिक ज्ञान' एक महान शैक्षणिक उन्नति साबित होगा। हमारी योजना है कि प्रायोगिक ज्ञान के लिए एक ऐसा केन्द्र स्थापित किया जाए, जिससे अन्य व्यावसायिक विद्यालय एवं महाविद्यालय हमारे अनुभव एवं ज्ञान-सृजन से लाभान्वित हो सकें।

हमने अपने कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण विधा-विभिन्नता हासिल की है। साथ ही में, संस्थान ने वर्षों के दौरान विशेष रूप से प्रयास किया है कि हमारे दीर्घकालिक कार्यक्रमों में लैंगिक विविधता में वृद्धि हो। इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 2021 में, छात्राओं की संख्या बढ़ कर 61 हुई थी, जो कि आईआईएम काशीपुर के एमबीए कार्यक्रम अब तक के सभी बैचों में सबसे अधिक है। इसी प्रकार से, भर्ती हुई छात्राओं की संख्या एमबीए (एनालिटिक्स) 2021 में लगभग 50% है।

जरूरतमंद छात्रों के लिए छात्रवृत्ति एवं छात्र के प्रदर्शन पर इसके महत्व को समझते हुए तथा संस्थान की संस्कृति के अनुसार, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में एमबीए एवं एमबीए (एनालिटिक्स) के छात्रों के लिए 60 से भी अधिक छात्रवृत्तियाँ तीन वर्गों में: मेधा आधारित छात्रवृत्ति, जरूरत पर आधारित छात्रवृत्ति तथा मेधा-सहित-जरूरत पर आधारित छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इन छात्रवृत्तियों में 100% शैक्षणिक शुल्क माफी होती है।

हमने अपने कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण विधा-विभिन्नता हासिल की है। साथ ही में, संस्थान ने वर्षों के दौरान विशेष रूप से प्रयास किया है कि हमारे दीर्घकालिक कार्यक्रमों में लैंगिक विविधता में वृद्धि हो।

'स्वच्छ भारत' के प्रसार अभियान एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सृजित करने हेतु, शिक्षा मंत्रालय की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एमजीएनसीआरई) ने देश के प्रत्येक जिले के एक उच्च शिक्षा संस्थान को, स्वच्छता, जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा के उपयोग, हरित प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन तथा भूमि उपयोग प्रबंधन के लिए जिला ग्रीन चैम्पियन के रूप में चुना है। मैं आपको सहर्ष सूचित करता हूँ कि, आईआईएम काशीपुर ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की तथा परिसर एवं इसके आसपास के क्षेत्र में उदाहरणीय कार्य हेतु, इसे जिला ग्रीन चैम्पियन पुरस्कार 2021-22 के लिए चुना गया है। यह ध्यान देने योग्य है कि इस संस्थान ने पिछले दो वर्षों में 10,000 से अधिक पौधों का रोपण किया है।

अंत में, मैं वित्त वर्ष (वि.व.) 2021-22 के दौरान वित्तीय गतिविधियों की संक्षिप्त प्रस्तुति करता हूँ। हम यह बताना चाहते हैं कि, भारत सरकार ने वर्ष 2019-20 से संस्थान को कोई पूँजी अथवा राजस्व अनुदान देना बंद कर दिया है। इसलिए, यह संस्थान, अपने राजस्व एवं पूँजीगत व्ययों की पूर्ति के लिए स्व-अर्जित राजस्व का उपयोग करने को बाध्य है।

वि.व. 2021-22 के दौरान, इस संस्थान ने रु. 66.99 करोड़ का राजस्व अर्जित किया था, जो कि पिछले वर्ष रु. 62.51 करोड़ था। इस आय में से, अपनी गतिविधियों के माध्यम से संस्थानगत राजस्व अर्जन (आईआर जी) रु. 55.33 करोड़ था, जो कि 2020-21 में रु. 50.23 करोड़ था। वि.व. 2021-22 में संस्थान का सकल राजस्व व्यय रु. 48.86 करोड़ था। राजस्व व्यय के अलावा, वि.व. 2021-22 में, संस्थान ने पूंजीगत परिसम्पत्तियों के निर्माण पर रु. 10.98 करोड़ का व्यय किया है, जिसमें परिसर निर्माण एवं इसकी मौलिक सुविधाओं की बेहतरी के कार्य लिए किये जा राहे कार्य शामिल हैं। कुल मिला कर, संस्थान ने वि.व. 2021-22 में रु. 18.14 करोड़ का सकल राजस्व आधिक्य उत्पन्न किया। वि.व. के 2021-22 के राजस्व आधिक्य को जोड़ने पर, संस्थान की समग्र निधि रु. 149.60 करोड़ है।

संस्थान ने नए छात्रावासों (240 सीटर) एवं स्टाफ-आवासों का निर्माण-कार्य सन 2021-22 में प्रारम्भ किया है। यह कार्य सीपीडबल्यूडी को पुरस्कृत किया गया है। हमें आशा है कि यह आंतरिक वित्त-पोषित कार्य जून 2023 तक पूरा हो जाएगा।

इस प्रदिवेदन में संस्थान द्वारा वर्ष 2021-22 में की गई प्रगति को विशेष रूप से व्यक्त किया गया है। मैं आपको सहर्ष सूचित करता हूँ कि संस्थान ने अपने विज़न एवं मिशन की पूर्ति हेतु सही दिशा में अग्रगति की है। मैं संकाय सदस्यों, अधिकारियों, स्टाफ एवं छात्रों को इस उपलब्धि हेतु सामूहिक योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। विशेष रूप से, मैं आईआईएम काशीपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को उनके समर्थन एवं सक्रियतापूर्वक संस्थान को दिशा प्रदान करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा उत्तराखंड सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

अंत में, हम, आईआईएम काशीपुर की और से समाज को उससे प्राप्त किए को वापस लौटाने तथा मानवता की सेवा करने वाले एक भविष्य के सह-सृजन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हम समाज के विभिन्न स्तरों द्वारा इस संस्थान की स्थापना हेतु किए गए बहुमूल्य अंशदान के प्रति सचेत हैं तथा उसे अनुज्ञापित करते हैं।

कुल भूषण वलूनी
प्रोफेसर एवं निदेशक

शैक्षणिक कार्यक्रम

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) कार्यक्रम का उद्देश्य प्रबंधकों एवं भविष्य के नेतृवृंदों को लगातार बढ़ते हुए तकनीकी-आधारित एवं डाटा-संचालित विश्व के अनुसार तैयार करना है। यह कठोर पाठ्यक्रम ज्ञान के प्रति अनुराग स्थापित करने एवं उस ज्ञान को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में प्रयोग करने की क्षमता विकसित करने का प्रयास करता है। संस्थान प्रतिभागियों को नेतृत्व की भूमिकाओं हेतु ज्ञान, कौशल एवं व्यवहार के अर्जन के लिए तैयार करने पर अपना ध्यान केन्द्रित करता है, ताकि वे अबाध रूप से सदा-परिवर्तनशील व्यावसायिक परिदृश्य का मूल्यांकन कर सकें। यह कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर जोर देता है तथा प्रतिभागियों में नेतृत्व एवं निष्ठा के मूल्य स्थापित करता है। प्रायोगिक ज्ञान की पहल, इस कार्यक्रम में जोड़ी गई एक नई पहल है। प्रायोगिक ज्ञान का उद्देश्य आईआईएम काशीपुर एवं सामाजिक क्षेत्र के बीच संबंध स्थापित करना है ताकि सामाजिक विकास एवं स्थिरता से संबंधित मामलों से संस्थानात्मक अंशधारकों जोड़ा जा सके।

आईआईएम काशीपुर का मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एनालिटिक्स (एमबीएए) कार्यक्रम, एक दो-वर्षीय पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है तथा इसका उद्देश्य है प्रबंधकों एवं भविष्य के नेतृवृंदों को लगातार बढ़ते हुए तकनीकी-आधारित एवं डाटा-संचालित विश्व के अनुसार तैयार करना है। इसके पाठ्यक्रम का सृजन इस प्रकार से किया गया है, ताकि इसके स्नातक विश्लेषण एवं निर्णय करने के कौशलों में विशेषज्ञ हो सकें। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को थ्योरी के सुदृढ़ आधार एवं सभी उद्योगों से प्राप्त अनुभव के आधार पर अनुप्रयोग-उन्मुखी क्षमता से सम्पन्न करता है।

एक्सक्युटिव मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (ईएमबीए) कार्यक्रम एक विशेषतापूर्ण दो-वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जिसे सप्ताहांत में आईआईएम काशीपुर के देहरादून परिसर में आयोजित किया जाता है, जिसे मध्य एवं वरीय स्तरों के पेशवरों के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। एक्सक्युटिव एमबीए को उद्यमी एवं इन्ट्रप्रिन्युरियल पवृत्तियों के अनुरूप डिजिटल दक्षता तथा सामाजिक परिस्थिति, उद्योग की प्रवृत्तियों एवं वैश्विक विधियों के अनुसार अभिविन्यास के सुदृढ़ीकरण के लिए पुनर्गठित किया गया है। यह कार्यक्रम एक्सक्युटिव एमबीए के वैश्विक मानदंडों का अनुपालन करता है, जिससे सभी उद्योगों, क्षेत्रों एवं भौगोलिक क्षेत्रों में प्रतिभागियों की मूल्य-वृद्धि होती है। इस कार्यक्रम में इच्छानुसार चयन का समृद्ध मिश्रण एवं प्रतिभागियों की व्यक्तिगत ज्ञानार्जन-यात्रा में इच्छानुसार चुनाव के विकल्प हैं।

डॉक्टोरल कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है, जिसकी संरचना पेशेवर लोगों की अनुसंधान, शिक्षण एवं सम्भावनापूर्ण शैक्षणिक कैरियर की आवश्यकताओं की पूर्ति के अनुसार की जाती है। यह कार्यक्रम बुद्धिजीवियों को प्रोत्सान देता है तथा उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान करने के लिए कौशल वृद्धि के उपाय प्रावधानित करता है। डॉक्टोरल कार्यक्रम की अद्यतित संरचना वर्तमान शैक्षणिक प्रवृत्तियों के अनुसार है। यह कार्यक्रम नवीनतम अंतर-विधा अनुसंधान प्रवृत्तियों एवं भविष्य में शिक्षण तथा प्रबंधन में भूमिकाओं पर जोर देता है। इसे तीन मूल सिद्धांतों – सिद्धांत, अवधारणाओं एवं अनुसंधान पद्धति के आधार पर प्रदान किए जाने के द्वारा हासिल किया जाता है। इस कार्यक्रम में, विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे अनुसंधान के विकास एवं लेखन-कौशल के क्रम में सम्पूर्ण लचीलेपन की अनुमति रहती है।

एक्सक्युटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईईपीएम) को सन 2018 से बंद कर दिया गया है।

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए)

आईआईएम काशीपुर का लक्ष्य सामाजिक रूप से जिम्मेदार उन मार्गदर्शकों को विकसित करना है जो कार्यों, संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हों। मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), संस्थान का प्रमुख कार्यक्रम होने के कारण उक्त लक्ष्य प्राप्त करने का मुख्य साधन है। मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन दो साल का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है। यह कठोर पाठ्यक्रम ज्ञान के लिए एक जुनून एवं वास्तविक जीवन परिदृश्यों में उस ज्ञान को लागू करने की क्षमता पैदा करता है। कार्यक्रम सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर जोर देता है तथा नेतृत्व एवं अखंडता के मूल्यों को विकसित करता है। प्रथम वर्ष के एमबीए मूल पाठ्यक्रमों को हाल ही में फिर से संरचित किया गया है ताकि उन्हें अधिक प्रासंगिक एवं अधिक व्यवसाय-केंद्रित बनाया जा सके। नए प्रारूप में, महत्वपूर्ण सोच और नवाचार पर बल दिया गया है। विद्यार्थियों को अब लीक से हटकर सोचने को बाध्य किया जाता है। परिकल्पनानुसार, विभिन्न विषयों के माध्यम से, उनको अपने सुविधा क्षेत्र से बाहर निकल कर आने हेतु प्रेरित किया जाता है। इसके अलावा, यह नई संरचना आईआईएम काशीपुर के एक उद्देश्य – नवीकरण एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहन को भी पूरा करती है।

आईआईएम काशीपुर के एक और मिशन (उद्देश्य), एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करना, जो सामाजिक विकास एवं क्षेत्रीय कामनाओं की सहायता करता हो, उसे नए फ्लेकिसिकोर प्रायोगिक पाठ्यक्रम द्वारा भी सहायता प्राप्त हो रही है। फ्लेकिसिकोर पाठ्यक्रम के माध्यम से, जहाँ पर हम स्थित हैं, वहाँ संकाय सदस्यों के निर्देशन में छात्रों द्वारा क्षेत्र की वृद्धि एवं विकास में सक्रिय योगदान होगा। इस प्रकार यह मूल पाठ्यक्रम आईआईएम काशीपुर के छात्रों को अधिक प्रशिक्षण द्वारा उनके नई अर्थनीति में बेहतर नेतृत्वंद के तौर पर विकसित करता है। साथ ही में, यह संरचना छात्रों को समाज की मूल स्तरीय समस्याओं तथा इन मुद्दों के समाधान की आवश्यकता के बारे में सचेत करती है। यह नई संरचना, आईआईएम काशीपुर के प्रबंधन के क्षेत्र में उभरते क्षेत्रों (बिज़नेस एनालिटिक्स तथा प्रायोगिक ज्ञान अंश सहित) में शिक्षार्जन एवं पद्धतियों के प्रसार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं की भी सहायता करती है।

इस संरचना से एक महत्वपूर्ण आशा यह भी की जाती है कि, प्रत्येक कोर्स में, यथासम्भव, संकाय सदस्यों द्वारा चर्चा की जाए कि किस प्रकार से उक्त कोर्स से शिक्षार्जन को भारतीय अर्थनीति की वास्तविकता के साथ संबंधित किया जा सकता है। इसी प्रकार से, सभी पाठ्यक्रमों में, नैतिकतापूर्ण विचारों एवं संचार कौशलों को प्रयोजनानुसार जोड़ा जाता है। इस नए कार्यक्रम की संरचना का एक महत्वपूर्ण अंग शैक्षणिक प्रयासों, छात्र गतिविधियों तथा नियोजन की वास्तविकताओं का मिलाप कराना है। एक ही प्रकार के सम्भाव्य लक्ष्यों अथवा अपेक्षित परिणामों वाली विभिन्न कार्य-क्षेत्रों की विभिन्न गतिविधियों के बीच तालमेल की अपेक्षा की जाती है। संक्षेप में, नए कोर्स की संरचना का उद्देश्य है, छात्रों को नई अर्थनीति का मूल्यांकन करने लायक बनाना तथा उन्हें दूरदर्शी नेतृवृंद में परिवर्तित करना है। मूल पाठ्यक्रमों की इस पुनर्गठित संरचना इच्छित विषयों के नए संग्रह का निर्माण करेगी, जो कि नई भारतीय अर्थनीति में पदार्पण करने वाले छात्रों के लिए अधिक अनुकूल होगी। वर्तमान में मौजूद इच्छित विषयों के अलावा, एक नए इच्छित विषयों के संग्रह को विकसित करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इस नए इच्छित विषयों के संग्रह में, समाज एवं व्यवसाय में उभरते मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा तथा यह नवीन एवं उच्चाकांक्षा-पूर्ण होगा। इच्छित एवं मूल विषयों के साथ ही, छात्रों को पहले की तरह ही स्वतंत्र अध्ययन के कोर्सों (सीआईएस) को ले सकने की अनुमति होगी।

पाठ्यक्रम

एमबीए कार्यक्रम कोछ: सत्रों में बाँटा गया है – प्रथम वर्ष में तीन सत्र तथा दूसरे वर्ष में तीन सत्र। प्रत्येक सत्र लगभग ग्यारह सप्ताह की अवधि का होता है। पहले तीन सत्रों में सभी मूल कोर्स पढ़ाए जाते हैं, जिनकी संरचना प्रबंधन के साधारण सिद्धांतों के अनुसार शिक्षार्जन के लिए की गई है। इसके बाद के ग्रीष्मकालीन पेशेवर अनुभव के दौरान, प्रतिभागियों को अपनी कक्षा में अर्जित ज्ञान के वास्तविक उपयोग के अनुभव का अवसर मिलता है तथा इससे वे दूसरे वर्ष में अपने इच्छित एवं स्व-अध्ययन के विषयों में गम्भीरतापूर्वक अध्ययन के लिए तैयार हो जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के मूल कोर्स

कोर्स	क्रेडिट्स	घंटे
टर्म-I		
व्यावसायिक आंकड़े	1	25
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5
वित्तीय बाजार	0.5	12.5
सूक्ष्म अर्थशास्त्र	1	25
विपणन प्रबंधन I	1	25
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
कार्यशाला- व्यवसाय के लिए गणनात्मक उपकरण	0.5	12.5
कार्यशाला – लिखित एवं मौखिक संचार	0.5	12.5
कार्यशाला- समालोचनात्मक विचार/अंतर्वैयक्तिक कौशल	0.5	12.5
कुल टर्म-I क्रेडिट	**6**	**150**
टर्म -II		
निर्णय मॉडलिंग	1	25
संगठनात्मक डिजाइन	1	25
प्रबंधन सूचना प्रणाली	0.5	12.5
कंपनी वित्त	0.5	12.5
विपणन प्रबंधन II	1	25
संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25
सूक्ष्म अर्थशास्त्र एवं सार्वजनिक नीति	0.5	12.5
उद्यमी संगठन एवं समाज	1	25
व्यवसाय के वैधानिक पहलू	0.5	12.5
कार्यशाला- समालोचनात्मक विचार/अंतर्वैयक्तिक कौशल	0.5	12.5
कुल टर्म-II क्रेडिट	**7.5**	**187.5**
टर्म -III		
व्यावसाय के लिए विश्लेषण	0.5	12.5
व्यावसायिक नैतिकता	0.5	12.5
डिजाइन सोच एवं नवाचार	0.5	12.5
प्रायोगिक ज्ञान I (पर्यावरण एवं सतत व्यावसायिक कार्यप्रणालियां + हिमालय से भीतर / नमामी गंगे) क / (एमएसएमई विकास + समाजिक उद्यमिता) ख / (ग्रामीण क्षमता का खोला जाना + उन्नत भारत आप्लावन)	0.5	12.5
नेतृत्व	0.5	12.5
नेतृत्व संचार	0.5	12.5
प्रबंधन लेखांकन	1	25
विपणन अनुसंधान	0.5	12.5
संगठन में कर्मचारी प्रबंधन	1	25
कूटनीतिक प्रबंधन	1	25
कुल टर्म-III क्रेडिट	**6.5**	**162.5**

शैक्षणिक वर्ष 2021 में प्रस्तावित ऐच्छिक विषय

संप्रेषण क्षेत्र

- सोशल मीडिया प्रचार के लिए सामग्री विकास कूटनीति
- कॉर्पोरेट संचार एवं संकट प्रबंधन
- मीडिया एवं मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन
- प्रबंधन के लिए फिल्में

वित्त एवं लेखांकन क्षेत्र

- व्यवहार वित्त
- व्यापार मूल्यांकन
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
- डिजिटल वित्त
- उद्यमीय वित्तीय प्रबंधन
- वित्तीय विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- वित्तीय डेरिवेटिव
- वित्तीय मशीन लर्निंग
- वित्तीय जोखिम मापन एवं प्रबंधन
- वित्तीय विवरण विश्लेषण और फोरेंसिक लेखांकन
- निश्चित आय बाजार
- निवेश प्रबंधन
- विलय एवं अधिग्रहण [रणनीति के साथ क्रॉस-लिस्टेड]
- निजी इक्विटी और निवेश बैंकिंग

अर्थशास्त्र क्षेत्र

- उन्नत मौद्रिक अर्थशास्त्र
- कृषि-व्यवसाय उद्यमिता
- प्रबंधकों के लिए प्रयोगात्मक अर्थमिति [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- निर्णय के लिए व्यवहारिक अर्थशास्त्र
- आर्थिक विकास, विकास और भारतीय अर्थव्यवस्था
- स्थिरता प्रबंधन
- व्यापार विश्लेषिकी और निर्यात-आयात व्यवसाय [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]

सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्षेत्र

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डीप लर्निंग [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- बिग डेटा मैनेजमेंट [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]]
- डेटा विज़ुअलाइज़ेशन [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम [संचालन के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- व्यापार के लिए फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज
- सूचना एवं नेटवर्क सुरक्षा
- सूचना प्रौद्योगिकी एवं उत्पाद प्रबंधन
- सूचना प्रौद्योगिकी एवं परियोजना प्रबंधन
- सोशल मीडिया एवं वेब एनालिटिक्स [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]

विपणन क्षेत्र

- उन्नत मीडिया विपणन
- डिजाइन सोच अनुप्रयोग
- व्यवसाय से व्यवसाय विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार
- डिजिटल विपणन
- विपणन विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- विपणन रणनीति
- मूल्य निर्धारण प्रबंधन
- उत्पाद और ब्रांड प्रबंधन
- खुदरा प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन
- बिक्री और वितरण प्रबंधन
- सेवा प्रबंधन - विपणन एवं संचालन प्रबंधन परिप्रेक्ष्य का एकीकरण [संचालन के साथ क्रॉस लिस्टेड]

रणनैतिक क्षेत्र

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- प्रबंधन परामर्श
- उभरते बाजारों के लिए रणनीतियाँ

संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन

- कार्यस्थल पर विविधता एवं समावेशन
- डिजिटल कार्यस्थलों में प्रदर्शन को प्रोत्साहन
- एचआर एनलिटिक्स [एनलिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- औद्योगिक संबंध एवं श्रम
- संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन
- समझौता एवं संघर्ष प्रबंधन
- शक्ति एवं राजनीति
- संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए प्रतिभा प्रबंधन

संचालन एवं निर्णय विज्ञान क्षेत्र

- उन्नत डेटा विश्लेषण [एनालिटिक्स के साथ क्रॉस लिस्टेड]
- उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण
- लॉजिस्टिक्स प्रबंधन
- प्रौद्योगिकी प्रबंधन
- संचालन रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा
- रणनीतिक सोर्सिंग प्रबंधन

एमबीए 2021-23 बैच के लिए शुल्क संरचना

विवरण	टर्म-I	टर्म -II	टर्म -III	टर्मों का कुल - I , II एवं III	टर्म -IV	टर्म -V	टर्म -VI	टर्मों का कुल - IV, V & VI	सकल कुल
प्रवेश शुल्क	25000	0	0	25000	0	0	0	0	25000
ट्युशन शुल्क	125000	125000	125000	375000	125000	125000	125000	375000	750000
डिजिटल आधारभूत शुल्क	20000	20000	20000	60000	20000	20000	20000	60000	120000
छात्रावास शुल्क	52000	52000	52000	156000	52000	52000	52000	156000	312000
छात्र कल्याण गतिविधि शुल्क	4000	4000	4000	12000	4000	4000	4000	12000	24000
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	38500	38500	38500	115500	38500	38500	38500	115500	231000
दीक्षांत शुल्क	0	0	0	0	0	0	13000	13000	13000
उप-कुल	264500	239500	239500	743500	239500	239500	252500	731500	1475000
गैर-वापसी योग्य शुल्क									
चिकित्सा शुल्क	2000	0	0	2000	2000	0	0	2000	4000
नियोजन शुल्क	0	12500	0	12500	0	0	12500	12500	25000
भूतपूर्व छात्र गतिविधि शुल्क	4500	0	0	4500	4500	0	0	4500	9000
उप-कुल	6500	12500	0	19000	6500	0	12500	19000	38000
वापसी योग्य शुल्क									
जमानत राशि	3000	3000	3000	9000	3000	3000	3000	9000	18000
पुस्तकालय जमानत	3500	0	0	3500	0	0	0	0	3500
कम्प्यूटर जमानत	3500	0	0	3500	0	0	0	0	3500
मैस जमानत	4000	0	0	4000	0	0	0	0	4000
उप-कुल	14000	3000	3000	20000	3000	3000	3000	9000	29000
सकल शुल्क का महा योग	**285000**	**255000**	**242500**	**782500**	**249000**	**242500**	**268000**	**759500**	**1542000**

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर में एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश विभिन्न मापदंडों पर उम्मीदवार के समग्र प्रदर्शन पर आधारित है। इन मापदंडों में कैट स्कोर, लिखित विश्लेषण परीक्षा एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार (डब्ल्यूएटी एवं पीआई) तथा उम्मीदवार के प्रोफाइल शामिल हैं।

डब्ल्यू ए टी एवं पीआई प्रक्रिया नौ आईआईएम, जैसे आईआईएम बोधगया, आईआईएम जम्मू, आईआईएम काशीपुर, आईआईएम रायपुर, आईआईएम रांची, आईआईएम सिरमौर, आईआईएम संबलपुर, आईआईएम त्रिची तथा आईआईएम उदयपुर के साथ सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित की जाती है।

2020-21 में पूरी सीएपी प्रक्रिया के माध्यम से 17567 प्रत्याशियों को शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिसमें से 15872 प्रत्याशियों ने आईआईएम काशीपुर में अपनी रुचि प्रदर्शित की थी और 272 प्रत्याशियों को आईआईएम काशीपुर के एमबीए 2021-23 के बैच में भर्ती किया गया था। इस वर्ष, पिछले वर्ष की 51 की तुलना में छात्राओं की संख्या बढ़ कर 61 हुई है। एमबीए बैच 2021-23 में भर्ती छात्राओं की संख्या में पिछले बैच की तुलना में 20% अधिक की वृद्धि हुई है।

एमबीए का 2021-23 बैच, विभिन्न संस्कृतियों एवं जातियों से आए उत्साही एवं प्रतिभावान छात्रों का एक मिश्रित समूह है। यह बैच, देश भर के प्रख्यात संस्थानों से निकलने वाले नए स्नातकों एवं राष्ट्रीय व बहुर्राष्ट्रीय कम्पनियों में नेतृत्व करने वाले अनुभवी पेशेवरों का अच्छा सम्मिश्रण है।

एमबीए 2021-23 एमबीए बैच में भर्ती छात्रों की न्यूनतम सीएटी प्रतिशतता

वर्ग	सामान्य	एनसी-अपिव	ईडबल्यूएस	अजा	अजजा	डीएपी
भर्ती विद्यार्थियों की संख्या	120	76	24	38	13	1
न्यूनतम कैट पर्सेंटाइल	93.07	74.54	66.05	54.02	41.75	66.05

लैंगिक विविधता

- 211 पुरुष
- 61 महिला

वर्गानुसार विविधता

- 120 सामान्य
- 76 एनसी - अपिव
- 38 अजा
- 13 अजजा
- 1 डीएपी
- 13 ईडबल्यूएस

विधानुसार विविधता

- 139 प्रौद्योगिकी
- 133 गैर- प्रौद्योगिकी

कार्य अनुभव

- 110 नवीन
- 12 12 महीनों से कम
- 66 12-24 महीने
- 84 24 महीने से अधिक

मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन एनालिटिक्स (एमबीएए)

आईआईएम काशीपुर में मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन इन एनालिटिक्स का एक दो-वर्षीय, गहन एवं पूर्णतया आवासीय कार्यक्रम है, जिसकी संरचना ऐसे प्रतिभागियों के लिए की गई है, जो कि बिग डाटा क्रांति से जुड़ने के इच्छुक हैं व डाटा एनालिटिक्स (वैश्लेषिकी) के क्षेत्र में भविष्य के मार्गदर्शक बनना चाहते हैं।

इस कोर्स (पाठ्यक्रम) में एक व्यापक ज्ञानार्जन का वातावरण प्रावधानित किया जाता है, जिससे छात्रगण वर्तमान के व्यावसायिक परिदृश्य में बेहतर निर्णय हेतु, जटिल डाटा के विश्लेषण कर सकें। प्रबंधकीय एवं विश्लेषिकी विषयों का औचित्यपूर्ण सम्मिश्रण, छात्र को जटिल व्यावसायिक समस्याओं से निपटने हेतु आवश्यक कौशल से सुसज्जित करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है ऐसे ठोस प्रबंधकीय एवं विश्लेषणात्मक कौशलों से परिपूर्ण तथा सटीक संचार कौशल से सुसज्जित, व्यवसाय एवं सामाजिक चुनौतियों का सामना करने लायक, भविष्य के लिए तैयार व्यावसायिक नेतृवृंद का सृजन करना है, जो कि विश्लेषणात्मक साधनों एवं तकनीकों का उपयोग, पैटर्नों को चिह्नित करने, अंतर्दृष्टि प्राप्ति, व्यावसायिक रणनीतियों को विकसित करने तथा बेहतर प्रबंधन निर्णय करने में सक्षम हों।

इस दो-वर्षीय एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम को छः सत्रों में बाँटा गया है। प्रथम वर्ष में, प्रबंधन एवं विश्लेषिकी के मूल पाठ्यक्रम के सटीक मिश्रण का शिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे छात्रों को प्रबंधन एवं विश्लेषिकी की अवधारणाओं की नींव सृजित करने में सहायता होगी। द्वितीय वर्ष में, छात्रों को विभिन्न विश्लेषिकी उन्मुख चयनित पाठ्यक्रमों द्वारा विश्लेषिकी के उन्नत रूपों का रसास्वादन करने एवं विश्लेषिकी-चालित समस्या समाधान करने का अवसर प्राप्त होगा। द्वितीय वर्ष में इस कार्यक्रम का तीन-सत्र व्यापी प्रबंध लेखन का अंश भी है। इससे, छात्र को अपनी रुचि के क्षेत्र को गहनतापूर्वक चिह्नित एवं खोज करने, शोध प्रश्नों को परिभाषित करने तथा उपयुक्त शोध साधनों के उपयोग द्वारा, अपनी शोध-क्षमता को प्रदर्शित करने में सहायता होती है, जिससे उनमें इस प्रक्रिया के दौरान ही बहुमूल्य कौशल विकसित होते हैं।

आईआईएम काशीपुर के शैक्षणिक संकाय का समृद्ध शिक्षण एवं औद्योगिक अनुभव है। पेशेवर लोगों द्वारा कक्षाओं में पाठ्यक्रमों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से उद्योग का परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया जाता है। इस कार्यक्रम में भर्ती होने वाले छात्रों को उद्योग से परिचय एवं व्यावसायिक समस्याओं के समाधान हाथों-हाथ अनुभव का सही सम्मिश्रण तथा एक व्यापक विषय श्रृंखला से चुनाव कर सकने का अवसर भी मिलेगा।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में कोर पाठ्यक्रम

टर्म ।

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
व्यावसायिक आंकड़े	1	25
वित्तीय लेखांकन	0.5	12.5
वित्तीय बाजार	0.5	12.5
विपणन प्रबंधन ।	1	25
गणितीय फाउंडेशंस	1	25
सूक्ष्म अर्थशास्त्र	1	25
संगठनात्मक व्यवहार	0.5	12.5
कार्यशाला- लिखित और मौखिक संप्रेषण	0.5	12.5
कुल सत्र- । क्रेडिट्स	**6**	**150**

टर्म ॥

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
बिजनेस कंप्यूटिंग - ।	1	25
कॉर्पोरेट वित्त	1	25
निर्णय मॉडलिंग	1	25
व्यापार विश्लेषिकी का परिचय	1	25
व्यवसाय के कानूनी पहलू	0.5	12.5
प्रबंधन सूचना प्रणाली	1	25
विपणन प्रबंधन ॥	0.5	12.5
संचालन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन	1	25
कुल सत्र- ॥ क्रेडिट्स	**7**	**175**

टर्म III

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
व्यवसाय कम्प्यूटिंग - ॥	1	25
डाटा प्रबंधन एवं बिग डेटा	1	25
डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	1	25
संगठनों में कर्मचारी प्रबंधन	1	25
शोध विधियों पर संगोष्ठी	1	25
कूटनीतिक प्रबंधन	1	25
कुल सत्र- III क्रेडिट्स	**6**	**150**

टर्म IV

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
प्रबंधकों के लिए एप्लाइड अर्थमिति	1	25
डेटा साइंस एवं मशीन लर्निंग	1	25
सोशल मीडिया एवं वेब एनलिटिक्स	1	25
चयनित पाठ्यक्रम	1	25
चयनित पाठ्यक्रम	1	25
शोध निबंध- भाग क	1	25
कुल सत्र- IV क्रेडिट्स	**6**	**150**

टर्म V

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण	1	25
एआई एवं डीप लर्निंग	1	25
उन्नत डाटा विश्लेषण	1	25
चयनित पाठ्यक्रम	1	25
चयनित पाठ्यक्रम	1	25
शोध निबंध- भाग ख	1	25
कुल सत्र- V क्रेडिट्स	**6**	**150**

टर्म VI

पाठ्यक्रम	क्रेडिट	घंटे
चयनित पाठ्यक्रम	1	25
चयनित पाठ्यक्रम	2	50
शोध निबंध- अंतिम	2	50
कुल सत्र- VI क्रेडिट्स	**5**	**125**

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में प्रस्तावित चयन-योग्य पाठ्यक्रम

टर्म IV

क्षेत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट
ओएम एवं डीएस	मल्टिवेरिएट डाटा एनालिसिस	1
आईटी एवं प्रणालियाँ	ऑटोमेटेड डाटा कलेक्शन	0.5
ओबी एवं मा.सं.	लीडिंग इनोवेशन इन द एज ऑफ डिजिटल डिसरप्शन	0.5
एनालिटिक्स ट्रैक	अप्लायड डाटा एनालिटिक्स स्टैक	1
एनालिटिक्स ट्रैक	एनालिटिक्स यूज़िंग इन्फोग्राफिक्स एंड विज़ुअलाइज़ेशन टेक्नीक्स	1
वित्त	बिज़नेस वैल्युएशन	1
वित्त	फाइनैन्शियल डिराइवेटिव्स	0.5
वित्त	निवेश प्रबंधन	1
विपणन	उपभोक्ता व्यवहार	1
विपणन	उन्नत मीडिया विपणन	1
विपणन	बिक्री एवं वितरण प्रबंधन	1
विपणन / प्रचालन	सेवा प्रबंधन– विपणन एवं प्रचालन प्रबंधन परिप्रेक्ष्यों का एकीकरण	1
ओबी एवं मा.सं.	डिजिटल व्यवधान के युग में अग्रणी नवाचार	0.5
ओबी एवं मा.सं.	संगठनात्मक परिवर्तन का प्रबंधन	1
ओबी एवं मा.सं.	संगठनात्मक उत्कृष्टता हेतु प्रतिभा प्रबंधन	1
प्रचालन	रसद प्रबंधन	1
प्रचालन	गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा	1
रणनीति	उभरते बाजारों हेतु रणनीतियाँ	1

टर्म V

क्षेत्र	पाठ्यक्रम	क्रेडिट
संचार	मीडिया एवं मनोरंजन व्यवसाय प्रबंधन	1
अर्थनीति	स्थानिक डाटा साइंस	0.5
वित्त	वित्तीय जोखिम मापन एवं प्रबंधन	1
वित्त	वित्तीय विश्लेषिकी	1
वित्त	समाहन एवं अधिग्रहण	1
वित्त एवं लेखांकन	वित्तीय अर्थमिति	1
आईटी एवं प्रणालियाँ	रबॉटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	इन्टरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग सिस्टम्स	1
आईटी एवं प्रणालियाँ	सूचना प्रौद्योगिकी परियोजना प्रबंधन	1
विपणन	डिजिटल विपणन	1
विपणन	विपणन विश्लेषिकी	1
विपणन	उत्पाद एवं ब्रांड प्रबंधन	1
ओबी एवं मा.सं.	कार्यस्थल पर विविधता एवं समाहन	1
ओबी एवं मा.सं.	डिजिटल कार्य-स्थलों पर निष्पादन प्रोत्साहन	1
ओबी एवं मा.सं.	मा. सं. विश्लेषिकी	1
ओएम एवं डीएस	आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषिकी	1
ओएम एवं डीएस	फ़ज़ी लॉजिक फॉर डिसीज़न मेकिंग	0.5
ओएम एवं डीएस	नेचर इन्सपायर्ड टेक्नीक्स फॉर डिसीज़न मेकिंग	0.5
प्रचालन	परियोजना प्रबंधन	1
प्रचालन	महत्वपूर्ण स्त्रोतीकरण प्रबंधन	1
रणनीति	प्रबंधन सलाहकारिता	1

टर्म VI

Area	पाठ्यक्रम	क्रेडिट
एनालिटिक्स ट्रैक	स्वास्थ्य-रक्षा रणनीति एवं विश्लेषिकी	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	एआई एप्लिकेशंस	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस इन क्लाउड	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	इन्ट्रोडक्शन टु कम्प्यूटर विज़न	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	एमएल एप्लिकेशंस विथ स्पार्क	0.5
एनालिटिक्स ट्रैक	स्पोर्ट्स एनालिटिक्स	0.5
आईटी एवं प्रणालियाँ	एडवांस्ड एआई यूज़िंग रीइनफोर्समेंट लर्निंग	0.5
अर्थनीति	सार्वजनिक नीति हेतु विश्लेषिकी	0.5
संचार	प्रबंधन के लिए चल-चित्र	1
वित्त	वित्तीय विवरण विश्लेषण एवं खोजी खातालेखन	1
आईटी एवं प्रणालियाँ	सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रबंधन	1
विपणन	मूल्य-निर्धारण प्रबंधन	1
विपणन	खुदरा प्रबंधन	1
विपणन	विपणन रणनीति	1
ओबी एवं मा.सं.	बातचीत और संघर्ष प्रबंधन	1
प्रचालन	उन्नत प्रबंधकीय निर्णय विश्लेषण	1
प्रचालन	प्रचालन रणनीति	1

एमबीए 2021-23 बैच के लिए शुल्क संरचना

विषय	सत्र-I	सत्र-II	सत्र-III	सत्र-IV	सत्र-V	सत्र-VI	कुल (₹)
प्रवेश शुल्क	25000	0	0	0	0	0	25000
शैक्षणिक शुल्क	125000	125000	125000	125000	125000	125000	750000
कम्प्यूटर शुल्क	10000	10000	10000	10000	10000	10000	60000
पुस्तकालय शुल्क	10000	10000	10000	10000	10000	10000	60000
छात्रावास शुल्क	52000	52000	52000	52000	52000	52000	312000
छात्र कल्याण गतिविधि शुल्क	4000	4000	4000	4000	4000	4000	24000
पुस्तक एवं पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	38500	38500	38500	38500	38500	38500	231000
दीक्षांत समारोह शुल्क	0	0	0	0	0	13000	13000
उप-कुल							1475000

गैर-वापसी योग्य शुल्क

विषय	सत्र-I	सत्र-II	सत्र-III	सत्र-IV	सत्र-V	सत्र-VI	कुल (₹)
चिकित्सा शुल्क	2000	0	0	2000	0	0	4000
नियोजन शुल्क	0	12500	0	0	0	12500	25000
भूतपूर्व छात्र गतिविधि शुल्क	4500	0	0	4500	0	0	9000
उप-कुल							38000

वापसी योग्य शुल्क

विषय	सत्र-I	सत्र-II	सत्र-III	सत्र-IV	सत्र-V	सत्र-VI	कुल (₹)
जमानत	3000	3000	3000	3000	3000	3000	18000
पुस्तकालय जमानत	3500	0	0	0	0	0	3500
कम्प्यूटर जमानत	3500	0	0	0	0	0	3500
मैस जमानत	4000	0	0	0	0	0	4000
उप-कुल							29000
शुल्कों का सकल कुल							**1542000**

प्रवेश

आईआईएम काशीपुर ने एमबीए (एनालिटिक्स) दूसरे बैच की भर्ती प्रक्रिया को फरवरी 2021 में प्रारम्भ किया था। भर्ती की नीति के अनुसार, एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम के लिए सीएटी एवं जीएमएटी के वैध अंक धारकों को आमंत्रित किया गया था। एमबीए (एनालिटिक्स) कार्यक्रम में प्रवेश, प्रत्याशी द्वारा विभिन्न मानदंडों के सम्पूर्ण निष्पादन पर आधारित होता है। इन मानदंडों में सीएटी / जीएमएटी के अंक एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) तथा प्रत्याशित की प्रोफाइल शामिल होते हैं।

2027 आवेदन प्राप्त हुए थे तथा एमबीए (एनालिटिक्स) के पीआई के लिए 807 को शॉर्टलिस्ट किया गया था। शॉर्टलिस्ट किए गए प्रत्याशियों के व्यक्तिगत साक्षात्कार की प्रक्रिया ऑनलाइन की गई थी।

आईआईएम काशीपुर के 2021-23 एमबीए (एनालिटिक्स) बैच में कुल 60 प्रत्याशियों को भर्ती किया गया था। छात्राओं की संख्या पिछले वर्ष में 29 से बढ़ कर इस वर्ष 33 हुई थी। एमबीए (एनालिटिक्स) के 2021-23 बैच में भर्ती छात्राओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14% अधिक थी।

बैच विविधता

विवरण	वर्ग	छात्र संख्या
वर्ग	एनसी-अपिव	18
	अजा	07
	अजजा	01
	सामान्य	27
	ईडबल्यूएस	05
लिंग	पुरुष	26
	महिला	32
कार्य अनुभव	<12 महीने	16
	12-24 महीने	22
	>24 महीने	20
प्रौद्योगिकी/गैर- प्रौद्योगिकी	प्रौद्योगिकी	49
	गैर- प्रौद्योगिकी	9

लैंगिक विविधता

27 पुरुष

33 महिला

वर्ग-वार विभाजन

27 सामान्य

20 एनसी-अपिव

7 अजा

1 अजजा

0 DAP

5 ईडबल्यूएस

कुल योग 60

विधा विविधता

50 प्रौद्योगिकी

10 गैर- प्रौद्योगिकी

कार्य अनुभव

9 नवीन

8 12 महीनों से कम

22 12-24 महीने

21 24 महीनों से अधिक

एक्सक्युटिव एमबीए (ईएमबीए) कार्यक्रम

एक्सक्युटिव एमबीए कार्यक्रम, प्रबंधन में एक दो-वर्षीय गहन स्नातकोत्तर कार्यक्रम है, जिसे मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के पेशेवर लोगों के लिए विशेष रूप से बनाया गया है। यह कार्यक्रम एक विशेष कार्यक्रम है, जो कि कार्यरत कार्यपालकों को आज के तेजी से बदलते हुए एवं प्रतिस्पर्धात्मक वैश्विक व्यावसायिक वातावरण के अनुरूप क्षमता-सम्पन्न करता है। यह कार्यक्रम पूरी तरह से कक्षा-आधारित कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम सप्ताहांत के दौरान आयोजित किया जाता है क्योंकि यह पेशेवरों को उनकी व्यावसायिक गतिविधि में हस्तक्षेप किए बिना उनके प्रबंधकीय कौशल को जल्दी से उन्नत करने का अवसर प्रदान करता है। इसके प्रतिभागी कक्षा में अपने विविध अनुभव लाते हैं तथा वास्तविक जगत एवं जीवंत परियोजनाओं पर कार्य करते हैं। यह कार्यक्रम, प्रतिभागियों को अपनी कक्षाओं में प्राप्त विचारों को अपने कार्य-स्थलों पर क्रियान्वित कर सकने के प्रति सक्रियतापूर्वक नए तरीकों की खोज करता है। संक्षेप में, यह कार्यक्रम कार्यपालकों को अबाध रूप से बड़ी एवं सफल नेतृत्व-भूमिका में ढालता है।

कार्यक्रम के कुछ विशिष्ट उद्देश्य निम्नलिखित हैं

- मौजूदा और उभरती हुई तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए डिजिटल निपुणता का कौशल विकसित करना
- स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए उद्यमशीलता की भावना पैदा करना
- विशेष रूप से व्यावसायिक अनुप्रयोगों में व्यावसायिक संचार बढ़ाना
- अधिक आत्मविश्वास एवं दक्षता सहित अपने संगठन में अंशदान

मुख्याकर्षण

- डिजिटल दक्षता
- भाविष्यिक कौशल
- कैपस्टोन सिम्युलेशन
- मूल्यवर्धित कोर्स पैक
- कार्यपालकों के लिए पाठ्यक्रम में लचीलापन

शुल्क संरचना

विवरण	टर्म-I	टर्म-II	टर्म-III	टर्म-IV
शैक्षणिक शुल्क	141500	141500	141500	141500
पाठ्य सामग्री	3600	3600	3600	3600
पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400
जमानत (वापसी-योग्य)	10000	—	—	—
कुल	**157500**	**147500**	**147500**	**147500**

विवरण	टर्म-V	टर्म-VI	टर्म-VII	टर्म-VIII
शैक्षणिक शुल्क	81500	81500	81500	81500
पाठ्य सामग्री	3600	3600	3600	3600
पुस्तकालय	2400	2400	2400	2400
जमानत (वापसी-योग्य)	—	—	—	—
कुल	**87500**	**87500**	**87500**	**87500**

पाठ्यक्रम संरचना

टर्म 1
- व्यावसायिक सांख्यिकी
- कार्यकारी संचार
- वित्तीय प्रतिवेदन एवं विश्लेषण
- विपणन प्रबंधन I
- संगठनात्मक व्यवहार

टर्म 2
- व्यावसायिक सिम्युलेशन
- कॉर्पोरेट संचार रणनीति
- डिज़ाइन कार्य संगठन
- प्रबंधन खातालेखन
- प्रबंधकीय अर्थनीति
- विपणन प्रबंधन II

टर्म 3
- वृहद आर्थिक विश्लेषण एवं सार्वजनिक नीति
- निर्णय मॉडलिंग
- डिजिटल विपणन
- महत्वपूर्ण विचारण एवं अंतर-व्यक्ति कौशल
- प्रबंधन सूचना प्रणाली

टर्म 4
- कॉर्पोरेट वित्त
- कॉर्पोरेट कानून
- डिजाइन विश्लेषण और नवाचार
- संगठनों में मानव प्रबंधन
- संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

टर्म 5
- आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग
- कैपस्टोन सिम्युलेशन
- उद्यमी संगठन एवं समाज
- परियोजनाओं की परिकल्पना एवं प्रतिवेदन
- नेतृत्व
- लेनदेन पर चर्चा, मध्यस्थता एवं समाधान
- महत्वपूर्ण प्रबंधन

क्षेत्रवार सांकेतिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम

सामान्य प्रबंधन
- उद्यमिता
- प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य
- कॉर्पोरेट नैतिक प्रशासन
- वैश्विक व्यवसाय हेतु अंतर-सांस्कृतिक कौशल
- सामाजिक उद्यमिता

संचार
- मीडिया प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय
- व्यवसाय प्रबंधन
- चलचित्र प्रबंधन

रणनीति
- व्यावसायिक मॉडल
- नवीकरण एवं कॉर्पोरेट उद्यमीकरण
- उभरते बाजारों के लिए रणनीति
- अंतर्राष्ट्रीय रणनैतिक प्रबंधन के लिए आधार

अर्थनीति
- कृषि व्यवसाय
- विकास हेतु अर्थनीति एवं भारतीय अर्थनीति
- उद्यमिता के लिए अर्थनीति
- अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय की अर्थनीति
- स्थिरता का प्रबंधन
- रणनैतिक मूल्य प्रबंधन

संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन
व्यापारिक नैतिकता
मुआवजा एवं हितलाभ
कर्मचारी संबंध
मा. सं. विश्लेषिकी
श्रम कानून एवं औद्योगिक संबंध
लेनदेन पर चर्चा एवं विवाद प्रबंधन
संगठनात्मक परिवर्तन एवं विकास
निष्पादन प्रबंधन
सत्ता एवं राजनीति
प्रतिभा अधिग्रहण प्रबंधन

विपणन
- बी2बी विपणन
- डिज़ाइन विश्लेषण एवं नवीकरण
- डिजिटल विपणन
- मूल्य प्रबंधन
- उत्पाद एवं ब्रांड प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन
- बिक्री एवं वितरण
- महत्वपूर्ण ब्रांड प्रबंधन

वित्त एवं लेखांकन
- उन्नत वित्तीय विवरण विश्लेषण
- व्यवसाय मूल्यांकन
- वाणिज्यिक बैंक प्रबंधन
- उद्यमीय वित्तीय प्रबंधन
- वित्तीय व्यवहार
- वित्तीय संजात और जोखिम प्रबंधन
- निवेश प्रबंधन
- वित्तीय बाजारों में व्यापारिक रणनीतियाँ
- वेंचर कैपिटल एवं निवेश प्रबंधन

प्रचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान
- व्यवसाय विधि प्रबंधन
- क्राफ्टिंग रिसर्च आउटपुट
- उद्योग 4.0 – व्यवसाय प्रचालन कायांतरण
- प्रौद्योगिकी का प्रबंधन
- प्रचालन रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा
- सेवा प्रचालन प्रबंधन

सूचना प्रौद्योगिकी
- उन्नत मशीन लर्निंग
- व्यावसायिक चातुर्य एवं व्यावसायिक विश्लेषण
- डाटा विज्ञान एवं मशीन लर्निंग
- डाटा विज़ुअलाइज़ेशन
- डिजिटल व्यवसाय एवं फ्रंटियर प्रौद्योगिकी
- व्यावसायिक विश्लेषिकी का आधार
- आईटी परियोजना प्रबंधन
- वेब एवं सोशल मीडिया विश्लेषिकी

प्रवेश

ईएमबीए कार्यक्रम में भर्ती के लिए, भर्ती नीति के अनुसार सीएटी एवं जीएमएटी के योग्य अंकधारकों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। भर्ती के लिए प्रत्याशी के पास निम्नलिखित होने चाहिए:

i. यूजीसी/एआईयू से मान्यता प्राप्त एक स्नातक उपाधि, सामान्य के लिए 50%, अपिव के लिए 47% तथा अजा/अजजा/डीएपी के लिए 45% अंकों सहित,

ii. स्नातक कार्यक्रम के उपरांत कम से कम 3 वर्षों का प्रबंधकीय/ उद्यमी / पेशेवर अनुभव।

ईएमबीए कार्यक्रम में भर्ती, प्रत्याशी द्वारा विभिन्न मानदण्डों में सफल होने पर आधारित होती है। इन मानदण्डों में हैं –सीएटी/जीएमएटी के अंक अथवा आईआईएम काशीपुर द्वारा आयोजित एक्सक्युटिव मैनेजमेंट ऐप्टिट्यूड टेस्ट)ईएमएटी) में प्राप्त अंक तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार में प्रत्याशी का प्रदर्शन ।

ईएमबीए 2021-23 बैच में 30 प्रत्याशियों को भर्ती लिया गया था। यह बैच, देश भर का प्रख्यात संस्थानों से निकलने वाले एवं राष्ट्रीय व बहुर्राष्ट्रीय कम्पनियों में नेतृत्व करने वाले अनुभवी पेशेवरों का अच्छा सम्मिश्रण है।

विधा

विधा	संख्या
वाणिज्य	3
विज्ञान	18
अन्य	4
प्रौद्योगिकी	5

शिक्षा का स्तर

21 स्नातक

9 स्नातकोत्तर

औद्योगिक अनुभव

उद्योग	Number
ऑटोमोबाइल	2
बैंकिंग	1
ई-वाणिज्य	1
एफएमसीजी	1
सरकारी/सार्वजनिक उपक्रम	4
इन्फ्रास्ट्रक्चर	1
आईटी	11
मैन्युफैक्चरिंग	3
मीडिया	1
अन्य	4
फार्मा	1

डॉक्टोरल कार्यक्रम

डॉक्टोरल कार्यक्रम एक पूर्णकालिक आवासीय डॉक्टोरल कार्यक्रम है, जिसकी संरचना पेशेवर लोगों की शैक्षणिक एवं शोध संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु की गई है। प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल विषयों को चिह्नित एवं शोध करने हेतु, शोध-छात्रों को आवश्यक कौशलों से परिपूर्ण करना, इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। पीएच.डी. के लिए अति-उत्तम शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक उत्सुकता एवं अनुशासन द्वारा शैक्षणिक अंशदान करने में सक्षम प्रत्याशियों की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम अपने प्रत्येक शोध-छात्र को, अपने अनुसंधान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशन हेतु प्रशिक्षित करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

» शोध-छात्रों को प्रबंधन के क्षेत्र में शोध-कार्य करने के माध्यम से प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन करने एवं वास्तविक जगत की प्रबंधन समस्याओं का समाधान करने हेतु प्रोत्साहित करना।

» शोध-छात्रों को प्रबंधन के क्षेत्र में जटिल समस्याओं का चिह्नीकरण एवं शोध-कार्य करने हेतु आवश्यक समझ एवं कौशलों से परिपूर्ण करना।

» भावी शोध-छात्रों में प्रबंधन शोध एवं शिक्षण करने तथा इसके माध्यम से, देश भर में उच्च-गुणवत्ता वाले प्रबंधन शिक्षकों की कमी को पूरा करने हेतु विशेषज्ञता विकसित करना।

अपने पाठ्यक्रम के दौरान, पीएच.डी. शोध-छात्रों को 28 क्रेडिट, यानि – कम से कम 700 घंटों को पूरा करना होता है। पहले वर्ष के अंत में (यानि - सत्र- III के अंत में), उत्तीर्ण होने के लिए, सीजीपीए के 10 अंकों की अंक तालिका में कम से कम 6.5 अंक होने चाहिए तथा दूसरे वर्ष के अंत में (यानि - सत्र- VI के अंत में), उत्तीर्ण होने के लिए, सीजीपीए के 10 अंकों की अंक तालिका में कम से कम 6.5 अंक होने चाहिए। व्यापक परीक्षा हेतु क+: 10; क:9; ख+:8; ख: 7 एवं इसी प्रकार के अंक होने चाहिए। प्रत्येक वर्ष के जुलाई के महीने में शोध-छात्रों को इस कार्यक्रम में भर्ती लिया जाता है।

31 मार्च 2022 को डॉक्टोरल छात्रों का क्षेत्रवार वर्णन

संचार / 2

अर्थनीति / 5

वित्त एवं खातालेखन / 7

मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार / 7

सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणालियाँ / 4

विपणन / 6

प्रचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान / 13

सार्वजनिक नीति एवं प्रशासन / 1

रणनीति / 3

भर्ती

आईआईएम काशीपुर का डॉक्टोरल कार्यक्रम, व्यावसायिक प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों का एक कठिन शोध कार्यक्रम है। शोध-छात्रों को प्रबंधन के क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से शोध-कार्य करने हेतु आवश्यक कौशलों से सम्पन्न करना इसका प्रमुख उद्देश्य है। डॉक्टोरल कार्यक्रम के लिए, अति-उत्तम शैक्षणिक पृष्ठभूमि, बौद्धिक कौतूहल एवं अनुशासन से सम्पन्न प्रत्याशियों की आवश्यकता होती है, ताकि वे अपना विद्वतापूर्ण अंशदान कर सकें। यह कार्यक्रम प्रत्येक प्रत्याशी को अपने शोध-कार्य के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन करने में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षित करने के प्रति प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2021 में डॉक्टोरल कार्यक्रम के लिए 225 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 121 प्रत्याशियों को व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह विधि ऑनलाइन विधि द्वारा सम्पन्न हुई थी। वर्ष 2021 में डॉक्टोरल कार्यक्रम के लिए 20 प्रत्याशियों को भर्ती लिया गया था।

डॉक्टोरल कार्यक्रम 2021-25 के बैच में क्षेत्रवार भर्ती प्रत्याशी

क्षेत्र	भर्ती प्रत्याशियों की संख्या
संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन	4
प्रचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	4
अर्थनीति	3
वित्त एवं खातालेखन	3
सार्वजनिक नीति	2
आईटी एवं प्रणालियाँ	2
विपणन	2

एक्सक्युटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईएफपीएम)

वर्ष 2014 में प्रारम्भ, एक्सक्युटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईएफपीएम) कार्यक्रम का उद्देश्य है उद्योग एवं शैक्षणिक जगत को निकट लाना। अपनी विधा में पहले से ज्ञान-सम्पन्न व्यक्तियों को विद्वतापूर्ण ज्ञान देने के माध्यम से, यह कार्यक्रम प्रत्याशियों को शैक्षणिक जगत अथवा उसके बाहर के शोध-स्थानों पर पूर्णकालिक/अंशकालिक कार्य का विकल्प प्रावधानित करता है।

यह कार्यक्रम दो चरणों में विभाजित है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में, तीन सत्रों में पाठ्यक्रम होते हैं तथा इन्हें आईआईएम काशीपुर के परिसर में सम्पन्न किया जाता है। प्रथम चरण में, छात्रों को आठ पाठ्यक्रम (चार मूल पाठ्यक्रम एवं चार क्षेत्र-निर्दिष्ट पाठ्यक्रम) एवं एक सीआईएस (कोर्स ऑफ इन्डिपेंडेंट स्टडी) परियोजना को लेना होता है, जिसमें प्रत्येक में 30 सम्पर्क घंटे होते हैं। प्रत्येक सत्र में, प्रत्याशी को आईआईएम काशीपुर के परिसर में लगभग आठ दिनों की अवधि के दो दौरे करने होंगे। आएफपीएम के प्रत्याशियों को व्यापक परीक्षा में बैठने की आज्ञा मिलने से से पूर्व कम से कम समग्र जीपीए 7.0 अंक (10 अंकों की तालिका में) प्राप्त करने होंगे। परीक्षा के दूसरे सत्र में शोध-प्रबंध कार्य होता है।

एक्सक्युटिव फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईएफपीएम) को सन 2018 से बंद कर दिया गया है।

31 मार्च 2022 को ईएफपीएम छात्रों का क्षेत्रवार वर्णन

संचार	3
अर्थनीति	2
वित्त एवं खातालेखन	2
मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार	6
सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रणालियाँ	7
विपणन	8
प्रचालन प्रबंधन एवं निर्णय विज्ञान	7
रणनीति	4

शुल्क संरचना:

विवरण	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	चतुर्थ वर्ष
शुल्क	315000*	150000	100000	100000

* (लॉजिंग एवं बोर्डिंग हेतु रु. 1 लाख एवं रु. 15,000/- जमानत सहित)

ग्रीष्मकालीन नियोजन 2021-23 मुख्याकर्षण

नियोजन सत्र की सांख्यिकी

321
योग्य छात्रों की संख्या

433
प्रस्तावों की संख्या

125+
भाग लेनेवाली कंपनियों की संख्या

3.5 लाख
अधिकतम वेतन

औसत वेतन
80,764

शीर्ष 10%
2,18,031
(औसत)

शीर्ष 25%
1,68,775
(औसत)

16% प्रस्तावों की संख्या में वृद्धि

23.6% नियोजकों की संख्या में वृद्धि

60+ नए नियोजक

सभी वेतन आंकड़े रुपए में हैं और 2 महीने की अवधि के लिए हैं

क्षेत्रवार नियोजन

क्षेत्र	प्रतिशत
बिक्री एवं विपणन	34%
साधारण प्रबंधन	18%
बीएफएसआई	15%
आईटी एवं विश्लेषिकी	14%
प्रचालन	6%
मानव संसाधन	5%
रणनीति एवं सलाहकारिता	4%
अन्य	4%

बैच सूचक

क्षेत्रवार वितरण

56.9% इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी | 23.5% वाणिज्य/ बीबीए | 19.6% बी.एससी./ बीए / एमबीबीएस

एमबीए 263 | एमबीए (विश्लेषिकी) 58

पेशेवर पृष्ठभूमि

आईटी एंड ऐनलिटिक	43%	बीएफएसआई	9%
शिक्षा/शिक्षा प्रौद्योगिकी	6%	सलाहकारिता	3%
निर्माण	24%	अन्य	24%

आयु वर्ग

आयु	प्रतिशत
<21 वर्ष	2%
21-22 वर्ष	17%
23-24 वर्ष	34%
25-27 वर्ष	44%
>27 वर्ष	3%

लैंगिक विविधता

पुरुष 72%

महिला 28%

कार्य अनुभव

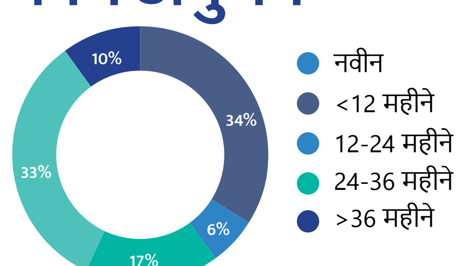

ग्रीष्मकालीन नियोजन 2021-23 क्षेत्रवार नियोजन मुख्याकर्षण

आईटी एंड एनलिटिक्स

छात्रों को, भरतिया अर्बन, बिज़अप, क्लीयरएक्सज़ाम, कॉग्निज़ेंट, डिजिडीज़ेडएन, आईओसीएल, जस्टडायल, लेंडेनक्लब, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट, मिस्टरफिक्सप्रो, न्युमोसिटी टेक्नोलॉजीस, एसईपी, शॉर्टहिल टेक एंड ट्रिडेंस जैसी संस्थाओं में बिग डाटा सर्विस मैनेजमेंट, बिज़नेस सॉल्युशन एनैबलर, डाटा एनालिटिकिस एंड प्रोसेस इम्प्रूवमेंट, मार्केट रिसर्च एंड बिज़नेस प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, प्रोसेस इम्प्रूवाइज़ेशन एंड ऑटोमेशन इन्टर्न, सीनियर रिसर्च एनालिस्ट तथा डाटा मैनेजमेंट एनालिस्ट जैसी प्रमुख भूमिकाएँ मिली थीं।

14% छात्र

विपणन (मार्केटिंग)

एआईएमएस कॉन्सल्टिंग सर्विसेस, ऐराक्नोमेश टेक्नोलॉजीस, आशीर्वाद पाइप्स, बी-लाइव, बजाज अलायंज़, साइनोटेक, डिजिटल मार्वेल्ज़, डूम, फ्लिपफ्लेक, ग्रो जंक्शन, एचपी, इंकचर, जियो क्रियेटिव लैब्स, केएसए इंटरप्राज़ेस, लिक्विड एशिया, लॉजी.एआई, माइंडफुल सोल्स, माई होम ग्रुप, निस्वे, ऑफबिज़नेस, ऑरिगो कॉमोडिटीस, आउटलुक ग्रुप, प्यूमा, रोडबाउंस, एसईईडी सीएसआर, सिम्प्लेक्स सर्विसेस, सर्वे स्पैरो , टैलेंट लिट्मस, टाटा स्टील, दि हाउस ऑफ आर्टिसन्स, रिविगो आदि जैसे संगठनों ने बी2बी मार्केटिंग, बी2सी मार्केटिंग, ब्रांड मैनेजमेंट, बिज़नेस डेवलपमेंट, कैम्पेन मैनेजमेंट, डिजिटल मार्केटिंग एंड मार्केटिंग स्ट्रैटजी, की अकाउंट मैनेजमेंट, प्री-सेल्स, रिटेल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग तथा कई अन्य क्षेत्रों में विविध स्तर के प्रस्तावित दिए।

34% छात्र

वित्त

छात्रों को, आर्सेलॉर मित्तल निप्पॉन स्टील, आशीर्वाद पाइप्स, ब्लूमबर्ग, डिजिट इन्श्योरेंस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्वेस्ट इंडिया, लेंडेनक्लब, लिक्विड एशिया, आरबीआई, टाटा कैपिटल एवं यस बैंक जैसे संगठनों में ऐसेट मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च, फाइनैन्शियल मॉडलिंग, इन्टरनेशनल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट, रिस्क असेसमेंट, ट्रेज़री, रिटेल क्रेडिट स्ट्रैटजी एनालिस्ट एवं सीनियर बिज़नेस असोसिएट की भूमिकाएँ प्रस्तावित की गई थीं।

15% छात्र

ग्रीष्मकालीन नियोजन 2021-23

क्षेत्रवार नियोजन मुख्याकर्षण

साधारण प्रबंधन

अप्लायड मैटेरियल्स इन्क., आईसीआईसीआई बैंक, इंडोफिल इंडस्ट्रीस, लिक्विड लोन्स, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट, नाव परचेज़, न्युमोसिटी टेक्नोलॉजीस, ऑफबिज़नेस, आरबीएल बैंक, रीवोज़, स्किलिंग इंडिया, सुरति आईएमएफ, टाटा कैपिटल, टेक ट्री आईटी सिस्टम्स, टीवीएस क्रेडिट, यस बैंक जैसे अग्रणी संगठनों ने बिज़नेस डेवलपमेंट एंड कॉर्पोरेट एडवाइज़री, ग्रोथ एंड स्ट्रैटजी एनालिस्ट, न्यू प्रोडक्ट इनिशिएटिव, प्रोडक्ट एक्सक्युटिव, प्रोडक्ट मैनेजमेंट एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसी भूमिकाएँ प्रस्तावित की थीं।

18% छात्र

ऑपरेशंस (प्रचालन)

आर्सेलॉर मित्तल निप्पॉन स्टील, ईकॉम एक्सप्रेस, फ्रेट टाइगर, आईओसीएल, कल्पतरु पावर ट्रान्समिशन लि., माइल्स एजुकेशन, नेसले, आउटलुक ग्रुप, टैलेंट लिटमस, ज़ियाओमी, ज़वेरसल जैसे प्रमुख संगठनों में इन्टरमोडल लॉजिस्टिक्स इन्टर्न, लॉजिस्टिक्स इन्टर्न, ऑपरेशंस मैनेजमेंट इन्टर्न, ऑपरेशंस प्लानिंग, सर्विस डिलीवरी इन्टर्न एवं स्ट्रेटजिक प्लानिंग इन्टर्न जैसी भूमिकाओं के लिए आईआईएम काशीपुर एक चहेता संस्थान बना रहा।

6% छात्र

रणनीति एवं परामर्श

छात्रों को प्रस्तावित स्ट्रैटजी एंड कन्सल्टिंग की भूमिकाओं की संख्या में वृद्धि हुई । सीआईबीसी कन्सल्टिंग, इन्डोफिल, लिक्विड एशिया, प्यूमा एवं अनेक संगठनों ने इस वर्ष ग्रीष्मकालीन नियोजन किए थे। प्रमुख प्रस्तावित भूमिकाएँ थीं – कॉर्पोरेट एडवाइज़री इन्टर्न, न्यू मार्केट स्ट्रैटजी एंड फाइनैन्शियल कॉन्सल्टैन्ट, स्ट्रैटजिक कॉन्सल्टैन्ट, मैनेजमेंट कॉन्सल्टैन्ट व अन्य।

4% छात्र

मानव संसाधन

मानव संसाधन (एचआर) क्षेत्र ने सीजीआई, अर्न्स्ट एंड यंग, ग्रो जंक्शन, आईओसीएल, मिडल अर्थ, शॉर्टहिल्स टेक, स्किलिंग इंडिया जैसे अनेक संगठनों ने कॉम्पेन्सेशन मैनेजमेंट, एचआर एडवाइज़री, स्ट्रैटजिक परफॉर्मेंस, स्ट्रैटजिक परफॉर्मेंस एंड ग्लोबल इनिशिएटिव इन्टर्न एवं एचआर जेनरलिस्ट जैसी भूमिकाएँ प्रस्तावित की ।

5% छात्र

अंतिम नियोजन 2020-22 मुख्याकर्षण

नियोजन सत्र की सांख्यिकी

- **322** योग्य छात्रों की संख्या
- **365** प्रस्तावों की संख्या
- **150+** प्रतिभागी कंपनियों की संख्या
- **53** पीपीओ/पीपीआई की संख्या
- **15.21** एलपीए औसत सीटीसी
- **14.82** एलपीए मीडियन सीटीसी

- अधिकतम सीटीसी **28.82** एलपीए
- शीर्ष 10% **23.44** एलपीए (औसत)
- शीर्ष 20% **21.51** एलपीए (औसत)
- शीर्ष 30% **20.06** एलपीए (औसत)

- **47%** पीपीओ/पीपीआई की संख्या में वृद्धि
- **26.6%** नियोजकों की संख्या में वृद्धि
- **60+** नए नियोजक

सभी वेतन के आंकड़े रुपए में हैं और 2 महीने की अवधि के लिए हैं

क्षेत्रवार नियोजन

क्षेत्र	प्रतिशत
आईटी एवं एनालिटिक्स	39%
बीएफएसआई	30%
प्रबंधन सलाहकारिता	11%
ई-व्यवसाय	9%
रिटेल (खुदरा)	4%
निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग)	2%
अन्य	4%

बैच सूचक

क्षेत्रवार वितरण: 58% इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी | 24% वाणिज्य/बीबीए | 12% बी.एससी./ बीए / एमबीबीएस

एमबीए 263 | एमबीए (विश्लेषिकी) 58

पेशेवर पृष्ठभूमि

आईटी एवं विश्लेषिकी	38%	परामर्श	5%
सलाहकारिता	14%	रियल एस्टेट	4%
शिक्षा/ ईडी-टेक	9%	टेलीकॉम	3%
एफएमसीजी	8%	मीडिया	3%
बीएफएसआई	6%	अन्य	10%

आयु वर्ग

आयु	प्रतिशत
<21 वर्ष	3%
21-23 वर्ष	26%
23-25 वर्ष	40%
25-27 वर्ष	25%
>27 वर्ष	6%

लैंगिक विविधता

पुरुष 76%

महिला 24%

कार्य अनुभव

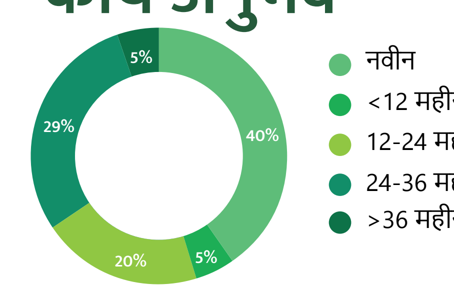

अंतिम नियोजन 2020-22

क्षेत्रवार नियोजन मुख्याकर्षण

आईटी एंड एनालिटिक्स

बड़े संगठन, जैसे कि – ऐक्सेन्चर, ऐकोलाइट डिजिटल, ऐग्रोस्टार, बेन कैपेबिलिटी सेंटर, कैपजेमिमी, कॉग्निज़ेन्ट टेक्नोलॉजी सॉल्युशंस, कौंगा, फैक्ट्रि.एआई, फेडएक्स, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, लेटेंटव्यू एनालिटिक्स, मेरिलाइटिक्स, माइंडट्री, ऑप्टम, प्युमा स्पोर्ट्स, टीए डिजिटल, ट्रेडेंस एनालिटिक्स, वरतूसा आदि ने बीएफएस एनालिटिक्स, बीआई एनालिटिक्स, बिग-डाटा सर्विसेस मैनेजमेंट, बिज़नेस इन्टेलिजेंस, रिसर्च, प्रोग्राम मैनेजर, डाटा एनालिटिक्स कन्सलटैंट, फाइनैन्शियल एनालिटिक्स, आईटी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, ऑपरेशनल एनालिटिक्स, प्रोडक्ट क्वालिटी एनालिस्ट, सीनियर बिज़नेस एनालिस्ट, सीनियर रिसर्च एनालिस्ट एवं टेक्निकल प्रोजेक्ट मैनेजर की भूमिकाएँ प्रस्तावित की हैं।

अधिकतम सीटीसी
रु. 23.6 लाख
सालाना

21% छात्र

विपणन (मार्केटिंग)

बाजार के अग्रणी, जैसे कि – एक्युवेट सॉफ्टवेयर, अडानी विल्मार, बीपीसीएल, बाइजूस, सीएल एडुटेक, फ्रॉन्टिज़ॉन बिज़नेस सर्विसेस, एचसीएल, एचडीएफसी, होल्सिम ग्रुप, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीस, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आईक्रान्टि, खिमजी रामदास, ऑफबिज़नेस, फार्माएस, आरबीएल बैंक, रिलायंस रिटेल, श्री मालानी ग्रुप, स्पेशलिटी पॉलीफिल्म्स, टीवीएस क्रेडिट, एक्सट्रास कॉर्प आदि ने एग्रि-मार्केटिंग, बी2बी मार्केटिंग, बी2सी मार्केटिंग,टेररिटरी बिज़नेस हेड, एरिया मैनेजर, रिसर्च असोसिएट, मार्केटिंग मैनेजर, इंटरप्राइज़ सेल्स स्पेशलिस्ट, डेप्युटी ब्रांच हेड, ग्रोथ मैनेजर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डिजिटल मार्केटिंग एसोसिएट, एसोसिएट इंगेजमेंट पार्टनर, एंटरप्राइज सेल्स मैनेजर, ब्रांड मैनेजर मार्केट रिसर्च स्पेशलिस्ट, डिजिटल मार्केटिंग एक्सक्युटिव, प्राइसिंग मैनेजर, चैनल मैनेजर, मार्केटिंग इन्टेलिजेंस, कॉर्परेट सेल्स मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर – रिटेल ब्रांच, रिटेल मार्केटिंग, रूरल मार्केटिंग सेल्स डेवलपमेंट एक्सक्युटिव एवं स्ट्रैटजिक मार्केटिंग की जैसी प्रतिष्ठित भूमिकाएँ प्रस्तावित की ।

अधिकतम सीटीसी
रु. 28.8 लाख
सालाना

17% छात्र

वित्त

प्रख्यात संगठनों, जैसे कि - आर्सेलॉर मित्तल निप्पॉन स्टील, एक्सिस बैंक, बजाज एलायंज़, बैंक ऑफ अमेरिका, कैपजेमिनी, केयर रेटिंग्स, डेसिमल पॉइन्ट्स एनालिटिक्स, डेलॉयट यूएसआई, डिजिट इन्श्योरेंस, इक्विटास स्मॉल फाइनैन्स बैंक, आईसीआईसीआई लिमिटेड, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, केपीएमजी, आरबीएल बैंक, टाटा कैपिटल, ट्रुसविस्टा, टीवीएस क्रेडिट, विवृति कैपिटल, यस बैंक द्वारा, छात्रों को असोसिएट कॉन्सल्टैंट, सीनियर असोसिएट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, कॉर्परेट बैंकिंग, क्रेडिट एनालिस्ट, ईक्विटीस रिसर्च, फाइनैन्शियल एडवाइज़री, फाइनैन्स कन्ट्रोलर, फाइनैन्शियल एनालिटिक्स, फाइनैन्शियल स्ट्रैटजी, इन्टरनल ऑडिटर, इन्टरनेशनल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट, असोसिएट रिसर्च एंड इन्वेस्टमेंट, फाइनैन्शियल रिस्क मैनेजमेंट, मर्जर्स एंड एक्विज़िशंस, प्राइवेट इक्विटी, रिलेशनशिप मैनेजर, रिटेल बैंकिंग, सीनियर बिज़नेस असोशिएट – फाइनैन्शियल सर्विसेस, रिसर्च एनालिस्ट, ट्रेज़री एवं वेल्थ मैनेजमेंट की भूमिकाएँ प्रदान की गयीं।

अधिकतम सीटीसी
रु. 20.8 लाख
सालाना

15%

सामान्य प्रबंधन

ऐमजॉन, एक्सिस बैंक, बजाज अलायंज़, कैपजेमिनी, सीएल एजुकेट, डारविन बॉक्स, डेल टेक्नोलॉजीस, डिजिटल जलेबी, हॉकिन्स कुकर्स लिमिटेड, एचसीएल, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडिया मार्ट , जे के लक्ष्मी सीमेंट, आरबीएल बैंक, रिलायंस रिटेल, टाटा टेक्नोलॉजीस, ज़ियाओमी आदि जैसे प्रख्यात संगठनों द्वारा छात्रों को साधारण प्रबंधन में मैनेजमेंट ट्रेनी, सीनियर मैनेजमेंट ट्रेनी, प्रोग्राम मैनेजर, की अकाउंट मैनेजर, कम्पनी सेक्रेटरी, प्रोजेक्ट मैनेजर, असिस्टेंट मैनेजर, डेप्युटी मैनेजर, एवं ग्लोबल ऑपरेशंस ग्रैजुएट की भूमिकाओं की प्रस्तावना हेतु आईआईएम काशीपुर एक चहेता गंतव्य बना

अधिकतम सीटीसी
रु. 20.8 लाख
सालाना

19% छात्र

संचालन

बैंक ऑफ अमेरिका, बजाज अलायंज़, बिड़लासॉफ्ट, कॉग्निज़ैंट टेक्नोलॉजी सॉलियुशंस, कोगोपोर्ट, डीएमआई फाइनैन्शियल्स, फ्लिपकार्ट, एचसीएल, एचएसबीसी, एल एंड टी, लेंडेनक्लब, नॉवपरचेस, टाटा स्टील (बीएसएल), ज़ियाओमी ने छात्रों को एवीपी – ऑपरेशंस, ऑपरेशंस को-ऑर्डिनेटर, ऑपरेशनल प्लानिंग, ऑपरेशंस मैनेजमेंट ट्रेनी, प्रोक्योरमेंट एनालिसिस, प्रोडक्ट ऑपरेशंस, सर्विस डेलिवरी मैनेजर, सर्विस क्वालिटी मैनेजर एवं स्ट्रैटजिक ऑपरेशनल प्लानिंग असोशिएट जैसी भूमिकाएँ प्रस्तावित की।

अधिकतम सीटीसी
रु. 27.3 लाख
सालाना

8% छात्र

रणनीति एवं परामर्श

अंतिम नियोजन 2020-22
क्षेत्रवार नियोजन मुख्याकर्षण

प्रख्यात संगठन, जैसे कि – ब्लैक ब्रिक्स एडवाइज़र्स, कैपजेमिनी, कॉग्निज़ैंट टेक्नोलॉजी सॉलियुशंस, डेलॉयट यूएसआई, डीइस ग्रुप, इक्विटास स्मॉल फाइनैन्स बैंक, ईवाई, हाशेडिन, एचसीएल, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इन्फोसिस, कान्टार एनालिटिक्स, लॉयल्टी जगरनॉट, 09 सॉल्युशंस, पोर्टर.एन, दिमैथ कम्पनी ने स्ट्रैटजी एंड कॉन्सल्टिंग के क्षेत्र में असोशिएट बिज़नेस कॉन्सल्टिंग, असोशिएट एन्गेजमेंट पार्टनर, कॉन्सल्टैंट, मैनेजमेंट कॉन्सल्टैंट, सीनियर बिज़नेस असोशिएट, सीनियर फंकशनल कॉन्सल्टैंट, वर्कफोर्स एडवाइज़री कॉन्सल्टैंट, कॉर्परेट एडवाइज़री, कॉर्परेट स्ट्रैटजी, फाइनैन्शियल कॉन्सल्टैंट, फंक्शनल कॉन्सल्टैंट, लीडरशिप एंड ग्रुप स्ट्रैटजी, एमटी – स्ट्रैटजिक अलायंस एंड स्ट्रैटजिक कॉन्सल्टिंग की भूमिकाएँ प्रस्तावित की।

अधिकतम सीटीसी
रु. 20.8 लाख
सालाना

12% छात्र

मानव संसाधन

ह्मन रिसोर्सेस (एचआर) के क्षेत्र में डेलॉयट यूएसआई, ईवाई, गार्टनर, हायर टेल, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इन्फोसिस, मॉर्गन एंड स्टैनली एवं अन्य संगठनों द्वारा प्रतिभागिता की गई थी। इन्होंने एचआर जेनरलिस्ट, एचआर एनालिस्ट, सीनियर असोशिएट लीड टैलेंट एक्विज़िशन, एक्सक्युटिव टैलेंट एक्विज़िशन, मैनेजमेंट ट्रेनी एचआर, एचआर बिज़नेस पार्टनर, सीनियर एनालिस्ट एचआर, एचआर एडवाइज़री, इन्डस्ट्रियल रिलेशंस मैनेजमेंट, स्ट्रैटजिक परफॉर्मेंस एवं कॉम्पेन्सेशन मैनेजमेंट की की भूमिकाएँ प्रस्तावित की गई थीं।

अधिकतम सीटीसी
रु. 20 लाख
सालाना

8% छात्र

ACCOLADES IN COMPETITIONS

IIM Kashipur students have yet again hit a home run in the competitive arena of case study competitions.

We have 4 National Winners, 1 National Runners up, 1 International Finalist, 9 National Finalists and 18 National Semi-Finalists who have bagged positions in reputed competitions like Airtel iCreate 2021, Flipkart Wired 5.0, Hero Campus Challenge 7.0, HP Solve, L'Oreal Sustainability Challenge 2021, Optum Stratethon, Reliance T.U.P 7.0, VOIS Vantage 2021, Welspun Disruptor and many more.

National Winners:

- Bottoms Up 2.0
- The Analytics Conundrum!
- Virtusa Business Cipher Challenge

International Finalist

- Data Hackathon: Dubai Taxi Corporation & Middlesex Insights Lab

National Finalist

- Credit Research Challenge 2021
- GMC
- Bottoms Up 2.0
- Virtusa Business Cipher Challenge
- Welspun Disruptor

National Semi-Finalist

- Airtel iCreate 2021
- Flipkart Wired 5.0
- Gameplan
- Hero campus challenge 7.0
- HP Solve
- L'Oreal Sustainability Challenge 2021
- Optum Stratethon Season 3
- Reliance T.U.P 7.0
- Resolvr 2021 The Smart Cube
- Welspun Disruptor
- VOIS Vantage 2021

हमारे नियोजक 2020-22

एक्सक्युटिव / प्रबंधन विकास कार्यक्रम

आईआईएम काशीपुर में क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास की एक सतत प्रक्रिया है। अनवरत बदलती कॉर्पोरेट प्रबंधन की गतिशीलता के साथ, नवीनतम कौशल के साथ तालमेल बैठाना समय की आवश्यकता है। प्रासंगिक बने रहने एवं कॉर्पोरेट जगत में प्रतिस्पर्धा में अग्रणी रहने के लिए, आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रदान किए जाने वाले कार्यकारी/प्रबंधन विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को सीखने एवं स्वयं को बेहतर बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। इन कार्यक्रमों की पाठ्य सामग्रियों को भविष्य के बाजार के रुझान की मजबूत विश्लेषणात्मक समझ के आधार पर तैयार की गई है। ये कार्यक्रम गतिशील प्रबंधन कौशल प्रदान करते हैं जो प्रतिभागियों को नेतृत्व करने तथा अपने कार्यस्थल पर उन्हें एक 'संपत्ति' के रूप में बनने की शानदार शुरुआत देता है। भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर व्यावसायिक चुनौतियों को समझता है तथा कंपनियों एवं व्यक्तियों को समय से आगे रहने में मदद करने के लिए सीखने का अवसर प्रदान करता है। आईआईएम काशीपुर के कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम मौजूदा व्यापार गतिशीलता के संयोजन के साथ तैयार किए गए हैं। उन्हें उपयोगी शिक्षण सामग्री, केस अध्ययन, रोल-प्ले एवं सिमुलेशन के आधार पर संवादात्मक पद्धति का उपयोग, खुली चर्चाओं तथा अलग-अलग कोचिंग के लिए उपयोग किया जाता है। यह अनुभवात्मक अधिगम के साथ-साथ प्रतिभागियों के लिए सर्वोत्तम व्यावसायिक शिक्षण को सामने लाने में मदद करता है।

आईआईएम काशीपुर की विशेषता अपने विविध संकाय गुणों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लगभग एक दशक के अनुभव में निहित है। कार्यक्रमों को समकालीन एवं अधिक व्यावहारिक बनाने के लिए आवश्यक होने पर संकाय टीम में कॉर्पोरेट क्षेत्र के विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाता है। प्रतिभागी आईआईएम काशीपुर के विशेषज्ञ संकाय द्वारा अनुभव एवं प्रशिक्षित होते हैं तथा कॉर्पोरेट जगत में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। कार्यकारी/ प्रबंधन विकास कार्यक्रम या तो संगठन की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए इन-हाउस / इन-कंपनी कार्यक्रम हैं, या खुले कार्यक्रम हैं जहां विभिन्न संगठनों के प्रतिभागी नामांकन करते हैं। संस्थान राज्य एवं केंद्र सरकारों के अधिकारियों तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के संगठनों के अभ्यासगत प्रबंधकों के लिए लगभग पिछले 10 वर्षों से कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

संक्षेप में, प्रस्तुत कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रम ज्ञान के प्रति खोज का प्रतीक हैं जो आईआईएम काशीपुर संकाय एवं उद्योग / कॉर्पोरेट को आपसी आदान-प्रदान के माध्यम से जोड़ता है। ऐसे में, आईआईएम काशीपुर ऐसे लीडर्स को बनाने में सक्षम है, जो न सिर्फ भविष्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि आज के ज्ञान के साथ प्रभावी ढंग से कार्य करेंगे।

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

कार्य तथा निजी जीवनशैली के बीच धुंधलाती सीमाओं की इस नव परिस्थिति में, हाई-स्पीड इंटरनेट तथा सक्षम प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म की सुलभता से, प्रतिभागियों को उनके सुविधा क्षेत्र को छोड़े बिना ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा सकती है। आईआईएम काशीपुर, प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी होने के नाते इस क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है एवं 2017 से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान कर रहा है। आईआईएम काशीपुर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रयासरत है तथा प्रतिभागियों को उद्योग में विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों और विषयों में क्रियाशील कैरियर बनाने के लिए तैयार करता है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को एक एकीकृत रुप से व्यवसायों का प्रबंधन करने के लिए मजबूत वैचारिक और विश्लेषणात्मक कौशल से लैस करते हैं। सामाजिक रूप से संवेदनशील तरीके से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक समग्र प्रबंधक विकसित करने पर जोर दिया जाता है। हमारे ऑनलाइन कार्यक्रम इस प्रकार ऐसे पेशेवरों की जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य रखते हैं, जो नए कौशल हासिल करने, किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञता का निर्माण करने, कैरियर में उन्नति के लिए अपनी पेशेवर प्रोफाइल को अपडेट करने तथा अपने ज्ञान के आधार को व्यापक बनाने के लिए समय के अभाव में हैं। हमारे ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के लिए लॉजिस्टिक, प्रौद्योगिकी और वितरण बुनियादी ढांचे से संबंधित मुद्दों का ध्यान अन्य संगठनों के साथ अनुबंध समझौतों द्वारा किया जाता है जो ऐसे कार्य करने में सक्षम हैं। वर्तमान में बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड – ए टाइम्स प्रोफेशनल लर्निंग डिवीजन (टाइम्स टीएसडब्ल्यू), ह्मन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न), एरुलर्निंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (एरुडिटस एक्सक्युटिव एजुकेशन), तथा अरीना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटेज) विक्रय-विपणन और कार्यक्रम संचालन आदि के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। वर्तमान में आईआईएम काशीपुर दो प्रकार के ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रदान करता है:

» एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र/ एक्सक्युटिव प्रोग्राम (अवधि 150 से 200 घंटे के बीच)

» एक्सक्यूटिव डेवलपमेंट/प्रमाण पत्र कार्यक्रम (अवधि 60 से 100 घंटे के बीच)

एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र/ एक्सक्युटिव प्रोग्राम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रदत्त एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र/ एक्सक्युटिव प्रोग्राम ऐसे कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो आज के कॉर्पोरेट वातावरण में सफलता के लिए आवश्यक हैं तथा, पाठ्यक्रम सामग्री को सर्वोत्तम रूप से वितरण द्वारा विभिन्न शैक्षणिक उपकरणों जैसे केस स्टडीज, सिमुलेशन और अभ्यास का उपयोग करके प्रतिभागियों में प्रबंधकीय कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से, आज के तेजी से बदलते व्यवसाय परिवेश की जानकारी रखने के लिए बनाए गए हैं। इन कार्यक्रमों को आईआईएम काशीपुर परिसर में प्रोफेसरों के साथ प्रत्यक्ष भौतिक रुप से सत्रों की संतुलित मात्रा के साथ सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके समकालिक कक्षा शिक्षण के मिश्रित तरीके से प्रदान किया जाता है। इन कार्यक्रमों की अवधि 150 से 200 घंटे के बीच होती है।

ये प्रोग्राम डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) तरीके से प्रदान किए जाते हैं, जहाँ कई संगठनों के सक्षम प्रतिभागी किसी कोर्स में शामिल होते हैं। इस तरह के कार्यक्रमों की अवधि एक वर्ष है और एक प्रतिभागी अपने शहर में स्थित स्टूडियो की उपलब्धता या यहाँ तक कि कार्यालय से या अपने घर से सुविधानुसार सत्र में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को व्यावसायिक आवश्यकताओं की जरुरत और विशिष्ट कार्यक्रम के पाठ्यक्रम की दृढ़ता के अनुरूप चयन मानदंड के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। प्रमाणन उचित जांच और मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद किया जाता है। आईआईएम काशीपुर के संकाय सदस्यों द्वारा बाह्य पेशेवर विशेषज्ञों से सामयिक इनपुट के साथ शैक्षणिक सामग्री को अत्याधुनिक शिक्षाशास्त्र के रुप में डिजाइन और निर्मित किया जाता है। इन कार्यक्रमों में छोटी अवधि के कैंपस दौरों का एक अंतर्निर्मित घटक शामिल होता है। ये दौरे प्रतिभागियों को हमारे संकाय सदस्यों के साथ वार्ता करने के अवसर प्रदान करने के लिए हैं, जिनमें वे भी शामिल होते हैं जिन्होंने किसी कार्यक्रम में सीधे भाग नहीं लिया है। ये यात्राएँ हमारे प्रतिभागियों के लिए यादगार घटना बन जाती हैं क्योंकि वे परिसर के सुंदर वातावरण और भरपूर वनस्पतियो व जीव जंतुओं का अनुभव करते हैं। इन कार्यक्रमों के तहत नामांकित प्रतिभागी आईआईएम काशीपुर के पूर्व एक्सेक्यूटिव एलुमनाई बनने के पात्र हैं।

2021-22 में आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रदत्त एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट / एक्ज़ीक्यूटिव प्रोग्राम निम्नलिखित हैं:

- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन स्ट्रेटजी एंड लीडरशिप बैच 1
- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन स्ट्रेटजी एंड लीडरशिप बैच 2
- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन जनरल मैनेजमेंट बैच 1
- पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन जनरल मैनेजमेंट, बैच 2
- पोस्ट ग्रैजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन एडवांस मार्केटिंग स्ट्रेटजी एंड एनालिटिक्स बैच 1
- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन ऑपरेशन एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट बैच 1

2021-22 में आईआईएम काशीपुर द्वारा टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड के के साथ मिलकर शुरूकिए गए एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट / एक्ज़ीक्यूटिव प्रोग्राम निम्नलिखित हैं: प्रोग्राम जो चालू होने हैं।

- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन स्ट्रेटजी एंड लीडरशिप बैच 3
- पोस्टग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस मैनेजमेंट, बैच 3
- एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन ऑपरेशन एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट बैच 2
- पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन एडवांस्ड मार्केटिंग स्ट्रैटेजी एंड एनालिटिक्स, बैच 2

एक्सक्युटिव डेवलपमेंट/सर्टिफिकेट प्रोग्राम

आईआईएम काशीपुर द्वारा प्रदत्त एक्सक्युटिव डेवलपमेंट/सर्टिफिकेट प्रोग्राम एक मिश्रित कार्यक्रम है, जिसमें ऑनलाइन और ऑन-कैंपस मॉड्यूल दोनों शामिल हैं। ऑनलाइन मॉड्यूल्स के लिए, शिक्षा की प्राथमिक विधि लाइव व्याख्यान के माध्यम से है, जो इंटरनेट के माध्यम से प्रतिभागियों के डेस्कटॉप/लैपटॉप या कक्षाओं में ऑनलाइन प्रदान किए जाते हैं। व्याख्यान आईआईएम काशीपुर के प्रख्यात संकाय और उद्योग के पेशेवर विशेषज्ञ(ज्ञों) द्वारा दिए जाते हैं। इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से कक्षा अभ्यासों, प्रस्तुतियों, टेक-होम अभ्यास, अनुकरण और केस स्टडी के संयोजन के माध्यम से पढ़ाया जाता है। पाठ्यक्रम सामग्री को विभिन्न व्यावसायिक पहलुओं पर प्रयुक्तिकरण हेतु प्रतिभागियों को परिचय प्रदान करने के लिए प्रदान की जाती है। पाठ्यक्रम में आवधिक मूल्यांकन अंतर्निहित होते हैं। ये प्रश्नोत्तरी, सत्रीय कार्य, अभ्यास, वस्तुनिष्ठ/ व्यक्तिपरक आकलन के रूप में हो सकते हैं। मूल्यांकन को पाठ्यक्रम के साथ निरंतर छात्र जुड़ाव सुनिश्चित करने और शिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अपेक्षित उपस्थिति मानदंड के साथ इसे सफलतापूर्वक पास करने वाले छात्र पूर्णता प्रमाणपत्र के लिए पात्र हैं अन्यथा प्रतिभागी जो पाठ्यक्रम के पूर्णता मानदंडों को पूरा करने में विफल रहता है को भागीदारी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है इन कार्यक्रमों की अवधि 60 से 100 घंटों के बीच होती है।

ऑन-कैंपस मॉड्यूल आईआईएम काशीपुर परिसर में कक्षाओं में प्रदान किए जाते हैं। ऑन-कैंपस मॉड्यूल की अवधि, पाठ्यक्रम की मांग के अनुसार दो से पांच दिन हो सकती है।

2021-22 में आईआईएम काशीपुर द्वारा ह्यूमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (नुलर्न) के साथ मिलकर से शुरू किए गए एक्सक्युटिव डेवलपमेंट/सर्टिफिकेट प्रोग्राम निम्नलिखित हैं:

- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन फाइनेंशियल डाटा एनालिटिक्स बैच 4
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट बैच 10
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन एप्लाईड फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट बैच 6
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन डिजिटल मार्केटिंग एंड एनालिटिक्स, बैच 5
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट बैच 11
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन ऑपरेशंस मैनेजमेंट विद सिक्स सिगमा बैच 3
- एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन फाइनेंशियल डाटा एनालिटिक्स बैच 5

2021-22 में आईआईएम काशीपुर द्वारा चालू किए गए एक्सक्युटिव डेवलपमेंट/सर्टिफिकेट प्रोग्राम निम्नलिखित हैं: प्रोग्राम जो चालू होने हैं।

प्रोग्राम का नाम	प्रदत्त प्रोग्राम हेतु प्राप्त सहयोग
एक्सक्युटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, बैच 1 एवं 2	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट, बैच12	ह्युमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन फाइनेंसियल डाटा एनालिटिक्स बैच 6	ह्युमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन अप्लाइड फाइनेंशियल रिस्क मैनेजमेंट बैच 7	ह्युमन रेसर्स एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड (न्यूलर्न)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन फाइनेंशियल स्टेटमेंट एनालिसिस एंड बिजनेस वैल्युएशन	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन B2B मार्केटिंग न्यू कांसेप्चुअल सेलिंग एंड नेगोशिएशन	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग मैनेजमेंट	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन डिजाइन थिंकिंग एंड इनोवेशन प्रोग्राम प्रोग्राम चेंज मैनेजमेंट	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन अप्लाइड साइंस एंड रिस्क एनालिटिक्स	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन इंटरनेट एक्सक्युटिव इंटरप्रेनरशिप	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव प्रोग्राम इन लीडरशिप एंड चेंज मैनेजमेंट	टाइम्स एडुटेक एंड इवेंट्स लिमिटेड (बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की एक इकाई)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रेटेजिक ब्रांड मैनेजमेंट	अरीना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटएज)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग मैनेजमेंट	अरीना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटएज)
एक्सक्युटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स एंड बिग डाटा	अरीना एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड (टैलेंटएज)

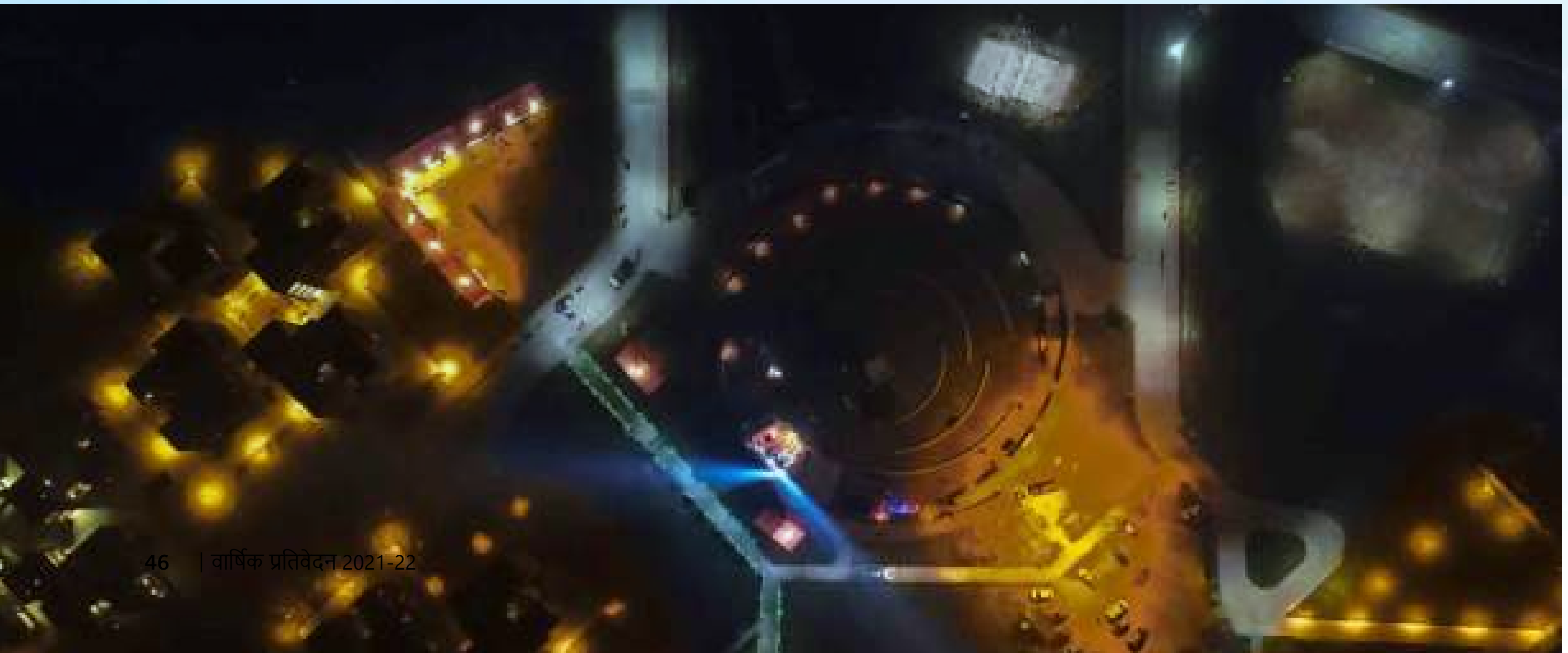

कस्टमाइज (अनुकूलित) प्रबंधन विकास पाठ्यक्रम

संस्थान विभिन्न स्तरों पर संगठनों से उनके अधिकारियों के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अनुरोध स्वीकार करता है एवं ग्राहक संगठनों की व्यावसायिक तथा विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। ग्राहक संगठनों की आवश्यकताओं के अनुरूप, जहाँ आवश्यक हो, नियमित एमडीपी मानक मॉड्यूल को भी संयोजित और अनुकूलित किया जाता है।

इन कार्यक्रमों की अवधि तीन से पांच दिनों तक होती है, जो समाहित विषयों की विविधता, परिमाण और जटिलता पर निर्भर करती है। वर्ष 2021-22 में, आईआईएम काशीपुर ने निम्नलिखित एमडीपी का आयोजन किया:

प्रोग्राम का नाम	ग्राहक संगठन
मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन इमोशनल इंटेलिजेंस फॉर इंप्रूव्ड डिसीजन मेकिंग बैच 2	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
मध्यमा -1, मिड- कैरियर प्रोग्राम	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम इन जनरल मैनेजमेंट फॉर डीआरडीओ पर्सनल	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)
मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑन एडमिनिस्ट्रेशन, लर्निंग, मॉनिटरिंग एंड ट्रेनिंग फॉर आईटीआई प्रिंसिपल एंड फोरमेन अंडर उत्तराखंड वर्क फॉर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट	उत्तराखंड कार्यबल विकास परियोजना (यूकेडब्ल्यूडीपी)
मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम इन टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट फॉर डीआरडीओ पर्सनल	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ)

अंतरराष्ट्रीय संबंध

प्रबंधन अध्ययन के लिए उत्कृष्टता के वैश्विक केंद्र के रूप में, हम दुनिया भर के प्रतिष्ठानों के साथ अपनेसंबंधों को अधिक सहयोगी और समग्र बनाने का प्रयास करते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, संस्थान हमारे भागीदारों के साथ अधिक से अधिक क्षेत्रों में सहयोग करने का कार्य करता है, जो हमारे संबंधित विजन, मिशनों और लक्ष्यों में मूल्यवर्धन करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करते हुए शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्रों में पारस्परिक सहायता के माध्यम से शिक्षाविदों और संस्कृति का एक सहज आदान-प्रदान सुनिश्चित करना है। यह निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से भागीदार संस्थानों में प्रस्तावित कार्यक्रमों सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जाता है:

» छात्रों का त्रैमासिक और अल्पकालिक आदान-प्रदान ,

» फैकल्टी का आदान-प्रदान और,

» संयुक्त शोध गतिविधियों का विकास

संस्थान का मानना है कि हमारे संस्थानों के बीच संकाय और छात्रों के आदान-प्रदान से ज्ञान हस्तांतरण को बढ़ावा मिलेगा जो पारस्परिक रूप से लाभकारी साबित होगा। आज की प्रबंधन समस्याओं के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण न केवल वांछित है, बल्कि एक सफल नेता होने के लिए भी आवश्यक है। इसका उद्देश्य अपने सहयोगी संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ छात्रों को भेजना है, जहाँ नामित होने से पूर्व छात्रों का मूल्यांकन कई मापदंडों पर किया जाता है। इसके अलावा, आईआईएम काशीपुर अपने सहयोगी संस्थानों से छात्रों का आदान-प्रदान करता है, जो एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक रूप से इमर्सिव प्रोग्राम है।

2021-22 में संस्थान ने ब्रुनेल यूनिवर्सिटी लंदन और सिरैक्यूज़ यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम से परे अंतर्राष्ट्रीय गठजोड़ के दायरे का विस्तार करने और इसमें अनुसंधान सहयोग और अन्य शैक्षणिक कार्य शामिल करने का प्रयास करता है।

उत्कृष्टता केंद्र

संस्थान ने उत्कृष्टता के तीन केंद्र स्थापित किए हैं, जिनकी परिकल्पना छात्रवृत्ति, शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श के प्रतिच्छेदन के रूप में की गई है, जो छात्रों के साथ-साथ सरकारी और निजी संस्थाओं की सेवा में एक सफल अंतःविषय दृष्टिकोण रखते हैं। उत्कृष्टता के ये केंद्र अंतःविषय कार्यक्रमों और अनुसंधान को सुविधाजनक बनाते हैं। वर्तमान में, उत्कृष्टता के तीन केंद्र: सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नमेंट (सीओईपीपीजी), डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (एफआईईडी) हैं। संस्थान के कार्यपरक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करते हुए प्रत्येक केंद्र अत्याधुनिक अनुसंधान, नवाचार, उद्यमशीलता की भावना और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है।

लोक नीति तथा सरकार पर उत्कृष्टता केंद्र

सार्वजनिक नीति और सरकार पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओईपीपीजी) की स्थापना संस्थान द्वारा नीति निर्माताओं, सरकारी एजेंसियों, सिविल सोसाइटी, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच विद्वानों के अनुसंधान, सार्वजनिक नीति अध्ययन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के बीच एक सेतु के रूप में सेवा करने के लिए एक मंच के रूप में की गई है।

2014 में स्थापना के बाद से, केंद्र ने आपदा प्रबंधन, सतत प्रबंधन (ग्रीन एमबीए), न्यायिक सेवा वितरण, खुली पहुंच के माध्यम से कानूनी शिक्षा, कॉर्पोरेट क्षेत्र में लिंग विविधता और महिलाओं के खिलाफ हिंसा उन्मूलन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं। क्रिया अनुसंधान, विषयगत सार्वजनिक नीति विश्लेषणों पर आधारित प्रशिक्षण और सलाहकार सेवाओं के संयोजन से केंद्र ने विश्व बैंक, आईसीएसएसआर, शास्त्री इंडो-कैनेडियन इंस्टीट्यूट, राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं की एक श्रृंखला को क्रियान्वित किया है।

लोक नीति में पीएचडी प्रोग्राम

इस अवधि के दौरान केंद्र को यूजीसी द्वारा डॉक्टरेट फेलोशिप (जेआरएफ/एसआरएफ) प्राप्त करने की अनुमति दी गई है। केंद्र ने लोक-नीति में दो पीएचडी स्कॉलर्स को भर्ती किया है। विद्वानों को यूजीसी द्वारा जूनियर रिसर्च फेलोशिप योजना के तहत वित्त पोषित किया जाता है। दोनों विद्वानों ने जुलाई, 2021 में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू किया है।

अधिवक्ताओं के लिए सतत कानूनी शिक्षा

केंद्र ने विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अधिवक्ताओं के लिए सतत कानूनी शिक्षा पर परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया। अंतिम रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत की गई थी और इसे भारत सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया गया था।

यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया में प्रचलित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) मॉडल के गहन विश्लेषण से पता चला है कि भारत जिस सबसे उपयुक्त मॉडल का अनुसरण कर सकता है वह यूएस मॉडल है। वकीलों के लिए अपनी पेशेवर क्षमता बनाए रखने की आवश्यकता समय के साथ बढ़ती जा रही है और इसका दबाव उन पर बना रहता है। समय के साथ कानून का अभ्यास बदल रहा है; ग्राहकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए एक उन्नत कौशल और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। न्यूनतम/अनिवार्य सतत कानूनी शिक्षा (एमसीएलई) को 1986 में अमेरिकन बार एसोसिएशन द्वारा डिजाइन और पारित किया गया था।

संयुक्त राज्य अमेरिका के अनिवार्य सतत कानूनी शिक्षा मॉडल को सीधे अपनाने के बजाय, यह सिफारिश की गई थी कि भारत अधिक सौम्य रूप, जैसे न्यूनतम सतत कानूनी शिक्षा मॉडल के साथ शुरुआत कर सकता है। उसी दिशा में, भारत एक वर्ष की अवधि के एक कार्यक्रम को शुरू करने पर विचार कर सकता है, जिसमें वकीलों को वर्ष में आठ घंटे बिताने की आवश्यकता होगी। यद्यपि एमओओसी में जागरूकता और भागीदारी की अधिक अपेक्षा है, सर्वेक्षण कानूनी पेशेवरों में एक सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाता है। कानूनी शिक्षा के वैकल्पिक साधनों की बढ़ी हुई ग्रहणशीलता यह सुनिश्चित करती है कि सीएलई पाठ्यक्रमों की मांग है। अधिकांश प्रतिभागियों ने सहमति व्यक्त की कि कानूनी पेशेवरों के करियर हितों के लिए एमओओसी फायदेमंद होंगे। प्रमाणन या प्रमाणिकता प्रदान करने वाले पाठ्यक्रमों को विशेष रूप से किसी की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के एक प्रभावी तरीके के रूप में माना जा रहा है।

शिक्षण संस्थान एवं उद्योग में लिंग विविधता

टेड रोजर्स स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, रायरसन यूनिवर्सिटी, कनाडा के साथ शिक्षा और उद्योग में लिंग विविधता पर शास्त्री संस्थागत सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना का दूसरा चरण महामारी से संबंधित यात्रा प्रतिबंधों की वापसी के बाद की अवधि के दौरान शुरू किया गया था। दूसरे चरण की अवधि जून 2022 तक बढ़ा दी गई है। परियोजना के एक भाग के रूप में, भारत और कनाडा में लिंग विविधता पर नीति विश्लेषण अध्ययन इस तिमाही के दौरान पूरा किया गया है।

इस संबंध में 19 से 25 नवंबर 2021 तक टेड रोजर्स स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, रायर्सन यूनिवर्सिटी, कनाडा में एक श्रृंखला परियोजना सलाहकार समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। परियोजना के प्रधान अन्वेषक प्रो बहरुल इस्लाम ने कनाडा का दौरा किया और टोरंटो में प्रो रूपा बनर्जी के साथ बैठक की एक श्रृंखला में भाग लिया।

कनाडा में अभूतपूर्व डेटा संग्रह फील्डवर्क के एक भाग के रूप में, 21 से 24 नवंबर 2021 तक कैलगरी विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग, प्रोफेसर पल्लवी बनर्जी के सहयोग से कैलगरी में कनाडाई उद्योग के अधिकारियों के साथ साक्षात्कार आयोजित किए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

सीओईपीपीजी को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (संयुक्त राष्ट्र विशेष एजेंसी) के एशिया और प्रशांत और क्षेत्रीय आर्थिक संवाद (आरईडी) के लिए क्षेत्रीय नियामक गोलमेज सम्मेलन में अवक्षेपण के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसे 8-9 जून, 2021 को आयोजित किया गया था। प्रो बहरुल इस्लाम ने इस कार्यक्रम में "परिवहन और ऊर्जा (उर्जा तथा तेल एवं गैस) बुनियादी ढाँचे के साथ सह-नियोजन" पर एक विषयगत सत्र दिया। उन्होंने डिजिटल अंतर को पाटने और कनेक्टिविटी बढ़ाने में सह-नियोजन की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। यह सह-नियोजन और सहयोगी विनियमन पर मौजूदा नियमों की समीक्षा करके किया गया था। यह नोट किया गया था कि पिछले देश के मामलों ने इस तंत्र का उपयोग करके कनेक्टिविटी अंतराल को कैसे भरा है।

सीओईपीपीजी ने डिजिटल परिवर्तन पर एशिया और प्रशांत क्षेत्रीय वार्ता: समावेशी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता में भी भाग लिया, जिसे 7 से 10 दिसंबर 2021 तक वर्चुअली अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ, एशिया और प्रशांत के क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकॉक द्वारा आयोजित किया गया। प्रो बहरुल इस्लाम ने 7 दिसंबर 2021 को "फाइबर ऑप्टिक ओवरहेड ग्राउंड वायर (ओपीजीडब्ल्यू) और परिवहन और ऊर्जा (बिजली और तेल और गैस) बुनियादी ढांचे के साथ सह-नियोजन" पर एक विस्तृत भाषण दिया था।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (संयुक्त राष्ट्र) की सदस्यता

संचार मंत्रालय, भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ का शैक्षणिक सदस्य बनने के लिए केंद्र को सहमति प्रदान की है, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। भारत से कुछ ही संस्थानों को आईटीयू की सदस्यता के लिए स्वीकार किया गया है। आईटीयू के एक शैक्षणिक सदस्य के रूप में, जिसमें दुनिया भर में 160 से अधिक विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थान हैं, यह केंद्र को विषयों के बीच संबंध बनाने, सिद्धांत को अनुप्रयोग से जोड़ने और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में अंतर्राष्ट्रीय संवाद को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा।

केंद्र को विकास के मुद्दों पर उद्योग सलाहकार समूह और निजी क्षेत्र के मुख्य नियामक अधिकारी (आईएजीडीआई-सीआरओ) में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसे वर्चुअली 24 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया था। विश्व दूरसंचार विकास सम्मेलन (6-16 जून 2022, किगाली, रवांडा) के दौरान आयोजित (ऑनलाइन) डिजिटल विकास गोलमेज सम्मेलन में आईआईएम काशीपुर के चार छात्रों ने भाग लिया।

पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना के लिए तकनीकी एजेंसी (स्फूर्ति)

केंद्र को खादी एवं ग्रामोद्योग निगम द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए निधि योजना (स्फूर्ति) के लिए एक तकनीकी एजेंसी के रूप में नामित किया गया था। केंद्र ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के बिन-मुनाकोट प्रखंड में च्युरा बटर के क्लस्टर विकास पर प्रारंभिक नैदानिक अध्ययन पूरा कर लिया है।

उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22

उत्तराखंड अर्थशास्त्र और सांख्यिकी विभाग (डीईएस) से आगामी उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 (वॉल्यूम II) के तहत, इस वर्ष केंद्र को समीक्षा कॉल "भविष्य का कार्य" के एक हिस्से का योगदान करने के लिए सौंपा गया है जो राज्य के संसाधनों और अर्थव्यवस्था की प्रकृति के साथ स्थानांतरित होने के संदर्भ में राज्य की रोजगार कार्यनीतियों को चित्रित करेगा।

रिपोर्ट में पाया गया कि राज्य में उच्च शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर अपेक्षाकृत अधिक है। आगे सुझाव दिया कि राज्य की आईटी और आईटी-सक्षम सेवा कंपनियों को बेहतर बुनियादी ढाँचा, अधिक बिजली और अपेक्षाकृत सस्ती भूमि देकर, सरकार को उन्हें अपने संचार नेटवर्क को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह उच्च शिक्षित बच्चों के लिए सम्मानजनक पदों के सृजन में योगदान देगा, जिससे उनकी उच्च बेरोजगारी दर कम होगी। युवा कौशल और रोजगार के लिए कौशल विकास मिशन और स्किल हब द्वारा आवश्यक सॉफ्ट स्किल्स के विकास में सहायता की जा सकती है।

डिजाइन इनोवेशन सेंटर

शुरुआत से ही, डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), आईआईएम काशीपुर, समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करके नवाचार, डिजाइन, सोच और रचनात्मक समस्या को सुलझाने की संस्कृति विकसित करके नवाचार को सफलतापूर्वक बढ़ावा दे रहा है। उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र और अन्य राष्ट्रीय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए नवाचार की होड़ को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियाँ (कार्यशालाएं/शिखर सम्मेलन/प्रतियोगिताएँ) आयोजित की गई हैं।

समाज के हर क्षेत्र में ज्ञान का प्रसार करने के लिए केंद्र द्वारा आयोजित निम्नलिखित गतिविधियाँ है।

टॉय टेल्स 2021- खिलौना डिजाइन पर एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता टॉय टेल्स 2021 को हमारी सभ्यता, इतिहास और संस्कृति के आधार पर उत्कृष्ट खिलौने और खेलों को विकसित करने के लिए भारत के रचनात्मक दिमाग को चुनौती देने के लिए अवधारणाबद्ध किया गया था। प्रतियोगिता के लिए कई व्यापक विषय जैसे पर्यावरण, फिटनेस और खेल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, भारतीय विरासत, संस्कृति, पौराणिक कथाओं, इतिहास, लोकाचार, प्रौद्योगिकी, और विभिन्न आयु समूहों के लिए सजातीयता खानपान थे। "नवाशाय द्वारा प्रदान किया गया मंच भारत की नैतिकता, संस्कृति और प्रौद्योगिकी पर आधारित खिलौनों और खेलों को विकसित करने के लिए राष्ट्र के नए दिमागों की मदद करेगा जो हमें आत्मानिर्भर खिलौना उद्योग के करीब एक कदम आगे ले जाएगा"।

मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए "परित्राणाय प्रकृति" का प्रोटोटाइप परीक्षण सफलतापूर्वक किया गया-

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर ने मानव-पशु संघर्ष के मुद्दे को हल करने के लिए डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर के समर्थन से विकसित उत्पादों में से एक का प्रोटोटाइप परीक्षण किया है। नवाशाय डीआईसी, आईआईएम काशीपुर ने परिवर्तन क्लब के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष के मुद्दे को साझा किया, जिन्होंने फरवरी 2021 में प्रयास 3.0 कार्यक्रम आयोजित किया था। देश से 800 से अधिक टीमों ने भाग लिया और दो राउंड की व्यापक स्क्रीनिंग के बाद फाइनल राउंड के लिए 10 टीमों का चयन किया गया।

विजयी (सर्वोत्तम) विचार बिट्स पिलानी के छात्र श्री आलेलाई वेंधन द्वारा दिया गया था। इस विचार को बाद में डीआईसी के समर्थन से कई दौर के पुनरावृत्तियों के बाद एक प्रोटोटाइप के रूप में विकसित किया गया था। उत्पाद के प्रोटोटाइप का नाम 'परित्राणाय प्रकृति' रखा गया है। यह एक स्वचालित उत्पाद है जो जानवर की उपस्थिति को भांप लेता है और सायरन ध्वनि का उपयोग करके उन्हें दूर भगाता है। यह बैटरी पावर पर काम करता है और भविष्य में इसे सौर ऊर्जा से भी संचालित किया जा सकता है। यह पीआईआर आधारित सेंसर का उपयोग करता है और वर्तमान में 100 डिग्री के क्षेत्र दृश्य के साथ 12 मीटर की दूरी तय करता है।

उत्तराखंड में, मानव-पशु संघर्ष की आवृत्ति अधिक है, और इस मुद्दे के प्रभाव छोटी चोटों से लेकर मनुष्यों और जानवरों दोनों तक की मृत्यु तक हो सकते हैं। कृषि भूमि के नष्ट होने की भी प्रबल संभावना है। उत्पाद मौजूदा उत्पाद की कमियों को दूर करता है, पर्यावरण के अनुकूल है, और लागत प्रभावी है। हम आशा करते हैं कि यह उस समस्या का समाधान है जो देश के हिमालयी क्षेत्र में मनुष्य और पशु के सह-अस्तित्व को प्रभावित कर रही थी।

स्कूल में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर कार्यशाला || लिटिल स्कॉलर स्कूल काशीपुर

कार्यशाला का आयोजन 25 मार्च 2022 को उत्तर-पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के स्कूलों के बीच डिजाइन थिंकिंग लेड इनोवेशन (डीआईसी) को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय की पहल के तत्वावधान में हेल्प कार्यक्रम के तहत किया गया। यह भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए देश में नवाचार की प्रवत्ति को बढ़ावा देने के लिए है। कक्षा 8वीं-10वीं से कुल 53 छात्रों ने भाग लिया। दिन-प्रतिदिन की बुनियादी समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने का कार्य दिया गया था।

स्कूल में डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर कार्यशाला || एस.सी.गुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, काशीपुर

एस.सी.गुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉज (आईएमटी) काशीपुर के छात्रों के लिए एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन हेल्प पहल जिसका अर्थ है (हिमालयन एजुकेशन लर्निंग प्रोग्राम) के तहत किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य आने वाले व्यवसायिक स्नातकों को नवप्रवर्तन के लिए डिजाइन सोच को लागू करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का लक्ष्य वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से अपने डिजाइन थिंकिंग ज्ञान को समृद्ध करने वाले किसी भी शैक्षणिक संस्थान की सहायता करना है।

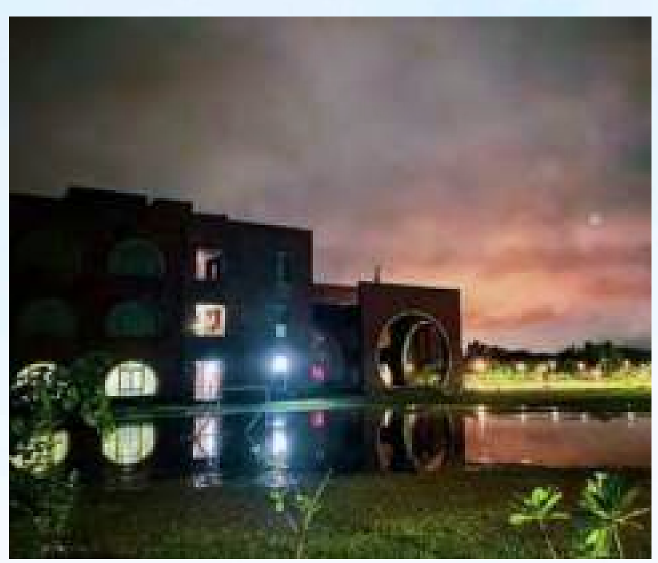

फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट

इन्क्यूबेशन प्रस्तावना

एफआईईडी द्वारा आईआईएम काशीपुर के परिसर में नवीनतम इन्क्यूबेशन की सुविधाएँ प्रावधानित की जाती हैं।

इन्क्यूबेशन के तहत सुविधाएँ

वित्त-पोषण

सरकारी निधियाँ

- आरकेवीवाई के तहत 2019 में कृषि एवं कृषक मंत्रालय से रु. 29.5 मिलियन का वित्त पोषण
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 2020 में निधि टीबीआई के मद में रु.13.3 मिलियन का वित्त पोषण
- आरकेवीवाई के तहत 2020 में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय से रु. 20.5 मिलियन का वित्त पोषण
- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा स्टार्टअप इंडिया सीड फंड योजना के तहत 2021 में रु. 50 मिलियन का वित्त पोषण

- **एचडीएफसी बैंक द्वारा परिवर्तन सीएसआर** के तहत 2021 में रु. 5.5 मिलियन का वित्त पोषण

निजी निवेशक

50K Ventures, Equanimity, Unicorn India Ventures, Venture Catalysts (India's 1st Integrated Incubator), 100X, PadUp Ventures, Kolkata Ventures, Key Venture, ah! Ventures, IvyCamp, omnivore, Social Alpha, Boudhik, Virtualinfocom, Windrose Capital, Chandigarh Angels Network

अवधि

एफआईईडी का धारा-8 कम्पनी के रूप में पंजीकरण

वेबसाइट एवं सोशल मीडिया पृष्ठों का सृजन

कृषि-उद्यमिता के लिए साहस एवं सक्षम कार्यक्रमों का प्रथम समूह प्रारम्भ

स्थानीय उद्यमियों के लिए विकास 1.0 का प्रारम्भ

2017-18

2018-19

2019-20

इन्क्यूबेशन की नीतियों की संरचना

उत्तराखंड की पहाड़ियों के छोटे व्यवसाइयों के लिए उदय 1.0 का प्रारम्भ किया गया

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

उत्तीष्ठ 2019 – आईआईएम काशीपुर का वार्षिक उद्यमिता सम्मेलन

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी के लिए विगत वित्तीय वर्ष सुरक्षित रूप से असाधारण कहा जा सकता है। कोविड-19 की आवर्ती लहरों से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने उत्तराखंड के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम पर विशिष्ट और सामान्य रूप से भारत में बहुत बड़ा प्रभाव डाला। नीचे, एफआईईडी की प्रमुख पहलों और उपलब्धियों के साथ-साथ पारिस्थितिकी तंत्र और समाज पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की योजना के अंतर्गत इनक्यूबेशन प्रोग्राम दृष्टि सेकेंड कोहोर्ट

उन्नत तकनीकी क्षेत्रों में काम कर रहे 36 स्टार्ट-अप के लिए एक महीने के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। देश भर के स्टार्ट-अप्स ने 16 से 18 दिसंबर तक तीन दिवसीय समापन समारोह के लिए भौतिक रूप से परिसर का दौरा किया। यह इन्क्यूबेशन प्रोग्राम प्रोटोटाइप के साथ स्टार्ट-अप को स्केल करने, बाजार के लिए तैयार करने तथा व्यावसायीकरण करने की अनुमति देता है। एफआईईडी को 423 आवेदन प्राप्त हुए और इस समूह के लिए सावधानीपूर्वक केवल 36 स्टार्ट-अप का चयन किया गया। इन सभी स्टार्ट-अप्स को एफआईईडी में इनक्यूबेटेड किया गया है और अगले वर्ष के दौरान विकास और वित्त पोषण के लिए उन्हें परामर्श दिया जाएगा।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) तीसरा समूह

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने विगत वित्त वर्ष में आरकेवीवाई योजना के तहत नवाचार और कृषि-उद्यमिता कार्यक्रम के तीसरे समूह का संचालन किया। 26 कृषि स्टार्ट-अप्स का चयन सावधानीपूर्वक किया गया और तैयार किए गए दो महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मार्गदर्शन किया। प्रतिभागियों को कृषि उद्यमिता की समग्र समझ प्रदान करने के लिए प्रोफेसरों, अधिकारियों और उद्यमियों द्वारा सत्र दिए गए। कुल 440 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 26 को प्रशिक्षित किया गया, और 11 स्टार्ट-अप्स को अंततः कई दौरों के बाद चयन पर इस योजना से वित्त पोषण - 5 लाख से 25 लाख के बीच कुल रु.159 लाख की राशि के लिए चुना गया।

स्टार्ट-अप उत्तराखंड पहल

एफआईईडी ने स्टार्ट-अप उत्तराखंड योजना के तत्वावधान में कई पहल की हैं। हमारे सभी इन्क्यूबेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उत्तराखंड स्टार्ट-अप से अधिकतम भागीदारी प्राप्त करने के लिए एक सचेत प्रयास किया गया था। पूरे वर्ष स्थानीय मीडिया में उत्तराखंड स्थित कई स्टार्ट-अप को प्रदर्शित किया गया, जिसने न केवल उन्हें दृश्यता दी बल्कि उनके लिए विकास और बिक्री के रास्ते भी खोले। एफआईईडी से जुड़े और उत्तराखंड में कार्यरत दो स्टार्ट-अप को उत्तराखंड सरकार की ओर से 5 लाख रुपये के विपणन अनुदान के लिए नामांकित किया गया था।

आईआईएम काशीपुर के छात्रों के लिए उद्यमिता कार्यशालाएं

आईआईएम काशीपुर में छात्रों के लिए चार कार्यशालाएं इस वर्ष उद्यमिता की भावना उत्पन्न करने, उन्हें अपने उद्यम के लिए एक आदर्श स्थल बनाने के लिए प्रशिक्षित करने, और निवेशकों का अधिकतम ध्यान आकर्षित करने, आईआईएम काशीपुर के उभरते उद्यमियों को उनकी यात्रा जारी रखने में सहायता करने के लिए आयोजित की गई थीं। कार्यशालाओं में विपणन ढांचे, समस्या की पहचान, विचार सत्यापन और वित्तीय अनुमानों सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। कार्यशालाओं में विपणन ढांचे, समस्या की पहचान, विचार सत्यापन और वित्तीय अनुमानों सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। कार्यशालाओं में जाने-माने उद्योग विशेषज्ञों और स्थापित उद्यमियों को बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। इन कार्यशालाओं में 250 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिससे उन्हें उद्यमिता को कैरियर के रूप में अपनाने की बारीकियों को समझने का मौका मिला।

वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन उत्तीष्ठ 2022

21 से 23 जनवरी 2022 तक, आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने हमारे प्रमुख वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलन-उत्तिष्ठ 2022 के छठे संस्करण का आयोजन किया। शिखर सम्मेलन ने बैनर के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 3000 से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए। तीन दिन पैनल चर्चाओं, व्यवसाय योजना प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और अन्य प्रतिस्पर्धी आयोजनों से भरे हुए थे, जिसमें देश भर के छात्रों ने जजों के प्रतिष्ठित पैनल के सामने प्रदर्शन किया। श्री नीरज खंडेलवाल - संस्थापक क्राइनडीसीएक्स समापन समारोह के मुख्य वक्ता थे, जिन्होंने छात्रों को यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप बनाने का सपना देखने और देश को समृद्धि और विकास के उच्च स्तर पर ले जाने के लिए प्रेरित किया।

संशोधित ग्रीष्मकालीन उद्यमिता कार्यक्रम (एसईपी)

आईआईएम काशीपुर के छात्रों को उनके उद्यमशीलता के सपनों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस वर्ष एक नए प्रकार का ग्रीष्मकालीन उद्यमिता कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम में, जिन छात्रों के पास एक प्रभावशाली स्टार्टअप योजना है, उन्हें अपनी तीसरी तिमाही के बाद दो महीने तक अपने उद्यम पर कार्य करने की अनुमति दी गई थी। इस अवधि के दौरान छात्रों को अपने संकाय संरक्षक के अधीन काम करने और एफआईईडी से सहायता लेने की अनुमति दी गई थी। इस वर्ष से एसईपी नीति में एफआईईडी फंड से प्रति माह 10,000 रुपये की वृत्तिका शामिल है। यह कार्यक्रम आईआईएम काशीपुर को सबसे पुराने आईआईएम की लीग में रखता है, जिससे छात्रों को आर्थिक रूप से सहायता करने के लिए एक भुगतान वृत्तिका के साथ उद्यमशीलता के विचारों पर काम करने की अनुमति मिलती है।

वाधवानी फाउंडेशन के साथ 30 स्टार्ट-अप के लिए संयुक्त कार्यक्रम की शुरूआत

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने वाधवानी फाउंडेशन के साथ मिलकर इग्नाइट कार्यक्रम शुरू किया- एक व्यापक 14-सप्ताह का प्रशिक्षण और परामर्श कार्यक्रम, जो उन्नत चरण के स्टार्ट-अप को उनके व्यवसाय मॉडल और उत्पाद व्यावसायीकरण योजनाओं को डिजाइन करने में मदद करता है। लगभग 200+ अनुप्रयोगों में से 30 स्टार्ट-अप को सावधानीपूर्वक चुना गया था। प्रतिभागी वर्तमान में प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन्हें अगले वित्त वर्ष में मूल्यांकन और इनक्यूबेशन की संभावनाओं के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

महिला दिवस समारोह 8 मार्च, 2022 को स्थानीय महिला उद्यमियों के लिए आयोजित किया गया था जो या तो अपना उद्यम शुरू करने की इच्छुक हैं या अपने उद्यम को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही हैं। उद्यमिता के एक समान पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में महिलाओं के जबरदस्त प्रयासों का जश्न मनाने के लिए प्रोफेसरों और विशेषज्ञों द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित किया गया था। ये महिला उद्यमी काशीपुर, जसपुर, हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों के स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई थीं। कार्यक्रम का समापन एक प्रदर्शनी के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने आईआईएम काशीपुर के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया था।

निवेशक सम्मेलन

वार्षिक निवेशक बैठक 21 जनवरी, 2022 को संपन्न हुई, जिसमें उद्यमियों को अपने विचारों को प्रमुख निवेशकों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया, साथ ही उन सफल उद्यमियों से भी सुना गया जिन्होंने अपनी धन वापसी की यात्रा को दोहराया था। इस कार्यक्रम में दस से अधिक निवेशक और 40 से अधिक उद्यमियों ने भाग लिया, प्रत्येक ने अपनी कंपनी के लिए एक पिच दी। निवेशक बैठक इस तरह से डिजाइन की गई थी कि एक उद्यमी के पास कई निवेशकों के साथ विभिन्न अवसरों के बारे में आमने-सामने बात करने के लिए पर्याप्त समय होगा। पांच उद्यमी वर्तमान में संभावित निवेशकों के साथ वित्त पोषण के बारे में उन्नत वार्ता कर रहे हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी ने आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में कृषि-उद्यमिता पर वाद शुरू करने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम अंकुर को डिजाइन और निष्पादित किया।यह आयोजन 28 मार्च 2022 को काशीपुर, उत्तराखंड के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से शामिल होने वाले कुल 30 कृषि उद्यमिता उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया था। एक उद्यमी के जीवन में स्टार्ट-अप के लाभों और चुनौतियों से परिचित कराया गया, और उन्हें आश्वस्त किया गया कि एफआईईडी इस कार्यक्रम के तहत चुने गए उद्यमियों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है यदि वे अपनी उद्यमिता यात्रा में आगे बढ़ने का निर्णय लेते हैं।

एमएसएमई इन्नोवेटिव स्कीम

आईआईएम काशीपुर एफआईईडी को एमएसएमई इन्नोवेटिव स्कीम चलाने की मंजूरी मिल गई है। इस योजना का उद्देश्य एमएसएमई में अप्रयुक्त रचनात्मकता और नवीनतम तकनीकों को अपनाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना और सहायता करना है जो प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट स्तर पर अपने विचारों की पुष्टि चाहते हैं। इस योजना के तहत चुने गए इन्क्यूबेटर संभावित एमएसएमई का मूल्यांकन करते हैं और उनकी कार्यनीति तैयार करने में उनकी सहायता करते हैं। योजना को विकसित करने और पोषित करने के लिए प्रत्येक चयनित एमएसएमई से एफआईईडी को रु.15 लाख तक प्रदान किए जाते हैं।

आईआईएम बैंगलोर एनएसआरसीईएल और आईआईएम काशीपुर एफआईईडी के बीच समझौता ज्ञापन

एफआईईडी, आईआईएम बैंगलोर एनएसआरसीईएल के महिला उद्यमिता कार्यक्रम के लिए क्षेत्रीय भागीदार बना है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला उद्यमिता उम्मीदवारों को उनके उद्यमशीलता और प्रबंधकीय कौशल समूहों को विकसित करके सहायता प्रदान करना है जो उन्हें अपने उद्यम शुरू करने और विकसित करने में सक्षम बनाता है। एफआईईडी उत्तराखंड के प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करेगा और उत्तराखंड के फाइनलिस्ट को फिजिकल इनक्यूबेशन सुविधाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आईआईएम काशीपुर की नवाचार पहल को थ्री-स्टार रैंकिंग

शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल ने आईआईएम काशीपुर को 'इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) रैंकिंग में थ्री-स्टार संस्थान के रूप में स्थान दिया। पिछले साल किसी भी संस्थान को जो सर्वोच्च रैंकिंग मिली है, वह फोर-स्टार है। एफआईईडी आने वाले वर्ष में उच्चतम संभावित रैंकिंग के लिए पूर्ण रुप से तैयार है।

महिला उद्यमिता कार्यक्रम

एफआईईडी ने 24 अगस्त से 28 अगस्त 2021 तक महिला उद्यमियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। आईआईएम काशीपुर के प्रोफेसरों के साथ प्रमुख महिला उद्यमी भी मुख्य वक्ता और प्रशिक्षकों के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस आयोजन का उद्देश्य भारत में स्थापित उत्साही महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना और उनकी सहायता करना था। पूरे भारत से 900 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 150 आवेदनों को कार्यक्रम के लिए चुना गया था। एफआईईडी में अंततः 17 महिला उद्यमियों को इन्क्यूबेशन के लिए चुना गया।

एफआईईडी इनक्यूबेट्स (डीएसटी)

टीआईक्यूडी मीडिया	अमिता रॉय	एज्यु-टेक	पश्चिम बंगाल
फॉर्थमैन टेक्नोलोजीज प्रा.	मणि फमता	परिवहन और भंडारण	गुजरात
शहरी खाद्य साझेदारी	निखिल कुमार	ई-कॉमर्स	उत्तराखंड
एग्रीडैडी प्राइवेट लिमिटेड	राजेश कुमार कादियान	एग्री-टेक	हरयाणा
कैरस मोबिलि-टीवाई प्राइवेट लिमिटेड	समीप त्रिपाठी	हेल्थ-टेक	मध्य प्रदेश
एसएमडी पावर सोलू-टियंस ओपीसी	विश्वेश भाट	एडवांस टेक्नोलॉजी	गोवा
एम-लेंस री-सर्च प्राइवेट लिमिटेड	ध्रुव तोमर	एग्री-टेक	उत्तराखंड
ईआचार्य एजुटेक प्रा. लिमिटेड	राहुल सिंह	एज्यु-टेक	दिल्ली
सिंगमरीन वेन- ट्यूरेस एलएलपी	हेमंत	ई-कॉमर्स	कर्नाटक
अविरल इन्फ्राहाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड	अमित सिंह	रियल एस्टेट और रेंटल एंड लीजिंग	उत्तर प्रदेश
सोशल मार्केटिंग	शुभम आर्य सोलूशन्स प्रा. लि.	डिजिटल मार्केटिंग	उत्तर प्रदेश
अनिका लर्निंग	राजीव शर्मा	हेल्थ-टेक	हरयाणा
सारिकार्ट ऑनलाइन प्रा. लिमिटेड	मेजर एसके सिंह	ई-कॉमर्स	महाराष्ट्र
नेत्रम आयुर्वेद	देव गर्ग	आयुर्वेद एंड	छत्तीसगढ़
रीचहाई एज्युका- टियोनल सेवाएं	सक्षम शुक्ला	एज्यु-टेक	उतार प्रदेश
ओरिफिनिटी प्राइवेट लि.	नमन जैन	ई-कॉमर्स	राजस्थान
एस19 मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	मो. अफरोज़	परिवहन और भंडारण	मध्य प्रदेश
एसडीओटीजे हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड	सुशांत झा	पर्यटन	दिल्ली
मायकोइरा प्रा लिमिटेड	डॉ आस्था त्रिपाठी	कृषि	उत्तर प्रदेश `
डिजिटल मंजू प्रा लिमिटेड	मंजुलता ए	एज्यु-टेक	आंध्र प्रदेश
अनुपन एलएलपी	अनामिका गायेन	ई-कॉमर्स	महाराष्ट्र
एएसटीयू ईसीओ प्रा लिमिटेड	अनीता शंकर	क्लीन-टेक	कर्नाटक
श्रीका ट्रेजरर	डॉ स्वाति गुप्ता	ई-कॉमर्स	महाराष्ट्र
एएमई आर्टिस्ट्स नेटवर्क प्रा	हरिता सिंह	आर्ट एंड क्राफ्ट्स	महाराष्ट्र
इंडीरे वेंचर्स ओपीसी	जोइता गोस्वामी	ई-कॉमर्स	उत्तर प्रदेश
मुरा कलेक्टिव टेक्सटाइल्स एंड क्राफ्ट्स	कुसुम गहतोरी	ई-कॉमर्स	दिल्ली
कोर आइडिया इनोवा- टियंस प्रा लिमिटेड	महेश्वरी श्रीनिवासन	हेल्थ-टेक	तमिलनाडु
टी प्वाइंट प्रा लिमिटेड	प्राची वाधवानी	ई-कॉमर्स	गुजरात
इकोरिथम सस्टेन- एबल्स प्रा लिमिटेड	रानी सहाय	हेल्थ-टेक	बिहार
ओमना टेक प्रा	सरस्वेता पात्रा	ई-कॉमर्स	उत्तर प्रदेश
सेलिना एक्सपोर्टर्स	सेलिना अहमद	कृषि	पश्चिम बंगाल
एनएलपी मिनरल्स एंड	सोनाली शर्मा	प्राकृतिक संसाधन	उत्तराखंड
बाइकल्प हर्बल्स प्रा	स्तुति लाल	कृषि	उत्तर प्रदेश
एवीजीआई एलएलपी	श्वेता वर्मा	हेल्थ-टेक	हरियाणा

एफआईईडी इनक्यूबेट्स (आरएबीआई)

टीईईएफिलिक इनोवेंचर प्रा	औरिक सेनगुप्ता	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	हरियाणा
न्यूट्रीकोश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	राहुल सैनी	ऑनलाइन वर्चुअल प्लेटफॉर्म	उत्तराखंड
इरा सेविंग एलएलपी	अश्विनी रायल	एग्रो प्रोसेसिंग	उत्तराखंड
सुपरफार्मर्स इनो-वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड	अनंत सिंह खरोला	पोस्ट हार्वेस्ट और मूल्य संवर्धन	उत्तराखंड
अमर एग्रीटेक	प्रीत इंदर सिंह	फार्म मशीनीकरण	पंजाब
अर्बन एग्रोटेकवीपीटी लिमिटेड	विजय कुमार	कृषि और संबद्ध क्षेत्र	उत्तर प्रदेश
कुमाऊंखंड एआईएच प्राइवेट लिमिटेड	पवित्र जोशी	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	उत्तराखंड
लुकुर इंडिया एलएलपी	अनुकृति बिष्ट	प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन	उत्तराखंड
कलाफेलिक्स बायोटेक्नॉल- ओजिस प्राइवेट लिमिटेड	कल्पना सेंगर	पोस्ट हार्वेस्ट और मूल्य संवर्धन	उत्तर प्रदेश
किकाबोनी लिविंग प्राइवेट लिमिटेड	शशि शिखा	जैविक खेती	उत्तर प्रदेश
देवकौश फाउंडेशन	संदीप सकलानी	पोस्ट हार्वेस्ट और मूल्य संवर्धन	उत्तराखंड

पुस्तकालय (लर्निंग रिसोर्स सेंटर)

आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय (लर्निंग रिसोर्स सेंटर) एक विशाल भवन में स्थित है जिसमें मुख्य रूप से प्रबंधन और संबद्ध विषयों से संबंधित 9819 मुद्रित पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय में उचित संख्या में मुद्रित और साथ ही इलेक्ट्रॉनिक संसाधन - जिनमें किताबें, जर्नल, डेटाबेस, ऑडियो-विजुअल सामग्री, सीडी/डीवीडी, ई-जर्नल, रिपोर्ट, केस स्टडीज, थीसिस आदि शामिल हैं। पुस्तकालय अपने ज्ञान संसाधनों और नवीन सूचना सेवाओं से आधुनिक संग्रह के साथ शैक्षणिक समुदाय के लिए उनकी बौद्धिक गतिविधियों में एक आवश्यक भूमिका भरता है।

हमारा पुस्तकालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों के साथ एक हाइब्रिड पुस्तकालय है, पुस्तकालय अपने ग्राहकों को सीडी-रोम डेटाबेस जैसी सेवाएं प्रदान कर रहा है और ऑनलाइन डेटाबेस, संस्थान के नेटवर्क के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। उपयोगकर्ता ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच सकते हैं, और अपने स्वयं के कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय की उपलब्धता का पता लगा सकते हैं। पुस्तकालय उच्चतम पेशेवर मानकों के अनुरूप सूचना सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। पुस्तकालय सूचना के सृजन, भंडारण, प्रसंस्करण और प्रसार के लिए सभी आधुनिक तकनीकों को अपनाता है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने में, पुस्तकालय अपने ग्राहकों को एक आधुनिक पुस्तकालय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक वेब ओपेक सेवाएं, अंतर पुस्तकालय संसाधन साझाकरण, स्वचालित परिसंचरण, ईमेल अलर्ट सेवाएं, साइबर लैब सेवाएं और अन्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।

पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर लिबसिस-10 के (नवीनतम संस्करण) का उपयोग करके पुस्तकालय पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत है। निगरानी परिसंचरण और अन्य कार्यों के लिए आरएफआईडी प्रणाली पूर्व में ही स्थापित की जा चुकी है। पुस्तकालय हाई-स्पीड इंटरनेट और आईआईएम काशीपुर नेटवर्क के इंट्रानेट से जुड़ा है जो आवंटित पुस्तकालय बजट के भीतर से शैक्षणिक समुदाय की बौद्धिक गतिविधियों में उनकी आवश्यकता पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सूचना संसाधन

विभिन्न सूचना संसाधनों में पुस्तकालय की होल्डिंग्स को सारणीबद्ध रूप में दिया गया है

विवरण	वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान जोड़े गए मदों की संख्या	31.03.2022 तक मदें
मुद्रित पुस्तकें	954	9819
ई बुक्स	-	5793
आवधिक पत्रिकाओं के बाउंड वॉल्यूम	-	382
शोध निबंध	9	16
परियोजना प्रतिवेदन	-	628
सीडी/डीवीडी	-	103
पत्रिकाओं के लिए वर्तमान सदस्यता प्रिंट+ ऑनलाइन	652	11120
पत्रिकाएँ	1	14
न्यूज पेपर्स प्रिंट	1	10

* इसमें निःशुल्क, थीसिस और शोध प्रबंध पर प्राप्त पुस्तकें भी शामिल हैं।

पुस्तकालय सामग्री की खरीद

वर्ष 2021-22 के दौरान, 954 नई किताबें जोड़ी गईं। इसके अलावा, पुस्तकालय संग्रह में 09 थीसिस और शोध प्रबंध भी जोड़े गए। पुस्तकालय में गैर-पुस्तक सामग्री के रूप में 103 सीडी का संग्रह भी है। इसके अलावा, 652 नई ऑनलाइन ई-जर्नल्स भी सब्सक्राइब की गईं हैं।

आईआईएम काशीपुर व्यवस्थाओं के माध्यम से फुल-टेक्स्ट ई-जर्नल एक्सेस

आईआईएम काशीपुर असीमित उपयोग के लिए कई फुल-टेक्स्ट ऑनलाइन जर्नल डेटाबेस की सदस्यता भी ले रहा है, विवरण निम्नवत है

संसाधनों की सूची: असीमित उपयोग के लिए फुल-टेक्स्ट एक्सेस

प्रकाशक	शीर्षकों की संख्या
इमेरल्ड "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु ई जर्नल कलेक्शन	309
विले ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ कोर एंड कस्टम कलेक्शन	535
इन्फार्म्स पब सूट	17
साइंस डायरेक्ट एन ऑनलाइन जर्नल्स डेटाबेस (04 विषय संग्रह)	404
ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट एन ऑनलाइन डेटाबेस	2901
टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डाटाबेस	418
एबीआई इन्फार्म कंपलीट	5761
सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गेनाइजेशन स्टडीज विषय संग्रह	123
एकॉनलिट	652

उपयोगकर्ताओं के लिए ई-डेटाबेस फुल-टेक्स्ट एक्सेस का ग्राफिकल प्रदर्शन

ग्रंथ सूची / तथ्यात्मक डेटाबेस

पुस्तकालय में अनेक ग्रंथपरक/तथ्यात्मक डेटाबेस असीमित उपयोग के लिए उपलब्ध है।

ग्रंथपरक डेटाबेस की सूची

शीर्षक	संबंधित क्षेत्र	समाहित संसाधन/शीर्षक
ईबीएससीओ डेटाबेस	प्रबंधन तथा इससे संबद्ध क्षेत्र	8119
स्कोप्स	विशेषज्ञ-समीक्षित साहित्य का विपुल सार तथा उद्धरित विशाल डेटाबेस	प्रमुख संग्रहों में पत्रिकाओं की कुल संख्या: 21,894
वेब ऑफ़ साइंस	विशेषज्ञ-समीक्षित साहित्य का विपुल सार तथा उद्धरित विशाल डेटाबेस	पत्रिकाओं की कुल संख्या: 34,888

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के आंकड़े

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग के आंकड़े

एमराल्ड का "ऑनलाइन ई-शोध सिंधु 310 ई जर्नल्स कलेक्शन, विले ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस ऑफ कोर एंड कस्टम कलेक्शन, इनफॉर्म्स पब्स सूट, साइंस डायरेक्ट, ईबीएससीओ बिजनेस सोर्स अल्टीमेट, प्रेस रीडर, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन जूनियर डेटाबेस, स्कोपस, वार्क, सेज मैनेजमेंट एंड ऑर्गनाइजेशन स्टडीज सब्जेक्ट कलेक्शन, फ्रॉस्ट एंड सुलिवन, ईपीडब्ल्यूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज, इंडियास्टेट.कॉम, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विसेज, एबीआई इंफॉर्म कम्प्लीट, सीएमआईई इंडस्ट्री आउटलुक, प्रोवेस फॉर इंटरएक्टिव क्यूरिंग, इकोनॉमिक आउटलुक, सीएमआईई-टीपी सीपीडीएक्स, वेब ऑफ साइंस, वेंचर इंटेलिजेंस पीई-वीसी डील्स, कैबेल्स जर्नल्स व्हाईटलिस्ट फॉर बिजनेस सेट ऑनलाइन, कंप्युस्टैट डेटाबेस, एमआईएमआई "(माईका इंडियन मार्केट इंटेलिजेंस), सुप्रीम कोर्ट केस, स्टेटिस्टा डेटाबेस, इकोनलिट फुल टेक्स्ट डेटाबेस, उपयोग विवरण लॉगरिदमिक स्केल पर आंकड़े में प्रस्तुत किए गए हैं।

प्रमुख पूर्ण लिखित डेटाबेस उपयोग के आंकड़े

उपरोक्त आरेख से स्पष्ट है कि, उपयोगकर्ताओं द्वारा वेब ऑफ साइंस, एल्सेवियर, एमराल्ड, प्रेस रीडर, स्कोपस, टेलर एंड फ्रांसिस, विले, एबीआई इनफॉर्म और सेज डेटाबेस का अत्यधिक उपयोग किया गया है।

अनवरत आधार पर ऑनलाइन ई-पुस्तकों का संग्रह

पुस्तकालय ने प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों अर्थात अर्थशास्त्र, वित्त, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, मानविकी आदि सभी प्रमुख वैश्विक प्रकाशकों- सेंगेज, एब्स्को, ऑक्सफोर्ड हैंडबुक, पालग्रेव एनसाइक्लोपीडिया, सेज और स्प्रिंगर ई-पुस्तकों की सदस्यता ली है, जिससे इनके संग्रह में 5793 (पांच हजार सात सौ त्रानबे) से अधिक दुर्लभ पुस्तकें मौजूद हैं। संग्रह में दुनिया के प्रसिद्ध लेखकों के मूल कार्यों का डिजिटल संस्करण शामिल है, जो स्थायी आधार पर पूर्ण उपलब्ध तथा डाउनलोड हेतु अपने संग्रह में उपलब्ध ई-पुस्तकों पर आधारित है।

उपयोगकर्ताओं की पूर्ण संतुष्टि तथा अनुसंधान कार्य एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए उनकी तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, पुस्तकालय ने ई-पुस्तकों के संग्रह को समृद्ध किया है, अब, हमारे पास 7963 ई-पुस्तकें हैं, जो इसके संग्रह में पूर्ण उपयोग तथा सतत प्राप्ति के आधार पर डाउनलोड हेतु उपलब्ध भी हैं।

वेब ओपेक

वेब इनेबल्ड ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि सहित संपूर्ण पुस्तकालय संग्रह को खोजा जा सकता है। उपयोगकर्ता अपने कंप्यूटर टर्मिनलों से पुस्तकालय सामग्री की वास्तविक समय उपलब्धता का पता लगाने के लिए ओपेक का उपयोग कर सकते हैं।

इंटर लाइब्रेरी लोन / रिसोर्स शेयरिंग

पुस्तकालय में अन्य प्रमुख पुस्तकालयों के साथ संलेख प्राप्त करने के लिए डेलनेट के माध्यम से सहकारी व्यवस्था है, जो आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं है। फैकल्टी और शोधकर्ता इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

सक्रिय सूचना सेवाएं

पुस्तकालय शैक्षणिक समुदाय को विशिष्ट सूचना जैसे आगामी सम्मेलनों पर अलर्ट, सीएएस, एसडीआई, आदि सेवाएं प्रदान करता है।

आज की हेडलाइंस

आईआईएम काशीपुर पुस्तकालय यूआरएल (लिंक) द्वारा सभी संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों, छात्रों और स्टाफ सदस्यों को प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों की सुर्खियां प्रदान करता है।

अन्य सेवाएं

- ऑडियो-विजुअल सुविधा
- ग्रंथ सूची
- स्वचालित संचलन
- ई-मेल अलर्ट सर्विस
- ओरिएंटेशन प्रोग्राम
- स्वचालित संचलन
- करेंट अवेयरनेस सर्विस
- साइबर लैब
- डेटाबेस सर्च सर्विस
- रिफरेंस सर्विस
- एसएमएस अलर्ट सर्विस

महत्वपूर्ण कार्यक्रम (वेबिनार, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां आदि)

आईआईएम काशीपुर, पुस्तकालय ने निम्नलिखित कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया-

एल्सेवियर के सहयोग से "इन्हेंनसिंग रिसर्च प्लानिंग्स स्किल्स एल्सेवियर टूल्स-साइंस डायरेक्ट एंड स्कोपस का उपयोग करके अनुसंधान योजना कौशल को बढ़ाना" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।	"ऑनलाइन-वर्कशॉप (वेबिनार) ऑन रिसर्च सपोर्ट सर्विसेस युसिंग ओपन एथेंस रिमोट एक्सेस एंड डिस्कवरी सर्विसेस" विषय पर ईबीएससीओ के सहयोग से एक और वेबिनार का आयोजन किया गया था	"प्रूव आईक्यू" और "इकोनॉमिक आउटलुक" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक आयोजित किया गया
28 अगस्त 2021	21 अगस्त 2021	16 सितंबर 2021
एक समृद्ध संग्रह के निर्माण की दृष्टि से, संदर्भ पुस्तकों के स्थान चयन के लिए एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया ।	संस्थान के पुस्तकालय ने "सस्टेनिंग लाइब्रेरी फंडिंग" विषय पर एक दिवसीय (ऑनलाइन) संगोष्ठी का आयोजन किया।	"वेब आफ साइंस" एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र "एन ऑनलाइन ट्रेनिंग सेशन ऑन टेक योर रिसर्च टू द नेक्स्ट लेवल यूजिंग वेब आफ साइंस" विषय पर शैक्षणिक विदों के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन
12 - 14 नवंबर, 2022	26 फरवरी 2022	26 मार्च 2022

आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर

इंटरनेट

नेटवर्क बैकबोन को सिंगल मोड फाइबर ऑप्टिक केबल कनेक्टिविटी के साथ डिजाइन किया गया है, जो आंतरिक नेटवर्क फोर्टिगेट 1000डी और सिस्को एमई 3800एक्स राउटर से युक्त है। शैक्षणिक ब्लॉक आंतरिक रूप से वाई-फाई के साथ-साथ वायर्ड लैन से जुड़ा हुआ है। नेशनल नॉलेज नेटवर्क (एनकेएन) द्वारा प्रदत्त एक समर्पित 1 जीबीपीएस लाइन, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई 1 जीबीपीएस लाइन की एक बैकअप लाइन इंटरनेट पर संसाधनों तक चौबीसों घंटे पहुंच में सहायता करती है। हॉस्टल ए, बी, सी, डी, ई और एफ ब्लॉक, फैकल्टी रेजिडेंस, एकेडमिक ब्लॉक और डाइनिंग एरिया 24x7 इंटरनेट, इंट्रानेट और ईपीबीएक्स से जुड़े हुए हैं।

कैंपस लाइसेंसिंग

लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के उपयोग को कारगर बनाने के लिए, आईआईएम काशीपुर ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक कैंपस समझौता किया है। प्रबंधकीय निर्णय लेने और विश्लेषण करने के साथ-साथ सांख्यिकीय और अर्थमितीय विश्लेषणों के लिए उपयोग किए जा रहे अन्य पैकेजों के साथ भी ऐसा ही उपाय किया गया है। ईमेल सेवाओं के लिए गूगल वर्क स्पेस फॉर एजुकेशन का उपयोग किया जा रहा है।

सर्वर

आवश्यक एक्सेसरीज़ के साथ दो टॉवर सर्वर और फाइव रैक सर्वर, सर्वर की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। सभी सर्वरों में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर 2012 आर2 और उबंटू सर्वर ऑपरेटिंग सिस्टम स्थापित है। लाइब्रेरी उपयोग के लिए लिबसिस लिनक्स सर्वर पर स्थापित है। स्टाटा सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर स्थापित है जिसका उपयोग अर्थमिति मॉडल का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। उपयोगकर्ता वीपीएन के माध्यम से परिसर के बाहर पुस्तकालय डेटाबेस का उपयोग कर सकते हैं। विक्टोरिया विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया से लाइसेंस प्राप्त एसएपी का उपयोग छात्रों को ईआरपी व्यावहारिक निष्पादन प्रदान करने के लिए किया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

ज़ूम और आईपी नेटवर्क का उपयोग करते हुए उच्च-रिज़ॉल्यूशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दूरस्थ स्थानों पर व्यक्तियों / कंपनियों के साथ प्लेसमेंट संबंधी गतिविधि, साक्षात्कार और बातचीत की सुविधा प्रदान की जाती है।

कक्षाएं

कक्षाओं को सुंदरतापूर्ण तरीके से डिजाइन किया गया है और कक्षा के बेहतर अनुभव के लिए हाई-स्पीड वायरलेस इंटरनेट कनेक्टिविटी और हाई-डेफिनिशन प्रोजेक्टर से प्रयुक्त हैं। इसके अलावा, वाई-फाई और एवी सिस्टम की सुविधाएं ए1, ए2, बी1, बी3, सी1, सी3, डी1, डी2, ई1 और ई2 कक्षाओं तक विस्तारित हैं।

फाइनेंस एंड एनालिटिक्स लैब

आईआईएम काशीपुर ने एक अत्याधुनिक फाइनेंस एंड एनालिटिक्स लैब की स्थापना की है। लैब का उपयोग वित्तीय बाजारों में उन्नत अनुप्रयुक्त अनुसंधान का प्रयोग करने, छात्रों को गणितीय तथा वैचारिक सिद्धांतों और डेटा एनालिटिक्स अवधारणाओं में सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से लाभान्वित करने के लिए किया जाता है।

ब्लूमबर्ग लैब

आईआईएम काशीपुर के परिसर में ब्लूमबर्ग एल.पी. के सहयोग से 12 ब्लूमबर्ग टर्मिनल हैं। ये टर्मिनल छात्रों को वास्तविक समय के वित्तीय बाजार डेटा संचालनों की निगरानी एवं विश्लेषण करने तथा दुनिया भर के उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं के बारे में ज्ञान का भंडार प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

आईटी रिसोर्स डेटाबेस

(वार्स) डब्ल्यूएआरसी ऑनलाइन, ब्लूमबर्ग टर्मिनल्स।

सॉफ़्टवेयर

एसएपी, एसपीएसएस, टर्निटिन, न्विवो, माइक्रोसॉफ्ट लाइसेंस, स्टाटा, मैक्सक्यूडीए, ई-व्यूज़, लिंगो सुपर, एनएलओजीआईटी।

सॉफ्टवेयर और सुरक्षा

आईटी, संस्थान के परिसर में लगभग 900 संकाय/कर्मचारियों/छात्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

संकाय एवं शिक्षाविद्

प्रो. बहरुल इस्लाम
कम्युनिकेशन

प्रो. स्मारक समरजीत
कम्युनिकेशन

प्रो. अतुलन गुहा
इकोनॉमिक्स

प्रो. अभ्रदीप मैती
इकोनॉमिक्स

प्रो. वैभव भमोरिया
इकोनॉमिक्स

प्रो. कुलभूषण बलूनी
इकोनॉमिक्स

प्रो. जगदीश प्रसाद साहू
इकोनॉमिक्स

प्रो. के.एन. बधानी
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. कुनाल
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. आशीष कुमार
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. दिलीप कुमार
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. धरणी
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. सूरज कुमार
फाइनेंस एंड अकाउंटिंग

प्रो. मयंक शर्मा
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. मयंक शर्मा
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. के वेंकटराघवन
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो हरीश कुमार
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. राजीव कुमार
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. शौकत अली शाही
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. प्रतीक तरफदार*
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. हर्षित कुमार सिंह
इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड सिस्टम एरिया

प्रो. सोमनाथ चक्रवर्ती
मार्केटिंग

प्रो. मधुरिमा देब
मार्केटिंग

प्रो. माला श्रीवास्तव
मार्केटिंग

प्रो. उत्कर्ष
मार्केटिंग

प्रो. प्रीति नरवाल
मार्केटिंग

प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. देवजानी चटर्जी
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. ए वी रमन
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. मृदुल माहेश्वरी
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. राहुल अशोक कांबले
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. रामेश्वर शिवदास तुरे
ऑर्गेनाइजेशन बिहेवियर एंड हमन रिसोर्स मैनेजमेंट

प्रो. कुणाल के गांगुली
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. सब्यसाची पात्रा
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. अलका आर्य
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. सुनील कुमार जौहर
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. देवेंद्र कुमार पाठक
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो विवेक रॉय
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. रचिता गुप्ता
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. राम कृष्ण पाध्य *
ऑपरेशन मैनेजमेंट एंड डिसीजन साइंसेस

प्रो. सफल बत्रा
स्ट्रेटजी

प्रो विवेक कुमार
स्ट्रेटजी

प्रो. शोभा तिवारी
स्ट्रेटजी

विजिटिंग संकाय सदस्यगण

डॉ. हेमंग जौहरी
ओबी और एचआरएम में फेलो (पीएचडी),

आईआईएम लखनऊएप्पारिओ एंड फ्रंटिजो (अमेज़न जेवी) में हेड एचआरबीपी एंड एचआर सीओई (टैलेंट, लर्निंग, कंपेनशेसन, एंड एनालिटिक्स)

डॉ. सिद्धार्थ पटनायक
पीएचडी इन ऑर्गनाइजेशनल

वर्तमान में पीडब्ल्यूसी में टैलेंट डेवलपमेंट फंक्शन में कार्यरत हैं।

डॉ. जयंत कुमार पाल
बिहेवियर, एक्सएलआरआई जमशेदपुर

प्रिंसिपल डेटा साइंटिस्ट: ज़ेनड्राइव टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलोर

मेजर वंदना शर्मा
पीएचडी इन स्टेटिक्स, युनिर्सिटी ऑफ मिशिगन;

फाउंडर स्टार्टअप पीपल कंसल्टिंग, बंगलौर

श्री अभिषेक गुप्ता
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल, पीएमआई यूएसए पीजीडीएम, आईआईएम अहमदाबाद,

सीए, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया अर्न्स्ट एंड यंग एलएलपी, इंडिया - पार्टनर, डायरेक्टर, एसएम और मैनेजर

श्री आदित्य पुजारी
एमबीए ऑपरेशंस एंड सप्लाई चैन के.जे. सौम्या

आस्ट्रे. + न्यूजी. क्षेत्र के लिए रिटेल डिजिटल कॉमर्स ऑर्डर मॅनेजमेंट सोल्यूशन डिलिव्हरी लीड @इनफोसेस

श्री गिरिधर सीताराम
पीजी, एक्सएलआरआय

चीफ बिसनेस आफीसर - फेविकोल और अराल्डाइट पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड

श्री समीप जैन
पीजीपी इन मॅनेजमेंट, आयआयएम अहमदाबाद

फाउंडर एंड सीईओ ब्लैक ब्रिक्स एडवाइजर्स

श्री सैमुअल राजकुमार डी
एमबीए (सिस्टम्स एंड मार्केटिंग)

थियागराजर स्कूल ऑफ मॅनेजमेंट, मदुराई कामराजर विद्यापीठ, मदुराई

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, चेन्नई

एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट

श्री शिव कुमार
पीएचडी इन डिसिजन साइंसेस आईआईएम लखनऊ

हेड आफ एनालिटिक्स - शलम्बरगर | एक्स महिंद्रा एंड महिंद्रा | इनेबलिंग एआईएंडएमएल एंड डिजिटल सॉल्यूशन स्ट्रेटजी

श्री सुजीतेश दास
पीजी, एक्सएलआरआई, जमशेदपुर

विजिटिंग फैकल्टी एंड कॉर्पोरेट प्रैक्टिशनर

श्री सुपर्ण गोयल
पीजीडीएम, आईआईएम अहमदाबाद

स्टील्थ मोड स्टार्टअप, फाउंडर एंड मैकिन्से एंड कंपनी, एसोसिएट पार्टनर

श्री तीर्थंकर चौधरी
एक्जिक्युटीव एमबीए (फाइनेंस), आईआईएम कलकत्ता

अमेरिकन एक्सप्रेस, वीपी - प्रॉस्पेक्ट एक्विजिशन डेटा साइंस

श्री विवेक शर्मा
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट, आईआईएम बैंगलोर

चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड

सुश्री मातंगी श्री आर
एमबीए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली

चीफ ऑफ डेटा गोफूड, गोजेक

सुश्री रम्या पट्टाबीरमण
सीए, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

जनरल मैनेजर - बिजनेस इंटेलिजेंस एंड एमएंडए एट प्रोकनेक्ट सप्लाईचेन सॉल्यूशंस लिमिटेड

सुश्री संगीता गणेशन
एमबीए, मार्केटिंग, ह्यमन रिसोर्स (ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट), त्यागराज स्कूल ऑफ मैनेजमेंट

वर्तमान में एचसीएल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में तकनीकी समाधान विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत हैं

प्रो आशुतोष दास
पीएचडी इन मर्जर एंड एक्विजिशन, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर

एमडीआई, गुड़गांव में वित्त संकाय

प्रो. असित बरमा
पीएचडी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज यूनिवर्सिटी आफ मद्रास

वर्तमान में वे भारतीदासन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, त्रिची में निदेशक और प्रोफेसर हैं

प्रो. बिबेक राय चौधरी
पीएचडी इन इकोनामिक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो. बिबेक रे चौधरी भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में एसोसिएट प्रोफेसर हैं

प्रो. हर्षवर्धन समालिया
पीएचडी, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर

एसोसिएट प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च - चंडीगढ़

प्रो. कार्तिक धंदापानी
अर्थशास्त्र में फेलो (पीएचडी), आईआईएम अहमदाबाद

भारतीय प्रबंधन संस्थान, तिरुचिरापल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर, कार्यनीति क्षेत्र

प्रो मधुकुट्टी एम मोनिपल्ली
पीएचडी, मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी, यूके

भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद: प्रोफेसर, 2000-14 (सेवानिवृत्ति)

प्रो. पायल चट्टोपाध्याय मुखर्जी
पीएचडी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गांधीनगर

सामाजिक विज्ञान और मानविकी विभाग में पूर्णकालिक अतिथि संकाय: इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आईआईआईटीडी)

सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, कला और विज्ञान कॉलेज, सस्केचेवान विश्वविद्यालय, कनाडा

प्रो. वेंकटेश के
पीजीडी, आईआईएम बेंगलुरु

डायरेक्टर, कोलाबोरेटिव इन्फोटेक सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, ए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी कंपनी

प्रो. विवेकानंद
एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न

विवेक आनंद 17 साल के अनुभव के साथ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन कंसल्टेंट हैं

सुश्री मातंगी श्री
एमबीए, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली

हेड ऑफ डेटा गोफूड, गोजेक

प्रो आर विवेकानंद
एमबीए, मोनाश यूनिवर्सिटी मेलबर्न

ये 17 वर्षों के अनुभव के साथ डेटा विज़ुअलाइज़ेशन सलाहकार हैं

श्री गुरुमूर्ति पट्टाबीरमण
पीएचडी इन इकोनोमेट्रीक, मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, चेन्नई (वर्तमान में चल रहा है)

इंटरनेशनल डेटा साइंस कंसल्टेंट एंड ट्रेनर / मल्टीपल ऑर्गनाइजेशन एंड टॉप बी स्कूल में फैकल्टी

मिस्टर मौसम देब
।इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर

इन्हें कई देशों में रिटेल, हेल्थकेयर और लाइफ साइंस क्षेत्र में आईटी, एनालिटिक्स और स्ट्रैटेजी कंसल्टिंग में 15+ वर्षों का अनुभव है।

श्री अरिजीत घोष
द यूनिवर्सिटी टेक्सास एट ऑस्टिन, मैककॉम्ब्स स्कूल ऑफ बिजनेस, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (जीएसबी छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता)

उन्हें एनालिटिक्स एंड रिसर्च, टेक्नोलॉजी, ऑपरेशंस तथा फाइनेंस में 22 साल का अनुभव है। फार्मास्युटिकल उद्योग में विगत 12 वर्षों के दौरान, उन्होंने प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य किया है, तथा विपणन एवं विक्रय संगठनों के लिए सहायक कटींग एक्रास डेटा, अनुसंधान, विश्लेषण, गहन समक्ष तथा वृहद् विश्लेषिकी सेवा प्रदाता टीमों का भी नेतृत्व किया।

डॉ नितिन वर्मा
पीएचडी इन एनालिटिक्स एंड इनफार्मेशन सिस्टम आईआईएम रांची

ये शिक्षा सहित कई स्टार्टअप पहलों में परामर्श प्रदाता के रुप में रहे है। 2021 की शुरुआत में आईआईएम (भारतीय प्रबंधन संस्थान) के साथ सहायक संकाय के रूप में जुड़े रहे - अप्रैल 2021 तक एक कोर्स प्रसूत किया गया। जुलाई 2021 के प्रारंभ में आईआईएम के लिए एमडीपी सत्र प्रस्तुत तथा 2022 तक अन्य पाठ्यक्रम देने के लिए तथा एक अन्य आईआईएम परिसर में भी चुना गया। एक प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए सहायक संकाय के रूप में विश्व में 30वें स्थान पर चुना गया। प्रोफेसर और प्रमुख रहे - एनालिटिक्स / डेटा साइंस स्पेशलाइजेशन (चितकारा यूनिवर्सिटी 2018-2020 लगभग) की स्थापना। इससे पहले यूरोप में एमबीए क्लास के सह-व्याख्याता के रुप में रहे तथा पूर्णकालिक संकाय एमबीए (एसोसिएट प्रोफेसर, भारत के रूप में ~ 3 वर्षों के लिए) रहे थे।

श्री संदीप गुप्ता
पीजीपी, एआई/एमएल, मैककॉम्ब्स स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास

रिस्क मैनेजमेंट, कैपिटल मैनेजमेंट, फाइनेंस/ऑपरेशंस, प्रोसेस इंजीनियरिंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में 18 साल का अनुभव।विदेशी अनुभव सहित क्रॉस फंक्शनल और क्रॉस भौगोलिक अनुभव का सम्मिश्रण।

श्री तीर्थंकर चौधरी
एग्जीक्यूटिव एमबीए (फाइनेंस) आईईएम कोलकाता

अमेरिकन एक्सप्रेस, वीपी - प्रॉस्पेक्ट एक्विजिशन डेटा साइंस

डिजिटल चैनलों और सह-ब्रांड भागीदारों के लिए मशीन लर्निंग वैयक्तिकरण मॉडल विकसित करने के लिए उत्तरदायी वैश्विक अधिग्रहण विज्ञान के प्रमुख

प्रो. सी.पी. गुप्ता
पीएचडी, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी, एम. कॉम. एम.फिल. (फाइनेंस) एंड पीएचडी, इन फाइनेंस, डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली

प्रोफेसर, वित्त और व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

शोध प्रकाशन

» अली, ए., बधानी, के.एन., और कुमार, ए. (2021)। क्या भारतीय शेयर बाजार में कम जोखिम वाली विसंगति मौजूद है? वैकल्पिक जोखिम उपायों का उपयोग करते हुए एक परीक्षण। जर्नल ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज, डीओआई: 10.1108/जेईएस-07-2021-0374

» बधानी, के.एन., कुमार, ए., वो, एक्स.वी., और तायडे, एम. (2022)। क्या उभरते बाजारों में संस्थागत निवेशकों का प्रदर्शन बेहतर है? अर्थशास्त्र और वित्त की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा, डीओआई:10.1016/जे.आईरफ.2022.01.003

» बडोला, ए., और अग्रवाल, आर.के. (2021)। एक उद्यमी के विचार से वास्तविकता तक की यात्रा की खोज: एक घटनात्मक अध्ययन। इंटरनैशनल जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्मॉल बिजनेस, 44(3), 274-297। डीओआई: 10.1504/आईजेईएसबी.2021.119231

» बंसल, एम., और अली, ए. (2021)। संचय विसंगति पर आय प्रबंधन का अंतर-संबंधी प्रभाव। जर्नल ऑफ एसेट मैनेजमेंट, 22(7), 559-572। डीओआई:10.1057/एस41260-021-00243-जेड

» बंसल, एम., और गर्ग, ए. (2021)। क्या उच्च गुणवत्ता वाले मानक उच्च लेखांकन गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं? भारत में अध्ययन। एकाउंटिंग रिसर्च जर्नल, 34(6), 597-613. डीओआई: 10.1108/एआरजे-06-2020-0162

» बंसल, एम., कुमार, ए., और बधानी, के.एन. (2021)। क्या भारतीय फर्में वृद्धिशील कोर आय को रिपोर्ट करने के लिए वर्गीकरण स्थानांतरण में संलग्न हैं? प्रबंधकीय वित्त, 47(11), 1533-1552। डीओआई: 10.1108/एमएफ-01-2020-0016

» धरानी, एम., हसन, एम.के., रब्बानी, एम.आर., और हक, टी. (2022)। क्या कोविड -19 महामारी विश्वास आधारित निवेश को प्रभावित करती है? वैश्विक क्षेत्रीय सूचकांकों से साक्ष्य। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुसंधान, 59 डीओआई:10.1016/जे.रिबाफ.2021.101537

» गोस्वामी, ए.के., और अग्रवाल, आर.के. (2021)। क्या नैतिक नेतृत्व और मनोवैज्ञानिक पूंजी ज्ञान सृजन को बढ़ावा देती है? अनुसंधान संगठनों का एक अनुभवजन्य अध्ययन। सूचना और ज्ञान प्रबंधन प्रणालियों के वाइन जर्नल, डीओआई: 10.1108 / वीजेआईकेएमएस-07-2021-0113

» गुहा, ए., और मुखर्जी, एम. (2021)। डिमांड-सप्लाई फ्रेमवर्क का उपयोग कर डिजिटल डिवाइड के निर्धारक: भारत से साक्ष्य। आस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स, 25, 1-33। डीओआई: 10.3127/ एजेआईएसवीवी25आई0.3029

» काथिरवन, सी., सेल्वम, एम., मनियम, बी., और धरणी, एम. (2021)। शेयर बाजार पर मौसम का प्रभाव: एक साहित्य समीक्षा और शोध एजेंडा। कोजेंट अर्थशास्त्र और वित्त, 9(1) डीओआई:10.1080/23322039.2021.1971353

» किरण, बी.एस., और शर्मा, आर. (2021)। वृहद सार्वजनिक सेवा संगठनों में क्राउडसोर्सिंग कान्टेस्ट की योजना तथा संचालन: ड्यूश बह्न एवं भारतीय रेलवे से सीख: क्राउडसोर्सिंग कान्टेस्ट के लिए प्रस्तावित छह-चरणीय तंत्र का उपयोग करते हुए, सार्वजनिक सेवा संगठन प्रभावी उपाय के लिए आंतरिक और बाह्य ज्ञान का लाभ उठा सकते हैं। अनुसंधान प्रौद्योगिकी प्रबंधन, 64(3),48-57। डीओआई:10. 1080/08956308.2021.1891821

» कोष्टा, एन., पात्रा, एस., और सिंह, एस.पी. (2021)। रिवर्स लॉजिस्टिक्स के लिए सूक्ष्म स्तर पर ई-कचरे का आकलन: दिल्ली के संबंध में एक केस। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 314 डीओआई:10.1016/जे.जेक्लप्रो.2021.128063

» कुमार, डी. (2021)। यूरोपीय यात्रा और लिसर क्षेत्र तथा अनिश्चितताएं: एक रिस्क स्पिलओवर विश्लेषण। पर्यटन अर्थशास्त्र, डीओआई: 10.1177/13548166211035954

» कुमार, जी. (2021)। भारत में इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम: एक आर्थिक मूल्यांकन। ऊर्जा स्रोत, भाग बी: अर्थशास्त्र, योजना और नीति, 16(4), 371-386। डीओआई:10.1080/15567249.2021.1923865

» मनचंदा, एम., और देब, एम. (2022)। कोविड-19 महामारी के दौरान आभासी और भौतिक पर्यटन पर बहुसंवेदी आभासी वास्तविकता का प्रभाव। पर्यटन में समसामयिक मुद्दे, 25(11), 1748-1766। डीओआई:10.1080/13683500.2021.1978953

» मित्रा, एस., कुमार, एच., गुप्ता, एम.पी., और भट्टाचार्य, जे. (2022)। स्मार्ट शहरों में उद्यमिता: स्टार्ट-अप इकोसिस्टम के तत्व। जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1108/जेएसटीपीएम-06-2021-0078

» रंगास्वामी, यू.एस., और चौधरी, एस. (2022)। एसबीयू निष्पादन पर अनुकूली क्षमता तथा उद्यमशीलता उन्मुखीकरण का प्रभाव: मॉडरेटिंग रोल ऑफ़ सक्सेस ट्रैप। मैनेजमेंट रिसर्च रिव्यू, 45(3), 436-449। डीओआई: 10.1108/एमआरआर-01-2021-0027

» समद, टी.ए., शर्मा, आर., गांगुली, के.के., वंबा, एस.एफ., और जैन, जी. (2022)। रसद आपूर्ति श्रृंखलाओं में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को अपनाने में सहायक: उभरती अर्थव्यवस्था से साक्ष्य। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, डीओआई:10.1007/एस10479-022-04546-1

» स्वामी, वी., धरानी, एम., और टाकेडा, एफ. (2022)। शुद्धिपत्र "इन्वेस्टर अटेन्शन एंड गूगल सर्च वॉल्यूम इंडेक्स: क्वांटाइल रिग्रेशन विश्लेषण का उपयोग करते हुए एक उभरते बाजार का साक्ष्य" (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में अनुसंधान (2019) 50 (1-17), (एस0275531918307967), (10.1016/जे.रिबाफ.2019.04.010)। रिसर्च इन इंटरनेशनल बिजनेस एंड फाइनेंस, 59 डी ओआई:10.1016/जे.रिबाफ.2021.101560

» उत्कर्ष, और गुप्ता, आर. के. (2022)। उपभोक्ताओं के एक्स्ट्रा-रोल और इन-रोल व्यवहार पर विश्वास और सामाजिक लाभों का प्रभाव: एक सामाजिक पहचान और सामाजिक आदान-प्रदान दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 65 डीओआई:10.1016/जे.जेरेटकॉन्सर.2021.102879

» अधिकारी, ए., बंसल, एम., और कुमार, ए. (2021)। आईएफआरएस कन्वर्जेन्स एंड अकाउंटिंग क्वालिटी: इंडिया ए केस स्टडी। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अकाउंटिंग, ऑडिटिंग एंड टैक्सेशन, 45 डोईआई:10.1016/जे.इंटैककॉडटैक्स।2021.100430

» अली, ए., और बधानी, के.एन. (2021)। हायर मोमेंटस अनोमली: इंडियन इक्विटी मार्केट से साक्ष्य। प्रबंधकीय वित्त, 47(12), 1693-1713। डीओआई: 10.1108/एमएफ-12-2020-0611

» अली, ए., और बंसल, एम. (2021)। स्टॉक रिटर्न पर अपवर्ड और डाउनवर्ड अर्निंग मैनेजमेंट का प्रभाव। साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, डीओआई: 10.1108/एसएजेबीएस-12-2020-0417

» बंसल, एम. (2021)। वर्गीकरण स्थानांतरण पर फर्म के आकार और फर्म की आयु का प्रभाव: भारत में सूचीबद्ध फर्मों पर एक अनुभवजन्य अध्ययन। जर्नल ऑफ फाइनेंशियल रिपोर्टिंग एंड अकाउंटिंग, 19(5), 772-792। डीओआई: 10.1108/जेएफआरए-10-2020-0275

» बंसल, एम., कुमार, ए., और कुमार, वी. (2022)। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सकल लाभ में मेनिपुलेशन: भारत से साक्ष्य। पैसिफिक एकाउंटिंग रिव्यू, 34(1), 174-196। डीओआई: 10.1108/PAR-06-2020-0083

» बंसल, एम., और कुमार, वी. (2021)। फोरसिंग रेस्पोंस्बिलीटी? अनिवार्य कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी से प्रेरित आय प्रबंधन की जांच: भारत से साक्ष्य। लेखा और वित्त की समीक्षा, 20(2), 194-216। डीओआई: 10.1108/आरएएफ-06-2020-0151

» भुयान, ए., सांगुरी, के., और शर्मा, एच. (2021)। कीवर्ड सह-घटना विश्लेषण में सुधार: एक एकीकृत अर्थ समानता दृष्टिकोण। औद्योगिक इंजीनियरिंग और इंजीनियरिंग प्रबंधन पर 2021 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख का प्रस्तुतीकरण, आईईईईएम 2021, 482-487। डीओआई: 10.1109/आईईईईएम50564.2021.9673030 www.scopus.com से लिया गया

» भुयान, ए., त्रिपाठी, ए., पाध्य, आर.के., और गौतम, ए. (2022)। एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था में लिथियम-आयन बैटरी रीसाइक्लिंग उद्योग का मूल्यांकन: एक बहु-हितधारक और बहु-मापदंड निर्णय लेने वाला दृष्टिकोण।जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 331 डीओआई:10.1016/जे. जेक्लीप्रो.2021.130007

» चट्टोपाध्याय, एम., कुमार, ए., अली, एस., और मित्रा, एस.के. (2022)। विभिन्न देशों में मानव विकास और पर्यटन विकास का संबंध: एक पैनल थ्रेशोल्ड विश्लेषण।सस्टेनेबल टूरिज्म जर्नल, 30(6), 1384-1402. डीओआई:10.1080/09669582.2021.1949017

» हसन, ए., अनवर, आई., सलीम, आई., इस्लाम, के.एम.बी., और हुसैन, एस.ए. (2021)। व्यक्तिगत उद्यमशीलता उन्मुखीकरण, उद्यमिता शिक्षा और उद्यमशीलता इंटेंशन: उद्यमी प्रेरणाओं की मध्यस्थता भूमिका। उद्योग और उच्च शिक्षा, 35(4), 403-418. डीओआई: 10.1177/09504 222211007051

» खेमानी, पी., और कुमार, डी. (2022)। क्या "सतत विकास के 2030 एजेंडा" को प्राप्त करने के लिए वित्तीय विकास महत्वपूर्ण है? एशियाई देशों से साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स, डीओआई: 10.1108/आईजेईओईएम-06-2021-0853

» कोष्टा, एन., बशीर, एच.ए., और समद, टी.ए. (2021)। विदेश व्यापार, वित्तीय विकास, कृषि, ऊर्जा की खपत और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन: उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच ईकेसी का परीक्षण। इंडियन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट रिव्यू, 14(1), 50-80। डीओआई: 10.1108/आईजीडीआर-10-2019-0117

» कुमार, आर., और कांबले, आर. (2022)। फेमिनिसम फ्राम द मार्जिन्स : कैसे महिलाएं कला-आधारित प्रतिरोध के माध्यम से मुसलमानों के "अन्य" का मुकाबला कर रही हैं? लिंग, कार्य और संगठन, 29(4), 1360-1374। डीओआई: 10.111/ग्वाओ.12804

» मेवाफरोश, आर., और अग्रवाल, एस. (2021)। छात्रों के व्यक्तिपरक कल्याण पर जनसांख्यिकीय चर का प्रभाव। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, डीओआई:10.1002/पीए.2749

» राय, एस., और नरवाल, पी. (2022)। विक्रेता मूल्य छवि आयामों पर बाहरी संदर्भ मूल्यों के प्रभाव की जांच करना और आप जो चाहते हैं (पीडब्ल्यूवाईडब्ल्यू) उसका भुगतान करने के लिए खरीदारी की इंटेंशन। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मार्केटिंग एंड लॉजिस्टिक्स, 34(8), 1778-1806। डीओआई: 10.1108/एपीजेएमएल-04-2020-0204

» रंगास्वामी, यू.एस. (2021)। उद्योग 4.0 व्यवधान: अनुकूली क्षमता की आवश्यकता का आकलन। संगठनों में विकास और समझ, 35(6), 7-10। डीओआई: 10.1108/डीएलओ-01-2021-0003

» सामल, ए., पात्रा, एस., और चटर्जी, डी. (2020)। संगठनात्मक तत्परता पर संस्कृति का प्रभाव परिवर्तन: एमएंडए बैंक का संदर्भ। बेंचमार्किंग, 28(5), 1503-1523. डीओआई: 10.1108/बीआईजे-10-2019-0454

» शर्मा, ए.के., भाटिया, ए.के., कुलश्रेष्ठ, ए., और सावहनी, आई.के. (2021)। कम्प्यूटेशनल न्यूरो-जेनेटिक एल्गोरिथम का उपयोग करके भारतीय दुग्ध उत्पादों में नमी सोखने वाले इज़ोटेर्म्स का इंटेलिजेंट मॉडलिंग। एसएन कंप्यूटर साइंस, 2(4) डीओआई:10.1007/एस42979-021-00693-7

» सिंह, एन., कृष्णास्वामी, वी., और झांग, जे.जेड. (2022)। एंटरप्राइज़ सूचना प्रणालियों में साइबर सुरक्षा अनुसंधान की बौद्धिक संरचना। एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, डीओआई: 10.1080 /17517575.2022.2025545

» श्रीवास्तव, ए., और कुमार, वी. (2021)। होटल विशेषताएँ और समग्र ग्राहक संतुष्टि: कोविड-19 ने क्या बदलाव लाया? पर्यटन प्रबंधन के दृष्टिकोण, 40 डीओआई: 10.1016 /जे. टीएमपी. 2021.100867

» तिवारी, एस., और भट्टाचार्य, बी. (2022)। वित्तीय संसाधन, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व, और स्वामित्व प्रकार: भारत से साक्ष्य। एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, डीओआई:10.1007/ एस10490-022-09810-3

» थंगावेलु, एम., कृष्णास्वामी, वी., और शर्मा, एम. (2021)। सुरक्षा घटना प्रबंधन पर व्यापक सूचना सुरक्षा जागरूकता और संज्ञानात्मक विशेषताओं का प्रभाव - एक अनुभवजन्य अध्ययन। कंप्यूटर और सुरक्षा, 109 डीओआई:10.1016/ जे.कोस.2021.102401

» अग्रवाल, एस. और मेवाफरोश, आर. (2021)। फ़ोमो और व्यक्तिपरक कल्याण के साथ सोशल मीडिया के जुड़ाव का संबंध। जर्नल ऑफ कंटेंट, कम्युनिटी एंड कम्युनिकेशन, 13(7), 46-57। डीओआई:10.31620/जेसीसीसी.06.21/06

» अमावते, वी., और देब, डी. (2021)। अधिग्रहण के बाद ब्रांड की पहचान: वॉलमार्ट इंक. द्वारा फ्लिपकार्ट ग्रुप का अधिग्रहण। एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज, 11(2), 1-21। डीओआई: 10.1108/ईईएमसीएस-12-2018-0274

» बशीर, एच.ए., बंसल, एम., और कुमार, डी. (2022)। भारत में आय के मूल्य प्रासंगिकता का पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ फाइनेंशियल रिपोर्टिंग एंड अकाउंटिंग, डीओआई: 10.1108/ जेएफआरए-08-2021-0219

» बत्रा, एस. गुप्ता, वी.के., शर्मा, एस., और यादव, आर. (2022)। मांग-पक्ष वैधता के मुख्य कारक: मौजूदा कंपनियां बी2बी स्टार्टअप्स से कब खरीदारी करती हैं? जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, डीओआई: 10.1108/जेबीआईएम-05-2021-0252

» दास, जे. (2021)। अशांत जल के बीच ऊंचे समुद्रों में सैल स्थापित करना: एक भारतीय रक्षा शिपयार्ड की परिवर्तनकारी गाथा। आधुनिक और भविष्य के मानव संसाधन प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण अभ्यासों पर केस अध्ययन (पीपी। 42-68) डीओआई: 10.4018/978-1-7998-5820-1.ch003 www.scopus.com से लिया गया

» दास, एस., और कुमार, ए. (2021)। भारत के सॉवरेन बॉन्ड और सेक्टोरल इंडेक्स के बीच दीर्घकालिक निर्भरता: हर्स्ट एक्सपोनेंट और वेवलेट विश्लेषण का उपयोग कर साक्ष्य। प्रबंधकीय वित्त, 47(10), 1448-1464। डीओआई: 10.1108/एमएफ-12-2020-0596

» हरिदास, जे., तूरे, आर.एस., और नयनपल्ली, ए.के. (2022)। संगठनात्मक कैरियर प्रबंधन और टर्नओवर इंटेंशन: प्रबंधन में विश्वास की मध्यस्थता की भूमिका। यूरोपियन जर्नल ऑफ़ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, 46(1-2), 257-275. डीओआई: 10.1108/ईजेटीडी-09-2020-0136

» हुसैन, आर., समद, टी.ए., और क़मर, वाई. (2022)। लक्जरी ब्रांडों का अतीत, वर्तमान और भविष्य: एक समीक्षा और ग्रंथपरक विश्लेषण। फैशन मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट जर्नल, 26(4), 582-602। डीओआई: 10.1108 / जेएफएमएम-02-2021-0046

» जौहर, एस.के., सिंह, एन., राजीव, ए., और पंत, एम. (2022)। एक अनिश्चित और अस्पष्ट परिदृश्य में कागज उद्योग के पारिस्थितिक प्रदर्शन का मापन: एक फजी डीईए आधारित विश्लेषणात्मक ढांचा। बेंचमार्किंग, 29(8), 2471-2494। डीओआई: 10.1108/बीआईजे-06-2021-0319

» कुमार, ए., श्रीवास्तव, एस. के., और मुखर्जी, के. (2021)। फीचर सिलेक्शन डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस का उपयोग कर भारतीय बैंकों का प्रदर्शन मूल्यांकन: एक मशीन लर्निंग परसपेक्टिव। जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, डीओआई:10.1002/पीए.2686

» कुमार, आर., मुखर्जी, ए., और सचान, ए. (2022)। एम-गवर्नमेंट एक्सपीरियंस: ए क्वालिटेटिव स्टडी इन इंडिया। ऑनलाइन सूचना समीक्षा, 46(3), 503-524। डीओआई: 10.1108/ ओआईआर-10-2020-0482

» कुमार, वी., और श्रीवास्तव, ए. (2021)। व्यावसायिक नैतिकता में शोध विषयों के विकास का मानचित्रण: ए को-वर्ड नेटवर्क एनालिसिस। वाईन जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड नॉलेज मैनेजमेंट सिस्टम्स, डीओआई: 10.1108/वीजेआईकेएमएस-10-2020-0199

» मनचंदा, एम., देब, एम., और लोमो-डेविड, ई. (2021)। एम-कॉमर्स में जालसाजी रोकने और विश्वास बहाल करने के लिए ब्रांडेड ऐप्स गुणवत्ता की प्रभावशीलता की जांच करना। क्वालिटी मैनेजमेंट जर्नल, 28(3), 156-174। डीओ आई:10.1080/10686967.2021.1920869

» ओमानवर, एस. पी., और अग्रवाल, आर. के. (2022)। सर्वेन्ट लीडरशिप, संगठनात्मक पहचान एवं टर्नओवर इंटेन्शन: अस्पतालों में एक प्रायोगिक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑर्गनाइज़ेशनल एनालिसिस, 30(2), 239-258। डीओआई:10.1108/आईजेओए-08-2020-2374

» प्रकाश, सी., रॉय, वी., और चरण, पी. (2022)। मानवीय लॉजिस्टिक्स सहयोग में अंतर-संगठनात्मक संघर्षों को कम करना: संविदात्मक समझौते, विश्वास और आपदा के बाद की पर्यावरणीय अनिश्चितता के चरणों की भूमिकाएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, 33(1), 28-52. डीओआई: 10.1108/ आईजेएलएम-06-2021-0318

» राज, पी. वी. आर. पी., जौहर, एस. के., रामकुमार, एम., और प्रताप, एस. (2022)। ब्लॉकचेन स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स का उपयोग करके आपूर्ति श्रृंखला में खरीद, पता लगाने की क्षमता और अग्रिम नकद क्रेडिट भुगतान लेनदेन। कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 167 डीओआई:10.1016/जे.सीआई.2022.108038

» सादिक, एम., डोगरा, एन., आदिल, एम., और भारती, के. (2022)। ऑनलाइन यात्रा खरीद व्यवहार का आकलन करना: विश्वास और कथित जोखिम की भूमिका। जर्नल ऑफ क्वालिटी एश्योरेंस इन हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म, 23(3), 796-822। डीओआई:10.1080/1 528008X.2021.1913 693

» सेनगुप्ता, एम (2022)। मिंटएम: स्टार्ट-अप ट्रांसफॉर्मिंग बिजनेस रीयल-टाइम। जर्नल ऑफ़ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी केस एंड एप्लीकेशन रिसर्च, 24(1), 12-33. डीओआई:10.1080/1522 8053.021.1957662

» शर्मा, आर., समद, टी.ए., चियापेट्टा जब्बोर, सी.जे., और डी क्विरोज़, एम.जे. (2021)। कृषि आपूर्ति श्रृंखलाओं में सर्कुलरिटी के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल: तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साक्ष्य। जर्नल ऑफ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1108/जेईआईएम-02-2021-0094

» सिंह, वी.पी., गांगुली, के., और समद, टी.ए. (2022)। नो फॉल्ट फाउंड: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा और भविष्य के शोध का एजेंडा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ क्वालिटी एंड रिलायबिलिटी मैनेजमेंट, 39(5), 1281-1306। डीओआई: 10.1108/ आईजेक्यूआरएम-02-2021-0026

» तनेजा, बी. और भारती, के. (2022)। मैपिंग यूनिफाइड थ्योरी ऑफ़ एक्सेप्टेंस एंड यूज़ ऑफ़ टेक्नोलॉजी (UTAUT) 2: बिब्लियोमेट्रिक विज़ुअलाइज़ेशन का उपयोग कर एक टैक्सोनॉमिकल स्टडी। दूरदर्शिता, 24(2), 210-247। डीओआई: 10.1108/एफएस-08-2020-0079

» ज़रगर, एफ.एन., और कुमार, डी. (2021)। कोविड-19 महामारी के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में बाजार का डर, निवेशकों का मूड, भावना, आर्थिक अनिश्चितता और पर्यटन क्षेत्र: ए स्पिलओवर एनालिसिस।टूरिज्म इकोनॉमिक्स, डीओआई: 10.1177/13548166211052803

» बंसल, एम., समद, टी.ए., और बशीर, एच.ए. (2021)। द सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग-फर्म परफॉर्मेंस नेक्सस: एविडेंस फ्रॉम ए थ्रेशोल्ड मॉडल। जर्नल ऑफ़ ग्लोबल रिस्पॉन्सिबिलिटी, 12(4), 491-512। डीओआई: 10.1108/जेजीआर-05-2021-0049

» दहमानी, एन., बेन्हीदा, के., बेलहदी, ए., कांबले, एस., एल्फ़ेज़ाज़ी, एस., और जौहर, एस.के. (2021)। पर्यावरण-प्रभावी उत्पादन प्रणालियों की दिशा में स्मार्ट सर्कुलर उत्पाद डिजाइन रणनीतियाँ: ए लिन इको-डिजाइन इंडस्ट्री 4.0 फ्रेमवर्क। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 320 डीओआई: 10.1016/जे.जेक्लप्रो.2021.128847

» दास, एस., कुमार, ए. और भट्टाचार्य, ए. (2022)। नकद समायोजन के निगमित तंत्र पर संस्थागत कारकों का प्रभाव – उभरते एशिया से नए साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजरियल फाइनेंस, डीओआई: 10.1108/आईजेएमएफ-01-2021-0032

» देवी, वाई., श्रीवास्तव, ए., कोष्टा, एन., और चौधरी, ए. (2021)। कोविड-19 के कारण सामाजिक व्यवधानों को कम करने में संचालन और आपूर्ति श्रृंखलाओं की भूमिका: एक हितधारक गतिशील क्षमता दृश्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, डीओआई: 10.1108/आईजेएलएम-04-2021-0235

» गांगुली, के.के. (2022)। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ब्लॉकचेन तकनीक को अपनाने की चुनौतियों को समझना: टीओई फ्रेमवर्क। तकनीकी विश्लेषण और कार्यनीतिक प्रबंधन, डीओआई:10.1080/ 09537325.2022.2036333

» गांगुली, के.के., और रॉय, एस. (2021)। क्रेता-आपूर्तिकर्ता संबंधों में आपूर्तिकर्ता संतुष्टि: आपूर्तिकर्ता के नजरिए से आकलन। जर्नल ऑफ़ बिज़नेस-टू-बिज़नेस मार्केटिंग, 28(3), 247-264। डीओआई: 10.1080/1051712X.2021.1974167

» जावदियन, जी., गुप्ता, ए., फू, एम., बत्रा, एस., और गुप्ता, वी. के. (2022)। टेकिंग द पल्स: स्टेट ऑफ़ द (हि) आर्ट एंटरप्रेन्योरियल इमोशन रिसर्च। समूह और संगठन प्रबंधन, 47(2), 255-299। डीओआई: 10.1177/10596011221083433

» कोष्टा, एन., पात्रा, एस., और सिंह, एस.पी. (2022)। आर्थिक जिम्मेदारी साझा करना: सर्कुलर इकोनॉमी के लिए ई-वेस्ट रिवर्स लॉजिस्टिक्स की सहायता हेतु उपयोगकर्ता की इच्छा का आकलन करना। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 332 डीओआई:10.1016/ जे.जेक्लप्रो. 2021. 130057

» मंडल, जे., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। ब्रांडेड ऐप उपभोक्ता का परित्याग करने का व्यवहार: व्याख्यात्मक संरचनात्मक मॉडलिंग दृष्टिकोण का उपयोग कर एक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, डीओआई:10.1016/ जे.जेरेटकॉन्सर.2021.102695

» प्रताप, एस., जौहर, एस.के., पॉल, एस.के., और झोउ, एफ. (2022)। हरित मार्ग और खराब होने वाले खाद्य उत्पादन में उपाय योजना के लिए स्टोकेस्टिक अनुकूलन दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ क्लीनर प्रोडक्शन, 333 डीओआई:10.1016/जे.जेक्लप्रो.2021.130063

» क़मर, वाई., अग्रवाल, आर.के., समद, टी.ए., और चियापेट्टा जब्बोर, सी.जे. (2021)। जब प्रौद्योगिकी लोगों से जुड़ती है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानव संसाधन प्रबंधन की परस्पर क्रिया। जर्नल ऑफ़ एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, 34(5), 1339-1370। डीओआई: 10.1108/जेईआईएम-11-2020-0436

» राय, एस.एस., दास, डी., गांगुली, के., गिरी, एस., और मिश्रा, एस.के. (2021)। आपूर्ति श्रृंखला में चरण-बद्ध उत्तरदायित्व: भारतीय वस्त्र उद्योग से संदर्भ। लॉजिस्टिक्स सिस्टम्स एंड मैनेजमेंट के इंटरनेशनल जर्नल, 39(4), 409-436। डीओआई:10.1504/ आईजेएलएसएम .2021.116847

» रॉय, वी., और श्रीवास्तव, एस. के. (2022)। द सेफ्टी- खाद्य श्रृंखला प्रमाणिकता का गुणवत्ता परक दृष्टिकोण: उपभोक्ता-केंद्रित खाद्य श्रृंखला नियंत्रण के लिए निहितार्थ। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट रिव्यूज, 24(1), 3-24। डीओआई: 10.1111/ आईजेएमआर.12258

» रॉय, वी., विजय, टी. एस., और श्रीवास्तव, ए. (2022)। ई-टेलिंग में सर्विस फेलियर रिकवरी का विशिष्ट एजेंडा: क्रिटिकलिटी लॉजिस्टिक / ऑफ नॉन-लॉजिस्टिक सर्विस फेलियर टाइपोलॉजी और ई-टेलिंग इथिक्स। जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, 64 डीओआई :10.1016 / जे.जेरेटकॉन्सर.2021.102837

» सादिक, एम., भारती, के., आदिल, एम., और सिंह, आर. (2021)। उपभोक्ता हरे रंग के परिधान क्यों खरीदते हैं? स्वभाव संबंधी लक्षणों, पर्यावरणीय संबंध, पर्यावरण ज्ञान और मौद्रिक प्रोत्साहन की भूमिका। जर्नल ऑफ़ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेज, डीओआई:10.1016 /जे.जेरेटकॉन्सर.2021.102643

» सिंघल, एम., और बत्रा एस. (2021). परिवार-प्रबंधित होटलों में सामाजिक-भावनात्मक धन और उद्यमशीलता अभिविन्यास की भूमिका। जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, 49, 204-213। डीओआई:10.1016/जे.जेएचटीएम.2021.09.012

» श्रीवास्तव, ए., कुमार, पी., और मतीन, ए. (2021)। सहकारी और गैर-सहकारी निवेश संरचनाओं के तहत आपूर्तिकर्ता विकास। बेंचमार्किंग, 28(10), 3137-3160। डीओआई: 10.1108/बीआईजे-09-2020-0502

» वाडिवेल, एस.एम., सेक्वेरा, ए.एच., जौहर, एस.के., और चंदना, वी. (2022)। टोपसिस और फजी टोपसिस विधियों का उपयोग करके तमिलनाडु ऑम्निबस यात्रा मूल्यांकन डीओआई:3_9-96299-030-3-978/10.1007

» अली, ए., और बशीर, एच.ए. (2022)। परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण पर ग्रंथपरक अध्ययन वित्तीय बाजारों में गुणात्मक अनुसंधान, 14(3), 433-460। डीओआई: 10.1108/क्यूआरएफएम-07-2020-0114।

» बंसल, एम., और बशीर, एच.ए. (2022)। व्यापार रणनीति तथा वर्गीकरण स्थानांतरण: भारतीय साक्ष्य। जर्नल ऑफ़ अकाउंटिंग इन इमर्जिंग इकोनॉमीज़, डीओआई: 10.1108/जेएईई-03-2021-0099

» बत्रा, एस. (2021)। केस एनालिसिस I: भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के लिए एजीआर चैलेंज। विजन, 25(2), 258-260। डीओआई: 10.1177/0972262921993602

» चक्रवर्ती, के., मुखर्जी, के., मंडल, एस., और मित्रा, एस. (2021)। पुनर्विनिर्माण में मूल्य निर्धारण संबंधी निर्णयों के आधार पर एक व्यवस्थित साहित्यिक समीक्षा और ग्रंथपरक विश्लेषण। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 310 डीओआई:10.1016/जे.जेक्लप्रो.2021.127265

» दत्ता, एस., और उत्कर्ष (2022)। ओवर-द-टॉप माध्यम से वीडियो-ऑन-डिमांड सेवाओं के लिए सेवा गुणवत्ता आयामों का प्रस्तावक हेतु एक गुणात्मक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ परवेसिव कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस, डीओआई: 10.1108/आईजेपीसीसी-05-2021-0122

» देवी, वाई., पात्रा, एस., और सिंह, एस.पी. (2021)। इन्फ्लूएंजा महामारी प्रकोप के लिए स्थान-आवंटन मॉडल: भारत में एक केस स्टडी। संचालन प्रबंधन अनुसंधान, डीओआई:10.1007/एस12063-021-00216-डब्ल्यू

» जौहर, एस.के., अमीन, एस.एच., और ज़ोल्फ़गारिनिया, एच. (2021)। सेलफोन उद्योग में तृतीय-पक्ष रिवर्स लॉजिस्टिक्स पार्टनर चयन और ऑर्डर आवंटन के लिए एक प्रस्तावित विधि। कंप्यूटर और औद्योगिक इंजीनियरिंग, 162 डीओआई: 10.1016/जे.सी.2021.107719

» जौहर, एस.के., राज, पी.वी.आर.पी., कांबले, एस., प्रताप, एस., गुप्ता, एस., और बेलहाडी, ए. (2022)। निष्पादन मूल्यांकन एवं आकलन हेतु एक गहन शिक्षण-आधारित दृष्टिकोण: लुगदी और कागज उद्योगों का एक केस स्टडी। एनल्स ऑफ़ ऑपरेशंस रिसर्च, डीओआई:10.1007/एस10479-022-04528-3

» कासा, एस. आर., और भट्टाचार्य, एम. (2021)। वित्तीय बाजारों में डिपेंडेंसी ब्रेकडाउन का पता लगाने के लिए एक सांख्यिकीय परीक्षण। एसएन कंप्यूटर साइंस, 2(4) डीओआई:10.1007/एस42979-021-00671-जेड

» कोष्टा, एन., देवी, वाई., और पात्रा, एस. (2021)। आपूर्ति श्रृंखला में एरियल बॉट्स: कोविड-19 से निपटने के लिए एक नया सहयोगी। समाज में प्रौद्योगिकी, 66 डीओआई: 10.1016/जे.टेकसोक.2021.101646

» कुमार, ए., और चक्रवर्ती, एस. (2021)। चैरिटी डोनर बिहेवियर: ए सिस्टेमैटिक लिटरेचर रिव्यू एंड रिसर्च एजेंडा। जर्नल ऑफ नॉन प्रॉफिट एंड पब्लिक सेक्टर मार्केटिंग, डीओआई:10.1080/10495142.2021.1905134

» कुमार, ए., इकबाल, एन., मित्रा, एस.के., क्रिस्टौफेक, एल., और बौरी, ई. (2022)। मानक समय तथा कोविड-19 प्रकोप के दौरान प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के बीच संबंध। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फाइनेंशियल मार्केट्स, इंस्टीट्यूशंस एंड मनी, 77 डीओआई:10.1016/जे.इंटफिन.2022.101523

» पाठक, एस., कृष्णास्वामी, वी., और शर्मा, एम. (2021)। बिग डेटा एनालिटिक्स क्षमताएं: टूल-आधारित सामग्री विश्लेषण पर आधारित एक नया एकीकृत फिटनेस ढांचा। एंटरप्राइज इंफॉर्मेशन सिस्टम्स, डीओआई:10.1080/17517575.2021.1939427

» सचदेवा, एल., भारती, के., और माहेश्वरी, एम. (2021)। लिंग आधारित व्यावसायिक अलगाव की पांच दशकों की समीक्षा: प्रभावशाली लेखकों, संस्थानों और अनुसंधान समूहों का ग्रंथपरक अध्ययन। करियर डेवलपमेंट के ऑस्ट्रेलियाई जर्नल, 30(2), 117-128। डीओआई: 10.1177/10384162211006951

» सामल, ए., और चटर्जी, डी. (2022)। एम एंड ए में एलएमएक्स-परिणाम संबंध के लिए एक मॉडरेट-मध्यस्थता दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ जनरल मैनेजमेंट, 47(3), 168-179। डीओआई: 10.1177/03063070211013331

» सामंत, ए.के., वरप्रसाद, जी., और पाधी, आर. (2021)। पीडियाट्रिक्स में लीन, सिक्स सिग्मा और लीन सिक्स सिग्मा गुणवत्ता सुधार पद्धतियों से संबंधित अनुभवजन्य अध्ययनों की एक व्यवस्थित समीक्षा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एक्सीलेंस, 23(1), 18-32. डीओआई:10. 1504/आईजेबीईएक्स.2021.111936

» सेनगुप्ता, एम. (2021)। परिवर्तनकारी नेतृत्व द्वारा प्रेरित बदलाव। साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज, डीओआई: 10.1108/एसएजेबीएस-01-2021-0025

» सिंह, वी.पी., और गांगुली, के. (2021) नो फॉल्ट फाउंडेड कॉस्ट के आकलन के लिए एक सहायक ढांचा: विमान एमआरओ उद्योग में विकास और अनुप्रयोग। जर्नल ऑफ क्वालिटी इन मेंटेनेंस इंजीनियरिंग, 27(4), 611-632। डीओआई: 10.1108/जेक्यूएमई-01-2020-0005

» उल्लाह, ए, इदरीसी, ए, खान, एम.एम., और इस्लाम, के.एम.बी. (2021)। भारत में कृषि नीतियों की विस्तृत समीक्षा। उद्यम निर्माण के लिए प्रेरक कारक और कृषि उद्यमिता में सफलता (पीपी. 171-179) डीओआई: 10.4018/978-1-6684-2349-3.ch008

» उत्कर्ष, और सिगाला, एम. (2021)। कोविड-19 और पर्यटन पर अनुसंधान की ग्रंथपरक समीक्षा: रिफ्लेक्शंस फॉर मुविंग फोरवार्ड। पर्यटन प्रबंधन परिप्रेक्ष्य, 40 डीओआई: 10.1016/जे.टीएमपी.2021.100912

» यादव, ए. (2022)। क्या सरलीकरण उपभोक्ताओं की ब्रांडों की ओर प्रतिक्रिया को परिभाषित कर सकता है ? खरीदारी के इरादे पर गेमीफाइड स्वास्थ्य और फिटनेस अनुप्रयोगों के प्रभाव की जांच करना डी ओआई:10.1007/978-981-16-9272-7_16

» यादव, ए., और चक्रवर्ती, एस. (2022)। ब्रांड हेट: ए सिस्टेमैटिक लिटरेचर रिव्यू एंड फ्यूचर रिसर्च एजेंडा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंज्यूमर स्टडीज, डीओआई: 10.1111/ आईजेसीएस.12772

छात्र गतिविधियां

छात्र परिषद कॉलेज का सर्वोच्च शासी छात्र निकाय है जो सभी गतिविधियों और छात्र निकायों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करके कॉलेज में छात्रों के कल्याण के लिए उत्तरदायी है। यह छात्रों का, छात्रों द्वारा और छात्रों के लिए छात्रों का एक निकाय है। यह आउट-ऑफ-क्लास अनुभव को संस्थान के अकादमिक मिशन के साथ जोडकर और छात्र के बौद्धिक, सार्वजनिक सेवा और नेतृत्व की इक्षाओं को उनकी भविष्य की आकांक्षाओं को शामिल करते हुए छात्र जीवन के अकादमिक एवं सह-पाठ्यचर्या क्षेत्र को एकीकृत करता है। यह छात्रों के जीवन की गुणवत्ता को ज्ञानार्जन को आसान बनाने के लिए, छात्रों, संकाय सदस्यों, प्रशासकों और आईआईएम काशीपुर समुदाय के अंदर और बाहर दोनों जगह के अन्य साझेदारों के साथ गठजोड़ स्तःपित करता है। इसके अलावा, यह छात्रों के लिए सक्रिय भागीदारी और उसके प्रभावों के माध्यम से सीखने के अवसर पैदा करता है, जहां वे कर सकते हैं:

- छात्र परिषद संस्थान के अंदर और बाहर छात्रों के पहले प्रतिनिधि के रूप में कार्य करती है और यह सुनिश्चित करती है कि सभी गतिविधियां संस्थान की दृष्टि से संरेखित हों।
- संस्थान में छात्र जीवन में सुधार से संबंधित सभी मामलों के लिए प्रशासन में सभी पीठों, प्रमुखों और अन्य लोगों के साथ समन्वय, जिसमें शिक्षा, सुविधाएं, बुनियादी ढांचा, छात्रावास, मेस, सुरक्षा, बाहरी जुड़ाव, आदि शामिल हैं।
- वे सभी छात्र गतिविधियों के लिए कॉलेज के अंदर और बाहर दोनों के लिए उत्तरदायी हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि संस्थान की छवि और छात्रों के हितों को हमेशा बरकरार रखा जाए।
- उन्हें छात्र निकायों और/या व्यक्तिगत छात्रों के बीच किसी भी संघर्ष को हल करना होता है, साथ ही उन सभी जिम्मेदारियों के साथ जो किसी अन्य छात्र निकाय के अंतर्गत नहीं आती हैं।
- वे संस्थान के भीतर छात्र समुदाय के बीच सभी छात्र निकाय गतिविधियों के लिए भी उत्तरदायी हैं और सभी छात्र निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करते हैं, ताकि उनका सुचारू संचालन सुनिश्चित हो सके।
- छात्र परिषद संस्थान द्वारा प्रदान की गई धनराशि के उचित उपयोग के लिए भी उत्तरदायी है, जो बाहरी निकायों से प्रायोजन के रूप में प्राप्त होती है या संस्थान के छात्रों से एकत्र की जाती है, और यह सुनिश्चित करना है कि नियमित वित्तीय ऑडिट करके बजट के खर्च में उचित प्रक्रिया का पालन किया जाता है।
- कॉलेज में अनुशासन का उचित अनुपालन ।
- नियमित अंतराल पर छात्रों और छात्र निकायों की समस्याओं को समझना, और आवश्यक माध्यमों से उनका समाधान करना।
- वित्तीय ऑडिट और छात्र निकायों द्वारा खर्च के निरीक्षण के साथ-साथ छात्रों और छात्र निकायों की प्रदर्शन समीक्षा।
- सभी छात्र निकायों की संरचना की समीक्षा करना और बदलते परिवेश के कारण आवश्यकतानुसार परिवर्तन करना।
- किसी भी छात्र निकाय में व्यक्तियों के चयन में निष्पक्ष प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के साथ-साथ पूरे वर्ष महाविद्यालय में गतिविधियों और कार्यक्रमों का समान वितरण।
- छात्र परिषद को वर्ष में एक बार, सभी छात्र निकायों की संरचना की समीक्षा करनी होती है और उस विशेष छात्र निकाय के अध्यक्ष, यदि कोई हो, के समन्वय में, विकसित वातावरण के कारण उनकी संरचना, कार्यप्रणाली और प्रतिनिधित्व में परिवर्तन करना होता है। इसमें समितियों/क्लबों का विलय या नए छात्र निकाय का निर्माण शामिल हो सकता है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है।
- छात्र परिषद, विशेष रूप से अध्यक्ष और महासचिव समितियों/क्लबों/सेलों/कोर और/या व्यक्तिगत छात्रों के बीच किसी भी संघर्ष को हल करने के लिए उत्तरदायी हैं।
- छात्र परिषद, सभी छात्र गतिविधियों के लिए उत्तरदायी होने के कारण, कॉलेज के अंदर और बाहर सभी छात्र गतिविधियों के संज्ञान में होना चाहिए। इससे यह अनिवार्य हो जाता है कि सभी आयोजनों की सूचना आयोजन समिति/क्लब/सेल/कोर द्वारा राष्ट्रपति, महासचिव, अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष को पहले से की जाए। रिपोर्टिंग में गतिविधि/घटना की अवधारणा, गतिविधि/कार्यक्रम के लिए आयोजन दल की चयन प्रक्रिया, और गतिविधि/कार्यक्रम प्रस्ताव के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है।

कोविद -19 पहल के एक हिस्से के रूप में, छात्र परिषद ने छात्र समिति के साथ मिलकर सीएसआर गतिविधियों के एक भाग के रूप में आवश्यक खाद्यान्न वितरित किए

समितियां

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति के सदस्य आईआईएम काशीपुर की शैक्षणिक दृढ़ता को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी हैं। इसके लिए समिति विभिन्न पहल करती है जैसे कार्यशालाएं, सहकर्मी शिक्षण सत्र, अतिथि व्याख्यान, फैकल्टी टॉक सीरीज और सोशल मीडिया अभियान।

समिति कक्षाओं में अनुशासन बनाए रखने और एक मजबूत शैक्षणिक संस्कृति के निर्माण में मदद करती है।

उत्तरदायित्व

- कक्षाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना तथा छात्रों द्वारा शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना
- एमबीए और एमबीए-एनालिटिक्स आफिस एवं संकाय बैच के हितों का प्रतिनिधित्व करना
- विदेशी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन
- सोशल मीडिया पहलों के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देना
- ऐच्छिक के संबंध में सूचित निर्णय लेने में विद्यार्थियों की सहायता करना
- रिसर्च न्यूजलेटर "एकाडीज" के लिए सामग्री डिजाइन और क्यूरेट करना

गतिविधियां / कार्यक्रम

एमबीए सीरीज

सशस्त्र बल के पूर्व कर्नल एम गिरिधर ने हमारे प्रमुख कार्यक्रम "एमबीए सीरीज" के तहत आईआईएम काशीपुर के छात्रों के साथ वार्ता की और उन्हें "मैनेजमेंट फ्राम ए नॉन- कॉर्पोरेट लेंस" विषय पर मूल्यवान जीवन पाठ प्रदान किया।

गुरु निष्ठा

हमने "गुरु निष्ठा" कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां हम विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात प्रोफेसरों को आमंत्रित करते हैं और उनके अनुभव से मूल्यवान जीवन की सीख लेते हैं।

सत्र I

हमने आईआईएम कलकत्ता के फैकल्टी प्रो. राहुल मुखर्जी की आतिथ्य में पहला सत्र आयोजित किया

सत्र II

द्वितीय सत्र का संचालन आईआईएम बैंगलोर के प्रोफेसर महादेवन द्वारा "भगवद गीता से प्रबंधन प्रतिमान" विषय पर किया गया था।

सत्र III

हमने सीरीज का तीसरा सत्र आयोजित किया, जिसमें आईआईएम बैंगलोर के अतिथि वक्ता प्रो राकेश गोधवानी थे सत्र का विषय "प्रेरक संचार और करिश्माई नेतृत्व" था।

फैकल्टी टॉक सीरीज

हमने एक नई पहल "फैकल्टी टॉक सीरीज़" शुरू की है, जहाँ हमने छात्रों के लिए इस पहल को क्यूरेट किया है ताकि उन्हें एमबीए पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न विषयों के बारे में हमारे संकाय से सीखने का अवसर प्रदान किया जा सके, जो उन्हें सभी क्षेत्रों में एक विद्वतापूर्ण समझ विकसित करने के लिए नए दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद करेगा।

सत्र I

पहला सत्र प्रो. वैभव भमोरिया द्वारा जिसे "मूल्य के बजाय महत्व पर प्रतिस्पर्धा" विषय पर आयोजित किया गया था।

सत्र II

दूसरा सत्र 10 दिसंबर 2021 को प्रोफेसर अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा "ब्रांड की लाभप्रदता और उपभोक्ता व्यवहार पर अनधिकृत बिक्री का प्रभाव" विषय पर ऑफलाइन मोड में आयोजित किया गया था।

सत्र III

हमने अपनी पहल "फैकल्टी टॉक सीरीज़" का तीसरा सत्र ऑनलाइन मोड में आयोजित किया। सत्र का संचालन मेजर वंदना शर्मा द्वारा "नेलिंग करियर ट्रांज़िशन" विषय पर किया गया था।

सत्र IV

इस श्रृंखला के चौथे सत्र का संचालन प्रो. सफल बत्रा द्वारा "उद्यमी जीवन पाठ" विषय पर किया गया था।

अतिथि सत्र

प्रोफेसर अश्वथ दामोदरन द्वारा अतिथि व्याख्यान

शैक्षणिक समिति ने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर अश्वथ दामोदरन के अतिथि व्याख्यान की व्यवस्था की।

उन्होंने इस सत्र के माध्यम से व्यवसाय मूल्यांकन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित किया। 90 मिनट के सत्र में प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष के छात्रों और आईआईएम काशीपुर के पूर्व छात्रों से शानदार प्रदर्शन का अनुभव प्राप्त हुआ।

कार्यशालाएं

पेटीएम इन्वेस्टर एजुकेशन प्रोग्राम

छात्रों को व्यक्तिगत वित्त के महत्व को समझने में मदद करने के लिए पेटीएम मनी फॉर इन्वेस्टर एजुकेशन प्रोग्राम के साथ सहयोग किया ताकि वे अपनी निवेश यात्रा शुरू कर सकें। यह 90 मिनट का ऑनलाइन सत्र था, जिसका संचालन उद्योग विशेषज्ञ श्री शंखा मुखर्जी द्वारा किया गया था, जिन्होंने वित्तीय नियोजन, जोखिम प्रोफाइलिंग और निवेश साधनों के बारे में विभिन्न विषयों को कवर किया था। इस व्यापक कार्यशाला के माध्यम से छात्रों को शेयर बाजार में निवेश की मूल बातें समझने में मदद मिली।

शैक्षणिक लेखन कार्यशाला

7 नवंबर को एक शैक्षणिक लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला ने छात्रों को शैक्षणिक लेखन, फ्रेम, और संरचना रिपोर्ट विचारों के मूल सिद्धांतों की समझ विकसित करने, किसी रिपोर्ट में विभिन्न अनुभागों के लेखन की बारीकियों को समझने और साक्ष्य शामिल करने और साहित्यिक चोरी से बचने का अवसर प्रदान किया। यह शैक्षणिक परियोजनाओं और निबंध लेखन के लिए विशेष रूप से सहायक था।

सोशल मीडिया पहल

"मावेन्स ऑफ एकेडमिया"

हमने एक नई सोशल मीडिया पहल "मेवेन्स ऑफ एकेडेमिया" की शुरुआत की। जहां हम शैक्षणिक क्षेत्र में योगदान देने वाले सभी महान नेतृत्वदाताओं और शिक्षकों के बारे में लिंक्डइन पोस्ट बनाते हैं पहली पोस्ट के लिए, हमने रवींद्रनाथ टैगोर के योगदान के बारे में लिखा।

पूर्व छात्र संबंध समिति

पूर्व छात्रों, छात्रों, शिक्षकों और आईआईएम काशीपुर परिवार के अन्य सदस्यों के बीच मधुर संबंधों को मजबूत करने के लिए पूर्व छात्र संबंध समिति का गठन किया गया था। इस समिति का उद्देश्य संस्थान निर्माण के दौरान हमारे पूर्व छात्रों के नेटवर्क के विशाल उद्योग जोखिम और अनुभव को बढ़ावा देना, पोषण करना और लाभ उठाना है।

हमारे पूर्व छात्रों के साथ वार्ता के सभी रूपों को सुविधाजनक बनाने के लिए पूर्व छात्र संबंध समिति एक मंच के रूप में कार्य करती है। हमारे पूर्व छात्रों को उनकी पलों को याद दिलाने और उनके मातृ संस्थान के साथ उनके संबंध को बढ़ाने में मदद करने के लिए, समिति उन्हें हर साल अग्रित्रय (आईआईएम काशीपुर की वार्षिक प्रमुख घटना) के दौरान घर वापसी के लिए हमारे परिसर में वापस आमंत्रित करती है। इसके अलावा, समिति लगातार देश भर के विभिन्न शहरों में आयोजित सिटी मीट जैसे असंख्य कार्यक्रमों के माध्यम से हमारे पूर्व छात्रों के परिवार तक पहुंचने की कोशिश करती है। इस साल, चल रही महामारी के कारण, हमने अपने विभिन्न सोशल मीडिया अभियानों और वर्चुअल इंटरैक्शन के माध्यम से पूर्व छात्रों को जोड़ा है। हमारे त्रैमासिक समाचार पत्र सारथी का उद्देश्य हमारे पूर्व छात्रों को आईआईएम काशीपुर में होने वाली घटनाओं से अपडेट रहने में मदद करना है। समिति पूर्व छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम, अल-स्पीक गेस्ट लेक्चर श्रृंखला, अल-प्रेप वेबिनार सत्र, पैनल चर्चा और पूर्व छात्र अनप्लग्ड पॉडकास्ट श्रृंखला जैसी कई पहलों के माध्यम से मौजूदा बैचों को लाभान्वित करने के लिए भी प्रयासरत है। एआरसी एलुमनी पोर्टल का प्रबंधन भी करता है ताकि हमारे पूर्व छात्र अपने पूर्व साथी छात्रों के साथ जुड़े रहें और अपने अल्मा मेटर के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ावा दें। समिति वर्तमान में एक पूर्व छात्र संघ की स्थापना सहित कई नई पहलों पर काम कर रही है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

वर्चुअल रीयूनियन

हमारी चेयरपर्सन प्रो रचिता गुप्ता के दृष्टिकोण के अनुरूप और नए अनुक्रम को अपनाने के लिए, टीम एआरसी ने पीजीपी (एमबीए) और ईपीजीपी (एमबीए-डब्ल्यूएक्स) के पूर्व छात्रों के बैचों के लिए वर्चुअल रीयूनियन शुरू किया। ये बैठकें संस्थान के निर्माण और पूर्व छात्रों की उनके अल्मा मेटर के लिए और उनकी अपेक्षाओं को समझने पर गहन चर्चा में परिवर्तित हुई है। हम अपने निदेशक प्रो कुलभूषण बलूनी, एआरसी चेयरपर्सन प्रो रचिता गुप्ता, प्रो कुणाल गांगुली, और प्रो केवल बधानी के आभारी हैं कि उन्होंने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दी है। एआरसी के विजन के अनुरूप, आईआईएम काशीपुर की एकता को निर्धारित करने के लिए अपने पूर्व छात्रों के साथ एक मजबूत बंधन को एकीकृत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।

मेंटरशिप प्रोग्राम

एलुमनी मेंटरशिप प्रोग्राम में विशिष्ट डोमेन और भूमिकाओं में ज्ञान विशेषज्ञों के साथ आभासी वार्ता की सुविधा है। यह न केवल छात्रों को, पूर्व छात्रों के व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह के अनुभवों से सीखने और दोषों से आगे निकलने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि उन्हें अपने नेटवर्क का विस्तार करने का मौका भी देता है।

अल-प्रेप / अल-स्पीक सीरीज

एएल-स्पीक पूर्व छात्र अतिथि व्याख्यान श्रृंखला है जबकि अल-प्रेप पूर्व छात्र वेबिनार श्रृंखला है। उनका उद्देश्य उद्योग में उनके अनुभवों को साझा करने और छात्रों को एमबीए से प्राप्त शिक्षाओं के समामेलन और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग का अवलोकन प्रदान करने के लिए पूर्व छात्रों को अतिथि के रूप में आमंत्रित करना है ।

इन सत्रों का लक्ष्य छात्रों को पूर्व छात्रों से जुड़ने का अवसर प्रदान करने के अलावा साथियों के बीच बौद्धिक चर्चा को एक जोश प्रदान करना है।

पैनल चर्चा

पैनल चर्चा पूर्व छात्रों के ज्ञान को साझा करने और विभिन्न विषयों पर बहस करने का एक मंच है। पैनल में चयनित विशेषज्ञ पूर्व छात्र शामिल होते हैं जो चर्चाओं को आगे बढ़ाने और पूर्व छात्रों के बीच क्रॉस-बैच इंटरैक्शन को प्रेरित करने के लिए अपने विचार और अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करते हैं।

एलुमनी अनप्लग्ड - पॉडकास्ट सीरीज

ऑनलाइन इंटरैक्शन के विस्तार को प्रमाणित करने के लिए, टीम एआरसी ने पॉडकास्ट श्रृंखला शुरू की। केंद्र-बिंदु में रहने वाले पूर्व छात्र पॉडकास्ट चलाते हैं, जो स्पष्ट बातचीत के माध्यम से ज्ञान-भरे सत्रों में आगे बढ़ने वाली चर्चाओं को आगे बढ़ाता है।

प्री-कनवोकेशन

कोविड के कारण एक वर्ष के लिए मजबूर अंतराल के बाद, हमने पिछले 2 वर्षों के दीक्षांत समारोह बैचों के लिए प्री-कनवोकेशन का समन्वय किया। हम स्पष्ट रूप से उन सभी छात्र निकायों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं जिन्होंने सफल वर्चुअल इवेंट में हमारी मदद की। हमने एलुमनी कार्ड्स और पीओआर सर्टिफिकेट के निर्माण और वितरण में भी मदद की।

कॉर्पोरेट संबंध समिति

कॉर्पोरेट संबंध समिति छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के बीच वार्ता के लिए एक सुविधा के रूप में कार्य करके आईआईएम काशीपुर की कॉर्पोरेट उपस्थिति को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए एक मंच तैयार करती है। इस तरह के प्रयासों के साथ, लीडरशिप टॉक सीरीज "तेजस" के माध्यम से वित्त, विपणन, अर्थशास्त्र, संचालन, रणनीति, विश्लेषिकी और मानव संसाधन जैसे विभिन्न डोमेन से कॉर्पोरेट लीडरों को शामिल करके सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयास किया जाएगा। इसके साथ ही, एक अन्य उद्देश्य, उभरते कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग करके और पारस्परिक लाभ के लिए एक लाइव प्रोजेक्ट अवसर प्रदान करके एक व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव प्रदान करेगा।

हम डोमेन विशिष्ट कॉन्क्लेव जैसे वृद्धि (फाइनेंस कॉन्क्लेव), विशालशान (एनालिटिक्स कॉन्क्लेव), विलेख (ऑपरेशन कॉन्क्लेव) और अद्विका (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कॉन्क्लेव) के माध्यम से ट्रेंडिंग विषयों पर संबंधित क्षेत्र में अग्रणी उद्योग जगत के अग्रजों की चर्चाओं में छात्रों को वार्ता हेतु शामिल करके और सीखने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भी आयोजन करते हैं।

गतिविधियां / कार्यक्रम

अतिथि व्याख्यान

कुछ उद्योग जगत की प्रतिष्ठित कंपनियों के नेता जैसे श्री कौशिक मित्रा, उपाध्यक्ष एवं पेप्सिको के सीएफओ; सुश्री विशाखा आर एम, इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस की एमडी और सीईओ; सुश्री अमना अजमल शर्मा, समूह एग्जीक्यूटिव-मर्चेन्ट, स्वीकृति और डिजिटल भागीदारी, मास्टरकार्ड; श्री रजनीश जैन, सीएफओ, रिलायंस जियो; श्री आदित्य पाल सिंह, निदेशक हेड टैलेंट एक्विजिशन, इंफॉर्मेटिका; श्री प्रमिल गोविल, निदेशक, बैन एंड कंपनी ने विभिन्न विषयों पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण सत्र दिया, जिसमें: "बिजनेस इकोनॉमी एंड एचआर इन द न्यू नॉर्मल", "हाउ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इज ट्रांसफोर्मेशन बैंकिंग एंड फाइनेंस", "कल्चर, लीडरशिप एंड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन", "फिल्म मेकिंग एंड फिल्म मार्केटिंग", "चीजें जो वास्तव में मायने रखती हैं - लीडरशिप लेसन", अन्य शामिल रहे। समिति ने श्री पंकज आडवाणी, एक एवरग्रीन उपलब्धि प्राप्तकर्ता, और दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी के साथ लाइव बातचीत की, जिन्होंने बिलियर्ड्स और स्नूकर के सभी प्रारूपों में विश्व चैंपियनशिप भी जीती, साथ ही दोनों में सबसे अधिक आईबीएसएफ विश्व चैंपियनशिप भी जीती। भारत सरकार ने उन्हें विभिन्न प्रमुख राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया है, जिसमें 2004 में अर्जुन पुरस्कार, 2006 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, 2009 में पद्म श्री और 2018 में पद्म भूषण शामिल हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए अतिथि व्याख्यान तथा कॉन्क्लेव के लिए हमने जिन कॉरपोरेट्स के साथ सहयोग किया, उनका सारांश:

कॉन्क्लेव्स

वृद्धि (वार्षिक वित्त कॉन्क्लेव) - इसका आयोजन 16 अक्टूबर 2021 को किया गया था। इसमें हमारे पांच प्रतिष्ठित संगठनों के अतिथि -: मार्स, लिबर्टी हाउस ग्रुप, लोरियल, मैजिक ब्रिक्स और जेसीबी इंडिया, नाइके उपस्थित रहे । "वर्तमान समय में जोखिम प्रबंधन और वृद्धि" विषय पर पैनल चर्चा थी।

विश्लेषण (वार्षिक एनालिटिक्स कॉन्क्लेव) – इसका आयोजन 4 दिसंबर 2021 को किया गया था। इसमें पांच प्रतिष्ठित संगठनों - कॉग्निजेंट, ज़ी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, गूगल ऑपरेशंस सेंटर, टेक महिंद्रा और बार्कलेज उपस्थित रहे । "एनालिटिक्स - ब्रिज कनेक्टिंग द प्रेजेंट टू द फ्यूचर" विषय पर पैनल चर्चा हुई।

विलेख (वार्षिक संचालन सम्मेलन) - इसका आयोजन 4 फरवरी 2022 को किया गया था। इसमें पांच प्रतिष्ठित संगठनों -: अपोलो हॉस्पिटल्स, जेनपैक्ट, शिंडलर इंडिया, जीई गैस पावर, और श्नाइडर इलेक्ट्रिक से अतिथि उपस्थित रहे । "महामारी के बाद के युग में संचालन और आपूर्ति श्रृंखला के भविष्य की व्याख्या" विषय पर पैनल चर्चा हुई।

अद्विका (अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कॉन्क्लेव) – हमने 8 मार्च, 2022 को अपने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कॉन्क्लेव, "अद्विका" का भी

आयोजन किया, जो हमारे देश की महिला नेतृत्व का उत्सव मनाता है। टेस्ला, माइक्रोसॉफ्ट, ऑट्रम, फ्रेशवर्क्स, रैनस्टैंड और रिलायंस जैसे शीर्ष कॉरपोरेट्स की छह प्रमुख महिला नेता मंच का हिस्सा रही थीं और उन्होंने छात्रों को " ऑनवार्ड्स एंड अपवार्ड्स- सशक्त महिलाओं का युग" विषय पर प्रबुद्ध किया।

लिंक्डइन पहल

एलपी डायरीयां – परस्पर कार्य करते हुए तथा संस्था के साथ साझेदारी करते हुए संगठन के पीओसी और साथ ही छात्रों के अनुभवों को केप्चर किया जाता है।

अभिज्ञान | लीडरशिप इनसाइट्स - प्रतिष्ठित नेता अपने अतिथि व्याख्यान से पहले अपने कॉर्पोरेट अनुभव के उद्धरण साझा करते हैं।

अतिथि व्याख्यान और कॉन्क्लेव के लिए धन्यवाद पोस्टर - हम उद्योग जगत के लीडर को हमारे साथ सहयोग करने और छात्रों को उनके व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से संबोधित करने के लिए धन्यवाद देते हैं।

सांस्कृतिक समिति

"सांस्कृतिक समिति" छात्रों के कॉलेज जीवन के दौरान ग्लिट्ज़ फैक्टर के लिए उत्तरदायी प्रमुख समितियों में से एक है। हमारा मानना है कि कॉलेज में एक छात्र के जीवन को बंद दरवाजों के पीछे बिताए गए घंटों से नहीं बल्कि विभिन्न उत्सवों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से यादगार बनाया जाता है जो उनके कॉलेज के अनुभव में रंग जोड़ते हैं। सांस्कृतिक समिति का उद्देश्य छात्रों में सर्वश्रेष्ठ को सामने लाना है जो एक ऐसे सूत्रधार और उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है जो पूरे वर्ष पूरे जोश और उत्साह के साथ परिसर में संचार करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला पर गर्व करते हुए, हम छात्रों के समग्र विकास में सहायता करते हैं और साथियों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी भावना का निर्माण करते हैं। इस दृढ़ पाठ्यक्रम में, हम तनाव दूर करने में भी मदद करते हैं और सभी को घर से दूर एक घर जैसा माहौल प्रदान करते हैं।

सांस्कृतिक समिति का गठन साथियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करने, अत्यधिक जुड़ाव को बढ़ावा देने और छात्रों के समग्र विकास में योगदान देने के उद्देश्य से किया गया था। सांस्कृतिक समिति का मानना है कि यहां जो बंधन बनता है और वे अपने दोस्तों के साथ जो समय बिताते हैं, वह इस दो साल की लंबी और कठिन यात्रा को और अधिक सहने योग्य और यादगार बना देता है।

विभिन्न सभाओं के आयोजन से लेकर, हमारे महान राष्ट्र की विभिन्न संस्कृतियों को सभी आयोजनों के विविध प्रतिस्पर्धी गहना के रूप में मनाते हुए, प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल आयोजनों का एक समामेलन, आईआईएम काशीपुर, अग्निन्त्रय का 72 घंटे लंबा वार्षिक उत्सव है।

सांस्कृतिक समिति प्रत्येक आयोजन को भव्य रूप से सफल बनाने में एक सूत्रधार, उत्प्रेरक और सहयोगी के रूप में कार्य करती है। वर्ष भर विभिन्न सांस्कृतिक उत्सवों को मनाने के अलावा, टीम ने कुछ विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जैसे काशीपुर नाइट्स - काशीपुर में सर्द रातों में अलाव के साथ संगीत और छात्रों द्वारा कुछ प्रदर्शन और सिग्नेचर डे जब पीजीपी 2020-22 ने अपने कार्यकाल के अंत में अपने दिल की बात कही और एमबीए 2021-23 ने उनके प्रति आभार व्यक्त किया, सीनियर्स ने काशीपुर में अपने 2 साल को और भी अमिट बनाने के लिए बैचमेट्स और जूनियर्स की टिप्पणियों के साथ अपनी टी-शर्ट पर हस्ताक्षर करवाए।

ये सभी कार्यक्रम कोविड-19 की मौजूदगी के बावजूद सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। हमारे कई दोस्त कैंपस में हमारे साथ नहीं आ सके, इसलिए हमने अपने कुछ इवेंट्स को हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया, जबकि महामारी अभी भी चल रही थी। ऑनलाइन दर्शकों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए ताकि उन्हें वर्ष के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल किया जा सके। हमने पूरे कार्यक्रम को भी स्ट्रीम किया जो छात्रों के लिए घर पर ऑफ़लाइन आयोजित किए गए थे। जूनियर वर्सेज सीनियर इवेंट में विद्यार्थियों ने दिखाया अपना हुनर - प्रथम और भारत के सभी रंगारंग सांस्कृतिक उत्सव, अपने घरों से ही! सभी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उचित सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए परिसर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

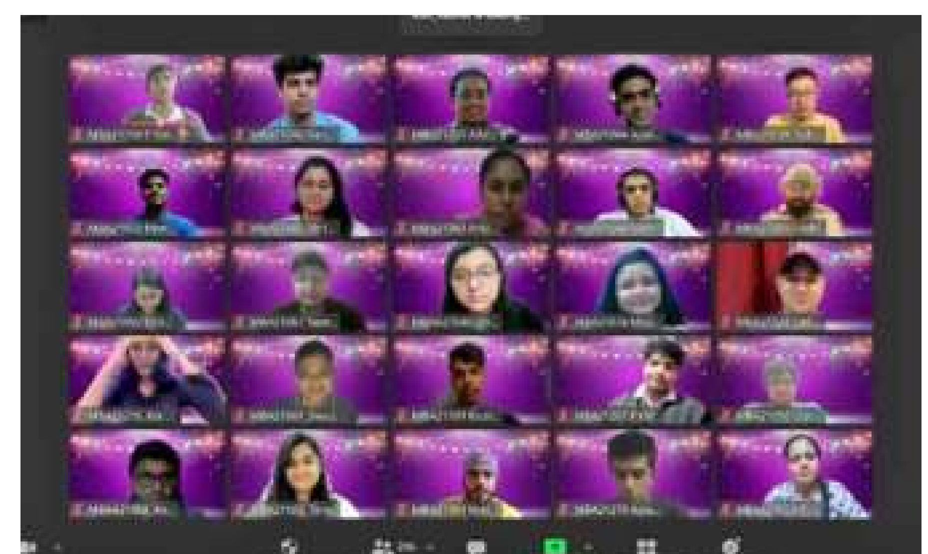

गतिविधियां / कार्यक्रम

- अग्नित्रय - आईआईएम काशीपुर में 72 घंटे तक चलने वाला राष्ट्रीय स्तर का उत्सव
- ओणम, दुर्गा पूजा, दिवाली, होली, मकर संक्रांति, और क्रिसमस दिवस जैसे सभी सांस्कृतिक त्योहारों को मनाना।
- संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करना।
- आरंभ - एमबीए के प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच युद्ध
- काशीपुर नाइट्स - नृत्य संगीत और मस्ती से भरी सांस्कृतिक शाम।
- स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, महिला दिवस, शिक्षक दिवस
- हस्ताक्षर दिवस - वरिष्ठ बैच के लिए स्मृति चिन्ह एकत्र करने का दिन
- छद्मवेष रात्री

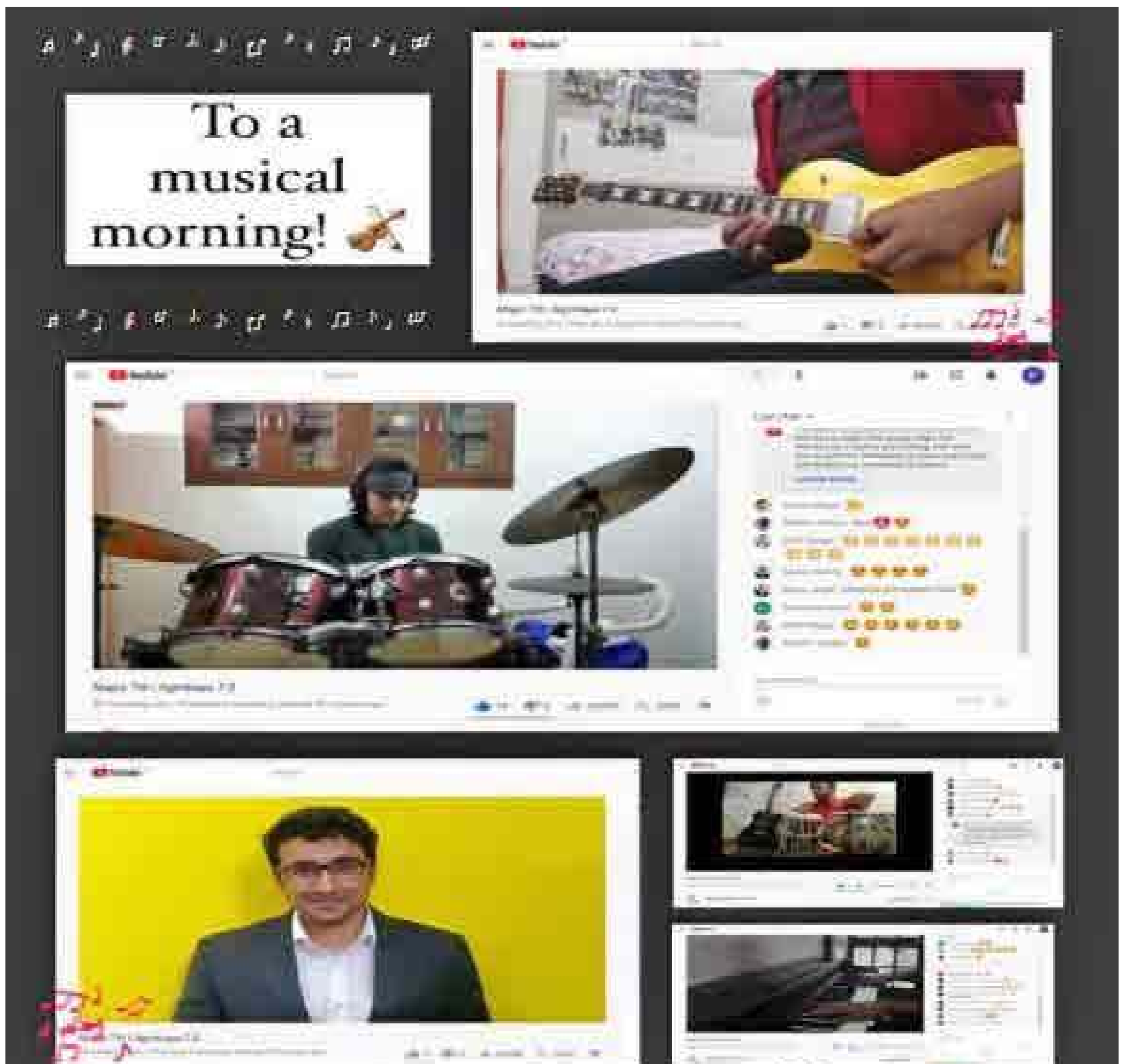

इन्फ्रा-आईटी समिति

इंफ्रास्ट्रक्चर और आईटी कमेटी छात्रावास कार्यालय, संपदा विभाग और परियोजना कार्यालय की सहायता से परिसर के बुनियादी ढांचे के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन और छात्रों के बीच संपर्क का काम करती है। समिति एक स्थिर इंटरनेट कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करती है और संस्थान में हर दूसरे छात्र निकाय के साथ एक क्रॉस-फंक्शनल प्लेयर के रूप में कार्य करती है।

कॉलेज की गतिविधियों के अनुप्रयोग के लिए आंतरिक नेटवर्क अर्थात ग्रिड-काशीपुर में मूल्यवर्धन किया गया है। समिति जिमनैजियम के रखरखाव और सुधार को भी देखती है और खाद्य गुणवत्ता और मूल्य विनियमन के लिए परिसर के भीतर सभी दुकानों और कैंटीन का पर्यवेक्षण भी करती है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और आईटी कमेटी ने प्रशासन के साथ मिलकर महामारी के दौरान कैंपस में छात्रों की सुरक्षित रूप से घर वापसी का काम किया और कैंपस में कोविड के प्रसार को प्रतिबंधित करने के लिए क्वारंटाइन दिशानिर्देशों को लागू करने के काम को संभाला । समिति ने छात्रावास सुविधाओं की खरीद की प्रक्रिया में भी तेजी लाई।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- अमूल व नेस्काफे पार्लर का उद्घाटन
- मधुमक्खी के छत्ते को हटाना
- परिसर में कोविड दिशा-निर्देशों का कार्यान्वयन
- ग्रिड-काशीपुर का उन्नयन
- नेस्कैफे और गेट 1 की दुकानों में मल्टीपल वेस्टबीन की स्थापना,
- मूनलाइट्स की त्वरित खरीद

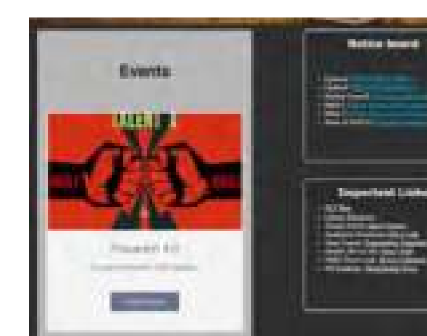

अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति भारत के बाहर, दुनिया के लिए आईआईएम काशीपुर का चेहरा है और वैश्विक मंच पर साझेदारी बनाने और इसे बनाए रखने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आईआरसी टीम दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए उत्तरदायी है और ट्राइमेस्टर और शॉर्ट-टर्म स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम और फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम जैसी गतिविधियों को सुविधाजनक बनाती है। इसके साथ ही दुनिया भर में वैश्विक कार्यक्रमों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ बैठकों की योजना बनाना और समन्वय करने का कार्य करती है।

समिति ने दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों जैसे ब्रुनेल विश्वविद्यालय (यूके), सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय (यूएसए), स्वायत्त विश्वविद्यालय मैड्रिड (स्पेन), तुरिबा विश्वविद्यालय (लातविया), तेल अवीव विश्वविद्यालय (इज़राइल), ईएसडीईएस स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट (फ्रांस) आदि के साथ असाधारण महामारी प्रभावित शैक्षणिक वर्ष 2020-21 को छोड़कर, एक दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करने में संस्थान की सफलतापूर्वक मदद की है। आईआईएम काशीपुर के छात्रों ने इन भागीदारों के साथ एक जीवंत और लगातार बढ़ते विनिमय कार्यक्रम का सुखद अनुभव लिया है।

2022 में, टीम ने वैश्विक मुद्दों पर विचारों और चर्चाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने प्रमुख कार्यक्रम - मॉडल संयुक्त राष्ट्र के तीसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। मॉडल संयुक्त राष्ट्र एक शैक्षिक अनुकरण, एक शैक्षणिक गतिविधि है, जिसमें छात्र मुख्य रूप से राजनीति, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और संयुक्त राष्ट्र के बारे में सीख सकते हैं। यह देश भर के छात्रों को उन मुद्दों पर बहस करने का अवसर प्रदान करता है जो विश्व के नेताओं से संबंधित हैं और इन वैश्विक मुद्दों के जवाब में प्रस्तावों का मसौदा तैयार करते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि एमयूएन को पूरी तरह से वर्चुअल मोड पर निष्पादित किया गया था, जिसमें पहली बार टाइमर के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र और डिजिटल मोड में फिट होने के लिए कार्यवाही की मोल्डिंग के प्रावधान थे। इस साल, आईआईएम काशीपुर एमयूएन ने संयुक्त अरब अमीरात से अपना पहला विदेशी प्रतिभागी (प्रतिनिधि) भी लिया था।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति को आईआईएम काशीपुर में जनरेशन कनेक्ट यूथ समिट आयोजित करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ, जहां संस्थान ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के लिए संयुक्त राष्ट्र निकाय, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ की सदस्यता प्रदान करने के बाद एक हब के रूप में कार्य किया। हम शिक्षा के विविध क्षेत्रों के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सदस्यता प्राप्त करने वाले पहले आईआईएम भी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुगम बनाकर और वर्तमान वैश्विक मामलों पर चर्चाओं को तेज करके, आईआरसी विश्व स्तर पर प्रदर्शन कर सकने वाले भावी नेतृत्वकर्ताओं के निर्माण के आईआईएम काशीपुर के दृष्टिकोण में योगदान देने में सफल रहा है।

मेस कमेटी

आईआईएम काशीपुर छात्रावास मेस का प्रबंधन संस्थान के छात्र निकायों में से एक मेस समिति द्वारा किया जाता है। आईआईएम काशीपुर का स्टूडेंट्स मेस आईआईएम काशीपुर के सदस्यों को स्वच्छ, स्वस्थ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए उत्तरदायी है। मेस एक स्वतंत्र निकाय है, इस निकाय का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं हैं, पूरे वर्ष 650 से अधिक छात्रों और विभिन्न अन्य हितधारकों जैसे संकाय, अधिकारियों, शैक्षणिक सहयोगियों, कार्यकारी / प्रबंधन विकास कार्यक्रमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इसे छात्रों द्वारा पूरी तरह से संचालित और प्रबंधित किया जाता है। हम यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों को परिसर में शैक्षणिक और शिक्षेणत्तर गतिविधियों से दृढ़ता से निपटने में मदद करने के लिए पौष्टिक भोजन परोसा जाए।

मेस कमेटी के हिस्से के रूप में, छात्रों को पूरे 2 साल के लिए संगठन को पूरे पैमाने पर चलाने का एक चौतरफा अनुभव मिलता है। प्रत्येक क्रियाकलाप, मेन्यू आइटम्स की खरीद से लेकर मेन्यू तय करने तक स्टाफ मैनेज करने से लेकर मेस फीस जमा करने से लेकर सैलरी देने तक का काम छात्र-छात्राओं द्वारा किया जाता है। मेस एक गतिशील और हमेशा बदलते परिवेश में संचालित होती है, जिसके लिए सक्रिय सोच और स्वतःस्फूर्त निर्णय लेने की क्षमता की आवश्यकता होती है। इन-हाउस इन्वेंट्री प्रबंधन, वार्ता, खरीद (आपूर्ति-मांग चक्र), सोर्सिंग, बजट, वित्तपोषण, और मानव संसाधन प्रबंधन जैसे कार्यों के साथ दिन-प्रतिदिन के कार्य निपटान के लिए, टीम एक वास्तविक व्यवसाय को संभालने में सक्षम हो जाती है।

क्वारंटाइन ब्लॉकों के लिए टिफिन डिलीवरी सेवा

नोवल कोरोना वायरस के तेजी से फैलने के कारण 2020 की पहली छमाही में पूरी दुनिया में लॉकडाउन था। हमारी संस्था सितंबर में छात्रों के लिए खोली गई (विशेष रूप से उन दूरस्थ क्षेत्रों से जिनके पास अबाध इंटरनेट कनेक्शन है) और उन्हें परिसर में बाहर आने और किसी और के संपर्क में आने से पहले अपने संबंधित छात्रावास के कमरों में 14 दिनों की अवधि के लिए क्वारंटाइन में रहना आवश्यक था। खाद्यान्न वितरण के मामले में, खाद्य वितरण के संदर्भ में, स्थिति ऐसी थी कि इसने हमें सरकार द्वारा बनाए गए कोविड मानदंडों को ध्यान में रखते हुए अनुकूलित करने और आदर्श बनाने की आवश्यकता थी। क्वारंटाइन के दौरान छात्र अपने भोजन के लिए मेस में नहीं आ सकते थे, इसलिए हमने अपने छात्रावास के कमरे के दरवाजे पर (क्वारंटाइन ब्लॉक में) उन्हें ताजा पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने का दायित्व अपने ऊपर लिया। यह सितंबर से चलता आ रहा है और तब तक जारी रहा जब तक हमे इस बीमारी का कोई निश्चित इलाज (वैक्सीन) नहीं मिलता। मेस स्टाफ की इतनी ही संख्या के साथ, हमने क्वारंटाइन किए गए छात्रों को दिन में 4 बार टिफिन बॉक्स वितरित किए, जिनकी संख्या 20-70 (कुल मिलाकर 15000+ डिलीवरी) थी और साथ ही मेस को पूरी तरह संचालित रखा। भले ही हमारे कर्मचारी पहली बार डोरस्टेप डिलीवरी कर रहे थे, लेकिन वे समय पर और कुशलता से टिफिन बॉक्स वितरित और एकत्र करने में सक्षम थे, कोई भी छात्र कभी भी बिना भोजन के नहीं रहा है ।

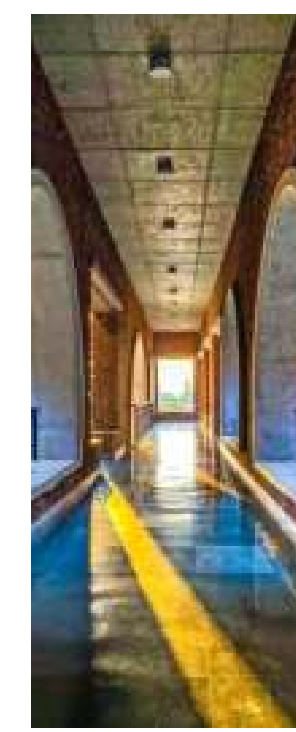

रीजनल प्लेट

हमारा संस्थान विभिन्न संस्कृति और देश के भिन्न हिस्सों के लोगों का एक सामिश्रण है, जिनकी अपनी अनूठी भोजन पसंद है। हम संभवतः इन प्राथमिकताओं को अपने नियमित मेनू में समायोजित नहीं कर सकते हैं, इसलिए हम क्षेत्रीय प्लेट के विचार के साथ आए, जहां हम हर महीने एक विशेष क्षेत्र से लोकप्रिय भोजन परोसते हैं। इस विचार को लागू करने के लिए, हम बेतरतीब ढंग से एक क्षेत्र चुनते हैं और लोकप्रिय व्यंजनों का सुझाव देने के लिए चयनित क्षेत्र के एक छात्र (छात्रों) की मदद लेते हैं और यहां तक कि जरूरत पड़ने पर अपने शेफ को उन्हें ठीक से पकाने में मदद करते हैं, ताकि क्षेत्रीय स्वाद के साथ न्याय किया जा सके। अब तक, हमने पंजाब, दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों को कवर किया है, और हमारी सूची में और भी बहुत कुछ हैं जिन्हें जल्द ही कवर किया जाएगा। क्षेत्रीय स्वाद ने बैच और फैकल्टी से समान रूप से काफी सराहना प्राप्त की, जिससे यह छात्रों के बीच एक सफल बन गया, और उन्हें और अधिक उम्मीद की चाह है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- मेस मेन्यू निर्माण
- स्टाफ प्रबंधन
- खाद्य खरीद
- वित्त प्रबंधन
- त्योहारों के मौके पर विशेष भोजन
- एमडीपी / संस्थान कार्यक्रम / शैक्षणिक कार्यक्रमों में मेस सेवाएं

मीडिया एवं जनसंपर्क समिति

एमपीआरसी सभी हितधारकों की नजर में आईआईएम काशीपुर ब्रांड की छवि को संभालने और पोषण करने के लिए उत्तरदायी है। यह आईआईएम काशीपुर की ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने की दिशा में काम करता है और संस्थान के सफल विकास को प्रतिध्वनित करता है।

टीम संस्थान में होने वाली विभिन्न घटनाओं और गतिविधियों की मार्केटिंग रणनीति और संस्थान द्वारा विभिन्न अन्य स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों का प्रबंधन करती है। यह आईआईएम काशीपुर के ब्रांड की प्रभावी स्थिति और इसे बढ़ावा देने के लिए विभिन्न डिजिटल मीडिया माध्यमों को भी संभालती है। हमारे अन्य कार्यों में संस्थान में होने वाली महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए अभियान की योजना बनाना और प्रेस विज्ञप्तियां लिखना शामिल है।

टीम का काम निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित है:

कंटेंट रचना : कंटेंट रचना रचना टीम आमतौर पर संस्थान के बारे में सकारात्मक कहानियां गढ़ती है, जो मीडिया रिलेशंस टीम पत्रकारों को बताती है। सामग्री लेखों या ब्रांड प्रचार वीडियो के रूप में हो सकती है। इसमें वीडियो को एडिट करना और डिजाइन करना भी शामिल है।

मीडिया सम्बन्ध: टीम प्रेस विज्ञप्तियों और मीडिया को संभालती है जिसमें आईआईएम काशीपुर में होने वाले सभी कार्यक्रमों का टीवी कवरेज शामिल है। यह इंडिया टुडे, इकोनॉमिक टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स और अन्य राष्ट्रीय और स्थानीय समाचार पत्रों जैसे मीडिया घरानों के साथ एक मजबूत संबंध रखता है।

सोशल मीडिया: सोशल मीडिया टीम आईआईएम काशीपुर के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल का प्रबंधन करती है। वे इसका इस्तेमाल संस्थान की सार्वजनिक प्रतिष्ठा का आकलन करने और उसे मजबूत करने के लिए करते हैं। वे सोशल मीडिया के साथ वार्ता करते हैं, सोशल मीडिया पर घोषणाएं करते हैं, और ब्रांड को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्रभावितों को ढूंढते हैं।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- वित्त वर्ष 20-21 में किए गए कार्यक्रमों का कवरेज
- सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया में आईआईएम काशीपुर का मीडिया प्रचार
- 8वें दीक्षांत समारोह 2021 की प्री- और पोस्ट-इवेंट ब्रांडिंग
- आईआईएम काशीपुर की 10वीं वर्षगांठ का प्रचार
- प्रमुख आयोजनों के प्रचार अभियान अग्नित्रय, उत्तम, समन्वय, टेडएक्स, तेजस, एमबीए व्याख्यान श्रृंखला, आदि।
- आईआईएम काशीपुर वेबसाइट की सामग्री का प्रबंधन

खेल समिति

आईआईएम काशीपुर में खेल समिति ने सभी खेल आयोजनों की योजना बनाई एवं उन्हें क्रियान्वित किया है। हम खेल टीमों का चयन करने के लिए उत्तरदायी हैं जो संबंधित टीमों के कप्तानों के साथ संस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। हम उपकरण के जीवनचक्र के अनुसार आईआईएम काशीपुर में सभी खेल सामग्री की खरीद, रखरखाव और निपटान करते हैं। हम तत्परतापूर्वक रिकॉर्ड का रखरखाव करते हैं और संस्थान के लिए खेल बजट तैयार करते हैं। हम बी-स्कूलों द्वारा आयोजित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण खेल आयोजनों की पहचान करने और उपरोक्त आयोजनों में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करने वाले खेल दल की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी उत्तरदायी हैं। हमने पहले चक्रव्यूह की भी मेजबानी की, जिसमें भाग लेने वाली टीमों से तीव्र प्रतिस्पर्धा देखी गई: जिसमें आईआईएम रोहतक, आईआईएम सिरमौर और आईआईएम काशीपुर, घरेलू टीम प्रतियोगिता के विजेता के रूप में उभरी।

गतिविधियां / कार्यक्रम

चेस-इ-थॉन 2.0 - 18-19 सितंबर 2021

टूर्नामेंट एमबीए प्रथम वर्ष के लिए खुला था और इसमें एक ही पूल में प्रतिस्पर्धा करने वाले लड़कों और लड़कियों के साथ 30+ छात्रों की भागीदारी रही थी। खेलों का आयोजन लिचेस प्लेटफॉर्म पर किया गया था, जिसमें प्रतिभागी महामारी द्वारा निर्मित परिस्थितियों के कारण अपने घरों से अपने उपकरणों पर ऑनलाइन गेम खेलने में सक्षम हुए थे। टूर्नामेंट स्विस प्रारूप में आयोजित किया गया था जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी ने 6 गेम खेले और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल हुए।

प्रदर्शनी मैच

04 – 09 अक्टूबर 2021

खेल समिति ने बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबाल और अन्य खेलों में एक दूसरे के विरुद्ध खेलते हुए एमबीए प्रथम वर्ष के लिए विभिन्न प्रदर्शनी खेलों का भी आयोजन किया।

फ्रैंटिक फैंटसी फ्रीक्स (एफएफएफ)

10 - 16 अक्टूबर 2021

एफएफएफ आईपीएल के नॉकआउट चरणों पर आधारित एक फैंटेसी लीग प्रतियोगिता थी। 2-3 सदस्यों की टीमों में छात्रों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम को एक बजट दिया गया था और वे 4 आईपीएल टीमों के खिलाड़ियों को खरीद सकते थे, जिन्होंने कई बाधाओं जैसे कि न्यूनतम और अधिकतम संख्या में बल्लेबाजों, गेंदबाजों, विदेशी खिलाड़ियों आदि को पार करते हुए नॉकआउट चरणों के लिए क्वालीफाई किया था। प्रत्येक खिलाड़ी को उनके वास्तविक जीवन के प्रदर्शन के अनुसार अंक दिए गए थे और फाइनल के अंत में उच्चतम समग्र अंकों वाली टीम को विजेता घोषित किया गया था।

संग्राम (एमबीए द्वितीय वर्ष)

15 – 07 नवंबर 2021

संग्राम खेल समिति आईआईएम काशीपुर का प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य एमबीए2 बैच के बीच सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। यह वर्गों के बीच की लड़ाई है। यह तीव्र प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्रदान करता है और साथ ही छात्रों के बीच बंधन का निर्माण करता है क्योंकि वे एक साथ अपने-अपने वर्गों के गौरव और सम्मान के लिए खेलते हैं।

संग्राम (एमबीए प्रथम वर्ष)

01 - 26 दिसंबर 2021

संग्राम खेल समिति आईआईएम काशीपुर का प्रमुख आयोजन है जिसका उद्देश्य एमबीए1 बैच के बीच सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। यह वर्गों के बीच की लड़ाई है। यह तीव्र प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्रदान करता है और साथ ही छात्रों के बीच बंधन बनाता है क्योंकि वे एक साथ अपने-अपने वर्गों के गौरव और सम्मान के लिए खेलते हैं।

स्पोर्ट्स कार्टेल

21 जनवरी - 10 फरवरी 2022

स्पोर्ट्स कार्टेल एक ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता है जहां हम लगातार 21 दिनों के लिए निश्चित समय पर खेल संबंधी एक ऑनलाइन प्रश्न पोस्ट करते हैं। 21 दिनों के बाद सबसे अधिक अंक वाले व्यक्ति को विजेता घोषित किया जाएगा।

प्रारंभ 5.0

27 जनवरी - 3 फरवरी 2022

विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से सीनियर बैच और जूनियर बैच के बीच संबंध विकसित करने के लिए, हम शैक्षणिक वर्ष के सीनियर और जूनियर बैच के बीच खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। प्रत्येक खेल आयोजन में जीत एक अंक देती है और जो भी बैच उच्च संचयी स्कोर रखता है, आरंभ कप उसी विशेष बैच का होगा।

केपीएल 8.0

29 जनवरी - 24 फरवरी 2022

छात्रों को अपने प्रबंधकीय कौशल का उपयोग करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाने का मौका देने के उद्देश्य से काशीपुर प्रीमियर लीग (जिसे केपीएल भी कहा जाता है) इंडियन प्रीमियर लीग प्रारूप के बाद आईआईएम काशीपुर की खेल समिति द्वारा आयोजित एक वार्षिक खेल आयोजन है। यह आयोजन आईपीएल द्वारा आयोजित नीलामी प्रक्रिया का अनुकरण करता है और आईआईएम काशीपुर के नवोदित प्रबंधकों को वास्तविक टीमों और वास्तविक धन के साथ अपने कौशल और सीखने का अभ्यास करने की अनुमति देता है। केपीएल 8.0 संस्करण में 125 छात्रों ने खिलाड़ी नीलामी में भाग लिया। टीम की नीलामी के दिन से लेकर फाइनल के दिन तक, आयोजन के आठवें संस्करण के दौरान टीमों से किसी भी उ अस्थिरता के बिना प्रतिबद्धता और ऊर्जा उनके शीर्ष पर रही है। इन सबसे बढ़कर, आईआईएम काशीपुर के खेल समुदाय ने हमेशा प्ले हार्ड, प्ले फेयर पर ध्यान दिया है।

अग्नित्रय 8.0

11 – 13 मार्च 2022

अग्नित्रय 8.0 में 34,000 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ 7 आंतरिक-विद्यालयी खेल आयोजन और 1 अंतर-कॉलेज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन आयोजनों में पहली बार लड़कियों पर आधारित खेल एवं मेस स्टाफ, प्रशासनिक कर्मचारियों और छात्रों के बीच त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला शामिल हुई थी।

शैक्षणिक क्लब

कंसीलियम - कंसल्टिंग एंड स्ट्रैटेजी क्लब

आईआईएम काशीपुर के कंसल्टिंग एंड स्ट्रैटेजी क्लब, कॉन्सिलियम का उद्देश्य गहन विश्लेषण, डेटा-समर्थित अनुसंधान और ऐग्रेसिव प्रजेंटेशन की संस्कृति को बढ़ावा देना है ताकि आपको अपने तर्कों और दृष्टिकोणों को समझने में मदद मिल सके। इसका लक्ष्य उन संगठनों / संस्थाओं को महत्व देना है जिनके साथ वे अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं के बारे में सीखते हैं, सुधार के अवसरों की पहचान करते हैं, और उन्हें सुधारने में मदद हेतु एक समग्र समाधान प्रदान करते हैं।

वित्त, विपणन, संचालन और मानव संसाधन केवल कुछ ऐसे प्राथमिक क्षेत्र हैं जिन्हें इस पुस्तक में शामिल किया गया है। वे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों और वेबिनार की योजना बनाकर, उद्योग के विशेषज्ञों के साथ निकट संपर्क बनाए रखते हुए और बैचों के लिए अतिथि सत्रों की सुविधा प्रदान करके तैयारी करते हैं।

संगठन उद्योग और शिक्षा जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए परामर्श पेशेवर प्रमुख सदस्यों के साथ लगातार वार्ता की मेजबानी करता है। यह इसे परामर्श क्षेत्र में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक मैट्रिक्स और फ्रेमवर्क पर सदस्यों को शिक्षित करने के अपने मिशन के हिस्से के रूप में भी देखता है। क्लब का लक्ष्य अपने सदस्यों के मामले सुलझाने के कौशल में सुधार करना और जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए उन्हें एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रदान करना है।

इसके अलावा, फेसबुक, लिंक्डइन और ट्विटर जैसी साइट्स पर उनकी मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी है। न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में उद्योगों में व्यवसायों में नवीनतम कार्यनीतिक विकास के बारे में नियमित रूप से पोस्ट करना है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- परामर्श प्रबंधन बूटकैंप - एक इंटरैक्टिव केस स्टडी चर्चा
- रणभूमि - वार्षिक अखिल भारतीय केस स्टडी प्रतियोगिता
- एंडगेम - नेशनल बिजनेस सिमुलेशन गेम
- कंसल्टिंग नाइट्स - राष्ट्रीय स्तर की केस स्टडी प्रतियोगिता
- दूरदर्शिता श्रृंखला - एक अंतर-कॉलेज कार्यक्रम
- कॉन्सिलियम इनसाइडर - मासिक न्यूज़लेटर
- अधिग्रहण - अखिल भारतीय लेख लेखन प्रतियोगिता
- कंसीलियम वार्तालाप - कार्यनीति वार्ता श्रृंखला

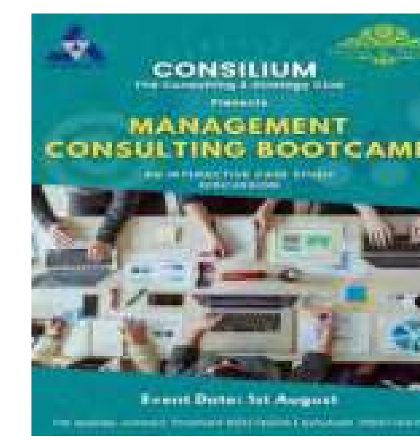

एचआरएचवाईटीएचएम - एचआर क्लब

एचआर क्लब का उद्देश्य पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित करके मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। क्लब का मुख्य दर्शन उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटना है। यह नियमित रूप से लेखों और सूचना के माध्यम से मानव संसाधन में बदलते रुझानों के बारे में सामग्री पोस्ट करके अपने सोशल मीडिया हैंडल को अपडेट करता है। उद्योग में लगातार बदलते रुझानों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरूआत आदि के साथ, एचआरएचवाईटीएचएम भविष्य के एचआर नेताओं को ज्ञान प्रदान करने और शीर्ष प्रबंधन में एचआर की स्थिति के बीच संतुलन बनाए रखने और संगठन में कर्मचारियों के विश्वास को बनाए रखने के दौरान पारस्परिक कौशल विकसित करने में उनकी मदद करने का प्रयास करता है। यह आतंरिक और अंतर-विद्यालयी कार्यक्रम आयोजित करता है, जहां प्रतिभागियों से वास्तविक जीवन एचआर पेचीदगियों को हल करने और एचआर क्षेत्र में मौजूदा रुझानों और आगामी प्रथाओं के बारे में अपनी राय देने की उम्मीद की जाती है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

» स्क्रिबल ड्रिबल
» एक एचआर के जीवन का एक सप्ताह
» प्रज्ञान - फ्लैगशिप केस स्टडी प्रतियोगिता
» ईग्राईट
» एचरेजिलिएशन
» नेत्रत्व:
» डिसिपएचआर

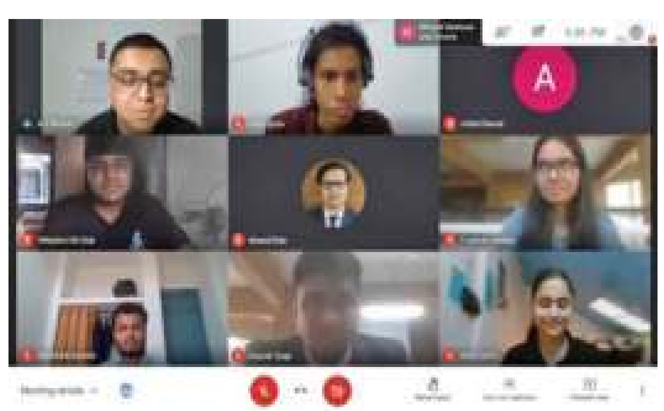

ऑन योर मार्क-मार्केटींग क्लब

ओवाईएम की स्थापना 16 जनवरी 2014 को छात्रों द्वारा मार्केटिंग के प्रति अपने प्रेम का प्रदर्शन करने के लिए की गई थी। ओवाईएम का उद्देश्य विपणन के क्षेत्र से संबंधित सभी मामलों में आईआईएम काशीपुर के छात्रों के लिए एक अनुकूल और पोषणकारी वातावरण बनाना है। क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों में रुचि विकसित करना और उन्हें व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा के मिश्रण के माध्यम से विपणन की स्पष्ट समझ रखने में मदद करना है। हम छात्रों को मार्केटिंग के क्षेत्र में उनके करियर के विकास में मदद का प्रयास करते और इससे उनकी उद्योग भर्ती प्रक्रिया में एक ठोस सहायता प्रदान करते हैं। क्लब इंटरएक्टिव वर्कशॉप, सेमिनार, क्विज, प्रतियोगिताओं और केस स्टडी जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को मार्केटिंग की स्पष्ट और व्यापक समझ में मदद करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

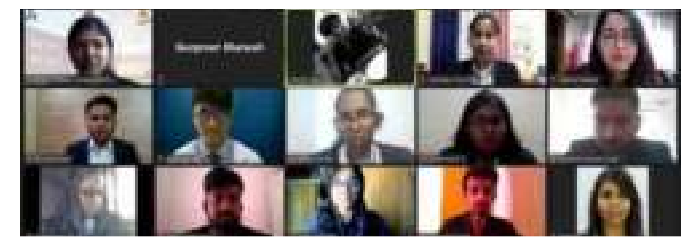

गतिविधियां / कार्यक्रम

» मरकहोलिक केस-स्टडी प्रतियोगिता
» फोरविज़न द्वारा डिजिटल मार्केटिंग और एफएमसीजी मार्केटिंग वर्कशॉप
» एंबुस मार्केटींग
» गुरिल्ला मारफेयर
» उत्पाद पुनरुत्थान
» सोशल मीडिया मार्केटिंग का ऑनलाइन सप्ताह
» मेमे-ओमेंटो
» डंबचार्डस
» पिच प्लीस

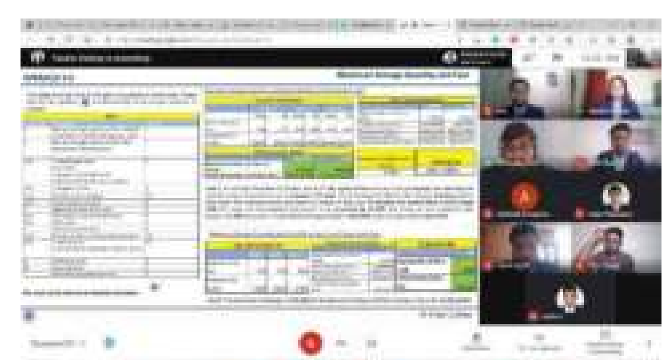

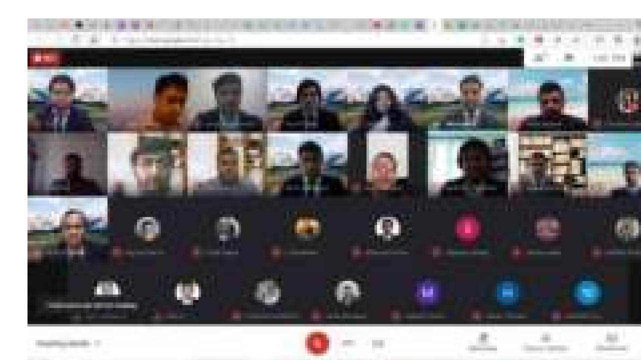

ओएसएम - संचालन और आपूर्ति प्रबंधन क्लब

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (ओएसएम) क्लब संचालन, उत्पादन और निर्माण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, संचालन कार्यनीति, संचालन अनुसंधान और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में लगातार कार्य करता है। क्लब छात्रों के लिए समर्पित एक आदर्श माध्यम के रूप में कार्य करता है जो उन्हें उनके ज्ञान क्षेत्र को बढ़ाने और संबंधित क्षेत्र से उनके हितों को आगे बढ़ाने में सहायता करके नए क्षितिज तलाशने में मदद करता है। कई आंतरिक और अंतर-विद्यालयी कार्यक्रमों और इंटरैक्टिव सत्रों को सफलतापूर्वक संचालित करके, क्लब ने कॉरपोरेट्स और साथी संस्थानों के बीच अपनी सर्वोच्च उपस्थिति दर्ज की है और शिक्षित करने के साथ-साथ डोमेन प्रगति के प्रसार में उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने में अग्रणी रहा है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- ऑप्स-हंट (आतंरिक विद्यालयी प्रतियोगिता)
- केपीएमजी सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रमाणन
- ऑप्सफीड - मासिक न्यूजलेटर
- ऑप्स-हंट (आतंरिक-विद्यालयी ट्रेजर हंट प्रतियोगिता)
- ऑप्स राइट (पैन इंडिया लेख लेखन प्रतियोगिता)
- ऑस्मोसिस (पैन इंडिया क्विज प्रतियोगिता)
- ऑप्स ब्लेज़ (पैन इंडिया सिमुलेशन प्रतियोगिता)
- ऑपराकल (पैन इंडिया केस स्टडी प्रतियोगिता)

इकोनॉमिक्स क्लब

आईआईएम काशीपुर का इकोनॉमिक्स क्लब आईआईएम काशीपुर के सात शैक्षणिक क्लबों में से एक है। यह क्लब छात्रों को अर्थशास्त्र के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है और दुनिया भर में हो रही आर्थिक नीतियों और विकास को सीखने, बहस करने और चर्चा करने के लिए उत्सुक दिमाग के लिए एक मंच प्रदान करता है। अर्थशास्त्र क्लब की स्थापना वर्ष 2019 में एक हित-आधारित क्लब के रूप में ज्ञान प्रदान करने और अर्थशास्त्र के क्षेत्र के बारे में चर्चा और वार्ता आमंत्रित करने और व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों के लिए इसके महत्व और संबंधों को प्रकट करने के लिए की गई थी। दिवंगत अमेरिकी विद्वान वारेन बेनिस ने कहा है कि "प्रबंधन में सफलता के लिए उतनी ही तेजी से सीखने की जरूरत है जितनी तेजी से दुनिया बदल रही है"। इस धारणा को ध्यान में रखते हुए, क्लब ने इच्छुक प्रबंधकों के लिए उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले "अर्थशास्त्र" के बारे में जागरूक होना और उन्हें व्यावसायिक परिस्थितियों से अधिक कुशलता से निपटने के लिए बेहतर तैयार करना अत्यंत प्रासंगिक पाया है। अपनी स्थापना के बाद से, इकोनॉमिक्स क्लब ने धीरे-धीरे एक कोर शैक्षणिक क्लब का दर्जा प्राप्त किया है और कई और सफल क्लब-आधारित गतिविधियों में शामिल रहा है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- अर्थशास्त्र
- अर्थत- राष्ट्रीय केस स्टडी प्रतियोगिता
- गेम ऑफ इकॉन्स
- बजट पूर्व विश्लेषण, बजट विश्लेषण के बाद
- इन्फोग्राफिक मेकिंग प्रतियोगिता
- फिल्मोनॉमिक्स
- केंद्रीय बजट चर्चा
- न्यूज़लेटर
- ज्ञान साझा करने के सत्र

वित्त क्लब

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर का फाइनेंस क्लब आईआईएम काशीपुर के दायरे में वित्त की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक छात्र-संचालित पहल है। इस उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था। इसकी स्थापना विभिन्न सम्मेलनों, कार्यक्रमों, गतिविधियों, कार्यशालाओं और ज्ञान साझा करने वाले सत्रों के माध्यम से छात्रों के वित्तीय ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, क्लब ने आने वाले छात्रों की बदलती आवश्यकताओं और कौशल समूह को अनुकूलित किया है और कक्षा के बाहर वित्तीय ज्ञान की एक मजबूत नींव स्थापित करने में मदद करने के लिए उन्हें अपने दायरे में शामिल किया है।

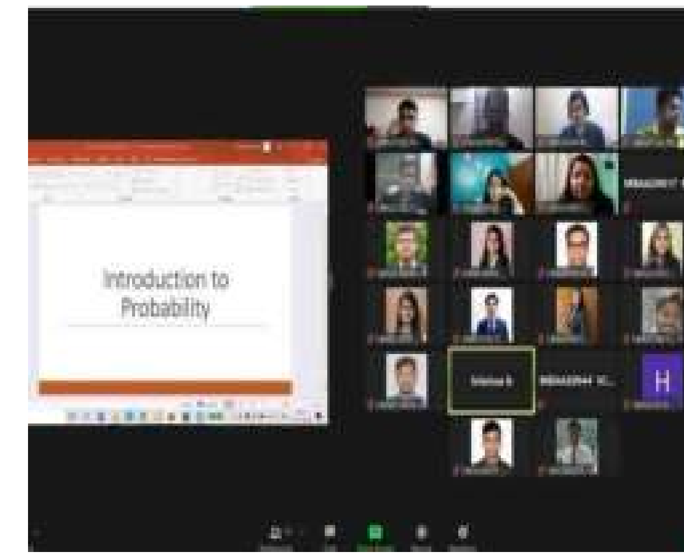

गतिविधियां / कार्यक्रम

- प्रगति - आईआईएम काशीपुर का निवेश कोष
- अखिल भारतीय प्रतियोगिताएं - एस्टीमेट्स, ओपन आउटरी और सिमुलेशन चैलेंज
- इंट्रा कॉलेज कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं - बुल्स आई और हाई स्टेक

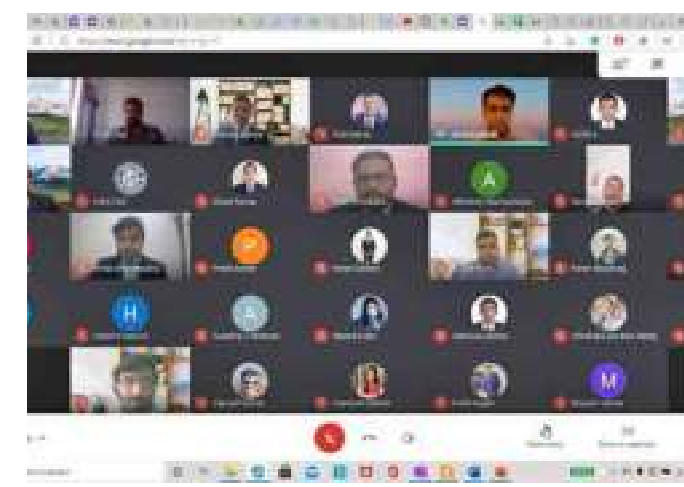

कार्यशालाएं

क. इक्विटी रिसर्च, वैल्यूएशन एंड फाइनेंशियल मॉडलिंग

ख. क्रेडिट रेटिंग और कॉरपोरेट रिस्क विश्लेषण

- नॉलेज शेयरिंग सेशन और क्विज - फिनलीग –
- अतिथि व्याख्यान - मनी मैटर्स (प्रैक्टिशनर के दृष्टिकोण से निवेश रणनीतियों पर सत्र), सीएफए इंफो सत्र और ब्लूमबर्ग सूचना सत्र
- पहल - सीएफए इंस्टिट्यूट एफिलिएशन एंड कंप्लायंस

टाइटन - आईटी एंड एनालिटिक्स क्लब

टाइटन क्लब एनालिटिक्स के प्रति उत्साही लोगों की एक पहल थी, जिसका उद्देश्य विभिन्न प्रतियोगिताओं, ज्ञान साझा करने वाले सत्रों और इस क्षेत्र में उद्योग के नेताओं के साथ बातचीत के माध्यम से छात्रों में आईटी और एनालिटिक्स के बारे में रुचि पैदा करना था। क्लब आईटी और एनालिटिक्स में सीखने को बढ़ावा देने के लिए पूरे शैक्षणिक वर्ष में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। यह क्लब आईटी और एनालिटिक्स के क्षेत्र में विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में भी मार्गदर्शन देता है। यह सोशल मीडिया संलग्नता के साथ-साथ ज्ञान साझा करने वाले सत्रों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान विकसित करने में भी मदद करता है। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इस क्षेत्र में अवसरों और दायरे से परिचित कराकर एनालिटिक्स में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- ब्रेनडेयर
- क्विज़नालिटिक्स
- सर्टिफिकेशन कोर्सेज (सीपीबीए, एसक्यूएल, विज़ुअलाइज़ेशन)
- कंटेंट क्रिएशन
- डेटासाइट्स
- कोहरेंस
- डैशबोर्ड वार्स 1.0
- डेसिफर आईटी!

रूचि आधारित क्लब

इकोलॉजी क्लब

आईआईएम काशीपुर का इकोलॉजी क्लब एक समर्पित छात्र निकाय है जो हमारे परिसर को एक स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों और विचारों को अपनाने की दिशा में कार्य करता है। यह कुछ समान विचारधारा वाले व्यक्तियों की एक पहल है, जिन्होंने अपने निवास के स्थान के लिए एक साथ मिलना और प्रयास करना आवश्यक समझा है। हम प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सभी सामुदायिक जानवरों की देखभाल करने, पुन: उपयोग को बढ़ावा देने, जलाशयों को पुनर्स्थापित करने और विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्य करते हैं। हम आईआईएम काशीपुर को एक हरा-भरा और स्वच्छ परिसर बनाने के लिए परिसर के कई छात्र निकायों के साथ समन्वय करते हैं।

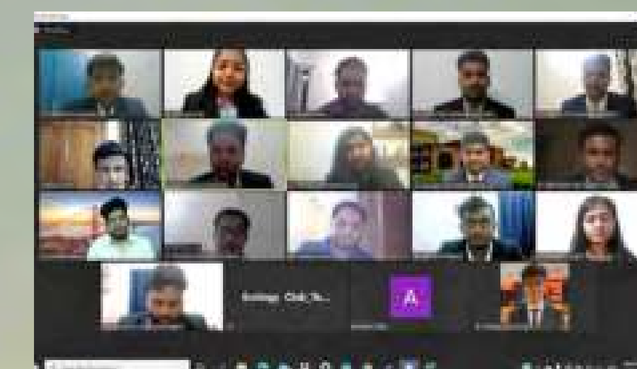

गतिविधियां / कार्यक्रम

- कुत्तों की नसबंदी- इकोलॉजी क्लब द्वारा संचालित
- टीकाकरण अभियान- इकोलॉजी क्लब द्वारा आयोजित
- क्रिसमस ग्रीन ट्री इवेंट- इकोलॉजी क्लब द्वारा आयोजित
- ऊर्जा संरक्षण दिवस- इकोलॉजी क्लब द्वारा आयोजित
- प्रकृति खोज - इकोलॉजी क्लब द्वारा संचालित
- इको-लुशन - इकोलॉजी क्लब द्वारा आयोजित
- ग्रीन आइडिया 2.0 - इकोलॉजी क्लब द्वारा आयोजित

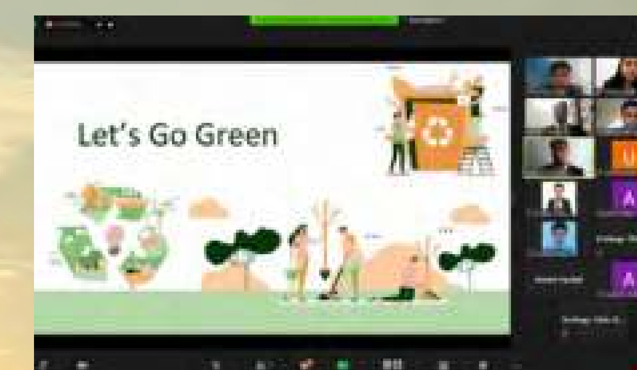

एक्सपीडिशन क्लब

"दुनिया एक किताब है और जो लोग यात्रा नहीं करते हैं वे केवल एक पृष्ठ पढ़ते हैं।"

- सेंट ऑगस्टीन

इसी उद्धरण का अनुसरण करते हुए, एक्सपीडिशन क्लब आईआईएम काशीपुर के लोगों को पहाड़ों की विशालता, दूरगामी महासागरों, शुष्क रेगिस्तानों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अवसरों की अधिकता से परिचित कराने का प्रयास करता है। हम खानाबदोशों और रोमांच चाहने वालों लोगों का एक समूह हैं जो यात्रा के लिए समान जुनून रखते हैं। क्लब के दिन-प्रतिदिन के कार्य में विभिन्न आयोजनों और अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यापारिक समुदाय के बीच पर्यटन और फिटनेस को बढ़ावा देना शामिल है। जैसा कि आईआईएम काशीपुर के लोगो में व्यक्तियों, ग्रह और लाभ की ट्रिपल बॉटम लाइन को दर्शाया गया है, इस क्लब का मिशन हमारे प्रिय ग्रह पृथ्वी पर सतत पर्यटन को बढ़ावा देना है।

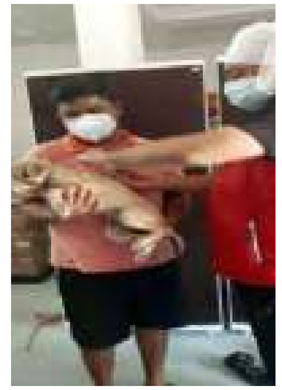

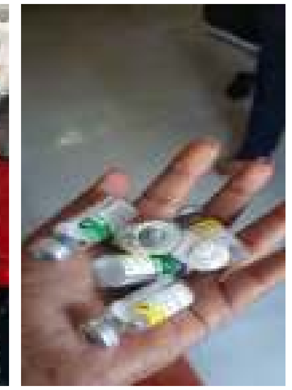

गतिविधियां / कार्यक्रम

» ला टूर डी काशीपुर और ला टूर डी कॉर्बेट - फिटनेस और साइकिलिंग प्रतियोगिता

» पर्यटन क्विज और वॉयजर ऑफ द ईयर: पैन इंडिया क्विज और लेख लेखन प्रतियोगिता

» सोशल मीडिया- सफरनामा, यात्रा बकेट लिस्ट और वर्चुअल खोज

» टूरिस्ट-पैन इंडिया केस स्टडी प्रतियोगिता भारत के पर्यटन क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर आधारित है

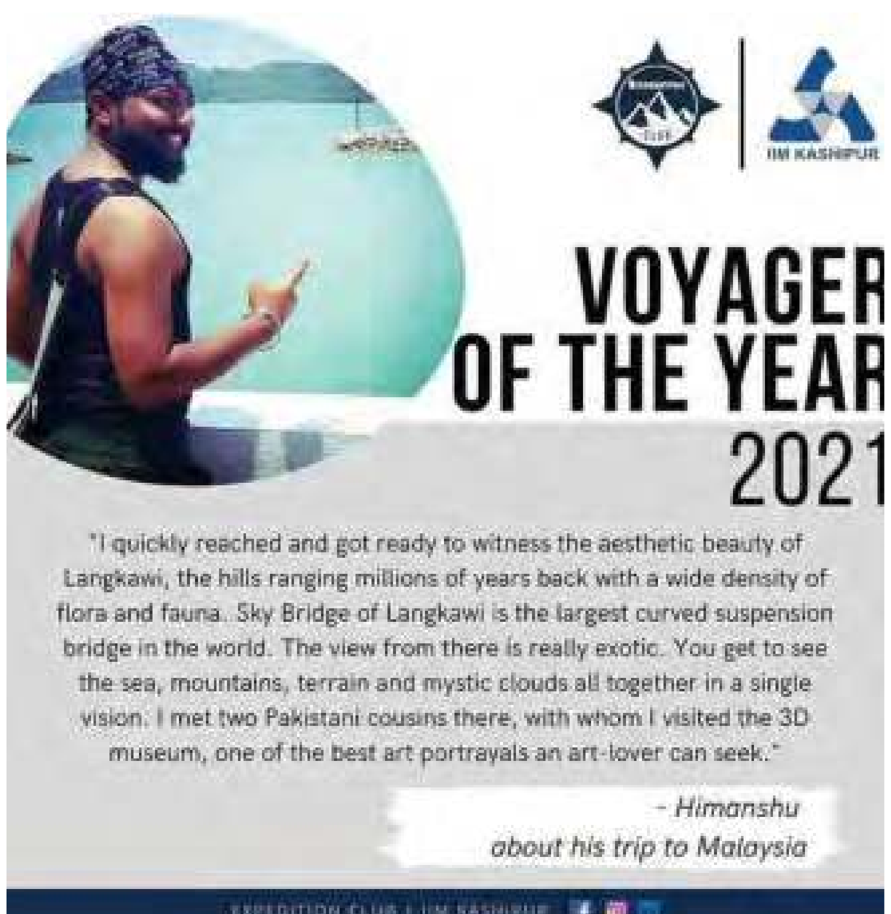

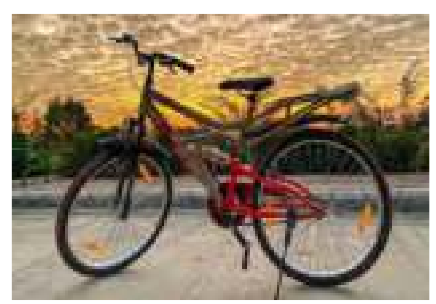

एक्सपीडिशन क्लब, आईआईएम काशीपुर द्वारा 'एक्सप्लोरर ऑफ द मंथ' (बाएं) और टूर डी कॉर्बेट (दाएं)

विदेश भाषा और संस्कृति क्लब

"धन्य हैं वे जो रोमांच के लिए उत्सुक हैं।" ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, स्पैनिश वर्कशॉप: एल मुंडो एस अन पनुएलो। (यह एक छोटी सी दुनिया है।) हम दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली और दूसरी सबसे अधिक अध्ययन की जाने वाली भाषा को कास्पियनों के लिए लाए हैं। यह एक दो दिवसीय कार्यशाला थी, जहाँ हमने एक संतुलित थाली में अक्षर, अभिवादन, बुनियादी व्याकरण, सांस्कृतिक और व्यावसायिक शिष्टाचार परोसे गए। यहां मूल बातों के साथ रोमांचक तथ्य, खेल और प्रश्नोत्तरी का मंचन किया गया।

एफएलसीसी नोट: अपने आप को केलॉग्स के प्रबंध निदेशक के रूप में कल्पना करें और आप महसूस करते हैं कि आधे से अधिक भारतीय नाश्ते के लिए अनाज पसंद नहीं करते हैं। आप भारत में नाश्ते की आदतों में क्रांतिकारी बदलाव लाने की योजना बना रहे हैं और देश में केलॉग्स के उत्पाद प्रसाद को बदलना चाहते हैं। क्या आप अभी भी उसी अनाज को खाते रहेंगे? या एक ऐसा नया उत्पाद लाने की कोशिश करें जो भारतीय स्वाद को संतुष्ट करे? क्या नया उत्पाद भारतीयों के अनुसार पूरी तरह से स्वादिष्ट होगा? हां, क्योंकि हम हल्का खाना पसंद नहीं करते हैं, है ना? अब, क्या आप देखते हैं कि सांस्कृतिक प्रभाव किस तरह से काम करता है! हम यहाँ ठीक यही करते हैं।

वर्ड वर्कआउट: यहां, हम अन्य देशों के व्युत्पत्ति के साथ अंग्रेजी भाषा से परिचित विदेशी वाक्यांशों और शब्दों को साझा करते हैं। ये शब्द और वाक्यांश भाषा के निरंतर विकसित होने वाले ब्रह्मांड में फ्लैशबैक को भी रोमांचित कर रहे हैं और यह कैसे इतिहास के रूप में विकसित होता है। हमने बिना किसी प्रयास के छात्रों में विभिन्न विदेशी भाषाओं के बारे में रुचि और ज्ञान विकसित करने के लिए एक बहुभाषी सोशल मीडिया उपस्थिति बनाने की योजना बनाई। इन शब्दों (जैसे देजा वु, विज़-ए-विज़, अल्मा मेटर, शैडेनफ्रूड) को उचित शोध के बाद चुना जाता है और सोशल मीडिया हैंडल पर आधिकारिक हैशटैग #गेट_लिंगोईडी_विथ_एफएलसीसी के साथ पोस्ट किया जाता है।

डुओलिंगो प्रतियोगिता: डुओलिंगो प्लेटफॉर्म पर एक महीने तक चलने वाली भाषा प्रतियोगिता छात्रों को एक संवादात्मक वातावरण में विदेशी भाषा सीखने के लिए प्रेरित करती है।

एफएलसीसी कुइज़्ज़: इसका लक्ष्य ज्ञान का परीक्षण करने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ जोड़ने के लिए विदेशी संस्कृति, भाषा, शिष्टाचार और व्यापार पर प्रश्नोत्तरी आयोजित करना है।

हैलोवीन: यह पोशाक डिजाइन के साथ एक मस्ती भरी शाम थी - एक रचनात्मकता तसलीम और साइबर शिकार- जहां छात्र 24 घंटे के साहसिक शिकार में टीमों में भाग लेते हैं।

आईआईएम काशीपुर में गैम्बिट द्वारा पैंडेमोनियम (बाएं) और सीएस नाइट (दाएं)।

गैम्बिट

गैम्बिट आईआईएम काशीपुर का आधिकारिक गेमिंग क्लब है और आईआईएम काशीपुर में पीसी गेम्स जैसे फीफा, वेलोरेंट आदि से लेकर पोकर नाइट्स और अन्य प्रतिस्पर्धी गेमिंग इवेंट्स की मेजबानी के लिए सभी शैलियों के गेम आयोजित करता है। हम सभी गेमर्स (पेशेवर या शौकिया) या गैर-गेमर्स के लिए पूरे वर्ष आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मस्ती करने और अपने कौशल का प्रदर्शन करने के अवसर प्रदान करते हैं। हमारे पास ऐसे ढेर सारे खेल और कार्यक्रम हैं जिनका आयोजन हम छात्रों में टीम निर्माण और रणनीति कौशल को बढ़ाने के लिए करते हैं। हम एमबीए प्रोग्राम की भागदौड़ के बीच मेलजोल, बातचीत और मस्ती करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं। पिछले साल हमने टेककेन, फीफा, बीजीएमआई, पोकर नाइट के लिए इंट्रा कॉलेज कार्यक्रम आयोजित किए। इंटर कॉलेज के लिए हमने 8-बॉल पूल, बीजीएमआई, वेलोरेंट, डीओटीए 2, रॉकेट लीग और टेककेन और फीफा कैंपस में ऑफलाइन आयोजित किए गए।

सभी गतिविधियों/खेल की सूची:

- पोकर नाइट
- फीफा
- बहादुरी
- 8 बॉल पूल
- बीजीएमआई
- टेककेन
- रॉकेट लीग
- डोटा 2

कैप्चर्ड - फोटोग्राफी क्लब

क्लब आईआईएम काशीपुर के अंदर सभी कार्यक्रमों के कवरेज के लिए उत्तरदायी है। सामान्य समय में, हमारा प्रमुख कार्यक्रम "अग्नित्रेय" और अन्य प्रसिद्ध कार्यक्रम जैसे उत्तम, कोलेसेंस और टेडएक्स के साथ-साथ काफोकोनिया और संग्राम, स्पोर्ट्स इवेंट को कवर करते हैं।

हम बाहरी दुनिया को आईआईएम काशीपुर की सुंदरता को शानदार फोटो और वीडियो के रूप में दिखाते हैं। क्लब, फोटो ऑफ द मंथ और फोटो ऑफ द वीक के माध्यम से क्लब के सोशल मीडिया हैंडल में शामिल करके और फोटोग्राफी वर्कशॉप और फोटो-वॉक जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करके कॉलेज के नवोदित फोटोग्राफरों का पोषण भी करता है। हम आईआईएम काशीपुर में रहने वाले लोगों के पलों को दृश्यों के रूप में यादगार यादों में बदलते हैं जिसे आईआईएम काशीपुर परिवार का सदस्य जीवन भर याद रख सकता है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- फोटो ऑफ द मंथ
- फोटो ऑफ द विक
- कैमरा ऑन: एक पैन इंडिया फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- क्लिक और ब्लिंक: अग्नित्रया के तहत एक अखिल भारतीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता
- प्रदर्शिनी: एक फोटो प्रदर्शनी जिसमें संकायों और छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए चित्र प्रदर्शित होते हैं
- फोटो वॉक
- उत्सव की विशेषताएं
- परिसर के भीतर सभी छात्र निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रम को कवर करना

साहित्यिक क्लब

आईआईएम काशीपुर में साहित्यिक क्लब छात्रों के बीच सभी साहित्यिक संबंधित क्षेत्र जैसे पुस्तक पढ़ने, बहस, कविता पाठ, कहानी कहने, तत्काल बोलने, संचार, रचनात्मक लेखन और अधिक को बढ़ावा देने और इसे बनाए रखने के लिए मौजूद है। वर्ष भर साहित्यिक क्लब इन कौशलों को सम्मानित करने के उद्देश्य से कई आकर्षक गतिविधियों और कार्यक्रमों का डिजाइन और संचालन करता है। आंतरिक संसाधनों का उपयोग साहित्यिक गतिविधियों के लिए करने के अलावा, क्लब विभिन्न बाहरी कॉलेजों, साहित्यिक कार्यक्रमों और समूहों के साथ सहयोग करता है ताकि क्लब की गतिविधियों के दायरे का और विस्तार किया जा सके।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- आतंरिक-विद्यालयी कार्यक्रम - परिप्रेक्ष्य, चाय पे चर्चा और सेंटेंस स्नीक
- अखिल भारतीय कार्यक्रम -अभिव्यक्ति
- पहलें - पुस्तक समीक्षा और उद्धरण
- गतिविधि - इयरबुक

परवाज

परवाज़ कल्पनाओं को पंख देते हैं। यह रंगमंच और प्रदर्शन कला के प्रति छात्रों में रुचि विकसित करने का प्रयास करता है। यह एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां छात्र पात्रों और विभिन्न परिस्थितियों को सीखते हैं, जो बदले में उन्हें आत्म-विकास की ओर ले जाता हैं। इसका उद्देश्य रंगमंच को एक माध्यम के रूप में उपयोग करने वाले छात्रों में रचनात्मक सोच, सार्वजनिक भाषण, टीम वर्क और आत्मविश्वास विकसित करना है। क्लब विभिन्न थिएटर इवेंट, थिएटर वर्कशॉप, अपनी तरह की एक केस-आधारित थिएटर प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है और देश भर में थिएटर प्रतियोगिताओं में भाग लेता है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- दशहरा प्ले - कॉर्पोरेट रामलीला
- दीपावली प्ले - घर वापसी
- सीन क्या है
- उत्तराखंड राज्य चुनाव अभियान का नुक्कड़ नाटक
- बोर्डरूम ड्रामा

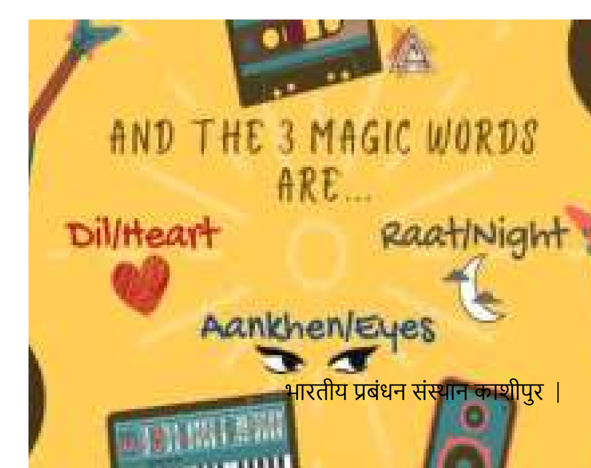

क़्वेस्ट - वर्ष (2021-22) एक संक्षेप में

क़्वेस्ट आईआईएम काशीपुर का क्विज़ क्लब है जिसका उद्देश्य छात्रों के बौद्धिक समझ में प्रश्न पूछने की संस्कृति को आत्मसात करना है। क़्वेस्ट आईआईएम काशीपुर के छात्रों के बीच एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी प्रश्नोत्तरी संस्कृति को भी बढ़ावा देता है और उन्हें किसी भी कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं के पहले दौर में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करता है। क़्वेस्ट उन लोगों के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है जो व्यवसाय, मनोरंजन, सामान्य जागरूकता और साहित्य जैसे विभिन्न शैलियों में अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते हैं। इसके अलावा, हमारे प्रश्नोत्तरी और सत्र प्रतियोगिताओं का विश्लेषण करने पर केंद्रित हैं, जो सक्रिय व्यक्तियों के समूह निर्माण में मदद करते हैं, जिसमें सक्रिय रूप से छात्र 'क्विच देयर क्रेस्ट फॉर क्वीज़िंग' के लिए आयोजनों में भाग लेते हैं।

हमारी मूल विचारधारा यह है कि "यह न केवल सही उत्तर जानना महत्वपूर्ण है, बल्कि सही प्रश्न पूछने की क्षमता भी विकसित करना है।"

क्लब क़्वेस्ट के सोशल मीडिया माध्यमों पर अभियान श्रृंखला भी चलाता है, जिससे इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंक्डइन पर जुड़ाव बढ़ गया है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

सप्ताहांत

यह शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित 4 प्रश्नोत्तरी की एक श्रृंखला है। प्रत्येक प्रश्नोत्तरी गूगल फ़ॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई थी और इसकी अवधि 15 मिनट थी। प्रत्येक प्रश्नोत्तरी के बाद एक अग्रणी बोर्ड बनाए रखा गया था। शीर्ष तीन टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

काशीपुर क्विजिंग लीग (केक्यूएल)

यह आयोजन शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित चार प्रश्नोत्तरी की एक श्रृंखला थी। हर क्विज अलग-अलग थीम पर आधारित था। छात्रों ने इस कार्यक्रम में 1/2/3 की टीम में भाग लिया। प्रत्येक प्रश्नोत्तरी में शीर्ष दो टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रत्येक प्रश्नोत्तरी के बाद एक लीडर बोर्ड बनाए रखा गया था। लीग की शीर्ष तीन टीमों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जूनियर इनिशिएटिव

जूनियर इनिशिएटिव के हिस्से के रूप में, एक ऑफ़लाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कार्टून, एनीमे और कॉमिक्स की थीम थी, जिसका शीर्षक द कार्टून क्विज़ था। यह 3 राउंड का आयोजन था। प्रश्नोत्तरी पुरानी यादों के सार को संजोहने और प्रतिभागियों को संस्मरण के माध्यम से यात्रा पर ले जाने के लिए बनाई गई थी। शीर्ष 3 टीमों को पुरस्कार दिए गए।

द गुड, द बैड एंड द क्यूरियस - यह हमारे अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी उत्सव का उद्घाटन वर्ष था, जिसमें दो कार्यक्रम शामिल थे: द ग्रेट इंडिया क्विज़, एक अखिल भारतीय ओपन क्विज़ जिसमें स्कूलों, स्नातक संस्थानों और यहां तक कि निगमों की भागीदारी देखी गई; और क्रेस्टोपिया, कॉलेज स्तर के छात्रों के लिए एक विशेष खजाने की खोज थी। क्विज़िंग फेस्टिवल में 1200 से अधिक टीमों ने भाग लिया। दोनों इवेंट के शुरुआती राउंड अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर आयोजित किए गए थे, जबकि फाइनल राउंड को ज़ूम प्लेटफॉर्म पर होस्ट किया गया था। प्रत्येक कार्यक्रम में, शीर्ष तीन विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त हुए।

डब्ल्यू.टी.एफ! (विश्व, यात्रा और फैशन)

अग्नित्रय 8.0 के भाग के रूप में, हमने एक अखिल भारतीय ओपन क्विज डब्ल्यू.टी.एफ! (विश्व, यात्रा और फैशन) की मेजबानी की। प्रश्नोत्तरी में दुनिया, यात्रा उद्योग और फैशन की दुनिया सहित विभिन्न विषयों को शामिल किया गया था। इस आयोजन में 250 से अधिक टीमों की प्रभावशाली भागीदारी देखी गई। इसमें तीन राउंड शामिल थे- एक क्वालीफाइंग राउंड और दो फाइनल राउंड। शीर्ष 10 टीमों ने फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। क्विज में स्कूलों, कॉलेजों, बी-स्कूलों और यहां तक कि कॉर्पोरेट्स के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

रीवर्ब - संगीत क्लब

हमारा लक्ष्य आईआईएम काशीपुर की संगीत प्रतिभा को प्रोत्साहन देना और छात्रों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। अपनी स्थापना के बाद से रीवर्ब सभी संगीत गतिविधियों और संगीत कार्यक्रमों के लिए पथप्रदर्शक रहा है, जिससे व्यस्त शैक्षणिक जीवन से सुकून मिलता है। क्लब ने सभी संगीत प्रेमियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया चैनल पर एक समर्पित संगीत समुदाय- "कास्पियन मेलोबीज" की शुरुआत की है। यह एक ऐसा मंच है जहां प्रतिभागी अपनी संगीत प्रतिभा साझा करते हैं। छात्रों को जैम सत्रों का आनंद लेने और कॉलेज में संगीत संस्कृति को बढ़ावा देने में सक्षम बनाने के लिए, रीवर्ब द्वारा बनाए रखा गया अत्याधुनिक उपकरणों के साथ एक विशेष संगीत कक्ष है। यह क्लब संगीत प्रतियोगिता, संगीत आधारित क्विज़, जैम सत्र, सूचनात्मक पोस्ट आदि जैसे विभिन्न ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूरे वर्ष सक्रिय रहता है ताकि हमारे विद्यालय द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली कला बुद्धि की भावना की पुष्टि की जा सके।

रीवर्ब का उद्देश्य संगीत के प्रति प्रेम का प्रसार करना है और साथ ही छात्रों को संगीत के प्रति अपने जुनून को नए और उन्नत तरीकों से साझा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

म्यूज़िक ट्रिविया

एक ऑनलाइन संगीत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जिसमें 3 राउंड शामिल थे। इस क्विज के लिए छात्रों को 2 राउंड में भाग लेना था। आयोजित राउंड में बीजीएम, गाने के संगीत वीडियो से तस्वीरें आदि शामिल थे, इस कार्यक्रम में लगभग 50 टीमों ने भाग लिया।

जैम सेशन

जैम सेशन एक मजेदार इवेंट है जिसमें किसी भी तरह की प्रतियोगिता शामिल नहीं होती है। यह कार्यक्रम क्लब द्वारा छात्रों को मज़ेदार, सुखदायक और आनंददायक संगीतमय रात्रि में शामिल करने के लिए आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर छात्रों को गायन और प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कैस्पियन आइडल

यह एक ऑनलाइन आतंरिक-विद्यालयी एकल गायन और एकल वाद्ययंत्र प्रतियोगिता थी। प्रतिभागियों को अपने प्रदर्शन को मेल के माध्यम से जारी किए गए एक गूगल फॉर्म के माध्यम से साझा करने की आवश्यकता थी। गायन और वाद्ययंत्र दोनों वर्ग के लिए 2 विजेता थे।

गोल्डन माइक

यह अखिल भारतीय एकल गायन और एकल वाद्य वादन प्रतियोगिता थी। यह एक राउंड का आयोजन था जहां प्रतिभागियों को डी2सी पर प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण करके अपने वीडियो साझा करने थे। गायन और वादन दोनों का निर्णय पूर्व निर्धारित मानदंड के आधार पर किया गया।

स्वरंक

यह एक ऑनलाइन अखिल भारतीय मेडले गायन प्रतियोगिता थी जिसका आयोजन अग्नित्रया 8.0 के दौरान किया गया था। इस आयोजन में दो राउंड शामिल थे (राउंड -1 एकल गायन था और राउंड -2 3 अलग-अलग शैलियों का मिश्रण था। कार्यक्रम का आयोजन डी2सी के माध्यम से किया गया।

सुरभि सीरीज

यह एक इंस्टाग्राम पहल है जहां हम पोस्टर की मदद से संगीत के तथ्य साझा करते हैं।

रैप्सोडी सीरीज 2.0

यह एक इंस्टाग्राम पहल है जहां हम अपने बैच की प्रतिभा को अपने इंस्टाग्राम पेज पर उनके गायन और वाद्य वीडियो पोस्ट करके प्रदर्शित करते हैं।

स्पेक्ट्रम

स्पेक्ट्रम आईआईएम काशीपुर डायवर्सिटी एंड इंक्लूजन क्लब आईआईएम काशीपुर के छात्रों की एक पहल है, पूरे परिसर में छात्रों, पूर्व छात्रों और साथियों के लिए और भविष्य के सहयोगियों के लिए आगे की सोच वाले संस्थानों में करियर के लिए एमबीए कोहोर्ट तैयार करने की दृष्टि से समावेशी और न्यायसंगत वातावरण को बनाए रखने की दिशा में काम करने के उद्देश्य से विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाना है, जो विभिन्न जातियों, प्रजातियों, राष्ट्रीयताओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों, धार्मिक पृष्ठभूमि, लिंग, लिंग पहचान और अभिव्यक्तियों, और यौन अभिविन्यास से संबंधित व्यक्तियों के बीच पारस्परिक सम्मान को गले लगाते हुए विविधता और सक्रिय रूप से संस्कृतियों को बढ़ावा देते हैं।

क्लब का उद्देश्य उनकी प्रबंधकीय विशेषज्ञता, कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग करके एक सार्थक तरीके से विविधता और समावेश के बारे में जागरूकता और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है।

डायवर्सिटी एंड इंक्लूजन क्लब लंबे समय में गैर सरकारी संगठनों, स्वैच्छिक गैर-लाभकारी संगठनों और कॉर्पोरेट्स के साथ संबंध बनाने और संस्थान के विकास को पूरा करने के लिए संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

यह शिक्षा और उद्योग जगत के बीच मौजूदा कौशल अंतर को पाटने के लिए शिक्षकों, छात्रों, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग, बुद्धिजीवियों और गैर-लाभकारी सहित हितधारकों से वार्ता और कार्यक्रम आयोजित करके एकीकृत प्रयास द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

इसके अलावा, यह लिंक्डइन और इंस्टाग्राम जैसी सोशल मीडिया साइट्स पर ऑनलाइन उपस्थिति बनाए रखता है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

बडी कार्यक्रम

एक-से-एक संवाद, जिसका उद्देश्य मिलनसार बंधन को बढ़ावा देना है और उन्हें अपने अनुभव और समस्याओं को साझा करने के लिए एक मित्र मिलता है।

द वाय बिहाइंड डी एंड आई

विभिन्न क्षेत्रों के पैनल अपनी राय देंगे या डी एंड आई मुद्दों या नीतियों से संबंधित किसी विषय पर बहस करेंगे।

हाउ यू डूइंग

खेलों के साथ मस्ती भरा सत्र और सीखने के साथ-साथ ढेर सारा मनोरंजन।

रिडिफाईनिंग एबिलिटी सेशन

अपने जीवन की पेचीदगियों और विविधता के महत्व को समझने के लिए दिव्यांग अतिथि से एक संवादात्मक अतिथि सत्र।

पीओएसएच कार्यशाला

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर कार्यशाला।

प्रिज्म 1.0

अखिल भारतीय प्रतियोगिता

द मोशन पिक्चर क्लब

मोशन पिक्चर क्लब का उद्देश्य विश्व सिनेमा से जुड़े मजेदार और मनोरंजक चैनलों के माध्यम से प्रबंधन सीखने को बढ़ावा देना है। यह क्लब छात्रों को उनके व्यस्त एमबीए कार्यक्रम के बीच फिल्मों के माध्यम से आनंद लेने में भी मदद करता है।

प्रबंधन से संबंधित फिल्मों की स्क्रीनिंग के माध्यम से, टीएमपीसी का उद्देश्य उन फिल्मों द्वारा प्रदान की जाने वाली सीख से चर्चा उत्पन्न करना है, और हम एक क्लब के रूप में विभिन्न अंतर्दृष्टि भी प्रदान करते हैं जो आईआईएम काशीपुर के लिए मददगार हो सकती हैं।

यह क्लब छात्रों को विश्व सिनेमा से प्रबंधन सीखने पर चर्चा करने के लिए एक मंच बनाने में भी मदद करता है। उद्देश्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए हम पूरे शैक्षणिक वर्ष में कई तरह की गतिविधियों, कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की मेजबानी करते हैं। उनके माध्यम से, हम छात्रों को पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों में सक्रिय रुचि लेने और उनकी सर्वांगीण क्षमता का विकास करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

गतिविधियां / कार्यक्रम

क्रिटिक ड्यू फ्लिक

एक साप्ताहिक मूवी समीक्षा-सह-अनुशंसा पहल जहां टीएमपीसी के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर विभिन्न शैलियों, भौगोलिक क्षेत्रों और भाषाओं की फिल्म समीक्षाएं पोस्ट की जाती हैं। इसका उद्देश्य दुनिया भर में उपलब्ध विविध फिल्मों के बारे में जागरूकता पैदा करना और पहुंच देना है।

क्विज़स्प्री

आईआईएम काशीपुर के लिए वार्षिक मूवी ट्रिविया क्विज प्रतियोगिता, जहां छात्रों से दुनिया भर की फिल्मों, टीवी श्रृंखलाओं, वृत्तचित्रों के बारे में सवाल पूछे जाते है। ये अल्टीमेट मूवी क्विज़ छात्रों को सभी शैलियों की फिल्मों के लिए उनके ज्ञान और जुनून का परीक्षण करने और ज्ञान वृद्धि में मदद करेंगे।

लेख लेखन प्रतियोगिता

फिल्मों के एक विशेष प्रबंधन विषय पर आलेख लेखन (<1000 शब्द)। प्रतियोगिता यह कार्यक्रम डी2सी पर आयोजित किया गया था। प्रस्तुतियाँ फिल्म के विवरण के आधार पर आंकी गई थीं और लेख फिल्म की सामग्री और प्रदान की गई थीम के प्रबंधन सीखने से कैसे संबंधित है।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

मोशन पिक्चर क्लब एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करता है जिसमें प्रतिभागियों को एक क्रॉस ओवर मूवी पोस्टर डिजाइन करना होता है। इसमें प्रतिभागी को अपनी खुद की एक फिल्म के चरित्र का चयन करना और उसे किसी अन्य फिल्म के शीर्षक के साथ मिलाना शामिल है। विजेता मानदंड रचनात्मकता और प्रासंगिकता होगी।

मासिक मूवी/मैच स्क्रीनिंग

मासिक मूवी या स्पोर्ट्स मैच स्क्रीनिंग। बैच के बीच उनके महत्व और प्रासंगिकता के आधार पर खेल मैचों का प्रदर्शन किया जाएगा। फिल्म की स्क्रीनिंग कैंपस में हुई। प्रबंधन क्षेत्र से संबंधित फिल्मों की स्क्रीनिंग के लिए एकेडमिक क्लब जैसे ईकॉन्स के साथ नियमित सहयोग लिया गया ।

टोस्टमास्टर्स क्लब

टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल एक गैर-लाभकारी शैक्षणिक संगठन है जो क्लबों के एक विश्वव्यापी नेटवर्क के माध्यम से सार्वजनिक वादन एवं नेतृत्व कौशल सिखाता है। एंगलवुड, कोलो में मुख्यालय वाले इस संगठन की सदस्यता, 143 देशों में 16,600 से अधिक क्लबों में 357,000 से अधिक है 1924 से, टोस्टमास्टर्स इंटरनेशनल ने विविध पृष्ठभूमि के लोगों को अधिक आत्मविश्वासी वक्ता, संचारक और नेतृत्वकर्ता बनने में मदद की है। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में आईआईएम काशीपुर टोस्टमास्टर्स क्लब ने कुल 13 क्लब बैठकें आयोजित कीं, जो ऑनलाइन आयोजित की गईं। प्रत्येक बैठक में एक अनूठी थीम थी और सभी क्लब सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इसने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर और इंपीरियल कॉलेज ऑफ़ लंदन जैसे वैश्विक ख्याति प्राप्त संस्थानों के टोस्टमास्टर्स क्लबों के साथ भी सहयोग किया। क्लब ने क्षेत्र स्तरीय भाषण और मूल्यांकन प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल करके प्रशंसा प्राप्त की। इस अवधि में क्लब ने चार स्तर 1 प्रमाणपत्र भी प्रदान किए।

अनस्टॉप इग्नाइटर्स क्लब

अनस्टॉप (डी2सी) इग्नाइटर्स एक ऐसा क्लब है जो प्रतिस्पर्धा, ज्ञानार्जन और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देता है और इसका उद्देश्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जो छात्रों को विभिन्न कॉर्पोरेट और बी-स्कूल कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करे।

इग्नाइटर्स क्लब पूरे वर्ष कार्य करता है और सभी क्लबों, समितियों और सेल को उनके इवेंट्स को अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध करने में मदद करता है और अनस्टॉप प्लेटफॉर्म के फीचर्ड स्पेस पर अपने इवेंट्स को बढ़ावा देता है, जो इवेंट्स को पूरे भारत से प्रतिभागियों तक पहुंचने और उन्हें लाने की सुविधा देता है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले और कॉर्पोरेट और बी-स्कूल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के अनुभव को "इग्निशन" नामक हमारे न्यूजलेटर की मदद से पूरे बैच और अनस्टॉप समुदाय के साथ साझा किया जाता है।

अनस्टॉप किसी भी कार्यक्रम के संचालन में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, हालांकि नए बैच के लिए शैक्षणिक अवधि की शुरुआत के दौरान अनस्टॉप आगामी बैच को मंच को समझने और परिचित होने में मदद करने के लिए एक व्यावसायिक प्रश्नोत्तरी आयोजित करता है। उसके बाद, पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए, अनस्टॉप सोशल मीडिया और अनस्टॉप प्लेटफॉर्म पर अपने आयोजनों की पहुंच को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए क्लबों, समितियों और प्रकोष्ठों के बीच सामग्री वितरित करता है।

एक्सटैटिक – द डांस क्लब

एक्सटैटिक - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट काशीपुर में डांस क्लब का एकमात्र उद्देश्य प्रदर्शन कला के लिए रुचि पैदा करना, भागीदारी को प्रोत्साहित करना और अधिक से अधिक लोगों को उनकी क्षमता को उजागर करने और दिल खोलकर नृत्य करने में मदद करना है। क्लब न केवल नृत्य में छात्रों की क्षमता को उजागर करता है, बल्कि विभिन्न अंतर बी-स्कूल नृत्य प्रतियोगिताओं में आईआईएम काशीपुर का प्रतिनिधित्व करता है और कॉलेज के कार्यक्रमों और समारोहों में सक्रिय रूप से शामिल होता है। एक क्लब के रूप में अपनी स्थापना के बाद से, एक्सटैटिक सक्रिय रूप से नृत्य कार्यशालाओं का आयोजन करता रहा है और नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन करके अपनी उपस्थिति दर्ज की है, जिसने बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित किया था जो शहर में चर्चा का विषय रहा है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

» छोटे मियाँ बड़े मियाँ

» डेंजा डी पपेले

» नृत्य और जुंबा कार्यशालाएं

» नृत्य प्रतियोगिताएं

» निर्वाचन जागरूकता अभियान

प्रकोष्ठ (सेल्स)

क्रिएटिव स्टूडियो - डिजाइन सेल

क्रिएटिव स्टूडियो, डिजाइनरों और विक्रेता प्रबंधकों का मिश्रण है जो बैच के लिए और विभिन्न छात्र प्रकोष्ठों के लिए उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न व्यापारिक उत्पादों की डिजाइन और खरीद के लिए उत्तरदायी हैं। यह सभी प्रमुख विद्यालयी आयोजनों के लिए विभिन्न डिजाइनिंग आवश्यकताओं (जैसे लोगो, पोस्टर, बैनर, ब्रोशर, वार्षिक पुस्तिका) में भाग लेता है जिसमें वार्षिक उत्सव, खेल गतिविधियां और कॉर्पोरेट कार्यक्रम शामिल हैं। टीम में प्रोक्रिएट, फोटोशॉप, एडोब स्केच, फिल्मोरा, ब्लेंडर आदि में विशेषज्ञ है जो छात्रों की मदद करने के लिए कार्यशालाओं को प्रोत्साहित और आयोजित करके कॉलेज में एक रचनात्मक माहौल बनाने का प्रयास करते है। इसके अलावा हमारी टीम आईआईएम काशीपुर के आधिकारिक ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर का प्रबंधन करती है। ऑनलाइन मर्चेंडाइज स्टोर में टी-शर्ट, हुडी, कैजुअल टी-शर्ट, मग, मास्क, पानी की बोतलें और बैज जैसे विभिन्न उत्पाद हैं। इन सभी उत्पादों के डिजाइन केवल क्रिएटिव स्टूडियो के दायरे में आते हैं। पिछले साल हमारी टीम ने 500+ से अधिक आधिकारिक बैच हुडी और 250+ आधिकारिक बैच टी-शर्ट की लॉजिस्टिक्स और खरीद का काम संभाला। इसके अलावा, डिजाइन और शिपमेंट की व्यवस्था के लिए अच्छे विक्रेताओं और वितरण भागीदारों को ढूंढना; और उनके साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर काम करना प्रकोष्ठ का एक अभिन्न उत्तरदायित्व है। इस वर्ष डिजाइन सेल देश के भावी प्रबंधकों के बीच रचनात्मक सोच को प्रज्वलित करने के लिए डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर अपनी कार्यशाला शुरू करेगा। आईआईएम काशीपुर का डिजाइन सेल आधिकारिक तौर पर 'क्रिएटिव स्टूडियोज' के नाम से काम करता है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

» विभिन्न छात्र निकायों और दोनों बैचों के लिए लोगो, टी-शर्ट, बैनर इत्यादि डिजाइन करना

» ईयरबुक, स्टूडेंट बॉडी हैंडबुक और एकेडमिक न्यूजलेटर डिज़ाइन करना

» एम-स्टोर के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन

» इंकटोबर-21, डिजाइन पर अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए

» व्यापारिक आवश्यकताओं के लिए अन्य क्लबों/समिति के साथ संपर्क करना

परिवर्तन सेल

परिवर्तन प्रकोष्ठ आईआईएम काशीपुर का सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकोष्ठ है जो हमारे प्रबंधकीय कौशल और विशेषज्ञता का सर्वोत्तम उपयोग करके हमारे समाज में स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहा है। हम हमेशा ऐसे आयोजनों और प्रतियोगिताओं के आयोजन में विश्वास करते हैं जो छात्रों के साथ-साथ व्यापक समाज में कई अवसरों पर जागरूकता बढ़ाते हैं और शेयरिंग इज गिविंग की भावना पैदा करते हैं। हम गैर सरकारी संगठनों, स्वयंसेवी गैर-लाभकारी संगठनों, सरकारी संस्थानों और कॉरपोरेट्स के साथ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गतिविधियां / कार्यक्रम

» काइट्स

» दान अभियान: रक्तदान अभियान, बाल दिवस समारोह, क्रिसमस समारोह, खाद्य दान अभियान, कपड़ा और कंबल दान

» ऑनलाइन कार्यक्रम: प्रयास, अनफ़िल्टर्ड वार्तालाप, लेख लेखन प्रतियोगिता, पिच करो

» जागरूकता अभियान: स्तन कैंसर जागरूकता वेबिनार, कैंसर जागरूकता अभियान, राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, अध्याय, महिला दिवस के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन

प्रेप सेल

प्रेप सेल का प्राथमिक लक्ष्य प्लेसमेंट के लिए बैच तैयार करना है, साथ ही कौशल-सेट और निर्माण दक्षताओं को बढ़ाने में भी मदद करना है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

मेंटरशिप

जूनियर बैच के छात्रों को प्रेप सेल के सदस्यों से मेंटर्स दिए गए थे, और ये मेंटर्स प्रत्येक छात्र को रिज्यूमे और स्किल बिल्डिंग प्रक्रिया पर मार्गदर्शन करने के लिए उत्तरदायी थे।

डोजियर प्रेपारेटरी सेशन

विभिन्न शैक्षणिक क्लबों द्वारा जूनियर बैच को एमबीए पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराने में मदद करने के लिए सत्र लिए गए।

रिज्यूमे की तैयारी

जूनियर बैच को रिज्यूमे के प्रारूप से परिचित कराने और रिज्यूमे में किस प्रकार की सामग्री भरी जा सकती है, इस बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

व्यक्तिगत साक्षात्कार

जूनियर बैच को उनके ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए कुछ आत्मविश्वास और रचनात्मक प्रतिक्रिया देने के लिए कृत्रिम साक्षात्कार लिए गए थे।

वारचेस्ट अभ्यास

जूनियर बैच को बाजार के विभिन्न उद्योगों और उन उद्योगों में उपलब्ध भूमिकाओं से अवगत कराने के लिए वॉरचेस्ट अभ्यास का आयोजन किया गया।

प्रायोजन सेल

एमबीए में अनिवार्य शैक्षणिक शूक्ष्मता के बीच, ऐसा कुछ जो परिसर को जीवित रखता है, वह परिसर में होने वाली असाधारण स्पर्धाएं हैं। इनमें से कुछ कार्यक्रमों में काकोफोनिया, काशीपुर प्रीमियर लीग, कोलेसेन्स, टेडएक्स और सभी का सबसे बहुप्रतीक्षित और विलक्षण कार्यक्रम, हमारा वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम, अग्नित्रय शामिल है, लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है। ये आयोजन हमें मंत्रमुग्ध कर देते हैं, लेकिन उन्हें शालीन और उत्साह से भरपूर बनाने के पीछे उनके प्रायोजक हैं। रोमांचक नकद पुरस्कार और उपहार हमेशा हमें इन आयोजनों में अपने सभी प्रयासों के साथ भाग्य आजमाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हैं। हम, प्रायोजन सेल में, इन प्रायोजकों के साथ समझौते करके उन्हें स्टेज पर लाने तक के लिए पूरी तरह से उत्तरदायी हैं। आईआईएम काशीपुर जैसे कार्यक्रमों के प्रायोजकों के रूप में आप सैफएक्सप्रेस, एसबीआई, एवीईओ, रेडएफएम और अन्य जैसे नाम सुनते हैं, जो वर्षों से हमारी लगातार कड़ी मेहनत का प्रतीक हैं। प्रायोजन प्रकोष्ठ नए प्रायोजकों को लाने तथा पुराने प्रायोजकों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखने के साथ ही आयोजनों के लिए अधिक धन राशि के प्रबंध के माध्यम से आयोजनों को बड़ा, उज्जवल और बेहतर बनाने में सहायता करता है। हमारा लक्ष्य अपने संस्थान और इसके प्रायोजकों दोनों की पहुंच का विस्तार करना है।

हम यह करते हैं

- आयोजनों के लिए नए प्रायोजक लाना और मौजूदा प्रायोजकों के साथ संबंध बनाए रखना।
- विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर प्रचार के माध्यम से प्रायोजकों तक पहुंच बढ़ाना।
- हमारी ओर से डिलिवरेबल्स पर बल देकर संभावित प्रायोजकों में कनवर्ट करना।

टीमें

टीम कॉर्पस

टीम कॉर्पस को कॉर्पोरेट और बी-स्कूल केस प्रतियोगिताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के अवसर उत्पन्न करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस तरह की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन आईआईएम काशीपुर की दृश्यता से जुड़ा हुआ है और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि छात्र सही दक्षताओं से युक्त हों। टीम छात्रों को इन चुनौतियों का सामना करने के दौरान दृष्टिकोण को परिष्कृत कर सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करती है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

मॉक प्रेजेंटेशन

टीम कॉर्पस मॉक प्रेजेंटेशन आयोजित करता है जिसमें छात्र अपनी प्रस्तुतियों का पूर्वाभ्यास कर सकते हैं और सुधार के लिए टीम द्वारा सुझाव दिया जाता है ताकि छात्रों को उनके प्रस्तुति को ठीक करने और निखारने करने के लिए सुझाव दिया जा सके।

कार्यशाला

छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने और उनके दृष्टिकोण को डिजाइन करने के लिए प्रशिक्षण देने के लिए कार्यशाला आयोजित करने के लिए संगठनों के साथ सहयोग लेना। केसेस के अभिनव समाधान तैयार करने के लिए डिजाइन सोच आवश्यक होती है।

पूर्व छात्र सत्र

ऐसे सत्र आयोजित करना जिसमें कॉर्पोरेट केस प्रतियोगिताओं के विजेता पूर्व छात्र ज्ञान और केसेस को सुलझाने की कार्यप्रणाली प्रदान करते हैं।

नॉलेज रिपोजिटरी

टीम कॉर्पस छात्रों के लिए प्रेरणा लेने और प्रतियोगिताओं में इन शिक्षाओं को लागू करने के लिए विचारों, रूपरेखाओं और रणनीतियों का भंडार रखता है।

डोमेन वारफेयर

एक व्यवसायिक प्रश्नोत्तरी जिसमें प्रतिस्पर्धा के अनुभव को दोहराने के लिए प्रबंधन क्षेत्र के विषयों को शामिल किया जाता है।

टीम इम्पैक्ट

काशीपुर विकास मंच (केडीएफ) के बैनर तले टीम इम्पैक्ट उधम सिंह नगर, काशीपुर के विकास के लिए काम करने का प्रमुख उद्देश्य रखता है।

सामुदायिक विकास के लिए संस्थान तथा विभिन्न सरकारी एवं प्रशासनिक निकायों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करते है। हम काशीपुर में सामाजिक, पर्यावरण और सांस्कृतिक समस्याओं की पहचान करने और उस पर शोध करने और संकायों और विशेषज्ञों के सहयोग से एक व्यवहारिक और कार्यान्वयन योग्य समाधान प्रदान करने के लिए उत्तरदायी हैं।

प्रमुख विकास परियोजनाओं की पहचान करना और उन्हें प्रबंधन परामर्श और छात्रों के लिए सरकारी सलाहकार परियोजनाओं में परिवर्तित करना शामिल है।

टीम इनसाइट

आईआईएम काशीपुर की टीम इनसाइट आगामी बैच के लिए संभावित छात्रों के लिए पहला संपर्क बिंदु है और उनकी सीएपी प्रक्रिया के वैट-पीआई चरण के लिए उनका मार्गदर्शन करता है। टीम उन्हें कॉलेज से संबंधित उनके प्रश्नों और कॉलेज द्वारा प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में भी मदद करती है। आगामी बैच के प्रवेश की पुष्टि होने तक टीम छात्रों को प्रवेश सहायता प्रदान करती है। नए बैच के प्रवेश के बाद, टीम छात्रों को आईआईएम काशीपुर की संस्कृति और सकल रूप से एमबीए संस्कृति से रूबरू होने में मदद करने के लिए 8-10 दिन का इंडक्शन भी आयोजित करती है।

गतिविधियां / कार्यक्रम

- कॉन्फैब (एस्पिरेंट्स के साथ वेबिनार)
- एस्पिरेंट मेंटरशिप प्रोग्राम
- सोशल मीडिया अभियान (आईआईएम काशीपुर पर और लिंक्डइन, फेसबुक, इंस्टाग्राम, मीडियम, यूट्यूब, क्वोरा, पागलग्यू और टेलीग्राम के इनसाइट हैंडल पर)
- सोशल मीडिया अभियान- इंटर्न डायरी, व्हाईआईआईएमकाशीपुर, ब्लॉग, पूर्व छात्रों के लेंस के माध्यम से, आईआईएम काशीपुर के अंदर, छात्र निकाय परिचय अभियान, वैट-पीआई किट, साक्षात्कार के अनुभव, एमबीए एनालिटिक्स परिचय अभियान, क्विबलर ज्ञान श्रृंखला, क्रैककैट श्रृंखला।
- वीडियो अभियान- केवाईसी (अपने परिसर श्रृंखला को जानें), एमबीए और एमबीए एनालिटिक्स पाठ्यक्रम वीडियो, कॉन्फैब वीडियो श्रृंखला, एमबीए वीडियो श्रृंखला, साक्षात्कार के लिए तैयार वीडियो श्रृंखला,
- इंडक्शन प्रोग्राम

वेलनेस को-ऑर्डिनेटर्स

वेलनेस कोऑर्डिनेटर आईआईएम काशीपुर परिसर और उसके आसपास छात्रों और चिकित्सा सुविधाओं के बीच समन्वय करते हैं। टीम की स्थापना यह सुनिश्चित करने के लिए की गई थी कि आईआईएम काशीपुर के छात्रों को उनकी ज़रूरत की स्थिति में, समस्या रहित तरीके से चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों। हमारी टीम किसी भी स्वास्थ्य संबंधी संकट या आपात स्थिति में छात्रों की सहायता और मदद के लिए हमेशा मौजूद रहती है। हम अपने सोशल मीडिया हैंडल और न्यूज़लेटर्स के माध्यम से छात्रों की समग्र भलाई से संबंधित सुझाव, उपचार और प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। हम उन गतिविधियों के लिए ज़िम्मेदार हैं जिनमे परिसर में और उसके आस-पास नियमित कार्यक्रमों जैसे खेल आयोजनों के दौरान समर्थन, व्यायामशाला गतिविधियां, और किसी छात्र की चिकित्सा स्थितियों से निपटना आदि शामिल हैं।

- सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिसर में आरटी पीसीआर परीक्षण की व्यवस्था की
- कॉलेज प्रशासन की मदद से परिसर में सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और उनके परिवारों के लिए कोविड टीकाकरण
- दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन जिसमें 50 से अधिक छात्रों को मुफ्त उपचार प्रदान किया गया।
- जागरूक लोगों की मदद से माइंडफुलनेस वर्कशॉप का आयोजन
- वार्षिक उत्सव के भाग के रूप में दो आतंरिक-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं और एक अंतर-महाविद्यालय कार्यक्रम का आयोजन किया - अग्नित्रया

आयोजन

अग्नित्रया

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक, खेल और प्रबंधन उत्सव के आठवें संस्करण अग्नित्रया 2021-22 का आयोजन किया। अग्नित्रया एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है तीन पवित्र अग्नि, देवताओं को प्रसन्न करने के लिए किया जाने वाला बलिदान। सफलता को उस मंदिर के रूप में माना जा सकता है जिसमें विनम्रता, धीरज और समर्पण की तीन पवित्र अग्नि को जलाने की आवश्यकता होती है। उन्हें प्राप्त करने पर हम पूर्ण हो जाते हैं। यह नाम इस त्रियुग्म और प्रबंधन, सांस्कृतिक और खेल के क्षेत्र में आयोजित की गई घटनाओं का प्रतीक है।

अग्नित्रय का आठवां संस्करण, आईआईएम काशीपुर का वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। यह 'बियॉन्ड इन्फिनिटी' थीम के आस-पास था। अपनी स्थापना के बाद से, अग्नित्रया ने साल-दर-साल जबरदस्त वृद्धि देखी है, और इस साल इसने पूरे भारत में लगभग 50+ कॉलेजों की भागीदारी देखी। तीसरे दिन कई आयोजनों के बाद, दर्शकों को फिर से जीवंत करने के लिए, अग्नित्रया ने कॉमेडी नाइट्स की मेजबानी की, जहां कॉमेडियन राहुल दुआ ने भीड़ को अंतहीन हंसी से सरोबार कर दिया। इस तीन दिवसीय उत्सव में आईआईएम काशीपुर ने कुछ बेहतरीन प्रतिभाओं और उनकी रचनात्मकता को देखा।

हालांकि इस साल कोविड ने कई चुनौतियां पेश कीं, लेकिन यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी!

गतिविधियां / कार्यक्रम

» सांस्कृतिक कार्यक्रम
» प्रबंधन कार्यक्रम
» कॉमेडी नाइट
» ऐंमयूएन इवेंट
» डीजे नाइट

टेडएक्स आईआईएम काशीपुर

टेडएक्स आईआईएम काशीपुर ऐसे विचार के बारे में बात करता है जो प्रसार के योग्य हैं ऐसे विचार जो सामान्य लगते हैं लेकिन व्यवहार में कठिन हैं। इस आयोजन का उद्देश्य आईआईएम काशीपुर समुदाय तथा काशीपुर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों की बेहतरी के लिए असामान्य विचारों का उत्थान और प्रसार है। हम सभी के आसपास को प्रत्येक व्यक्ति से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है और टेडएक्सआईआईएम काशीपुर एक ऐसा मंच है जहां हम ऐसे विचारों का जश्न मनाते हैं।

पिछले साल के संस्करण टेडएक्सआईआईएम काशीपुर 2021 में, हमने अपनी असफलताओं को गले लगाने के बारे में बात की और उन लोगों की कहानियां सुनीं जिन्होंने "हैलो स्क्वायर वन आपको फिर से देखकर अच्छा लगा" कहकर मजबूत वापसी के लिए अपने असफलताओं को सेटअप में बदल दिया!!!

आयोजन का विषय था – एट स्क्वायर वन और यह आयोजन कोविड -19 प्रतिबंधों के दौरान ऑनलाइन आयोजित किया गया था।

आंतरिक शिकायत समिति की रिपोर्ट

संस्थान कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के लिए शून्य सहनशीलता रखता है और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों तथा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतों की रोकथाम और निवारण के लिए लागू नियम के अनुरूप कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण की नीति अपनाई है। संस्थान वंश, जाति, लिंग, धर्म, रंग, राष्ट्रीयता, विकलांगता आदि के भेदभाव के बिना समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी महिलाएं (स्थायी, अस्थायी, संविदात्मक और प्रशिक्षु) के साथ-साथ संस्थान के कार्यालय परिसर में आने वाली कोई भी महिला या महिला सेवा प्रदाता इस नीति के अंतर्गत आते हैं। शारीरिक, मौखिक या मनोवैज्ञानिक यौन उत्पीड़न से मुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने की दृष्टि से सभी कर्मचारियों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाता है।

निर्धारण वर्ष 2021-22 में, MBA 2020-22 की प्रथम वर्ष की महिला प्रतिभागी का MBAA 2020-22 बैच के एक पुरुष प्रतिभागी के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न का मामला चल रहा है। यह मामला मार्च 2021 में ICC को बताया गया था। मामले की 6 सुनवाई के बाद, मामले को ICC समिति द्वारा सुलझाया गया था।

"यौन उत्पीड़न निवारण (पीओएसएच) अधिनियम" पर दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम: कार्यान्वयन, अंतराल, और आगे की राह, " 16-17 नवंबर 2021 को भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित, डॉ अजिंदर वालिया द्वारा समन्वयित सहायक प्रोफेसर एनआईडीएम और मेजर जनरल मनोज कुमार बिंदल कार्यकारी निदेशक, एनआईडीएम को आईआईएम काशीपुर की आईसीसी समिति के सभी सदस्यों को प्रदान किया गया था।

फैकल्टी पदों के लिए विशेष भर्ती अभियान

संस्थान ने वर्ष 2021-22 में आरक्षित वर्ग के रिक्त शिक्षकों के पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया है। उक्त मामले को प्रशासनिक स्वीकृति के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के समक्ष रखा गया था, बोर्ड ने संस्थान को आरक्षित वर्ग से शिक्षकों की भर्ती के लिए विशेष भर्ती की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। संस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से आवश्यकता को पूरा करने के बाद रिक्तियों को विज्ञापित किया गया था, जिसमें विज्ञापन की अंतिम तिथि 5 मई, 2022 थी।

धारा 26(1)(ई) के अंतर्गत संस्थान के अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों की नियुक्ति

शैक्षणिक का विवरण

31-03-2022 तक कुल स्टाफ **39**

नए कर्मचारियों की ज्वाइनिंग

नाम	पदनाम	वित्त वर्ष
प्रो. शौकत अली शाही	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II	2021-22
प्रो. जगदीश प्रसाद साहू	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II	2021-22
प्रो. प्रतीक तारफदार	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II	2021-22
प्रो. हर्षित कुमार सिंह	सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II	2021-22

गैर -शैक्षणिक का विवरण

31-03-2022 तक कुल स्टाफ **35**

नए कर्मचारियों की ज्वाइनिंग

नाम	पदनाम	वित्त वर्ष
श्री मृणाल सजवान	एफए सह सीएओ	2021-22

कर्मचारियों का विवरण में, जहाँ कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या शैक्षणिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम; और ऐसे अन्य विवरण जो धारा 26 (3) के तहत बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हों।

संस्थान (कर्मचारी का विवरण) के साथ पठित आईआईएम अधिनियम 2017 की धारा 26 (3) के तहत जानकारी शून्य मानी जाय।

धारा 26 (4) के तहत आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी का विवरण

आईआईएम अधिनियम 2017 की धारा 26 (4) के तहत जानकारी, संस्थान के साथ पठित (आरक्षण, योग्यता और लेखा परीक्षकों, रिपोर्ट में निहित प्रतिकूल टिप्पणी) को शून्य के रूप में लिया जाय।

राशि का विवरण, यदि कोई हो, जिसे धारा 26 (1) (बी) के तहत बैलेंस शीट में किसी भी अधिशेष रिजर्व में ले जाने का प्रस्ताव है

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए संस्थान ने तुलन पत्र के किसी भी अधिशेष भंडार को रु 7.18 करोड़ अधिशेष भंडार अर्थात कोष का सृजन करने का प्रस्ताव किया है।

धारा 26 (1) (सी) के तहत आय या व्यय में कमी या अधिकता विवरण पर लेखा परीक्षकों की टिप्पणी

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आय और व्यय के कम या अधिक विवरण के संबंध में लेखापरीक्षकों की ओर से ऐसी कोई टिप्पणी नहीं है।

संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्होंने उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को किए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) धारा 26 (2) के अधीन प्राप्त की है

रिकॉर्ड (फॉर्म 16) के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले संस्थान के संकाय/कर्मचारी के नाम निम्नानुसार हैं:

प्रो. कुलभूषण बलूनी	₹ 75,91,250.00	वेतन, वेरिएबल पे
प्रो. दिलीप कुमार	₹ 68,36,698.00	वेतन, फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट, एग्जीक्यूटिव/मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम मानदेय
प्रो. राकेश कुमार अग्रवाल	₹ 61,73,641.00	वेतन, फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट, एग्जीक्यूटिव/मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम मानदेय
प्रो. कुणाल कांति गांगुली	₹ 51,25,384.00	वेतन, फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट, एग्जीक्यूटिव/मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम मानदेय
प्रो. मधुरिमा देब	₹ 51,14,181.00	वेतन, फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट, एग्जीक्यूटिव/मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम मानदेय

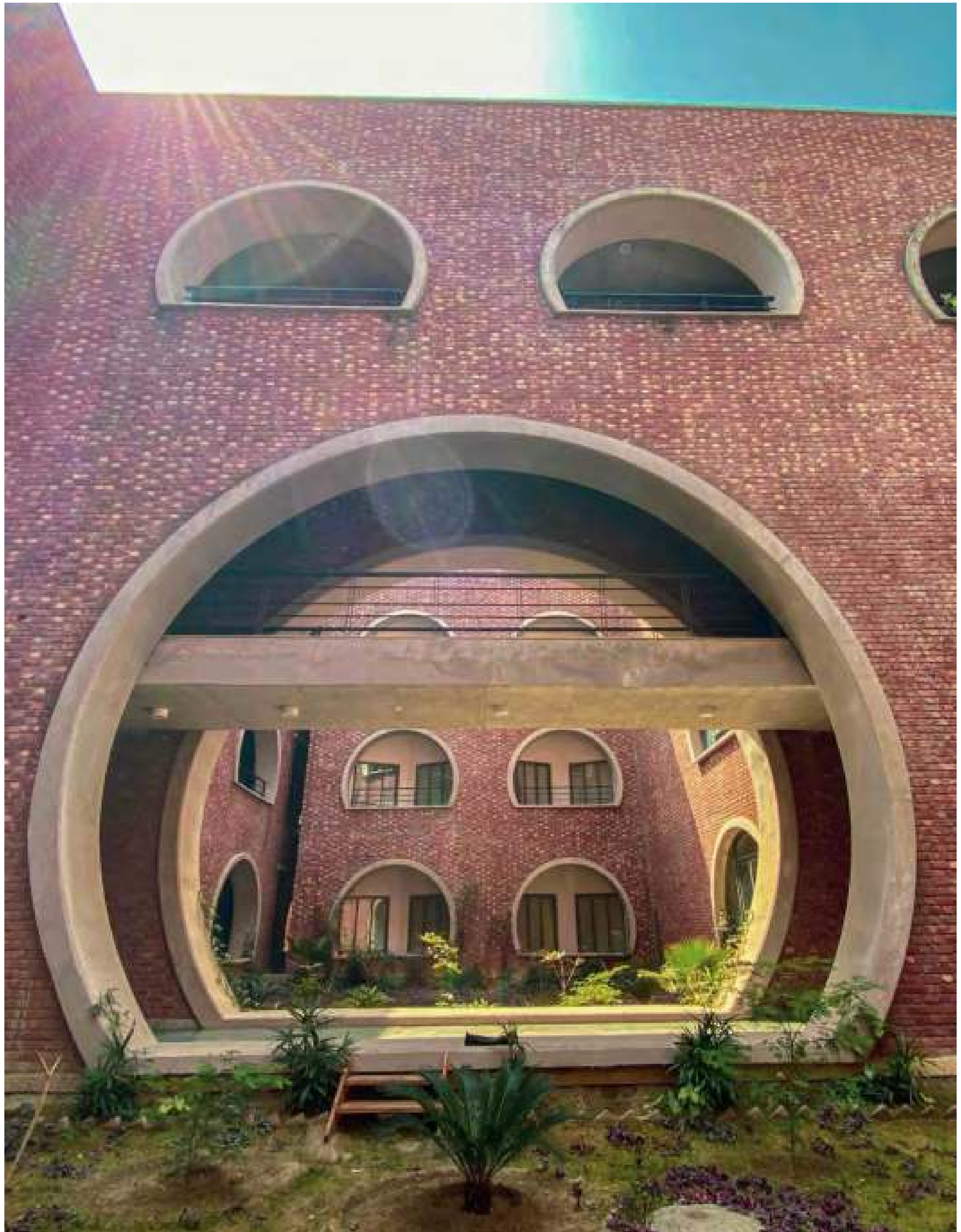

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं तुलन पत्र 2021-2022

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ,
शाखा कार्यालय - प्रयागराज

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central) Lucknow,
Branch Office - Prayagraj

पत्र संः प्र०नि०ले०प० (कें)/एस०ए०आर०–01/2022–23/ दिनांकः /5 .09.2022

सेवा में,
सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

विषयः भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2021–22 के लेखों पर पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के वर्ष 2021–22 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) अग्रसारित किया जा रहा है।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनों सदनो के सम्मुख प्रस्तुत हुए।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखों को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप–से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ–साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें।

संलग्नकः उपर्युक्तानुसार।

भवदीय,

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

पत्र संः प्र०नि०ले०प० (कें)/एस०ए०आर०–01/2022–23/ /06 दिनांकः 15. .09.2022

निदेशक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड–244713 को उसके वर्ष 2021–22 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अंकित होना चाहिए :

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें।

उप निदेशक (केन्द्रीय व्यय)

Headquarter: 3rd Floor, Audit Bhawan, T.C.-35-V-1, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010 Ph: 0522-2970789 Fax: 0522-2970780 (P.D.)
Branch Office: 4th Floor, 15-A Satyanistha Bhawan, Dayanand Marg, Prayagraj-211001 (U.P.) Ph/Fax: 0532-2420783

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर, उत्तराखण्ड के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर (संस्थान) के, तुलन-पत्र तथा आय एवं व्यय खाते और उक्त तिथि पर समाप्त वर्ष के प्राप्ति एवं भुगतान खाते का, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (दायित्व, अधिकार एवं सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत, व भारतीय प्रबन्ध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(3) के सहित लेखापरीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन के दायित्व हैं। हमारा दायित्व है कि, हम अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपना मत व्यक्त करें।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के द्वारा, वर्गीकरण, सर्वश्रेष्ठ खातालेखन विधियों, खातालेखन मानदंडों एवं प्रकटीकरण मानदंडों के अनुपालन आदि से संबंधित खातालेखन कार्य पर टिप्पणी है। वित्तीय लेनदेनों पर कानून, नियम एवं अधिनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा नैपुण्य-सह-निष्पादन के विषयों आदि के अनुपालन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें निरीक्षण के दौरान प्रतिवेदनों/सीएजी के लेखापरीक्षा प्रतवेदन में पृथक रूप से प्रतिवेदित किया जाता है।

3. हमने अपनी लेखापरीक्षा का कार्य, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखापरीक्षा मानदंडों के अनुसार किया है। इन मानदंडों में अपेक्षा की जाती है कि हम लेखापरीक्षा की योजना एवं निष्पादन इस प्रकार से करें, जिससे पर्याप्त आश्वासन प्राप्त हो कि क्या ये वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं कि नहीं। किसी लेखापरीक्षा में, परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित रकमें एवं प्रकटीकरण भी होते हैं। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखापरीक्षा सिद्धांत एवं प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आंकलनों को नापना भी शामिल होता है तथा साथ में समग्र वित्तीय विवरण की प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी होता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा, हमारे मत के लिए एक समुचित आधार प्रावधानित करेगी।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हमारा प्रतिवेदन है कि :

(i) हमने सभी सूचना एवं व्याख्याएँ प्राप्त कर ली है, जो कि हमारे सर्वश्रेष्ठ ज्ञान एवं विश्वासानुसार हमारी लेखापरीक्षा के लिए आवश्यक थीं,

(ii) इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते को, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित केन्द्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए निर्धारित प्रारूप में ही तैयार किए गए हैं, तथा

(iii) हमारे मत में, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर ने, भारतीय प्रबन्ध संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 23(1) की आवश्यकताओं के अनुसार समुचित खाता-बहियाँ एवं अन्य संबंधित दस्तावेजों का रख-रखाव किया है, यह हमारे द्वारा इन खाता-बहियों के अब तक के परीक्षण से प्रतीत होता है।

(iv) हमारा यह भी प्रतिवेदन है कि :

(क) आय एवं व्यय खाता

मरम्मत एवं अनुरक्षण (अनुसूची 19) रु. 1.01 करोड़

उपरोक्त में रु.2.97 लाख की रकम एक्ज़ॉस्ट फैन एवं हीटर के क्रय के लिए है, जो कि पूँजीगत व्यय के प्रकार की है तथा इसे अनुसूची-4 में स्पर्शनीय परिसम्पत्तियों के मद में प्रदर्शित किया जाना चाहिए था। इसके कारण अनुसूची-19 (मरम्मत एवं अनुरक्षण) में रु.2.97 लाख का अधिक-वर्णन हुआ एवं स्थाई परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची-4) में रु.2.97 लाख तथा पूँजी/कॉर्पस निधि (अनुसूची-1) में भी इतनी ही रकम का कम-वर्णन हुआ है।

(ख) खातों पर टिप्पणी (अनुसूची 24)

संस्थान ने प्रायोजित परियोजना निधि में से रु.4.26 लाख मूल्य की क्रय की गई स्थाई परिसम्पत्ति (डीआईसी, आईआईटी रुड़की परियोजना में रु.3.13 लाख योग आईसीएसएसआर इम्प्रेस 3615 परियोजना में रु.1.13 लाख मूल्य की स्थाई परिसम्पत्ति) का खातों पर टिप्पणियों में प्रकटीकरण नहीं किया है।

(ग) सामान्य

निम्नलिखित शीर्षक/सूचना, जिसकी एमएचआरडी के प्रारूप में आवश्यकता है, उन्हें संस्थान द्वारा वार्षिक खातों में शामिल नहीं किया गया है :

- अनुसूची 3(क) प्रायोजित परियोजना, अनुसूची-4(क) योजना, अनुसूची-4(ख) गैर-योजना, अनुसूची-4(ग)(i) पेटेंट एवं कॉपीराइट, अनुसूची-4(घ) अन्य एवं अनुसूची-5(क) चिह्नित/अक्षय निधियों से निवेश (निधि-वार)।
- अनुसूची-4, अनुसूची-5 एवं अनुसूची-19 की तैयारी के समय संस्थान ने एमएचआरडी के प्रारूप का अनुपालन नहीं किया है।

(घ) सहायता अनुदान

संस्थान को वर्ष 2021-22 में कोई भी सहायता अनुदान नहीं प्राप्त हुआ है।

(ङ) प्रबंधन को पत्र: लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में जो खामियाँ शामिल नहीं की गई हैं, उन्हें निरोधक/ निवारक कार्यवाही के लिए जारी एक प्रबंधन को पत्र के माध्यम से भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के विषय में हमारा प्रतिवेदन है कि, इस प्रतिवेदन की विषय-वस्तु से संबंधित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय खाता तथा प्राप्ति एवं भुगतान खाते खाता-बहियों के अनुसार हैं।

(vi) हमारे मत में एवं हमारी सर्वश्रेष्ठ जानकारी तथा हमें दी गई व्याख्याओं के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, साथ ही में उपरोक्त खातालेखन नीतियाँ, खातों पर टिप्पणियाँ एवं महत्वपूर्ण विषयों और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नकों में वर्णित तथ्य, भारत में सामान्यतया स्वीकृत खातालेखन सिद्धांतों के अनुपालन की सही एवं स्वच्छ छवि प्रतिबिम्बित करते हैं।

(क) जहाँ तक 31 मार्च 2022 तक, भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर के तुलन-पत्र का विषय है, तथा

(ख) उक्त तिथि को समाप्त वर्ष में आय एवं व्यय खाते में 'आधिक्य' से यह संबंधित है।

कृते एवं भारत के सी एवं एजी के पक्ष से

दिनांक :

स्थान : लखनऊ

प्रमुख लेखापरीक्षा निदेशक (केन्द्रीय)

अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान के वर्ष 2021-22 की आंतरिक लेखापरीक्षा का कार्य एक सनदी लेखाकार फर्म द्वारा किया गया है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान के आंतरिक नियंत्रण में निम्नलिखित खामियाँ परिलक्षित हैं:

(क) स्वीकृत 52 शिक्षण एवं 50 गैर-शिक्षण पदों में से 13 शिक्षण एवं 15 गैर-शिक्षण पद रिक्त पड़े हुए हैं।

(ख) किसी विश्व बैंक परियोजना के मद में अतिरिक्त व्यय के कारण पिछले चार वर्षों से संस्थान में रु.17.92 लाख की कमी है।

3. स्थाई परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2021-22 के लिए स्थाई परिसम्पत्तियों (पुस्तकालय के अलावा) का भौतिक सत्यापन किया गया है।

4. भंडारों (इन्वेन्टरी) का भौतिक सत्यापन

वर्ष 2021-22 तक के लिए भंडारों (इन्वेन्टरी) का भौतिक सत्यापन किया गया है।

5. अनिवार्य (सांविधिक) बकायों के भुगतान की नियमितता

संस्थान अपने अनिवार्य भुगतानों के मामले में नियमित है।

उप निदेशक (सीई)

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) लखनऊ

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central) Lucknow

सत्यमेव जयते

पत्र सं. : प्र.नि.ले.प्र.(के)/ एस.ए.आर.-01/2022-23/221 दिनांक – 12.09.2022

सेवा में,

निदेशक,
भारतीय प्रबन्ध संस्थान,
काशीपुर,
उत्तराकण्ड - 244713

विषय : सुधारात्मक उपायों हेतु प्रबन्धन-पत्र।

महोदय,

हमने वर्ष 2021-22 के लिए भारतीय प्रबन्ध संस्थान, काशीपुर के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की है तथा 12.09.2022 को लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी किया है।

लेखापरीक्षण के दौरान परिलक्षित निम्नांकित खामियाँ, जिन्हें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है, आपके संज्ञान में निरोधक/निवारक कार्यवाहियों हेतु लाया जा रहा है :

भाग क - अनवरत अनियमितताएँ

शून्य

भाग ख - अन्य छोटी अनियमितताएँ

संस्थान ने एमएचआरडी द्वारा निर्धारित प्रारूप की मदों में, परिवहन व्ययों (अनुसूची-18) को (1) - वाहन (संस्थान के स्वामितावाधीन), (2) - वाहन किराए/पट्टे पर लिए गए एवं (3) वाहन (टैक्सी किराया व्यय) के रूप में में बाँटा नहीं है।

भवदीय,

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

तृतीय तल, ऑडिट भवन, टी0सी0-35-V-1, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226 010 (उ0प्र0) दूरभाष : 0522-2970789, फैक्स : 0522-2970780 (प्र.नि.)
3rd Floor, Audit Bhawan, T.C.-35-V-1, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226 010 Ph. : 0522-2970789, Fax : 0522-2970780 (PD)

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

31 मार्च 2021 को तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2022	विगत वर्ष समाप्त 31.03.2021
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस/पूंजीगत निधि	**1**	1,49,59,62,729	1,47,04,17,622
• कॉर्पस निधि		3,33,55,32,380	3,27,36,11,243
• पूंजी निधि		**4,83,14,95,109**	**4,74,40,28,865**
नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	2	**29,27,36,297**	**23,40,90,980**
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	**15,47,97,157**	**14,91,60,929**
कुल		**5,27,90,28,563**	**5,12,72,80,774**
निधियों का प्रयोग			
स्थिर परिसंपत्तियां	4		
• मूर्त परिसंपत्तियां		42,95,81,961	43,48,73,879
• पूंजी कार्य - प्रगति		2,88,73,42,425	2,82,37,40,736
• अमूर्त परिसंपत्तियां		1,86,07,994	1,49,96,628
• **स्थिर परिसंपत्तियां (सकल खंड)**		**3,33,55,32,380**	**3,27,36,11,243**
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि का निवेश	5	**23,70,69,781**	**18,62,33,636**
निवेश - अन्य	6	**1,34,89,00,000**	**1,29,08,00,000**
चालू परिसंपत्तियां	7	**17,12,10,114**	**17,38,96,478**
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	**18,63,16,288**	**20,27,39,417**
कुल		**5,27,90,28,563**	**5,12,72,80,774**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां **23**

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां **24**

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
Date: 29.04.2022

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए मृणाल सजवान) एफए-सह- सीएओ	(सुधीर चंद्रा) सलाहकार वित्त	(प्रो. कुलभूषण बलूनी) निदेशक	(सीए. दीपांशु अग्रवाल) साझेदार एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2022		विगत वर्ष समाप्त 31.03.2021	
1. आय					
1.1 शैक्षणिक प्राप्तियां	9		**55,32,58,799**		**50,27,57,359**
एमबीए आय	9.1	50,70,64,140		45,57,34,393	
एमबीए- डब्ल्यूएक्स आय	9.2	2,42,03,014		2,14,38,500	
ईएफपीएम आय	9.3	29,64,000		38,70,000	
एमडीपी- आय	9.4	1,83,97,560		1,49,49,282	
परामर्श आय	9.5	3,23,063		65,37,184	
एफपीएम प्राप्तियां	9.6	3,07,022		2,28,000	
1.2 अन्य आय			**11,66,57,308**		**12,23,58,335**
अनुदान एवं दान	10	-		-	
निवेश से आय	11	7,86,97,023		9,51,25,823	
अर्जित ब्याज	12	1,68,71,577		1,44,35,428	
अन्य आय एलं वसूली	13	19,61,789		30,42,212	
पूर्वावधि आय (सीएटी शेयर)	14	1,91,26,919		97,54,872	
कुल आय (क)			**66,99,16,107**		**62,51,15,694**
2. व्यय					
2.1 कर्मचारी भुगतान एवं लाभ	15		**16,63,77,060**		**13,59,60,526**
2.2 शैक्षणिक व्यय	16		**19,98,10,036**		**18,89,74,005**
एमबीए व्यय	16.1	13,20,62,982		11,69,80,647	
एमबीए-डब्ल्यूएक्स व्यय	16.2	1,03,33,012		96,68,916	
ईएफपीएम व्यय	16.3	66,488		66,237	
एमडीपी व्यय	16.4	90,90,737		1,07,73,708	
परामर्श व्यय	16.5	2,10,000		54,93,998	
एफपीएम व्यय	16.6	2,38,84,348		1,72,19,167	
शोध एवं विकास	16.7	2,41,62,469		2,87,71,333	
2.3 प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17		4,06,53,016		3,52,08,672
2.4 परिवहन व्यय	18		19,75,379		17,22,747
2.5 मरम्मत एवं रखरखाव	19		1,00,54,074		99,94,007
2.6 वित्त लागत	20		56,843		42,900
2.7 मूल्यह्रास	4		4,78,85,913		4,36,01,911
2.8 अन्य व्यय	21		-		-
2.9 पूर्वावधि व्यय	22		2,17,44,496		1,16,15,416
कुल व्यय (ख)			**48,85,56,817**		**42,71,20,184**
व्यय से अधिक आय		-	**18,13,59,290**		**19,79,95,510**
घटाएं: पूंजीगत व्यय के प्रति व्यय			10,95,92,928		9,74,90,058
व्यय से अधिक आय के अधिशेष को कॉर्पस फंड में स्थानांतरित किया (क) - (ख)			7,17,66,362		10,05,05,452
कुल		**-**	**66,99,16,107**		**62,51,15,694**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां **23**

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां **24**

अनुसूची 1 से 24, जो वित्तीय विवरणों का महत्वपूर्ण अंग है

स्थान: काशीपुर
Date: 29.04.2022

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए मृणाल सजवान) एफए-सह- सीएओ	(सुधीर चंद्रा) सलाहकार वित्त	(प्रो. कुलभूषण बलूनी) निदेशक	(सीए. दीपांशु अग्रवाल) साझेदार एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची -1 कॉर्पस / पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष समाप्त 31.03.2022	Previous Year Ending 31.03.2021
1. कॉर्पस निधि		
प्रारंभिक शेष	1,47,04,17,622	1,36,99,12,170
जोड़ें: पूर्व छात्र निधि और छात्र कल्याण निधि का हस्तांतरण	1,42,63,676	-
जोड़ें:आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित	7,17,66,362	10,05,05,452
घटाएं: चल निधि क्षति के लिए ठेकेदार को देयता का भुगतान	6,04,84,931	-
कुल (1)	**1,49,59,62,729**	**1,47,04,17,622**
2. पूंजी निधि		
2.1 भवन निधि		
रंभिक शेष	3,14,02,92,119	3,08,53,99,193
जोड़ें: सरकारी अनुदान से आवंटन/पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष	6,65,66,703	6,14,59,687
घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	66,26,062	65,66,762
उप कुल (2.1)	**3,20,02,32,760**	**3,14,02,92,119**
2.2 सामान्य परिसंपत्तियां निधि		
प्रारंभिक शेष	13,33,19,124	12,93,87,106
जोड़ें: सरकारी अनुदान से आवंटन/पूंजीगत व्यय के लिए अधिशेष	4,32,40,347	4,13,57,207
घटाएं: मूल्यह्रास निधि में स्थानांतरित	4,12,59,851	3,74,25,189
उप कुल (2.2)	**13,52,99,620**	**13,33,19,124**
कुल (2)	**3,33,55,32,380**	**3,27,36,11,243**
कुल योग (1+2)	**4,83,14,95,109**	**4,74,40,28,866**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 2 : नामित/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

(राशि ₹ में)

	निधिनुसार विवरण							कुल	
विवरण	कर्मचारी कल्याण निधि	एलुमिनि निध	मूल्यह्रास निधि	विद्यार्थी कल्याण निधि	अवकाश नकदीकरण निधि	ग्रुप ग्रैच्युटी निधि	एमडीपी विकास निधि	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क.									
क) प्रारम्भिक शेष	41,00,302	1,14,57,270	15,73,46,722	3,81,405	2,76,95,267	2,44,58,369	86,51,645	23,40,90,980	17,12,97,641
ख) वर्ष के दौरान परिवर्धन	8,39,446	24,96,717	4,79,77,043	4,000	70,59,383	38,68,002	6,19,404	6,28,63,995	5,89,29,249
ग) निधियों के निवेश से आय	36,247	-	25,13,275	-	-	-	27,351	25,76,873	98,21,924
घ) निवेश/अग्रिम पर अर्जित ब्याज	1,88,821	-	54,46,181	-	20,65,153	17,54,577	4,48,927	99,03,659	-
ङ) बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-
च) अन्य परिवर्धन (प्रकृति निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल (क)	**51,64,816**	**1,39,53,987**	**21,32,83,221**	**3,85,405**	**3,68,19,803**	**3,00,80,948**	**97,47,327**	**30,94,35,507**	**24,00,48,814**
ख									
निधियों के उद्देश्य के प्रति उपयोग/व्यय									
i. पूंजी व्यय	-	-	91,130	-	-	-	-	91,130	-
ii. राजस्व व्यय	12,81,643	1,39,53,987	-	3,85,405	2,06,060	2,24,910	5,56,075	1,53,26,437	30,39,892
कुल (ख)	**12,81,643**	**1,39,53,987**	**91,130**	**3,85,405**	**2,06,060**	**2,24,910**	**5,56,075**	**1,54,17,567**	**30,39,892**
वर्ष के अंत में शेष (क-ख)	**38,83,173**	**-**	**21,31,92,091**	**-**	**3,66,13,743**	**2,98,56,038**	**91,91,252**	**29,27,36,297**	**23,40,90,980**
निम्न द्वारा प्रतिनिधित्व									
नकद एवं बैंक शेष	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश	40,00,000	-	15,80,00,000	-	3,66,13,743	2,98,56,038	86,00,000	23,70,69,781	18,62,33,636
ब्याज अर्जित लेकिन देय नहीं	1,88,821	-	54,46,181	-	20,65,153	17,54,577	4,48,927	99,03,659	32,34,319

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 3 : चालू देयताएं एवं प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क. चालू देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	5,71,152	4,65,131
2. विद्यार्थियों से जमा	2,15,92,254	1,83,29,518
3. विविध लेनदार		
क) माल एवं सेवाओं के लिए	-	-
4. अन्य से जमाराशियां		
क) प्रतिभूतियां एवं ईएमडी	1,28,40,442	1,11,80,707
5. सांविधिक देयताएं		
क) सांविधिक देयताएं (टीडीएस, जीएसटी, श्रम उपकर, एनपीएस)	66,26,034	19,23,665
6. अन्य चालू देयताएं		
क) परामर्शी परियोजनाएं	23,00,527	20,67,346
ख) प्रबंधन विकास कार्यक्रम	2,00,41,998	67,15,703
ग) प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	-	-
घ) अप्रयुक्त अनुदान (अनुसूची-3 ग)	-	-
ङ) अनुसंधान परियोजनाएं	19,51,467	43,61,989
च) वेतन	-	-
छ) अन्य पार्टी प्राप्तियां	18,57,644	21,93,111
ज) अन्य देयताएं	18,71,007	22,59,000
झ) परियोजना के प्रति	-	11,85,162
ञ) एसजीएस बीजी नकदीकरण एवं अन्य	85,00,000	85,00,000
ट) एसपीसीपीएल	51,96,482	51,96,482
ठ) एल.डी. पर ब्याज	-	5,09,91,781
ड) ईएमबीए एनालिटिक्स के प्रति	1,34,00,000	-
ढ) ईएमबीए शुल्क के प्रति	33,35,000	-
ञ) बीजी एनकैशमेंट आर्कोप लिमिटेड	95,37,000	-
कुल (क)	**10,96,21,007**	**11,53,69,595**
ख. प्रावधान		
क) वेतन के लिए	-	-
ख) वर्ष के लिए प्रावधान	4,51,76,150	3,37,91,334
कुल (ख)	**4,51,76,150**	**3,37,91,334**
कुल (क+ख)	**15,47,97,157**	**14,91,60,929**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 3(ख) : प्रायोजित फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं	2. प्रायोजक का नाम	01.04.21 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.22 को अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	जनजातीय मामलों के मंत्रालय	-	-	49,93,480	49,93,480	-	-
2	सामाजिक न्याय मंत्रालय	-	-	-	-	-	-
3	महाराष्ट्र राज्य	-	-	-	-	-	-
4	केरल राज्य	-	-	7,50,500	7,50,500	-	-
5	राजश्री शाहू महाराज	-	-	11,01,020	11,01,020	-	-
6	अन्य छात्रवृत्ति	-	-	-	-	-	-
	कुल	**-**	**-**	**68,45,000**	**68,45,000**	**-**	**-**

अनुसूची - 3(ग) : भारत सरकार से अप्रयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
भारत सरकार से योजना अनुदान		
शेष अग्रेनीत	-	53,26,837
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
जीआईए- पूंजी सृजन	-	-
जीआईए-वेतन	-	-
जीआईए-सामान्य	-	-
कुल (क)	**-**	**53,26,837**
घटाएं: वापसी	-	-
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	-	-
क) वेतन	-	-
ख) सामान्य	-	-
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त:	-	-
क) अचल परिसंपत्ति	-	-
ख) डब्ल्यूआईपी	-	53,26,837
कुल (ख)	**-**	**53,26,837**
अप्रयुक्त अनुदान (क)-(ख)	**-**	**-**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 4 : FIXED ASSETS

(राशि ₹ में)

Fixed Assets Sechedule (IIM काशीपुर) for 2021-22

क्रम	परिसंपत्तियां शीर्षक	सकल खंड					मूल्यह्रास खंड				निवल खंड	
		दर प्रति वर्ष (एसएलएम)	01.04.2021 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/ बट्टे खाते में	31.03.22 को शेष	मूल्यह्रास प्रारम्भिक	वर्ष के दौरान परिवर्धन	मायोजन/ बट्टे खाते में	कुल मूल्यह्रास	31.03.22 को	31.3.2021 को
	1	2		4	6	7	8	9	10	11	12	13
क.	मूर्त संपत्ति											
1	भूमि (फ्री होल्ड)	0.00%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
2	भवन	2.00%	9,85,16,821	29,65,014	-	10,14,81,835	71,70,271	18,61,249	-	90,31,520	9,24,50,315	9,13,46,550
3	सड़क एवं पुल जिसमें फुटपाथ आदि	2.00%	22,98,21,258	-	-	22,98,21,258	46,16,425	47,64,813	-	93,81,238	22,04,40,020	22,52,04,833
4	कार्यालय उपकरण	7.50%	5,66,55,183	60,51,831	-	6,27,07,014	1,95,47,799	47,03,026	-	2,42,50,825	3,84,56,189	3,71,07,384
5	कंप्यूटर एवं सहायक उपकरण	20.00%	3,25,12,875	68,33,914	91,130	3,92,55,659	2,28,12,135	53,56,339	91,130	2,80,77,344	1,11,78,316	97,00,740
6	फर्नीचर, स्थिरता और फिटिंग	7.50%	7,95,61,181	3,56,422	-	7,99,17,603	2,15,40,413	59,93,820	-	2,75,34,233	5,23,83,370	5,80,20,768
7	वाहन	10.00%	38,73,135	24,21,709	-	62,94,844	4,11,308	6,28,884	-	10,40,192	52,54,652	34,61,827
8	पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएं	10.00%	3,07,85,844	26,25,961	-	3,34,11,805	2,07,54,068	32,38,638	-	2,39,92,706	94,19,099	1,00,31,776
9	छोटे मूल्य की संपत्ति	100.00%	5,01,345	-	-	5,01,345	5,01,345	-	-	5,01,345	-	-
	कुल (क)		**53,22,27,643**	**2,12,54,851**	**91,130**	**55,33,91,364**	**9,73,53,764**	**2,65,46,769**	**91,130**	**12,38,09,403**	**42,95,81,961**	**43,48,73,879**
ख.	पूंजी का कार्य प्रगति											-
10	भवन आदि का निर्माण	0%	2,82,37,40,736	6,36,01,689	-	2,88,73,42,425	-	-	-	-	2,88,73,42,425	2,82,37,40,736
	कुल (ख)		**2,82,37,40,736**	**6,36,01,689**	**-**	**2,88,73,42,425**	**-**	**-**	**-**	**-**	**2,88,73,42,425**	**2,82,37,40,736**
ग.	अमूर्त संपत्ति											
11	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर/वेब विकास	40%	37,72,081	-	-	37,72,081	28,16,223	1,13,276	-	29,29,499	8,42,582	9,55,858
12	ई-जर्नल्स	40%	5,42,61,225	2,49,50,510	-	7,92,11,735	4,02,20,455	2,12,25,869	-	6,14,46,324	1,77,65,411	1,40,40,770
	कुल (ग)		**5,80,33,306**	**2,49,50,510**	**-**	**8,29,83,816**	**4,30,36,678**	**2,13,39,144**	**-**	**6,43,75,822**	**1,86,07,994**	**1,49,96,628**
	कुल योग (क+ख+C)		**3,41,40,01,685**	**10,98,07,050**	**91,130**	**3,52,37,17,605**	**14,03,90,442**	**4,78,85,913**	**91,130**	**18,81,85,225**	**3,33,55,32,380**	**3,27,36,11,243**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 5 : चिन्हित/बंदोबस्ती निधियों से निवेश

(राशि ₹ में)

निधियां	2021-22	2020-21
1. निवेश मूल्यह्रास निधि	15,80,00,000	11,20,00,000
2. निवेश ग्रेच्युटी फंड (एलआईसी के साथ)	2,98,56,038	2,44,58,369
3. निवेश अवकाश नकदीकरण कोष (एलआईसी के साथ)	3,66,13,743	2,76,95,267
4. निवेश एमडीपी विकास निधि	86,00,000	80,50,000
5. निवेश पीजीपी एलुमिनी निधि	-	1,07,50,000
6. निवेश कर्मचारी कल्याण निधि	40,00,000	31,50,000
7. निवेश विद्यार्थी कल्याण निधि	-	1,30,000
कुल	**23,70,69,781**	**18,62,33,636**

अनुसूची - 6 : निवेश अन्य

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
1. बैंकों में सावधि जमा	1,34,89,00,000	1,29,08,00,000
कुल	**1,34,89,00,000**	**1,29,08,00,000**

अनुसूची - 7 : चालू परिसंपत्तियां

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
1. मौजूदा स्टॉक (स्टेशनरी एवं विद्त)		
स्टेशनरी, एमडीपी एवं विद्त सामग्री	23,11,060	17,62,199
2. विविध देनदार	-	-
6 महीने से अधिक	34,20,343	51,07,358
6 महीने से कम	33,72,477	7,85,984
3. नकद एवं बैंक शेष:	-	
क) वर्तमान नकद	-	-
ख) अनुसूचित बैंकों में:	-	
पीएनबी इंप्रेस खाता (4534000100090491)	-	-
पीएनबी खाता (4534000100028306)	3,37,47,201	3,59,78,242
पीएनबी खाता (4534000100085897)	3,982	814
पीएनबी 4534000100092491 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 3615)	87	5,09,275
पीएनबी 4534000100093027 (आईसीएसएसआर इम्प्रेस 0877)	84,006	84,866
आरबीएल बैंक (309006195247)	68,68,605	6,87,73,016
एसबीआई	10,50,92,597	4,62,54,885
एसबीआई (विश्व बैंक परियोजना)	7,99,786	7,78,553
एचडीएफसी बैंक (50100481655862)	1,31,85,379	-
4. प्राप्य	-	
शुल्क प्राप्य	14,99,501	1,34,24,330
अन्य प्राप्य	8,25,090	4,36,955
कुल	**17,12,10,114**	**17,38,96,477**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 8 : ऋण, अग्रिम एवं जमा

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
1. कर्मचारियों को अग्रिम: (ब्याज रहित)		
क) वेतन/त्योहार/चिकित्सा अग्रिम	-	-
ख) अन्य (कर्मचारियों के लिए)	20,000	15,413
2. कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम: (ब्याजवाला)		
क) गृह/वाहन/अन्य ऋण	-	-
3. नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए		
अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि :		
क) पूंजी खाते पर	5,10,15,159	1,07,45,649
ख) ठेकेदारों को (मोबिलाइजेशन एवं अन्य)	2,05,06,694	3,63,07,157
ग) विद्यार्थियों के लिए	-	-
घ) अन्य	63,03,545	68,62,895
4. पूर्वदत्त व्यय		
क) बीमा एवं अन्य	1,22,95,455	1,04,36,977
5. जमा		
क) टेलिफ़ोन	16,999	16,999
ख) लीज किराया	1,83,845	15,000
ग) बिजली	39,54,778	40,80,419
घ) अन्य (गैस)	49,550	49,550
ङ) अग्रदाय खाता	-	-
6. अर्जित आय:		
क) निवेश पर - (ब्याज)	4,74,04,317	10,74,79,324
ख) स्वीप ब्याज - उपार्जित	46,47,111	
7. अन्य प्राप्य:		
क) वसूली योग्य अनुदान (एमएचआरडी से)	-	-
8. प्राप्य दावे		
क) टीडीएस प्राप्य	3,98,49,440	2,66,79,419
ख) अन्य	69,395	50,615
कुल	**18,63,16,288**	**20,27,39,417**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
अनुसूची 9.1 एमबीए कार्यक्रम शुल्क		
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री, दीक्षांत समारोह एवं अन्य शुल्क	6,56,24,000	5,30,42,860
छात्रावास शुल्क	8,40,36,450	7,63,44,640
विद्यार्थियों की गतिविधियां/कल्याण	64,60,000	65,54,240
ट्यूशन फीस	20,17,31,625	19,83,97,540
कंप्यूटर शुल्क	2,40,80,000	1,42,78,970
पुस्तकालय शुल्क	82,20,000	1,42,78,970
प्लेसमेंट शुल्क	67,12,500	66,75,000
जुर्माना एवं अन्य शुल्क	37,57,065	77,23,833
पुनर्गठन कार्यक्रम शुल्क	-	11,54,393
चिकित्सा शुल्क	10,76,000	5,50,000
प्रवेश शुल्क	66,00,000	68,75,000
एमबीए एनैलिटिक्स	9,19,21,500	4,70,91,512
कुल शुल्क	**50,02,19,140**	**43,29,66,958**
अन्य से छात्रवृत्तियां		
अन्य से छात्रवृत्तियां (प्राप्त)	68,45,000	2,27,67,435
कुल (9.1)	**50,70,64,140**	**45,57,34,393**
अनुसूची 9.2 एग्जीक्यूटिव एमबीए (ईएमबीए)		
आवेदन शुल्क	-	1,78,000
पाठ्यक्रम सामग्री शुल्क	2,42,03,014	2,12,60,500
कुल (9.2)	**2,42,03,014**	**2,14,38,500**
अनुसूची 9.3 इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
आवेदन शुल्क	**-**	**-**
ट्यूशन शुल्क	29,20,000	38,50,000
अन्य शुल्क	**44,000**	**20,000.00**
कुल (9.3)	**29,64,000**	**38,70,000**
अनुसूची 9.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम (एमडीपी)		
खुला कार्यक्रम शुल्क	-	-
प्रायोजित कार्यक्रम शुल्क	1,83,97,560	1,49,49,282
कुल (9.4)	**1,83,97,560**	**1,49,49,282**
अनुसूची 9.5 कंसल्टिंग आय		
कंसल्टिंग आय	3,23,063	65,37,184
कुल (9.5)	**3,23,063**	**65,37,184**
अनुसूची 9.6 एफपीएम प्राप्तियां		
आवेदन/अन्य शुल्क	3,07,022	2,28,000
कुल (9.6)	**3,07,022**	**2,28,000**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 10 : अनुदान एवं सब्सडियां (अप्राप्य अनुदान प्राप्त)

(राशि ₹ में)

विवरण	सरकार भारत	चालू वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
शेष अग्रेसित	-	-	53,26,837
जोड़ें : वर्ष के दौरान स्वीकृत/प्राप्त	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**53,26,837**
घटाएं: पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त (क)	-	-	53,26,837
Balance	**-**	**-**	**-**
घटाएं: राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त (ख)	-	-	-
कॉर्पस में अंतरण			
शेष अग्रानीत (ग)	**-**	**-**	**-**

अनुसूची - 11 : निवेश से आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चिन्हित/बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल	चालू वर्ष कुल	विगत वर्ष कुल
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि से निवेश				
1) (क) निधियों की सावधि जमा पर ब्याज	25,76,873	98,21,924	7,86,97,023	9,51,25,823
(ख) सावधि जमा पर ब्याज	-	-	-	-
2) बंदोबस्ती/निर्धारित निधियों के बचत बैंक खातों पर ब्याज	-	-	-	-
कुल	**25,76,873**	**98,21,924**	**7,86,97,023**	**9,51,25,823**
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में अंतरण	25,76,873	98,21,924	-	-
शेष	**-**	**-**	**-**	**-**

अनुसूची - 12 : अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
1. अनुसूचित बैंकों के बचत खाते पर	1,35,05,975	73,34,208
2. देनदार एवं अन्य प्राप्तियां	33,65,602	71,01,220
कुल	**1,68,71,577**	**1,44,35,428**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 13 : अन्य आय एवं वसूलियां

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. किराया	12,05,774	6,21,688
2. लाइसेंस शुल्क	6,58,843	8,36,164
3. कर्मचारी कार वसूली	4,900	-
4. सभागार/खेल का मैदान/कॉन्वेंशन सेंटर आदि का किराया प्रभार।	-	-
कुल	**18,69,517**	**14,57,852**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
ग. आयोजनों से आय	-	-
कुल	**-**	**-**
घ. अन्य		
1. आरटीआई फीस	70	760
2. (भर्ती) से आवेदन की बिक्री	-	-
3. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रसंस्करण शुल्क आदि)	25,800	65,764
4. पुस्तकालय की पुस्तकों को देर से जमा करने पर जुर्माना	54,701	35,880
5. विविध आय	11,701	400
6. आईटी पर ब्याज पैसे वापस करना	-	14,81,556
कुल	**92,272**	**15,84,360**
कुल योग (क+ख+ग+घ)	**19,61,789**	**30,42,212**

अनुसूची - 14 : पूर्वावधि आय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
1. कैट शेयर	1,91,26,919	97,54,872
कुल	**1,91,26,919**	**97,54,872**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क) वेतन एवं भत्ते		
मूल वेतन	9,16,07,412	8,04,78,336
डी.ए.	2,28,45,457	1,24,34,271
एच.आर.ए.	16,72,397	13,74,360
परिवहन भत्ता	31,53,302	26,88,662
ख) अन्य लाभ		
मेडिकल	1,01,30,376	84,31,204
एल.टी.ए.	80,87,562	67,65,127
एक्स-ग्रेशिया	12,54,417	4,20,000
मनोरंजन	1,08,000	1,08,000
टेलिफोन	6,64,329	5,36,075
ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति (बाल शिक्षा भत्ता)	13,87,750	12,76,898
ग) टर्मिनल लाभ		
एनपीएस में योगदान	1,39,64,068	1,16,91,358
ग्रेच्युटी योगदान	40,96,928	39,68,984
अवकाश नकदीकरण योगदान	70,60,812	54,71,351
पीएफ में योगदान	3,44,250	3,15,900
कुल	**16,63,77,060**	**13,59,60,526**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
अनुसूची 16.1 एम बी ए कार्यक्रम व्यय		
प्रवेश व्यय	51,77,590	5,67,962
परिवहन व्यय	-	4,50,205
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	1,21,76,125	53,06,650
विजिटिंग फैकल्टी टीए	16,144	27,292
पुस्तकें एवं पाठ्यक्रम सामग्री	2,69,75,847	2,17,80,918
इंडक्शन व्यय	11,46,726	4,58,500
परीक्षा व्यय	27,01,900	30,09,198
दीक्षांत समारोह	14,97,287	88,513
चिकित्सा व्यय	37,07,290	28,23,163
छात्रावास व्यय	95,00,598	1,04,01,796
शिक्षण सहयोग कर्मचारी वेतन	54,17,402	28,18,071
आकस्मिकता एवं अन्य व्यय	3,35,752	18,43,576
प्लेसमेंट व्यय	29,91,293	30,18,600
विद्यार्थी गतिविधि	15,31,374	21,28,942
सीआरसी	3,304	-
फैकल्टी रिवॉर्ड पॉइंट	1,86,08,190	1,35,43,842
एमबीए एनैलिटिक्स प्रवेश/विविध व्यय	24,79,160	25,55,447
विद्यार्थी राहत	54,52,000	1,30,13,000
कुल (क)	**9,97,17,982**	**8,38,35,675**
एमबीए छात्रवृत्ति		
आवश्यकता-सह-योग्यता आधारित छात्रवृत्ति	2,55,00,000	1,03,77,540
अन्य से छात्रवृत्ति (भुगतान किया गया)	68,45,000	2,27,67,432
कुल (ख)	**3,23,45,000**	**3,31,44,972**
कुल क+ख	**13,20,62,982**	**11,69,80,647**
अनुसूची 16.2 ईएमबीए व्यय		
प्रवेश विज्ञापन एवं प्रचार	3,64,798	6,36,014
पुस्तकें एवं सीखने का संसाधन	29,82,893	19,90,522
आतिथ्य भोजन एवं आवास	20,085	31,283

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 16 : **शैक्षणिक व्यय** (क्रमशः...)

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	21,07,838	12,49,200
कार्यालय व्यय पी एंड एस और आकस्मिकता	3,96,537	7,66,549
किराया	8,88,000	6,59,820
विजिटिंग फैकल्टी टीए/डीए व्यय	12,650	27,269
परीक्षा व्यय	-	30,588
परिवहन व्यय	-	-
वेतन व्यय	25,21,157	33,45,750
सुरक्षा व्यय	10,39,054	9,31,921
कुल	**1,03,33,012**	**96,68,916**
अनुसूची 16.3 इग्जेक्यूटिव फेलो प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट (ईएफपीएम)		
प्रवेश व्यय (विज्ञापन एवं प्रवेश)	-	-
पुस्तकें एवं सीखना	-	-
भोजन एवं आवास व्यय	-	-
विजिटिंग फैकल्टी मानदेय	60,889	36,737
विजिटिंग फैकल्टी यातायात व्यय	5,457	-
आकस्मिकता एवं अन्य	142	29,500
कुल	**66,488**	**66,237**
अनुसूची 16.4 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी)		
प्रचार व्यय	-	-
राजस्व व्यय	90,90,737	1,07,73,708
कुल	**90,90,737**	**1,07,73,708**
अनुसूची 16.5 परामर्श व्यय		
परामर्श व्यय	2,10,000	54,93,998
कुल	**2,10,000**	**54,93,998**
अनुसूची 16.6 एफपीएम व्यय		
पुस्तकें और सीखने के संसाधन	1,95,112	44,118
प्रवेश व्यय	10,76,404	7,51,376
आकस्मिकता / कर्मचारी वेतन व्यय	7,08,563	5,21,936
छात्रवृत्ति / वजीफा व्यय	1,84,53,074	1,44,12,934

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 16 : **शैक्षणिक व्यय** (क्रमशः...)

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
आकस्मिक अनुदान	7,94,881	8,39,751
विजिटिंग फैकल्टी व्यय	82,316	24,710
उपकरण अनुदान	17,26,500	-
अकादमिक व्यय	7,00,000	2,50,000
अकादमिक व्यय (सम्मेलन अनुदान)	1,47,498	3,74,342
कुल	**2,38,84,348**	**1,72,19,167**
अनुसूची 16.7 अनुसंधान एवं विकास व्यय		
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	-	43,128
राष्ट्रीय सम्मेलन	-	-
क्षमता निर्माण-कर्मचारी	-	-
एएसीएसबी प्रत्यायन	13,09,268	20,26,129
आईआरसी	3,166	2,950
एमपीआरसी	3,90,434	2,57,599
अन्य पुस्तकालय संसाधन	72,49,260	1,19,48,657
अनुसंधान एवं विकास व्यय	6,92,129	2,22,196
सॉफ्टवेयर लाइसेंस	11,51,222	13,20,820
वेब रखरखाव	58,86,196	36,96,649
संस्थागत सदस्यता शुल्क	89,923	66,767
प्रकाशन पुरस्कार	11,25,000	32,00,000
पूर्व छात्र व्यय	2,51,681	-
सामाजिक गतिविधि (सीएसआर)	-	-
एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी)	-	-
आईटी रखरखाव (एएमसी)	12,62,026	12,13,977
सीपीडीए	21,45,107	7,34,142
एफडीए	11,19,544	27,59,639
एसडीए	14,87,513	12,78,680
कुल	**2,41,62,469**	**2,87,71,333**
कुल योग (16.1 TO 16.7)	**19,98,10,036**	**18,89,74,005**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क. आधारभूत संरचना		
विद्युत और बिजली और ईंधन	1,06,23,848	74,82,846
बीमा	9,703	-
ख. संचार		
डाक और स्टेशनरी व्यय	35,839	20,777
टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट शुल्क	34,544	47,065
ग. अन्य		
मुद्रण एवं स्टेशनरी	7,05,887	1,77,179
यात्रा एवं वाहन व्यय	4,320	1,190
आतिथ्य (आतिथ्य और गेस्ट हाउस व्यय)	5,03,484	4,87,044
लेखा परीक्षा शुल्क एवं व्यय	4,82,539	2,83,536
सुरक्षा व्यय	45,73,857	59,74,283
जॉइनिंग एवं अन्य टीए/डीए	9,44,538	25,50,955
किराए के आवास का किराया	-	45,570
बीओजी व्यय	6,35,281	2,67,405
सफाई एवं रखरखाव कार्यालय/कार्यालय रखरखाव	1,32,61,580	1,07,01,380
कानूनी व्यय	21,67,965	8,67,579
आधिकारिक कार्य	2,52,040	1,82,795
भर्ती व्यय	14,62,060	6,08,425
अन्य व्यय (प्रोफेशनल एवं विविध व्यय)	5,24,249	7,91,412
कर्मचारी कल्याण	91,296	1,11,706
बागवानी	43,39,986	46,07,526
भविष्य निधि में योगदान	-	-

अनुसूची - 18 : परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
परिवहन व्यय	**19,75,379**	**17,22,747**
कुल	**19,75,379**	**17,22,747**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 19 : मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क) भवन	78,22,295	76,38,828
ख) कार्यालय उपकरण	16,87,669	18,76,395
ग) फर्नीचर एवं अन्य	5,44,110	4,78,784
कुल	**1,00,54,074**	**99,94,007**

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क) बैंक प्रभार	48,489	42,900
ख) अन्य (एनपीएस रखरखाव व्यय)	8,354	-
कुल	**56,843**	**42,900**

अनुसूची - 21 : अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क) अशोध्य और संदिग्ध ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची - 22 : पूर्वावधि व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	2021-22	2020-21
क) शैक्षणिक व्यय	1,91,22,922	89,02,035
ख) प्रशासनिक व्यय	26,21,574	24,73,381
ग) अन्य व्यय	-	2,40,000
कुल	**2,17,44,496**	**1,16,15,416**

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर
वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां
अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. खातों की तैयार करने का आधार

लेखा को परंपरागत लागत परिपाटी के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि इसका उल्लेख न किया गया हो तथा आम तौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों से शुल्क, एमडीपी शुल्क, बचत बैंक खातों पर ब्याज सहित अन्य आय एवं प्रपत्रों की बिक्री आदि को प्रोद्भवन के आधार पर लेखा किया जाता है, सिवाय कैट शेयर से आय को छोड़कर जो वास्तविक प्राप्ति के आधार पर दिखाया जाता है।

2.2 निवेश पर ब्याज (एफडी) का हिसाब भी केवल प्रोद्भवन के आधार पर होता है।

3. स्थिर परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

3.1 स्थिर परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लेख किया जाता है, जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क, कर, आकस्मिक, स्थापना और प्रारंभ से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।

3.2 स्थिर परिसंपत्तियों का मूल्यांकन लागत से संचित मूल्यह्रास को घटाकर किया जाता है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त परिसंपत्तियां:

1. चहारदीवारी	2%
2. कार्यालय उपकरण	7.5 %
3. कंप्यूटर एवं सहायक सामग्री	20%
4. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
5. वाहन	10%
6. पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%
7. कम मूल्य की परिसंपत्ति	100%
अमूर्त संपत्ति (परिशोधन)::	
1. वेब डेवलपमेंट/ई-जर्नल	40%

3.3 वर्ष के दौरान प्रारंभिक मूल्य के साथ-साथ परिवर्धन पर, पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.4 परिसंपत्ति, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु. 2,000/- या उससे कम (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को लघु मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, उनके अधिग्रहण के समय ऐसी संपत्ति के संबंध में 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालांकि भौतिक लेखांकन और नियंत्रण ऐसी संपत्ति के धारकों द्वारा जारी रखा जाता है।

4. अमूर्त संपत्तियां

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर (वेब डेवलपमेंट सहित) और ई-पत्रिकाओं को अमूर्त संपत्ति के अंतर्गत समूहीकृत किया जाता है।

5. स्टॉक्स

स्टेशनरी/मुद्रण सामग्री की खरीद पर व्यय और कुछ विद्त अनुरक्षण मदों को राजस्व व्यय के रूप में लेखा किया जाता है और 31 मार्च को स्टॉक्स में इन मदों के शेष को खरीद मूल्य पर मूल्यांकित स्टॉक के रूप में माना जाता है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

सेवानिवृत्ति लाभ यानी ग्रेच्युटी एवं अवकाश नकदीकरण हर साल समूह ग्रेच्युटी योजना के माध्यम से योगदान के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही एलआईसी (फंड मैनेजर के रूप में) के माध्यम से स्वतंत्र निधि का गठन करके अवकाश नकदीकरण योजना स्थापित की जाती है जो ग्रेच्युटी तथा सभी नियमित की अवकाश नकदीकरण की इन देनदारियों का प्रबंधन करती है। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जैसे नई पेंशन योजना में योगदान का हिसाब प्रोद्भवन के आधार पर किया जाता है।

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर
वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां
अनुसूची - 23 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां (क्रमश:...)

7. निवेश

लंबी अवधि के निवेश उनके बुक वैल्यू पर किए जाते हैं।

8. चिन्हित / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि:

इन निधियों को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए निर्धारित किया जाता है। इनमें से कुछ फंड डेप्रिसिएशन फंड, ग्रेच्युटी फंड, लीव एनकैशमेंट फंड, एमडीपी डेवलपमेंट फंड, एलुमनी फंड और स्टाफ डेवलपमेंट फंड हैं। इन निधियों के संचय को अलग और सुरक्षित रखने के लिए, संस्थान ने इन संचयों को बैंकों के पास सावधि जमा में रखा है। संबंधित निधि में शेष राशि को आगे बढ़ाया जाता है और तुलन पत्र के देयता पक्ष में दर्शाया जाता है जबकि संबंधित निधि के निवेश को तुलन-पत्र के परिसंपत्ति पक्ष में दिखाया जाता है।

9. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों का लेखांकन वसूली के आधार पर किया जाता है। हालांकि, जहां वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होती है और अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, ऐसे अनुदान का प्रोद्भवन के आधार पर लेखांकन किया जाता है और एक समान राशि को अनुदानकर्ता से वसूली योग्य के रूप में दर्शाया जाता है ।

पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग की गई सीमा तक, (प्रोद्भवन के आधार पर) सरकारी अनुदानों को पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है। अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदानों से भुगतान किए गए अग्रिमों सहित) को आगे बढ़ाया जाना है और तुलन पत्र में देयता के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। **इसके अलावा संस्थान को एमएचआरडी से चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोई योजना/राजस्व अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है।**

10. चिह्नित राशि का निवेश और ऐसे निवेशों पर अर्जित ब्याज आय

वर्ष के प्रावधान के रूप में वित्तीय वर्ष के अंत में जोड़े गए व्यय या राशि के लिए तत्काल आवश्यक सीमा तक, ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध राशि को बैंकों के साथ सावधि जमा में निवेश किया जाता है, शेष बचत बैंक खातों में छोड़ दिया जाता है (जहां लागू हो) . प्राप्त ब्याज, उपार्जित ब्याज और देय और ब्याज उपार्जित लेकिन ऐसे निवेशों पर देय नहीं है, संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है और संस्थान की आय के रूप में नहीं माना जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 जारी प्रायोजित परियोजनाओं (परामर्श, एमडीपी एवं शोध) के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को "वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान" समूह में क्रेडिट किया जाता है। जब कभी भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम का भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना खाते को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, तो देयता खाते को डेबिट किया जाता है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर उसी की प्राप्तियों और व्यय को उस वर्ष के आय एवं व्यय खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है जिसमें ये बंद होते हैं।

11.2 प्रायोजित छात्रवृत्ति के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि "छात्रवृत्ति अन्य प्राप्तियों" में जमा की जाती है और विद्यार्थियों को इसके भुगतान पर इसे "छात्रवृत्ति अन्य भुगतान खाते" में डेबिट कर दिया जाता है।

12. आय कर

संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23ग) के तहत आयकर से मुक्त है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 29.04.2022

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए मृणाल सजवान) एफए-सह- सीएओ	(सुधीर चंद्रा) सलाहकार वित्त	(प्रो. कुलभूषण बलूनी) निदेशक	(सीए. दीपांशु अग्रवाल) साझेदार एम. नं. : 410844

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईएम काशीपुर के वार्षिक वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - 24 : आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां

1. आकस्मिक देयताएं

31.03.2022 को संस्था के खिलाफ पूर्व/वर्तमान कर्मचारियों, छात्रों, किरायेदारों, ठेकेदारों और ठेकेदारों के साथ मध्यस्थता के मामले, फैसले के लिए लंबित थे। दावों की मात्रा निश्चित नहीं है।

2. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

नए कैंपस को विकसित करने के लिए पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों का मूल्य प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि इन्हें बिलों के माध्यम से निष्पादित कार्य की प्रस्तुति पर ही बुक किया जाएगा।

3. स्थिर परिसंपत्तियां

अनुसूची 4 में स्थिर परिसंपत्तियां में वर्ष में वृद्धि एमएचआरडी से शेष योजना निधि और वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिशेष से क्रय की जाती है। परिसंपत्तियों को भवन/सामान्य संपत्ति निधि में जमा करके स्थापित किया गया है।

4. पेटेंट:

संस्थान से संबंधित कोई पेटेंट नहीं है।

5. जमा देयताएं

बयाना राशि जमा एवं प्रतिभूति जमा के रूप में बकाया राशि को रु. 127.65 लाख की वर्तमान देनदारियों एवं प्रावधानों में दर्शाया गया है।

6. विदेशी मुद्रा में व्यय:

क. यात्रा — कोई नहीं
ख. रसायन आदि के आयात के लिए विदेशी ड्राफ्ट — कोई नहीं
ग. अन्य — रु. 3,65,69,525/-

7. चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं जमा

संस्थान की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों एवं जमाराशियों का मूल्य सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर होता है, जो कम से कम तुलन पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

8. जहां कहीं आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है।

9. अंतिम लेखा के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

10. अनुसूची 1 से 24 संलग्न हैं और 31 मार्च 2022 को तुलन पत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा हैं।

11. नई पेंशन योजना में योगदान (रु. 1,39,64,068/- रुपये) को एनपीएस खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

12. आईआईएम काशीपुर क्षमता और सामर्थ्य:

i) छात्रों की संख्या – 821
ii) शिक्षकों की संख्या – 40
iii) भवन निधि और उसके व्यय के लिए संग्रह – शून्य
iv) खेलकूद गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह – शून्य
v) सह-पाठयक्रम गतिविधियों और उसके व्यय के लिए संग्रह – शून्य
vi) विकास शुल्क और उस पर व्यय के कारण संग्रह – शून्य
vii) चिकित्सा व्यय और उस पर व्यय के लिए संग्रह – शून्य
viii) ईपीएफ और ईएसआई-एनपीएस जैसे वैधानिक बकायों का अनुपालन (सरकारी नियमों के अनुसार)
ix) शिक्षकों की वेतन संरचना - वेतन मैट्रिक्स संलग्न

स्थान: काशीपुर
दिनांक: 29.04.2022

कृते टी. नागर एंड कं.
सनदी लेखाकार

(सीए मृणाल सजवान)
एफए-सह- सीएओ

(सुधीर चंद्रा)
सलाहकार वित्त

(प्रो. कुलभूषण बलूनी)
निदेशक

(सीए. दीपांशु अग्रवाल)
साझेदार
एम. नं. : 410844

Annexure -I

15-4/2017-TC
Government of India
Ministry of Human Resource Development
Department of Higher Education
***

Pay Matrix Proposed for IITs/IISc/IIM/NITIE/IISER/NIT/IIIT – in 4-tier structure* (All figures are in Rupees)

Cadre Title	Asst. Prof. Grade II		Asst. Prof. Grade I		Associate Prof.	Professor		
6th PC Pay Band	PB3 15600-39100			PB4 37400-67000				67000-79000
Grade Pay – IIT etc.	**6000**	**7000**	**8000**	**9000****	**9500**	**10000**	**10500**	**HAG**
Index of Rationalisation	2.67	2.67	2.67	2.67	2.67	2.72	2.72	2.72
Entry Pay IIT etc.	21600	25790	38000	49200	52300	53000	58500	67000
Cell No. / Pay Level	**10**	**11**	**12**	**13A1**	**13A2**	**14**	**14A**	**15**
1	57700	68900	101500	131400	139600	144200	159100	182200
2	59400	71000	104500	135300	143800	148500	163900	187700
3	61200	73100	107600	139400	148100	153000	168800	193300
4	63000	75300	110800	143600	152500	157600	173900	199100
5	64900	77600	114100	147900	157100	162300	179100	205100
6	66800	79900	117500	152300	161800	167200	184500	211300
7	68800	82300	121000	156900	166700	172200	190000	217600
8	**70900**	84800	124600	161600	171700	177400	195700	224100
9	73000	87300	128300	166400	176900	182700	201600	
10	75200	89900	132100	171400	182200	188200	207600	
11	77500	92600	136100	176500	187700	193800	213800	
12	79800	95400	140200	181800	193300	199600	220200	
13	82200	98300	144400	187300	199100	205600		
14	84700	101200	148700	192900	205100	211800		
15	87200	104200	153200	198700	211300			
16	89800	107300	157800	204700				
17	92500	110500	162500					
18	95300	113800	167400					
19	98200	117200						

*As ISM, Dhanbad has become IIT, not shown separately; ** 9000 grade pay also has Asso. Prof (pre 4-tier), not shown separately.

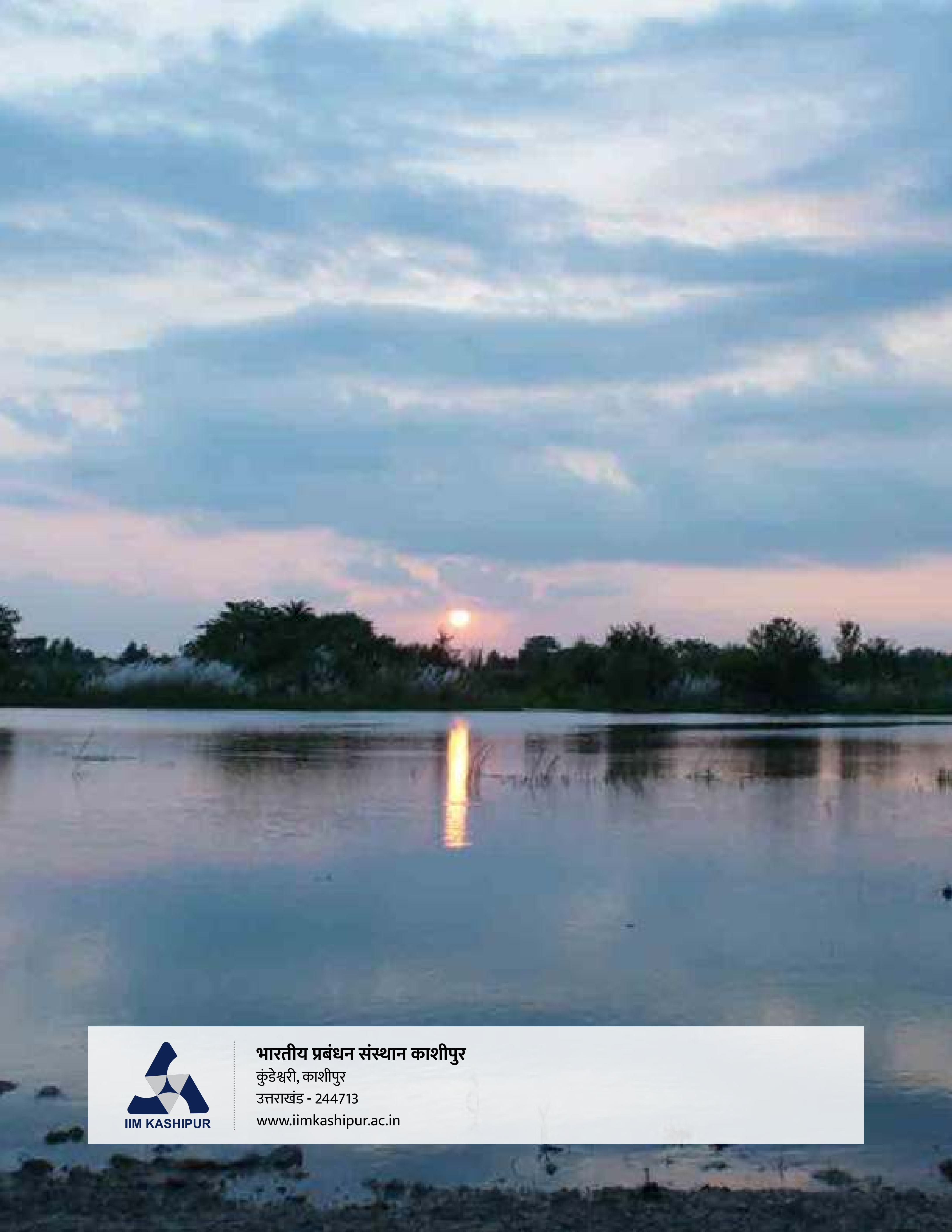

भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर
कुंडेश्वरी, काशीपुर
उत्तराखंड - 244713
www.iimkashipur.ac.in